



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 27, 1986/आश्विन 5, 1908  
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 27, 1986/ASVINA 5, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence).

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1986

सूचना

MINISTRY OF LAW, & JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 8th September, 1986

NOTICE

सा. 3270—नोटरीज, नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में  
प्रमाण प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मदन लाल अग्रवाल,  
एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम 4 के अधीन एक आवेदन  
इस बात के लिए दिया है कि उसे मिदनापुर व्यवसाय के लिए नोटरी  
के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार  
का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप  
में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(59)/86-न्या.]

भार. एन. पौदार, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 3270.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules,  
1956, that application has been made to the said Authority,  
under rule 4 of the said Rules, by Shri Madan Lal Agarwala  
Advocate for appointment as a Notary to practise in  
Midnapore.

2. Any objection to the appointment of the said person  
as a Notary may be submitted in writing to the undersigned  
within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(59)/86-Jud.]

R. N. PODDAR, Competent Authority

## गृह मंत्रालय

(आन्तरिक सुरक्षा विभाग)

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1986

का.आ.3271—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री रतन लाल, भवर सचिव, गृह मंत्रालय (पुनर्वास प्रभाग) को उक्त अधिनियम के द्वारा द्रव्यवा अन्तर्गत उप महा-अभिरक्षक को सौंपे गए कार्य करने के लिए निष्क्रान्त सम्पत्ति उप महा-अभिरक्षक नियुक्त करती है।

[सं. 1(11)/वि.सैल/86-एस.एस.-II(ग)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 28th August, 1986

S.O. 3271.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Govt. hereby appoint Shri Rattan Lal, Under Secretary, Ministry of Home Affairs (Rehabilitation Division) as Deputy Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing the functions assigned to such Deputy Custodian General by or under the said Act.

[No. 1(11)/Spl. Cell/86-SS.II (C)]

का.आ.3272—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास प्रभाग में भवर सचिव श्री रतन लाल को उक्त अधिनियम के अधीन द्रव्यवा उसके द्वारा बंदोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए बंदोबस्त आयुक्त नियुक्त करती है।

[संख्या-1 (11)/86-विशेष सैल/एस.एस.-2(क)]

S.O. 3272.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (No. 44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri Rattan Lal, Under Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division, as Settlement Commissioner, for the purpose of performing the functions assigned to a Settlement Commissioner by or under the said Act.

[No. 1(11)/Spl. Cell/86-SS.II (A)]

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1986

का.आ.3273—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयुक्त सर्वेक्षण व्यवस्था तथा भूमि राजस्व विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार के सचिव को तत्काल प्रभाव से उक्त अधिनियम के अन्तर्गत अभिरक्षक को सौंपे गए कार्य करने के लिए आन्ध्र प्रदेश राज्य के लिए निष्क्रान्त सम्पत्ति का अभिरक्षक नियुक्त करती है।

2. यह अधिसूचना पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय की दिनांक 23 जून, 1980 की अधिसूचना संख्या-1(10)/विशेष सैल/80-एस.एस.-2 (3) का अधिक्रमण करती है।

[संख्या-1 (10)/विशेष सैल/80-एस.एस.-II(क)]

New Delhi, the 28th September, 1986

S.O. 3273.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950) the Central Government hereby appoint Secretary to Commissioner, Survey Settlements and Land Records, Revenue Deptt., Government of Andhra Pradesh as the Custodian of Evacuee Property for the State of Andhra Pradesh for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act in respect of evacuee properties in that State with immediate effect.

2. This supersedes Ministry of Supply and Rehabilitation Notification No. 1 (10)/Spl. Cell/80-SS.II(iii) dated the 23rd June, 1980.

[No. 1(10)/Spl. Cell/80-SS.II(A)]

का.आ.3274—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयुक्त सर्वेक्षण व्यवस्था तथा भूमि रिकार्ड, राजस्व विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार को उक्त अधिनियम के द्वारा द्रव्यवा अन्तर्गत उप महा-अभिरक्षक को सौंपे गए कार्य करने के लिए निष्क्रान्त सम्पत्ति का उप महाअभिरक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या-1 (10)/वि.सैल/80-एस.एस.-II(ख)]

S.O. 3274.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoint Commissioner Survey Settlement and Land Records, Revenue Department, Government of Andhra Pradesh as Deputy Custodian General for the purpose of discharging the duties imposed on such Deputy Custodian General by or under the said Act.

[No. 1 (10)/Spl. Cell/80-SS. II(B)]

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1986

का.आ.3275—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास प्रभाग के अधीन (बंदोबस्त विंग) में बंदोबस्त अधिकारी श्री जे.बी. मुद्गल को उक्त अधिनियम के अधीन द्रव्यवा उसके द्वारा प्रबंध अधिकारी को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए उनके अपने कार्य भार के अतिरिक्त तत्काल प्रभाव से प्रबंध अधिकारी नियुक्त करती है।

[संख्या-1 (12)/86-विशेष सैल/एस.एस.-2(क)]

New Delhi, the 9th September, 1986

S.O. 3275.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section(I) of Section 3 of the Displaced Persons (C&R) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoint Shri J. B. Mudgal, Settlement Officer in the Settlement Wing under the Rehabilitation Division of Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security, as Managing Officer in addition to his own duties for the purpose of performing the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(12)/Spl. Cell/86-SS. II(A)]

का.आ. 3276—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास विभाग के बंदोबस्त विंग में अधीन बंदोबस्त अधिकारी श्री जे.बी. मुद्गल को उक्त अधिनियम के द्वारा द्रव्यवा अन्तर्गत दिल्ली में निष्क्रान्त सम्पत्ति के सहायक अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के प्रयोजन से उनके अपने कार्यभार के अतिरिक्त तत्काल प्रभाव से सहायक अभिरक्षक नियुक्त करती है।

[सं. -1 (12)/वि. सैल/86-एस.एस.-II(ख)]

मुहम्मद अक़लम, उप सचिव

S.O. 3276.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Govt. hereby appoint Shri J. B. Mudgal Settlement Officer in the Settlement Wing under the Rehabilitation Division of Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security, as the Assistant Custodian in respect of Evacuee Properties in Delhi in addition to his own duties for the purpose of performing the functions assigned to a Assistant Custodian by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(12)|Spl. Cell|86-SS. II(B)]

M. ASLAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1986

का.आ.3277—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुख्य बन्दोबस्त अधिकृत गृह मंत्रालय पुनर्वास प्रभाग में अवर सचिव श्री रतन लाल को, जो कि तारीख 28-8-1986 को मनसंश्रक अधिवृत्ता के तहत बन्दोबस्त अधिकृत नियुक्त किए गए हैं, इन उपस्थितियों के अंतर्गत अंतर्गत सुनने व समीक्षा के उद्देश्य के लिए उक्त अधिनियम की धारा 23 एवं 24 के अंतर्गत शक्तियाँ सौंपे हैं।

[सं.-1(11)/विशेष सैल /86-एस.एस.-II(ख)]

New Delhi, the 29th August, 1986

S.O. 3277.—In exercise of the powers conferred by sub-Section(2) of Section 34 of the Displaced persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Chief Settlement Commissioner hereby delegates to Shri Ratan Lal Under Secretary in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division who has been appointed as Settlement Commissioner vide Notification of even number dated the 28th August, 1986 the powers under Section 23 and 24 of the said Act for the purpose of hearing appeals and revisions under these Section.

[No. 1(11)|Spl.-Cell|86-SS. II(B)]

का.आ.3278:—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 45 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, जी.पी.एस. साहू, महा अभिरक्षक, एतद्वारा इस विभाग की अधिवृत्ता संख्या-1(2)/विशेष सैल/86-एस.एस.-2(ग) दिनांक 28-8-1986 द्वारा निष्क्रान्त सम्पत्ति के उक्त महा अभिरक्षक के रूप में नियुक्त श्री रतन लाल, अवर सचिव, गृह मंत्रालय (पुनर्वास प्रभाग) में निम्नलिखित शक्तियाँ प्रत्यायोजित करता हूँ:—

- (1) उक्त अधिनियम की धारा 24 एवं 27 के अंतर्गत शक्तियाँ।
- (2) अधिनियम की धारा 10 (2)(0) के अंतर्गत किसी निष्क्रान्त सम्पत्ति के हस्तांतरण के अनुमोदन की शक्ति।
- (3) निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम (केन्द्रीय नियम 1950 के नियम 30-ए के अंतर्गत मामलों के हस्तांतरण की शक्तियाँ।

[संख्या-1 (11)/विशेष सैल/86-एस.एस.-II(घ)]

S.O. 3278.—In exercise of the powers conferred on the as Custodian General by Sub-Section (3) of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I. G. P. S. Sahi, hereby delegate to Shri Ratan Lal, Under Secretary, Ministry of Home Affairs (Rehabilitation Division) appointed as Deputy Custodian General of Evacuee Property vide this Department's Notification No. 1 (11)|Spl. Cell|86-SS.II(C) dated 28th August, 1986, the following powers of the Custodian General:

- (i) Powers under Section 24 and 27 of the Act.
- (ii) Powers of approval of transfer of any of evacuee property under section 10(2)(O) of the Act.
- (iii) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Admn. of Evacuee Property (Central) Rules, 1950.

[No. 1|11|Spl. Cell|86-SS. II(D)]

नई दिल्ली 3 सितम्बर, 1986

का.आ.3279:—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) की धारा 55 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, जी.पी.एस. साहू, महा अभिरक्षक, एतद्वारा इस विभाग की अधिवृत्ता संख्या (1) (10)/विशेष सैल/80-एस.एस.-2 (ख) दिनांक 2-9-1986 द्वारा राज्य प्रदेश राज्य के लिए निष्क्रान्त सम्पत्ति के उक्त महा अभिरक्षक के रूप में नियुक्त अधिवृत्त सर्वोच्च व्यवस्था एवं भूमि रिकार्ड, राजस्व विभाग आन्ध्र प्रदेश सरकार में निम्नलिखित शक्तियाँ प्रत्यायोजित करता हूँ।

- (1) उक्त अधिनियम की धारा 24 के अंतर्गत सुनने की शक्तियाँ।
- (2) उक्त अधिनियम की धारा 27 के अंतर्गत परीक्षण की शक्तियाँ।
- (3) अधिनियम की धारा 10 (2) (0) के अंतर्गत किसी निष्क्रान्त सम्पत्ति के हस्तांतरण के अनुमोदन की शक्तियाँ।
- (4) निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम (केन्द्रीय) नियम 1950 के नियम 30-ए के अंतर्गत मामलों के हस्तांतरण की शक्तियाँ।

[संख्या-1 (10)/विशेष सैल/80-एस.एस.-II (ग)]

जी.पी. एस. साहू, महा अभिरक्षक

New Delhi, the 3rd September, 1986

S.O. 3279.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by sub-Section (3) of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I. G. P. S. Sahi, Custodian General do hereby delegate to Commissioner, Survey Settlements and Land Records, Revenue Department, Government of Andhra Pradesh, appointed as Deputy Custodian General of Evacuee Property for the State of Andhra Pradesh vide this Department's Notification No. 1 (10)|Spl. Cell|80-SS. II(B), dated 2nd Sept. 1986 the following powers of the Custodian General:

- (i) Powers under Section 24 of the said Act to hear appeals; and
- (ii) Powers of revision under Section 27 of the said Act;
- (iii) Powers of approval of transfer of any evacuee property under Section 10(2)(O) of the Act;
- (iv) Power of transfer of cases under Rule 30-A of Administration of Evacuee Property Act (Central) Rules, 1950.

[No. 1(10)|Spl. Cell|80-SS. II(C)]

G. P. S. SAHI, Custodian General.

**कार्मिक लोक निकाय तथा पेंशन संशोधन**

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1986

का.प्र. 3280:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में कार्यरत व्यक्तियों को बाबत भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से, परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) दूसरा संशोधन नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 में नियम 15 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“15 निजी व्यापार या नियोजन—

(1) उप-नियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए कोई सरकारी सेवक सरकार की पूर्वतन मंजूरी के बिना,—

(क) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई व्यापार या कारोबार नहीं करेगा, या

(ख) किसी अन्य नियोजन के लिए बातचीत नहीं करेगा, न बचन देगा; या,

(ग) कोई निर्वाचन सापेक्ष पद धारण नहीं करेगा, न ही किसी निकाय में, चाहे निर्गमित हो या नहीं किसी निर्वाचन-सापेक्ष पद के लिए किसी अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों के लिए संयाचना करेगा, या

(घ) अपने कुचुम्ब के किसी सदस्य के स्वामित्वाधीन या प्रदत्ताधीन बीमा अभिकरण, कमीशन अभिकरण आदि के किसी कारोबार के समर्थन में संयाचना नहीं करेगा, या

(ङ) अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन के सिवाय वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत या रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए अर्पणित किसी बैंक या अन्य कम्पनी के या किसी सहकारी सोसाइटी या रजिस्ट्रिकरण, संप्रवर्तन या प्रबन्ध में भाग नहीं लेगा।

(2) सरकार की पूर्वतन मंजूरी के बिना कोई सरकारी सेवक,—

(क) किसी सामाजिक या पूर्ण हिस्से के अवैतनिक कार्य में लग सकेगा, या

(ख) किसी साहित्यिक, कलात्मक या वैज्ञानिक प्रकृति के यदा कदा किए जाने वाले कार्य का भार ले सकेगा, या

(ग) एक पौकीन के रूप में खेल सम्बन्धी क्रिया कलाओं में भाग ले सकेगा; या

(घ) सोसाइटी रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी साहित्यिक वैज्ञानिक या पूर्ण सोसाइटी या क्लब या समूह संगठन के, जिसके उद्देश्य एवं लक्ष्य खेलों सांस्कृतिक या आनंद प्रमोद संबंधी क्रिया कलाओं से हैं, रजिस्ट्रिकरण संप्रवर्तन या प्रबन्ध (जिसमें किसी निर्वाचन-सापेक्ष पद का धारण करना अन्तर्भूत नहीं है) में भाग ले सकेगा, या

(ङ) सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1912 (1912 का 2) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी सहकारी सोसाइटी के, जो सार्वभूम रूप से सरकारी सेवकों के फायदे के निमित्त बनी हो, रजिस्ट्रिकरण, संप्रवर्तन और प्रबन्ध में (जिसमें निर्वाचन-सापेक्ष पदधारण करना अन्तर्भूत नहीं है) भाग ले सकेगा :

परन्तु यह कि:—

(i) यदि सरकार द्वारा ऐसा निर्देश दिया जाए तो वह ऐसे क्रिया कलाओं में भाग लेना छोड़ देगा; और

(ii) इस उप-नियम के खण्ड (घ) या खण्ड (ङ) के अधीन आने वाले मामले की वशा में उसके क्रिया कलाओं से उसके पदीय कर्तव्य बाधित नहीं होंगे तथा ऐसे क्रियाकलापों में भाग लेने के एक मास की अवधि के भीतर अपने भाग लेने की प्रकृति के सम्बन्ध में विवरण देते हुए सरकार को रिपोर्ट करेगा।

(3) प्रत्येक सरकारी सेवक यदि उसके कुचुम्ब का कोई सदस्य किसी व्यवसाय या कारोबार में लगा हुआ है, किसी बीमा अभिकरण या कमीशन अभिकरण का स्वामी है, या प्रबन्ध करता है तो सरकार को रिपोर्ट करेगा।

(4) जब तक सरकार के साधारण या विशेष आदेश द्वारा अन्यथा उपबन्ध न किया हो कोई सरकारी सेवक, विहित प्राधिकारी की मंजूरी के बिना, किसी प्राइवेट या लोक निकाय या किसी प्राइवेट व्यक्ति के लिए, उसके द्वारा किए गए कार्य के लिए कोई फीस स्वीकार नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण: यहाँ प्रयुक्त “फीस” शब्द का वही अर्थ होगा जो मूल नियम 9(क) में समनुदिष्ट है।

[सं.—11013/16/85-स्थापना (क)]

ए. अयरासन, निदेशक

**MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS**

(Department of Personnel &amp; Training)

New Delhi, the 10th September, 1986

S.O. 3280.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in so far as persons serving in the Indian Audit and Accounts Department are concerned, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Conduct) Second Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, for rule 15, the following rule shall be substituted, namely:—

‘15. Private trade of employment:—

(1) Subject to the provisions of sub-rule (2), no Government servant shall, except with the provisions sanction of the Government:—

(a) engage directly or indirectly in any trade or business, or

(b) negotiate for, or undertake, any other employment, or

(c) hold an elective office, or canvass for a candidate or candidates for an elective office, in any body, whether incorporated or not, or

(d) canvass in support of any business of insurance agency, commission agency etc. owned or managed any member of his family, or

(e) Take part except in the discharge of his official duties, in the registration, promotion or management of any bank or other company registered, or required to be registered, under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or any other law for the time being in force, or of any co-operative society for Commercial purpose.

(a) undertake honorary work of a social or charitable sanction of the Government:—

(a) undertake honorary work of a social or charitable nature, or



- (b) undertake occasional work of a literary, artistic or scientific character, or
- (c) participate in sports activities as an amateur, or
- (d) take part in the registration, promotion or management (not involving the holding an elective office) of a literary, scientific or charitable society or of a club or similar organisation, the aims or objects of which relate to promotion of sports, cultural or recreation activities, registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), or any other law for the time being in force, or
- (e) take part in the registration, promotion or management (not involving the holding of elective office) of a co-operative society substantially for the benefit of Government servants, registered under the Co-operative Societies Act, 1912 (2 of 1912) or any other law for the time being in force:

Provided that :—

- (i) he shall discontinue taking part in such activities, if so directed by the Government; and
- (ii) in a case falling under clause (d) or clause (e) of this sub-rule, his official duties shall not suffer thereby and he shall, within a period of one month of his taking part in such activity, report to the Government giving details of the nature of his participation.

(3) Every Government servant shall report to the Government if any member of his family is engaged in a trade or business or owns or manages an insurance agency or commission agency.

(4) Unless otherwise provided by general or special orders of the Government, no Government servant may accept any fee for any work done by him for any private or public body or any private person without the sanction of the prescribed authority.

Explanation.—The term 'fee' used here shall have the meaning assigned to it in Fundamental Rule 9(6-A).

[No. 11013/16/85-Estt. (A)]  
A. JAYARAMAN, Director

### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1986

आदेश

स्टाम्प

का.आ. 3281 :—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) के वित्तिक 12 मार्च, 1986 के का. आ. 1462 में निहित सरकार के आदेशों के प्रतिफलन में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो करल इलेक्ट्रिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा जारी किए जाने वाले केबल विहतर करोड़ छिपाती लाख औरानवें हजार रुपये के मूल्य के "1985-86 की नई योजना के अध्याधीन 14% आर.ई. सी. बंधपत्र" के स्वरूप के अध्यापत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं. 34/86-स्टाम्प-फा.सं. 33/12/86-वि.क.]

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

New Delhi, the 10th September, 1986

ORDER

STAMPS

S.O. 3281.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), and in supersession of the order of

the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. S.O. 1462, dated the 12th March, 1986, the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures "14% REC Bonds under new scheme during 1985-86" of the value of Seventy three crores, eighty-six lakhs and ninety four thousand rupees only to be issued by the Rural Electrification Corporation Limited, New Delhi, are chargeable under the said Act.

[No. 34/86-Stamp-F. No. 33/12/86-ST]

आदेश

स्टाम्प

का.आ. 3282 :—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा बि महाराष्ट्र स्टेट फाइनेन्सियल कारपोरेशन, बम्बई को मात्र तीन लाख बीस हजार छः सौ पच्चीस रुपये के उस सम्पेक्षित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले चार करोड़ तैतालीस लाख और पचास हजार रुपये के अंकित मूल्य के अध्यापत्रों के रूप में क्रम संख्या 1 से 149 वाले 9.75% एम.एस.एफ.सी. बंधपत्र 1999 (3 शृंखला) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 35/86-स्टाम्प-फा.सं. 33/53/86-वि.क.]

ORDER

STAMPS

S.O. 3282.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Maharashtra State Financial Corporation, Bombay, to pay consolidated stamp duty of three lakhs, thirty two thousand, six hundred twenty five rupees only, chargeable on account of the stamp duty on 9.75% M.S.F.C. Bonds 1999 (III Series) bearing serial numbers 1 to 149 in the form of debentures of the face value of rupees Four Crores, forty three lakhs and fifty thousand to be issued by the said Corporation.

[No. 35/86-Stamp-F. No. 33/53/86-ST]

आदेश

स्टाम्प

का.आ. 3283 :—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम, बम्बई को मात्र चार लाख, तिरपन हजार, सात सौ पचास रुपये के उस सम्पेक्षित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले केबल छः सौ पाँच लाख रुपये के अंकित मूल्य के अध्यापत्रों के रूप में क्रम संख्या 1 से 347 तक वाले 9.75% महा. रा. वि. निगम बंध पत्र 1998 (3 शृंखला) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 36/86-स्टाम्प-फा.सं. 33/52/86-वि.क.]

ORDER

STAMPS

S.O. 3283.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Maharashtra State Financial Corporation, Bombay to pay consolidated stamp duty of Four lakhs, fifty three thousand, seven hundred and fifty rupees only, chargeable on account of the stamp duty on 9.75% M.S.F.C. Bonds 1998 (III series) bearing serial numbers 1 to 347 in the form of debentures of the face value of Six hundred, five lakh, rupees to be issued by the said Corporation.

[No. 36/86-Stamp-F. No. 33/52/86-ST]

## घावेन

## स्टाम्प

का.मा. 3284:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा बि इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन प्राफ इंडिया लिमिटेड, बम्बई को मात्र एक लाख, सत्तासी हजार, पांच सौ रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की प्रदायगी करने की अनुमति प्रदान करती है, जो उक्त कारपोरेशन द्वारा जारी किए जाने वाले प्रत्येक 300 रुपये के दो सौ पचास लाख रुपये के अंकित मूल्य की क्रम संख्या 234055 से 317387 तक के ऋणपत्रों के स्वरूप के 13.5% प्रारक्षित सम्पत्ति-वर्तनीय ऋणपत्र पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[संख्या 37/86-स्टाम्प-फा.सं. 33/49/86-बि.क.]

## ORDER

## STAMPS

S.O. 3284.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Investment Corporation of India Limited, Bombay, to pay consolidated stamp duty of one lakh, eighty seven thousand and five hundred rupees only, chargeable on account of the stamp duty on 13.5% secured convertible bonds of Rs. 300 each bearing serial No. 234055 to 317387 in the form of debentures of the face value of Two hundred and fifty lakhs rupees to be issued by the said Corporation.

[No. 37/86-Stamp-F. No. 33/49/86-ST]

## घावेन

## स्टाम्प

का.मा. 3285:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा बि इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन प्राफ इंडिया लिमिटेड, बम्बई को मात्र सत्तासी हजार, पांच सौ रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की प्रदायगी करने की अनुमति देती है, जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले केवल पचास लाख रुपये के अंकित मूल्य के क्रम संख्या 1 से 50,000 तक के 12% असम्पत्ति-परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[सं. 38/86-स्टाम्प-फा.सं. 33/48/86-बि.क.]

बि.आर. मेह्मी, अवर सचिव

## ORDER

## STAMPS

S.O. 3285.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Investment Corporation of India Limited, Bombay to pay consolidated stamp duty of thirty seven thousand and five hundred rupees only, chargeable on account of the stamp duty on 12% non-convertible debentures, bearing serial numbers 1 to 5,000 of the face value of fifty lakhs rupees only, to be issued by the said Corporation.

[No. 38/86-Stamp-F. No. 33/48/86-ST]

B. R. MEHMI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा खंड)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1986

बीमा

का.मा. 3286:—केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 13 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, यह निर्वाचित करती है कि वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारियों में से प्रत्येक को 1 अप्रैल, 1985 को आरंभ होने वाली और 31 मार्च, 1986 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए बोनस के बचने में संशय, उक्त उपनियम में अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, उसके सलम के 15 प्रतिशत का दर पर किया जाएगा।

[फा.सं. 2(43)/सं.सं-3/86]]

एन.आर. भाटिया, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

New Delhi, the 17th September, 1986.

## INSURANCE

S.O. 3286.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 13 of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, the Central Government hereby determine that, subject to the other provisions of the said sub-rule, the payment in lieu of bonus for the period commencing on the 1st day of April, 1985 and ending with the 31st day of March, 1986 to every Class III and Class IV employees shall be at the rate of 15 per cent of his salary.

[F. No. 2(43)Ins. III/85]

S. R. BHATIA, Under Secy.

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1986

का.मा. 3288—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के उपबन्ध भारत में व्यापार करने के लिए फ्रांस के बैंक "सोशिएटि जेनेरल" पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/2/86-बी.ओ.—III]

(Banking Division)

New Delhi, the 3rd September, 1986

S.O. 3287.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provision of sub-section (1) of section 7 of the said Act shall not apply to "Societe Generale", a French-based bank for carrying on banking business in India.

[No. 15/2/86-B.O. III]

का.मा. 3288—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (1) और (2) के उपबन्ध बैंक प्राफ सिकुर लिमिटेड, मद्रास पर 17 जुलाई, 1986 से 16 अक्टूबर, 1986 तक, तीन महीनों की अवधि के लिए या उस बैंक में नियमित पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/5/86-बी.ओ.—II(1)]

S.O. 3288.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions

of sub-sections (1) and (2) of section 10-B of the said Act, shall not apply to the Bank of Madura Ltd., Madurai for a period of three months from 17th July, 1986 to 16th October, 1986 or till the appointment of a regular whole-time Chairman for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/5/86-B. O. III(1)]

का.आ. 3289—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 ख की उपधारा (9) के उपबन्ध, उस सीमा तक, जहाँ तक कि बैंक को अध्यक्ष का कार्य करने के लिए चार महीने से अधिक की अवधि के लिए किसी व्यक्ति को नियुक्त करने से छूट प्राप्त है, 16 अक्टूबर 1986 तक बैंक आफ मद्रास लिमिटेड, मद्रास पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/5/86-बी.ओ. III(2)]

S.O. 3289.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (9) of Section 10-B of the said Act, shall not, to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of a Chairman beyond a period exceeding four months, apply to the Bank of Madura Ltd., Madurai upto 16th October, 1986.

[No. 15/5/86-B.O. III (2)]

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1986

का. आ. 2290—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध घंटाघर चांदनी चौक के किनारे और नई सड़क, दिल्ली-6 पर स्थित नगरपालिका संख्या 5483 से 5494/1 तक, 3-1/2 मंजिला इमारत की भूचल संपत्ति के संबंध में 9 जुलाई, 1988 तक पंजाब को-प्रावरेटिव बैंक लि. पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/6/86-बी.ओ.-III]

एम. एस. सी.तारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1986

S.O. 3290.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to Punjab Co Op. Bank Ltd. till 9th July 1988 in respect of the immovable property consisting of a 3-1/2 storeyed building bearing Municipal No. 5483 to 5494/1 and situated at the Corner of Ghantaghar Chandni Chowk and Nai Sarak, Delhi-6.

[No. 15/6/86-B.O.III]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

शुद्धिपत्र

का.आ. 3291.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 15-3-86 के पृष्ठ 1123 पर प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1082, तारीख 21-2-1986 के हिन्दी पाठ की मरी संश्लिष्ट में, "उक्त फर्म के सम्पत्ति और परिसम्पत्ति पक्ष की मद 4 के उपशीर्ष (i),

(ii), (iii), (iv) और (v)" के स्थान पर "उक्त फर्म के सम्पत्ति और प्राप्त पक्ष की मद 4 के उपशीर्ष (ii), (iii), (iv) और (v)" पढ़ें।

[संख्या 15/1/86-बी.ओ.-III]

एम.एस. सी.तारामन, अवर सचिव

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1986

का. आ. 3292.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ना. बालासुब्रह्मण्यन, निदेशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) नई दिल्ली को 9 सितम्बर, 1986 से इंडियन बैंक के निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 9/7/86-बी. ओ.-1]

New Delhi, the 4th September, 1986

S.O. 3292.—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby re-appoints with effect from 9-9-1986 Shri N. Balasubramanian, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division) New Delhi, as a Director of Indian Bank.

[No. F. 9/7/86-BO. I]

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1986

का.आ. 3293.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उपखण्ड (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे की सारणी के कालम (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को उनमें से प्रत्येक के सामने उसी सारणी के कालम (3) में उल्लिखित व्यक्तियों के स्थान पर सारणी के कालम (1) में दिए गए राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है :—

| सारणी             |  |                   |
|-------------------|--|-------------------|
| 1                 | 2  | 3                 |
| 1. यूको बैंक      | श्री म. नो. बुध संयुक्त सचिव वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) नयी दिल्ली   | श्री ए. के. भगवान |
| 2. बैंक आफ बड़ौदा | श्री मल्लेश्वर झा संयुक्त सचिव वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) नयी दिल्ली | श्री ए. के. भगवान |

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1986

|                 |   |                           |
|-----------------|---|---------------------------|
| 3. देना बैंक    | श्री मन्तेश्वर झा<br>संयुक्त सचिव<br>वित्त, मंत्रालय<br>आर्थिक कार्य विभाग<br>(बैंक प्रभाग)<br>नयी दिल्ली     | श्री च. वा.<br>मीरचन्दानी |
| 4. सिटिकेन बैंक | श्री च. वा.<br>मीरचन्दानी<br>निदेशक<br>वित्त मंत्रालय<br>आर्थिक कार्य विभाग<br>(बैंकिंग प्रभाग)<br>नयी दिल्ली | श्री मन्तेश्वर झा         |

[सं. एफ. 9/7/86-बी. प्रो. -I]

एस. एस. हसूरकर, निदेशक

New Delhi, the 9th September, 1985

S.O. 3293 :—In pursuance of sub-clause (b) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in the corresponding entry in column (3) of the Table:

TABLE

| 1                 | 2   | 3                         |
|-------------------|---|---------------------------|
| 1. UCO Bank       | Shri M.N. Buch,<br>Joint Secretary,<br>Ministry of Finance,<br>Department of Economic Affairs,<br>(Banking Division)<br>New Delhi.        | Shri A. K.<br>Agarwal     |
| 2. Bank of Baroda | Shri Mantreshwar Jha,<br>Joint Secretary,<br>Ministry of Finance,<br>Department of Economic Affairs,<br>(Banking Division),<br>New Delhi. | Shri A.K. Agarwal         |
| 3. Dena Bank      | Shri Mantreshwar Jha,<br>Joint Secretary,<br>Ministry of Finance,<br>Department of Economic Affairs,<br>(Banking Division),<br>New Delhi. | Shri C. W.<br>Mirchandani |
| 4. Syndicate Bank | Shri C. W.<br>Mirchandani,<br>Director,<br>Ministry of Finance,<br>Department of Economic Affairs,<br>(Banking Division)<br>New Delhi.    | Shri Mantreshwar Jha      |

[No. F. 9/7/86-BO.]

S. S. HASURKAR, Director

का. आ. 3294.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंध इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 31 मार्च, 1988 तक हजारीबाग सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, हजारीबाग पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. संख्या 8-3/86/ए. सी.]

New Delhi, the 8th September, 1986

S.O. 3294.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Hazaribagh Central Co-operative Bank Ltd., Hazaribagh, Bihar from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31 March, 1988.

[F. No. 8-3/86-AC]

का. आ. 3295.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंध इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 सितम्बर, 1987 तक श्रीगंगानगर ग्राम को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, श्रीगंगानगर पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या एफ. 8-3/86-ए.सी.]

के. पी. पान्डियन, भवर सचिव

S.O. 3295.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-Section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to Sriganaganagar Urban Co-operative Bank Ltd., Sriganaganagar for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 30 September 1987.

[F. No. 8-3/86-AC]

K. P. PANDIAN, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा सीमाशुल्क समाह्वारण, मध्य प्रदेश

इन्दौर, 9 अगस्त, 1986

अधिसूचना संख्या 9/86

का. आ. 3296.—श्री पी. जी. पटवारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह "ब", निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर शासकीय सेवा से दिनांक 31-7-1986 को अपराह्न में सेवानिवृत्त हुए।

[का. सं. II(3) 2-गोप/86]

एस. श्री. रामकृष्णन, समाह्वार

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE,  
MADHYA PRADESH

Indore, the 9th August, 1986

NOTIFICATION NO. 9/86

S.O. 3296.—Shri P. G. Patwari, Superintendent, Central Excise Group 'B' having attained the age of superannuation retired from Government Service on 31-7-86 (AN).

[C. No. II(3)2-Con/86]

S. V. RAMAKRISHNAN, Collector

## विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 5, सितम्बर, 1986

का.भा. 3297—राजनयिक और कौंसलीय आफिसर (शापथ और फीस) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वाँ) की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा भारत का हाई कमिशन, लुसाका में वैयक्तिक सहायक श्री पी.एन.एस.कुरुप को 7-8-86 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी.सं. 4330/1/86]

प्रार. दयाकर, उप सचिव (कौंसुली)

## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 5th September, 1986

S.O. 3297.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri P.N.S. Kurup, Personal Assistant in the High Commission of India, Lusaka to perform the duties of Consular Agent with effect from 7-8-86.

[No. T. 4330/1/86]

R. DAYAKAR, Dy. Secy. (Consular)

(हज सेल)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1986

का.भा. 3298—हज समिति अधिनियम, 1959 (1959 की संख्या 51) की धारा 6 की उपधारा (1), (4) और (5) के अनुसरण में, हज समिति, बम्बई की 14 जून, 1986 की बैठक में हुए चुनाव में श्री मोहम्मद अमीन खण्डवानी को अध्यक्ष के रूप में और सर्वेधी काजी जलील अम्बासी, संसद सदस्य और सैयद मोहम्मद हादी का उपाध्यक्ष के रूप में चुनाव को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है।

[सं.एम (हज) 118-1/8/85]

प्रार. के. राय, संयुक्त सचिव ;  
अफ्रीका/हज

(Haj Cell)

New Delhi, the 11th September, 1986

S.O. 3298.—In pursuance of sub-section (1), (4) and (5) of Section 6 of the Haj Committee Act, 1959 (No. 51 of 1959), the election of Shri Mohd. Ameen Khandwani as Chairman and Shri Kazi Jalil Abbasi, M.P. and Sayeed Mohammed Hadi as Vice-Chairmen of the Haj Committee, Bombay at its meeting held on 14th June, 1986 is hereby notified.

[No. M(Haj) 118-1/8/85]

R.K. RAI Jr. Secy. (Africa/Haj)

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1986

का. भा. 3299:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एम.एस.सी.एच. से एस.एन.सी.एच. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन लेन तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग) के अधिकार का अर्जन (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उनमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपनी आशय एतद्वारा घोषित किया है।

779 GI/86-2

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सहम प्रधिकारी, लेन तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

एस.एन. सी. एच. से एस.एच. सी. एन तक पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य : गुजरात

जिला और

तालुका मेहसाना

| गांव  | सं. नं. | हेक्टेयर एमार्ड सीटीसर |
|-------|---------|------------------------|
| संभाल | 305/1   | 0 00 84                |
|       | 305/2   | 0 02 52                |
|       | 306     | 0 08 28                |
|       | 316/2   | 0 09 24                |
|       | 315     | 0 01 92                |
|       | 326     | 0 06 64                |
|       | 313     | 0 03 96                |
|       | 330     | 0 01- 44               |
|       | 329     | 0 03 84                |
| काटेई |         | 0 03 96                |
|       | 341     | 0 11 16                |
|       | 333     | 0 06 84                |
|       | 339     | 0 06 96                |
|       | 334/2   | 0 01 68                |
|       | 335/1   | 0 05 64                |
|       | 335/2   | 0 05 28                |
|       | 336     | 0 05 40                |

[सं. O-12016/144/86-ओ.एन.जी.सी-4]

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 4th September, 1986

S.O. 3299.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNCH to SNCL in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user herein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from SNCH to SNCL

State : Gujarat District &amp; Taluka : Mehsana

| Village | Survey No. | Hec-tare | Are | Centiare |
|---------|------------|----------|-----|----------|
| Santhal | 305/1      | 0        | 00  | 84       |
|         | 305/2      | 0        | 02  | 52       |
|         | 306        | 0        | 08  | 28       |
|         | 316/2      | 0        | 09  | 24       |
|         | 315        | 0        | 01  | 92       |
|         | 326        | 0        | 06  | 64       |
|         | 313        | 0        | 03  | 96       |
|         | 330        | 0        | 01  | 44       |
|         | 329        | 0        | 03  | 84       |
|         | Cart track | 0        | 00  | 96       |
|         | 341        | 0        | 11  | 16       |
|         | 333        | 0        | 06  | 84       |
|         | 339        | 0        | 06  | 96       |
|         | 334/2      | 0        | 01  | 68       |
|         | 335/1      | 0        | 05  | 64       |
|         | 335/2      | 0        | 05  | 28       |
|         | 336        | 0        | 05  | 40       |

[No. O-12016/144/86-ONG-D-4]

का. मा. 3300:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में उत्तर संथाल से दक्षिण संथाल तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन लेन तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एक्टपाबल अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, लेन तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

उत्तर संथाल से दक्षिण संथाल सी.टी.एफ. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : ब. तालुका मेहसना

| गाँव       | सर्वे नं. | ब्लॉक नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
|------------|-----------|-----------|----------|----|----------|
| संथाल      | 441       | 483       | 0        | 00 | 35       |
|            | 412/1     | 486       | 0        | 14 | 65       |
|            | 414       | 488       | 0        | 04 | 95       |
|            | 415       | 488       | 0        | 10 | 50       |
|            | 416       | 488       | 0        | 14 | 25       |
|            | 405       | 488       | 0        | 12 | 60       |
| Cart track | 403       | 479       | 0        | 11 | 70       |
|            | 355       | 418       | 0        | 00 | 30       |
|            | 360       | 428       | 0        | 05 | 25       |
|            | 361       | 429       | 0        | 06 | 30       |
|            | 362       | 430       | 0        | 11 | 55       |
|            | 363       | 431       | 0        | 02 | 00       |
|            | 368       | 444       | 0        | 13 | 50       |
|            | 371/2     | 442       | 0        | 00 | 30       |
|            | 372       | 438       | 0        | 07 | 00       |
|            | 373       | 439       | 0        | 10 | 05       |
|            | 375       | 441       | 0        | 17 | 25       |

|           |           |   |    |    |
|-----------|-----------|---|----|----|
| 405       | 488       | 0 | 12 | 60 |
| 403       | 479       | 0 | 11 | 70 |
| काट ट्रैक | काट ट्रैक | 0 | 01 | 45 |
| 355       | 418       | 0 | 00 | 30 |
| 360       | 428       | 0 | 05 | 25 |
| 361       | 429       | 0 | 06 | 30 |
| 362       | 430       | 0 | 11 | 55 |
| 363       | 431       | 0 | 02 | 00 |
| 368       | 444       | 0 | 13 | 50 |
| 371/2     | 442       | 0 | 00 | 30 |
| 372       | 438       | 0 | 07 | 00 |
| 373       | 439       | 0 | 10 | 05 |
| 375       | 441       | 0 | 17 | 25 |

[सं. O-12016/145/86-ओ. एन. जी. सी.-4]

S.O. 3300.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal to South Santhal CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in that land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from North Santhal to South Santhal CTF.  
State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

| Village    | Survey No. | Block No.  | Hec-tare | Are | Centiare |
|------------|------------|------------|----------|-----|----------|
| Santhal    | 411        | 483        | 0        | 00  | 35       |
|            | 412/1      | 486        | 0        | 14  | 65       |
|            | 414        | 488        | 0        | 04  | 95       |
|            | 415        | 488        | 0        | 10  | 50       |
|            | 416        | 488        | 0        | 14  | 25       |
|            | 405        | 488        | 0        | 12  | 60       |
|            | 403        | 479        | 0        | 11  | 70       |
|            | Cart track | Cart track | 0        | 01  | 45       |
|            | 355        | 418        | 0        | 00  | 30       |
|            | 360        | 428        | 0        | 05  | 25       |
| Cart track | 361        | 429        | 0        | 06  | 30       |
|            | 362        | 430        | 0        | 11  | 55       |
|            | 363        | 431        | 0        | 02  | 00       |
|            | 368        | 444        | 0        | 13  | 50       |
|            | 371/2      | 442        | 0        | 00  | 30       |
|            | 372        | 438        | 0        | 07  | 00       |
|            | 373        | 439        | 0        | 10  | 05       |
|            | 375        | 441        | 0        | 17  | 25       |

[No. O-12016/145/86-ONG-D-4]

का. प्रा. 3301:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय अधिसूचना का. प्रा. सं. 2290 तारीख 28-5-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने का पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

एस.बी.डी.जी. से सी.टी.एफ. पुनासन

| राज्य : गुजरात | जिला व तालुका : मेहसाणा |          |        |          |
|----------------|-------------------------|----------|--------|----------|
| गांव           | ब्लॉक नं.               | हेक्टेयर | ए.घारई | सेन्टीघर |
| पुनासन         | 169                     | 0        | 14     | 16       |
|                | 172                     | 0        | 05     | 52       |
|                | 173                     | 0        | 08     | 28       |

[सं. O-12016/84/86/प्रो. एन. जी. -डी-4]

S.O. 3301.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 2290 dated 28-5-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline From SBDG to CTF Punasan

State : Gujarat

District &amp; Taluka : Mehsana

| Village | Block No. | Hec-tare | Are | Centiare |
|---------|-----------|----------|-----|----------|
| Punasan | 169       | 0        | 14  | 16       |
|         | 172       | 0        | 05  | 52       |
|         | 173       | 0        | 08  | 28       |

[No. O-12016/84/86-ONG-D-4]

## अनुसूची

का. प्रा. 3202 : भारत सरकार के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 19 मार्च 1983 पृष्ठ क्रमांक 1540, 1541, 1542 का. प्रा. संख्या क्रमांक 12016/30/82 प्रोट के अंतर्गत सरकार, ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या 1577 दिनांक 19 मार्च 1983 के अंतर्गत पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन वर्णित, गांव 1. रिस 2. लोधीवली 3. मण्डा 4. सारंग 5. असरोटी 6. धारणी सहस्रल-खालपुर जिला रायगढ़ महाराष्ट्र के अंतर्गत अधिसूचना में वर्णित भूमि में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कायम 1 को बदले अनुसूची में खसरा नम्बर हिस्सा नं क्षेत्रफल कायम 2 में दी गई अनुसूची को पढ़ें;

निम्नलिखित अनुसूचित के भाग 2 में वर्णित भूमि पाइप लाइन बिछाने का प्रयोजन एसईएसमेंट बदलने से ग्रह रहा है, अब अतः निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि, धारा 6 की उपधारा (1) के अधिसूचना को अनुसूची से कम कर दी गई है।

## अनुसूची

कायम 2 पढ़ें

भाग 1

कायम 1 के लिये

| गांव | खसरा नंबर | हिस्सा नंबर | क्षेत्रफल<br>हे. आ. से. | गांव | खसरा नंबर | हिस्सा नंबर | क्षेत्रफल<br>हे. आ. से. |
|------|-----------|-------------|-------------------------|------|-----------|-------------|-------------------------|
| रिस  | 59        | अ-3         | 00.27.70                | रिस  | 59        | का भाग      | 00.52.00                |
| "    | 59        | अ-3         | 00.24.30                | "    |           |             |                         |
| "    | 102       | 2           | 00.03.42                | "    | 102       | "           | 00.05.00                |
| "    | 107       | 1           | 00.16.20                | "    | 107       | "           | 00.29.00                |
| "    | 111       | 0           | 00.02.70                | "    | 111       | "           | 00.11.00                |

| गांव                 | खसरा नंबर | हिस्सा नंबर | क्षेत्रफल<br>हे. भा. से. | गांव    | खसरा नंबर | हिस्सा नंबर | क्षेत्रफल<br>हे. भा. से. |
|----------------------|-----------|-------------|--------------------------|---------|-----------|-------------|--------------------------|
| रीस                  | 112       | 1           | 00.08.10                 | रीस     | 112       | का भाग      | 00.11.00                 |
| "                    | 118       | 0           | 00.24.30                 | "       | 118       | "           | 00.23.00                 |
| भाग II कुछ नहीं      |           |             |                          |         |           |             |                          |
| भाग I                |           |             |                          |         |           |             |                          |
| सोधीबली              | 1         | 1           | 00.06.75                 | सोधीबली | 1         | "           | 00.09.00                 |
| "                    | 4         | 5           | 00.01.45                 | "       | 4         | "           | 00.18.00                 |
| "                    | 35        | 3           | 00.06.75                 | "       | 35        | "           | 00.01.00                 |
| "                    |           |             |                          | "       |           |             |                          |
| "                    | 36        | 2           | 00.00.65                 | "       | 36        | "           | 00.38.00                 |
| "                    | 36        | 3           | 00.06.75                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 36        | 6           | 00.14.75                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 36        | 7           | 00.15.75                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 38        | 1-ब         | 00.02.75                 | "       | 38        | "           | 00.22.00                 |
| "                    | 41        | 11          | 00.13.20                 | "       | 41        | "           | 00.15.00                 |
| "                    | 41        | 16          | 00.07.45                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 42        | 1           | 00.20.60                 | "       | 42        | "           | 00.07.00                 |
| "                    | 42        | 10          | 00.04.70                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 44        | 1           | 00.04.72                 | "       | 44        | "           | 00.53.00                 |
| "                    | 44        | 3           | 00.04.70                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 44        | 4           | 00.04.55                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 44        | 8           | 00.16.23                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 44        | 9           | 00.04.05                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 17        | 1           | 00.22.08                 | "       | 97        | "           | 00.18.00                 |
| "                    | 103       | 1           | 00.03.76                 | "       | 103       | "           | 00.26.00                 |
| "                    | 103       | 2           | 00.13.85                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 103       | 3           | 00.06.75                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 104       | 1           | 00.14.25                 | "       | 104       | "           | 00.18.00                 |
| "                    | 104       | 2           | 00.05.36                 | "       |           |             |                          |
| अ+ब+क                |           |             |                          |         |           |             |                          |
| "                    | 105       | 1+3         | 00.09.45                 | "       | 105       | "           | 00.20.00                 |
| "                    | 110       | 2           | 00.04.55                 | "       | 110       | "           | 00.15.00                 |
| "                    | 110       | 3           | 00.04.05                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 111       | 3(2)        | 00.08.60                 | "       | 111       | "           | 00.04.00                 |
| "                    | 111       | 5           | 00.13.85                 | "       |           |             |                          |
| भाग II               |           |             |                          |         |           |             |                          |
| "                    | 37        | का भाग      | 00.01.00                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 102       | "           | 00.01.00                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 112       | "           | 00.13.00                 | "       |           |             |                          |
| भाग I                |           |             |                          |         |           |             |                          |
| मडाल                 | 149       | 2           | 00.34.43                 | मडाल    | 149       | "           | 00.03.00                 |
| "                    | 151       | 1ब(1)       | 00.04.05                 | "       | 151       | "           | 00.08.00                 |
| "                    | 155       | 2           | 00.04.72                 | "       | 155       | "           | 00.04.00                 |
| मडाल भाग II कुछ नहीं |           |             |                          |         |           |             |                          |
| भाग I                |           |             |                          |         |           |             |                          |
| खारंग                | 6         | 7           | 00.49.25                 | खारंग   | 6         | "           | 00.42.00                 |
| "                    | 12        | 0           | 00.19.25                 | "       | 12        | "           | 00.04.00                 |
| "                    | 13        | 1           | 00.09.36                 | "       | 13        | "           | 00.22.00                 |
| "                    | 13        | 2           | 00.10.80                 | "       |           |             |                          |
| "                    | 19        | 0           | 00.21.75                 | "       | 19        | "           | 00.28.00                 |
| "                    | 66        | 0           | 00.20.75                 | "       | 66        | "           | 00.22.00                 |
| "                    | 68        | 0           | 00.08.50                 | "       | 68        | "           | 00.12.00                 |



| गांव   | खसरा नंबर | हिस्सा नंबर | क्षेत्रफल<br>हे. घा. से. | गांव  | खसरा नंबर | हिस्सा नंबर | क्षेत्रफल<br>हे. घा. से. |
|--------|-----------|-------------|--------------------------|-------|-----------|-------------|--------------------------|
| सारंग  | 69        | 0           | 00.13.50                 | सारंग | 69        | का भाग      | 00.20.00                 |
| "      | 70        | 0           | 00.03.60                 | "     | 70        | "           | 00.16.00                 |
| "      | 71        | 1अ          | 00.39.00                 | "     | 71        | "           | 00.48.00                 |
| "      | 71        | 3           | 00.17.28                 | "     | 72        | "           | 00.12.00                 |
| "      | 72        | 6अ(1)       | 00.09.00                 | "     | 20        | "           | 00.11.00                 |
| सारंग  | —         | —           | भाग II                   | "     | 20        | "           | 00.11.00                 |
|        |           |             | भाग I                    |       |           |             |                          |
| घारली  | 2         | 12          | 00.10.80                 | घारली | 2         | "           | 00.42.00                 |
| "      | 2         | 3           | 00.11.52                 | "     | 3         | "           | 00.11.00                 |
| "      | 2         | 4अ          | 00.07.56                 | "     | 4         | "           | 00.33.00                 |
| "      | 2         | 9           | 00.07.02                 | "     | 10        | "           | 00.18.00                 |
| "      | 3         | 0           | 00.08.10                 | "     | 11        | "           | 00.44.00                 |
| "      | 4         | 1           | 00.14.76                 | "     | 11        | "           | 00.08.14                 |
| "      | 4         | 2           | 00.02.70                 | "     | 11        | 3           | 00.09.45                 |
| "      | 10        | 0           | 00.43.06                 | "     | 14        | "           | 00.14.76                 |
| "      | 11        | 2अ          | 00.14.00                 | "     | 15        | "           | 00.13.50                 |
| "      | 11        | 2अ          | 00.08.14                 |       |           |             | भाग II कुछ नहीं          |
| "      | 11        | 3           | 00.09.45                 |       |           |             |                          |
| "      | 14        | 2           | 00.14.76                 |       |           |             |                          |
| "      | 15        | 0           | 00.13.50                 |       |           |             |                          |
| घारली  |           |             |                          |       |           |             |                          |
| घसरौटी | 4—1       | 1 का भाग    | 00.01.35                 |       | 1         | का भाग      | 00.09.00                 |
|        | 4—2       | " "         | 00.22.86                 |       | 2         | "           | 00.18.00                 |
|        | 3—0       | 2 "         | 00.14.40                 |       | 3         | "           | 00.24.00                 |
|        | 25—0      | 3 "         | 00.16.92                 |       | 11        | "           | 00.22.00                 |
|        | 22—6      | 11 "        | 00.08.10                 |       | 13        | "           | 00.27.00                 |
|        | 22—6      | 11 "        | 00.05.40                 |       | 15        | "           | 00.07.00                 |
|        | 22—1      | 13 "        | 00.06.80                 |       | 30        | "           | 00.26.00                 |
|        | 22—2      | " "         | 00.13.40                 |       | 32        | "           | 00.29.00                 |
|        | 22—5      | 15 "        | 00.06.48                 |       | 34        | "           | 00.15.00                 |
|        | 22—5      | 15 "        | 00.05.40                 |       | 35        | "           | 00.11.00                 |
|        | 44—5      | 30 "        | 00.17.50                 |       | 46        | "           | 00.54.00                 |
|        | 44—5      | " "         | 00.05.40                 |       | 45        | "           | 00.15.00                 |
|        | 44—9      | 32 "        | 00.13.70                 |       |           |             |                          |
|        | 37—3      | 34 "        | 00.08.90                 |       |           |             |                          |
|        | 40—0      | " "         | 00.08.82                 |       |           |             |                          |
|        | 21—1      | 35 "        | 00.11.70                 |       |           |             |                          |
|        | 54—0      | 46 "        | 00.29.50                 |       |           |             |                          |
|        | 52—1      | 45 "        | 00.10.15                 |       |           |             |                          |

## भाग II

| गांव   | सं. नं. | हिस्सा नं. | क्षेत्रफल |
|--------|---------|------------|-----------|
| घसरौटी | 12      | का भाग     | 00.02.00  |
|        | 44      | "          | 00.07.00  |

## CORRIGENDA

S.O. 3302.—In the Notification of Government of India Ministry of Energy (Department of Petroleum) No. 12016/30/82-Prod dated 19th March, 1983 published under S.O. No. 1577 in the Gazette of India part II Section 3, sub-section (ii) at pages 1540, 1541 and 1542 issued under Section 6 of sub-section (i) of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of user in the land) Act, 1952 in respect of villages (1) Rees (2) Lodhiwali (3) Nadhal

(4) Sarang (5) Asroti (6) Dharani Tahasil Khalapur Dist. Raigad, State Maharashtra, for S. Nos. H. Nos. and areas shown in the column No. I of the Schedule appended to this corrigendum, read the S. Nos. H. Nos. and areas as shown in the Column No. II of the said schedule.

2. Lands mentioned in the part II of the appended schedule, however, do not come under the Pipeline Project due to change in the alignment and therefore, they are deleted from the schedule appended to the Notification under section 6 sub-section (i) referred to above.

## SCHEDULE

Read (Col. II)

For (Col I)

## PART I

| Village | S. No. | H. No. | Area |    |    | Village | S. No. | H. No. | Area |    |    |
|---------|--------|--------|------|----|----|---------|--------|--------|------|----|----|
|         |        |        | H    | R  | C  |         |        |        | H    | R  | C  |
| Rees    | 59-A   |        | 00   | 27 | 70 | Rees    | 59-A   | (Pt)   | 00   | 52 | 00 |
|         | 59-A   | 3      | 00   | 24 | 30 |         |        |        |      |    |    |
|         | 102    | 2      | 00   | 03 | 42 |         | 102    | (Pt)   | 00   | 05 | 00 |
|         | 107    | 1      | 00   | 16 | 20 |         | 107    | (Pt)   | 00   | 29 | 00 |
|         | 111    | 0      | 00   | 02 | 70 |         | 111    | (Pt)   | 00   | 11 | 00 |
|         | 112    | 1      | 00   | 08 | 10 |         | 112    | (Pt)   | 00   | 11 | 00 |
|         | 118    | 0      | 00   | 24 | 30 |         | 118    | (Pt)   | 00   | 23 | 00 |

## PART II

Rees

Nil

## PART I

|           |     |       |    |    |    |           |     |      |    |    |    |
|-----------|-----|-------|----|----|----|-----------|-----|------|----|----|----|
| Lodhiwali | 1   | 1     | 00 | 06 | 75 | Lodhiwali | 1   | (Pt) | 00 | 09 | 00 |
|           | 4   | 5     | 00 | 01 | 45 |           | 4   | (Pt) | 00 | 18 | 00 |
|           | 35  | 3     | 00 | 06 | 75 |           | 35  | (Pt) | 00 | 01 | 00 |
|           | 36  | 2     | 00 | 00 | 65 |           | 36  | (Pt) | 00 | 38 | 00 |
|           | 36  | 3     | 00 | 06 | 75 |           |     |      |    |    |    |
|           | 36  | 6     | 00 | 14 | 75 |           |     |      |    |    |    |
|           | 36  | 7     | 00 | 15 | 75 |           |     |      |    |    |    |
|           | 38  | 1-B   | 00 | 02 | 75 |           | 38  | (Pt) | 00 | 22 | 00 |
|           | 41  | 11    | 00 | 13 | 20 |           | 41  | (Pt) | 00 | 15 | 00 |
|           | 41  | 16    | 00 | 07 | 45 |           |     |      |    |    |    |
|           | 42  | 1     | 00 | 20 | 60 |           | 42  | (Pt) | 00 | 07 | 00 |
|           | 42  | 10    | 00 | 04 | 70 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 1     | 00 | 04 | 72 |           | 44  | (Pt) | 00 | 53 | 00 |
|           | 44  | 3     | 00 | 04 | 70 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 4     | 00 | 04 | 55 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 8     | 00 | 16 | 23 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 9     | 00 | 04 | 05 |           |     |      |    |    |    |
|           | 97  | 1     | 00 | 22 | 08 |           | 97  | (Pt) | 00 | 18 | 00 |
|           | 103 | 1     | 00 | 03 | 76 |           | 103 | (Pt) | 00 | 26 | 00 |
| Lodhiwali | 103 | 2     | 00 | 13 | 85 | Lodhiwali |     |      |    |    |    |
|           | 103 | 3     | 00 | 06 | 75 |           |     |      |    |    |    |
|           | 104 | 1     | 00 | 14 | 25 |           | 104 | (Pt) | 00 | 18 | 00 |
|           | 104 | 2     | 00 | 05 | 36 |           |     |      |    |    |    |
|           |     | A+B+C |    |    |    |           |     |      |    |    |    |
|           | 105 | 1+3   | 00 | 09 | 45 |           | 105 | (Pt) | 00 | 20 | 00 |
|           | 110 | 2     | 00 | 04 | 55 |           | 110 | (Pt) | 00 | 15 | 00 |
|           | 110 | 3     | 00 | 04 | 05 |           |     |      |    |    |    |
|           | 111 | 3(2)  | 00 | 08 | 60 |           | 111 | (Pt) | 00 | 04 | 00 |
|           | 111 | 5     | 00 | 13 | 85 |           |     |      |    |    |    |

## PART II

|           |     |       |    |    |    |           |     |      |    |    |    |
|-----------|-----|-------|----|----|----|-----------|-----|------|----|----|----|
| Lodhiwali | 37  | (Pt)  | 00 | 01 | 00 | Lodhiwali |     |      |    |    |    |
|           | 102 | (Pt)  | 00 | 01 | 00 |           |     |      |    |    |    |
|           | 112 | (Pt)  | 00 | 13 | 00 |           |     |      |    |    |    |
| Nadhal    | 149 | 2     | 00 | 34 | 43 | Nadhal    | 149 | (Pt) | 00 | 03 | 00 |
|           | 151 | 1B(1) | 00 | 04 | 05 |           | 151 | (Pt) | 00 | 08 | 00 |
|           | 155 | 2     | 00 | 04 | 72 |           | 155 | (Pt) | 00 | 04 | 00 |
|           |     |       |    |    |    |           |     |      |    |    |    |

## PART II

|        |    |   |    |    |    |        |    |      |    |    |    |
|--------|----|---|----|----|----|--------|----|------|----|----|----|
| Sarang | 6  | 7 | 00 | 49 | 25 | Sarang | 6  | (Pt) | 00 | 42 | 00 |
|        | 12 | 0 | 00 | 19 | 25 |        | 12 | (Pt) | 00 | 04 | 00 |

| Read (Col-II) |        |        |          | PART-I  |        |        |          | For (Col-I) |  |  |
|---------------|--------|--------|----------|---------|--------|--------|----------|-------------|--|--|
| Village       | S. No. | H. No. | Area     | Village | S. No. | H. No. | Area     |             |  |  |
|               | G. No. |        | H.R.C.   |         | G. No. |        | H.R.C.   |             |  |  |
| Sarang        | 13     | 1      | 00 09 36 | Sarang  | 13     | (Pt)   | 00 22 00 |             |  |  |
|               | 13     | 2      | 00 10 80 |         |        |        |          |             |  |  |
|               | 19     | 0      | 00 21 75 |         | 19     | (Pt)   | 00 29 00 |             |  |  |
|               | 66     | 0      | 00 20 75 |         | 66     | (Pt)   | 00 22 00 |             |  |  |
|               | 68     | 0      | 00 08 50 |         | 68     | (Pt)   | 00 12 00 |             |  |  |
|               | 69     | 0      | 00 13 50 |         | 69     | (Pt)   | 00 20 00 |             |  |  |
|               | 70     | 0      | 00 03 60 |         | 70     | (Pt)   | 00 16 00 |             |  |  |
|               | 71     | 1A     | 00 39 00 |         |        |        |          |             |  |  |
|               | 71     | 3      | 00 17 28 |         | 71     |        | 00 48 00 |             |  |  |
|               | 72     | 6B(1)  | 00 09 00 |         | 72     | (Pt)   | 00 12 00 |             |  |  |

## PART-II

| Village | S. No. | H. No. | Area     |  |  |  |
|---------|--------|--------|----------|--|--|--|
|         | G. No. |        |          |  |  |  |
| Sarang  | 20     | (Pt)   | 00 11 00 |  |  |  |

## PART-I

|         |    |    |          |         |    |      |          |  |  |
|---------|----|----|----------|---------|----|------|----------|--|--|
| Dharani | 2  | 12 | 00 10 80 | Dharani | 2  | (Pt) | 00 42 00 |  |  |
|         | 2  | 3  | 00 11 52 |         |    |      |          |  |  |
|         | 2  | 4A | 00 07 56 |         |    |      |          |  |  |
|         | 2  | 9  | 00 07 02 |         |    |      |          |  |  |
|         | 3  | 0  | 00 08 10 |         | 3  | (Pt) | 00 11 00 |  |  |
|         | 4  | 1  | 00 14 76 |         |    |      |          |  |  |
|         | 4  | 2  | 00 02 70 |         | 4  | (Pt) | 00 33 00 |  |  |
|         | 10 | 0  | 00 43 06 |         | 10 | (Pt) | 00 18 00 |  |  |
|         | 11 | 2A | 00 14 00 |         |    |      |          |  |  |
|         | 11 | 2B | 00 08 14 |         | 11 | (Pt) | 00 44 00 |  |  |
|         | 11 | 3  | 00 09 45 |         |    |      |          |  |  |
|         | 14 | 2  | 00 14 76 |         | 14 | (Pt) | 00 04 00 |  |  |
|         | 15 | 0  | 00 13 50 |         | 15 | (Pt) | 00 26 00 |  |  |

## PART-II

| Village |        |        |               | S. No.   | H. No.  | Area   |        |          |  |  |
|---------|--------|--------|---------------|----------|---------|--------|--------|----------|--|--|
| Dharani |        |        |               | G. No.   |         |        |        |          |  |  |
|         |        |        |               | Nil      |         |        |        |          |  |  |
| Village | G. No. | H. No. | Old R. S. No. | Area     | Village | S. No. | H. No. | Area     |  |  |
| Asroti  | 4      | 1      | (1 Pt)        | 00 01 35 | Asroti  | 1      | (Pt)   | 00 09 00 |  |  |
|         | 4      | 2      | (1 Pt)        | 00 22 86 |         |        |        |          |  |  |
|         | 3      | 0      | (2 Pt)        | 00 14 40 |         | 2      | (Pt)   | 00 18 00 |  |  |
|         | 25     | 0      | (3 Pt)        | 00 16 92 |         | 3      | (Pt)   | 00 24 00 |  |  |
|         | 22     | 6A     | (11 Pt)       | 00 08 10 |         | 11     | (Pt)   | 00 22 00 |  |  |
|         | 22     | 6D     | (11 Pt)       | 00 05 40 |         |        |        |          |  |  |
|         | 22     | 1      | (13 Pt)       | 00 06 80 |         | 13     | (Pt)   | 00 27 00 |  |  |
|         | 22     | 2      | (13 Pt)       | 00 13 40 |         |        |        |          |  |  |
|         | 22     | 5A     | (15 Pt)       | 00 06 48 |         | 15     | (Pt)   | 00 07 00 |  |  |
|         | 22     | 5B     | (15 Pt)       | 00 05 40 |         |        |        |          |  |  |
|         | 44     | 5A     | (30 Pt)       | 00 17 50 |         | 30     | (Pt)   | 00 26 00 |  |  |
|         | 44     | 5B     | (30 Pt)       | 00 05 40 |         |        |        |          |  |  |
|         | 44     | 9      | (32 Pt)       | 00 13 70 |         | 32     | (Pt)   | 00 29 00 |  |  |
|         | 37     | 3      | (34 Pt)       | 00 06 90 |         | 34     | (Pt)   | 00 15 00 |  |  |
|         | 40     | 0      | (34 Pt)       | 00 08 82 |         |        |        |          |  |  |
|         | 21     | 1      | (35 Pt)       | 00 11 70 |         | 35     | (Pt)   | 00 11 00 |  |  |
|         | 54     | 0      | (46 Pt)       | 00 29 50 |         | 46     | (Pt)   | 00 54 00 |  |  |
|         | 52     | 1-A    | (45 Pt)       | 00 10 15 |         | 45     | (Pt)   | 00 15 00 |  |  |

## PART-II

| Village | S. No. | H. No. | Area     |  |  |
|---------|--------|--------|----------|--|--|
| Asroti  | 12     | (Pt)   | 00 02 00 |  |  |
|         | 44     | (Pt)   | 00 07 00 |  |  |

क्र.मा. 3303 :—भारत सरकार के राष्ट्रीय जंगल II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) ब्लाक 4 सितंबर 1982 सूचक क्रमांक 3137 और 3138 का.मा. संख्या क्रमांक 12016/30/82 प्रो. 2 के अंतर्गत सरकार, ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना सं 3095 दिनांक 4 सितंबर 1982 के अंतर्गत पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाइन भूमि में उपयोग के अधिकांश का अर्जन अधिनियम, 1962 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन वर्णित गांव-1. रिस 2. लोधीवली 3. नडाल 4. सारंग 5. भसरोटी 6. घाटणी लहसील जालापुर जिला रायगढ़ महाराष्ट्र के अंतर्गत अधिसूचना में वर्णित भूमि में खसरा नं. हिस्सा नंबर, क्षेत्रफल कालम 1 के बचले अनुसूची में खसरा नंबर, हिस्सा नं. क्षेत्रफल कालम 2 में भी अनुसूची की पंक्ति।

निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि पार्श्व लाइन बिछाने के लिए सार्वजनिक बचलने से भूच म रहा है, अब अतः निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि, धारा 3 के उपधारा (1) के अधिसूचना के अधीन अलग कर दी गई है।

| कालम 2 पढ़ें    |         |           |                       | भाग 1   |         | कालम 1 के लिये |                       |  |
|-----------------|---------|-----------|-----------------------|---------|---------|----------------|-----------------------|--|
| गांव            | खसरा नं | हिस्सा नं | क्षेत्रफल<br>हे भा से | गांव    | खसरा नं | हिस्सा नं      | क्षेत्रफल<br>हे भा से |  |
| 1               | 2       | 3         | 4                     | 5       | 6       | 7              | 8                     |  |
| रीस             | 59      | ए-3       | 00.27.70              | रीस     | 59      | का भाग         | 00.52.00              |  |
| "               | 59      | ए-3       | 00.42.30              | "       |         |                |                       |  |
| "               | 102     | 2         | 00.03.42              | "       | 102     | "              | 00.05.00              |  |
| "               | 107     | 1         | 00.16.20              | "       | 107     | "              | 00.29.00              |  |
| "               | 111     | 0         | 00.02.70              | "       | 111     | "              | 00.11.00              |  |
| "               | 112     | 1         | 00.08.10              | "       | 112     | "              | 00.11.00              |  |
| "               | 118     | 0         | 00.24.30              | "       | 118     | "              | 00.23.00              |  |
| भाग II कुछ नहीं |         |           |                       |         |         |                |                       |  |
| भाग I           |         |           |                       |         |         |                |                       |  |
| लोधीवली         | 1       | 1         | 00.06.75              | लोधीवली | 1       | "              | 00.09.00              |  |
| "               | 4       | 5         | 00.01.45              | "       | 4       | "              | 00.19.00              |  |
| "               | 35      | 3         | 00.06.75              | "       | 35      | "              | 00.01.00              |  |
| "               | 36      | 2         | 00.00.65              | "       | 36      | "              | 00.38.00              |  |
| "               | 36      | 3         | 00.06.75              |         |         |                |                       |  |
| "               | 36      | 6         | 00.14.75              |         |         |                |                       |  |
| "               | 36      | 7         | 00.15.75              |         |         |                |                       |  |
| "               | 38      | 1-ब       | 00.02.75              | "       | 38      | "              | 00.22.00              |  |
| "               | 41      | 11        | 00.13.20              | "       | 41      | "              | 00.15.00              |  |
| "               | 41      | 16        | 00.07.45              |         |         |                |                       |  |
| "               | 42      | 1         | 00.20.60              | "       | 42      | "              | 00.07.00              |  |
| "               | 42      | 10        | 00.04.70              |         |         |                |                       |  |
| "               | 44      | 1         | 00.04.72              | "       | 44      | "              | 00.53.00              |  |
| "               | 44      | 3         | 00.04.70              |         |         |                |                       |  |
| "               | 44      | 4         | 00.04.55              |         |         |                |                       |  |
| "               | 44      | 8         | 00.16.23              |         |         |                |                       |  |
| "               | 44      | 9         | 00.40.05              |         |         |                |                       |  |
| "               | 97      | 1         | 00.02.08              | "       | 97      | "              | 00.18.00              |  |
| "               | 103     | 1         | 00.03.76              | "       | 103     | "              | 00.26.00              |  |
| अनुसूची         |         |           |                       |         |         |                |                       |  |
| "               | 103     | 2         | 00.13.85              | "       |         |                |                       |  |
| "               | 103     | 3         | 00.06.75              |         |         |                |                       |  |
| "               | 104     | 1         | 00.14.25              | "       | 104     | "              | 00.18.00              |  |
| "               | 104     | 2         | 00.05.36              |         |         |                |                       |  |
| अनुसूची         |         |           |                       |         |         |                |                       |  |
| "               | 105     | 1 3       | 00.09.45              | "       | 105     | "              | 00.20.00              |  |
| "               | 110     | 2         | 00.04.55              | "       | 110     | "              | 00.15.00              |  |
| "               | 110     | 3         | 00.04.04              | "       |         |                |                       |  |
| "               | 111     | 3(2)      | 00.08.60              | "       | 111     | "              | 00.04.00              |  |
| "               | 111     | 4         | 00.13.85              |         |         |                |                       |  |

| कालम 2 पट्टे    |          |             |                            | भाग 1  |          |            |                            | कालम 1 के लिये |  |  |          |
|-----------------|----------|-------------|----------------------------|--------|----------|------------|----------------------------|----------------|--|--|----------|
| गांव            | खसरा नं० | हिस्सा नं०  | क्षेत्रफल<br>हे० घ्रा० से० | गांव   | खसरा नं० | हिस्सा नं० | क्षेत्रफल<br>हे० घ्रा० से० |                |  |  |          |
| 1               | 2        | 3           | 4                          | 5      | 6        | 7          | 8                          |                |  |  |          |
| भाग II          |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| मोधीवाली        | 37       | का भाग      | 00.01.00                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 02       | "           | 00.01.00                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 12       | "           | 00.13.00                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| भाग I           |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| नढास            | 49       | 2           | 00.34.43                   | नढास   | 149      | का भाग     | 00.03.00                   |                |  |  |          |
| "               | 51       | 1 घ 1       | 00.04.05                   | "      | 151      | "          | 00.08.00                   |                |  |  |          |
| "               | 55       | 2           | 00.04.72                   | "      | 155      | "          | 00.04.00                   |                |  |  |          |
| भाग II कुछ नहीं |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| भाग I           |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| सारंग           | 6        | 7           | 00.49.25                   | सारंग  | 7        | "          | 00.42.00                   |                |  |  |          |
| "               | 12       | 0           | 00.19.25                   | "      | 12       | "          | 00.40.00                   |                |  |  |          |
| "               | 13       | 1           | 00.09.36                   | "      | 13       | "          | 00.22.00                   |                |  |  |          |
| "               | 13       | 2           | 00.10.80                   | "      |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 19       | 0           | 00.21.75                   | "      | 19       | "          | 00.29.00                   |                |  |  |          |
| "               | 66       | 0           | 00.20.75                   | "      | 66       | "          | 00.22.00                   |                |  |  |          |
| "               | 68       | 0           | 00.08.00                   | "      | 68       | "          | 00.12.00                   |                |  |  |          |
| सारंग           | 68       | 0           | 00.13.50                   | "      | 69       | "          | 00.20.00                   |                |  |  |          |
| "               | 70       | 0           | 00.03.60                   | "      | 70       | "          | 00.16.00                   |                |  |  |          |
| "               | 71       | 1घ          | 00.39.00                   | "      | 71       | "          | 00.48.00                   |                |  |  |          |
| "               | 71       | 3           | 00.17.28                   | "      |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 72       | 6घ (1)      | 00.09.00                   | "      | 72       | "          | 00.12.00                   |                |  |  |          |
| भाग II          |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| सारंग           |          |             |                            | "      | 20       | "          | 00.11.00                   |                |  |  |          |
| भाग I           |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| धारमी           | 2        | 12          | 00.10.00                   | धारमी  | 2        | "          | 00.42.00                   |                |  |  |          |
| "               | 2        | 3           | 00.11.52                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 2        | 4घ          | 00.07.56                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 2        | 9           | 00.07.02                   |        |          |            |                            |                |  |  | 00.11.30 |
| "               | 3        | 0           | 00.08.10                   |        | 3        |            | 00.33.00                   |                |  |  |          |
| "               | 4        | 1           | 00.02.76                   |        | 4        |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 4        | 2           | 00.02.70                   | "      |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 10       | 0           | 00.43.06                   | "      | 10       | "          | 00.18.00                   |                |  |  |          |
| "               | 11       | 2घ          | 00.14.00                   | "      | 11       | "          | 00.44.00                   |                |  |  |          |
| "               | 11       | 2घ          | 00.08.14                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 11       | 3           | 00.09.45                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| "               | 14       | 2           | 00.14.76                   | "      | 14       | "          | 00.04.00                   |                |  |  |          |
| "               | 15       | 0           | 00.13.50                   | "      | 15       | "          | 00.26.00                   |                |  |  |          |
| भाग II कुछ नहीं |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| भाग I           |          |             |                            |        |          |            |                            |                |  |  |          |
| असरौटी          | 4 1      | (1 का भाग)  | 00.01.35                   | असरौटी | 1        | "          | 00.09.00                   |                |  |  |          |
|                 | 4 2      | "           | 00.82.86                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
|                 | 3 0      | (2 का भाग)  | 00.14.40                   |        | 2        | "          | 00.18.00                   |                |  |  |          |
|                 | 25 0     | (3 का भाग)  | 00.16.92                   |        | 3        | "          | 00.24.00                   |                |  |  |          |
|                 | 22 6घ    | (11 का भाग) | 00.08.10                   |        | 11       | "          | 00.22.00                   |                |  |  |          |
|                 | 22 6     | (11 का भाग) | 00.05.40                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
|                 | 22 1     | (13 का भाग) | 00.06.80                   |        | 13       | "          | 00.27.00                   |                |  |  |          |
|                 | 22 2     | "           | 00.13.40                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
|                 | 22 5घ    | (15 का भाग) | 00.06.48                   |        | 15       | "          | 00.07.00                   |                |  |  |          |
|                 | 22 5घ    | (15 का भाग) | 00.05.40                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |
|                 | 44 5घ    | (30 का भाग) | 00.17.30                   |        | 30       | "          | 00.26.00                   |                |  |  |          |
|                 | 44 5घ    |             | 00.05.40                   |        |          |            |                            |                |  |  |          |

| कालम 2 पढ़ें |                  |                    |                         | भाग 1 |          |            |                         | कालम 1 के लिए |          |            |                         |
|--------------|------------------|--------------------|-------------------------|-------|----------|------------|-------------------------|---------------|----------|------------|-------------------------|
| गांव         | खसरा नं०<br>नंबर | हिस्सा नं०<br>नंबर | क्षेत्रफल<br>हे० आ० से० | गांव  | खसरा नं० | हिस्सा नं० | क्षेत्रफल<br>हे० आ० से० | गांव          | खसरा नं० | हिस्सा नं० | क्षेत्रफल<br>हे० आ० से० |
| 1            | 2                | 3                  | 4                       | 5     | 6        | 7          | 8                       | 9             | 10       | 11         | 12                      |
|              | 44 9             | (32 का भाग)        | 00.13.00                |       | 32       | "          | 00.29.00                |               |          |            |                         |
|              | 37 3             | (34 का भाग)        | 00.06.90                |       | 34       | "          | 00.15.00                |               |          |            |                         |
|              | 40 0             | ( " )              | 00.08.82                |       |          |            |                         |               |          |            |                         |
|              | 21 1             | (35 का भाग)        | 00.11.70                |       | 35       | "          | 00.11.00                |               |          |            |                         |
|              | 54 0             | (46 का भाग)        | 00.29.50                |       | 46       | "          | 00.54.00                |               |          |            |                         |
|              | 52 1ख            | (45 का भाग)        | 00.10.15                |       | 45       | "          | 00.15.00                |               |          |            |                         |
| भाग II       |                  |                    |                         |       |          |            |                         |               |          |            |                         |
| गांव         | स.न.             | हिस्सा नं०         | क्षेत्रफल<br>हे० आ० से० | गांव  | खसरा नं० | हिस्सा नं० | क्षेत्रफल<br>हे० आ० से० | गांव          | खसरा नं० | हिस्सा नं० | क्षेत्रफल<br>हे० आ० से० |
| 1            | 2                | 3                  | 4                       | 5     | 6        | 7          | 8                       | 9             | 10       | 11         | 12                      |
| भसरोटी       | 12               | का भाग             | 00.02.00                |       |          |            |                         |               |          |            |                         |
|              | 44               | का भाग             | 00.07.00                |       |          |            |                         |               |          |            |                         |

[सं० O-12016/30/82-प्रोड.]

S.O. 3303.—In the Notification of Government of India, Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) No. 12016/30/82-Prod. II dated 4th September 1982 published under S.O. No. 3095 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section II at pages 3137 & 3138 issued under section 3 of sub-section (i) of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 in respect villages 1. Rees 2. Lodhivali 3. Nadhal 4. Sarang 5. Asroli 6. Dharani Tahasil Khalapur District Raigad, State Maharashtra, for S. Nos. and Hissa Nos and

areas shown in the column No. I of the Schedule appended to this Corrigendum, read the S. Nos, H. Nos, and areas as shown in the column No. II of the said schedule.

2. Lands mentioned in the Part II of the appended schedule, however, do not come under the pipeline project due to change in alignment and therefore, they are deleted from the schedule appended to the Notification under section 3 sub-section (i) referred to above.

## PART-I

| Village | S. No. | H. No. | Area |    |    | Village | S. No. | H. No. | Area |    |    |
|---------|--------|--------|------|----|----|---------|--------|--------|------|----|----|
|         | G. No. |        | H    | R  | C  |         | G.No.  |        | H    | R  | C  |
| Rees    | 59     | A      | 00   | 27 | 70 | Rees    | 59-A   | (pt)   | 00   | 52 | 00 |
|         | 59     | A3     | 00   | 24 | 30 |         |        |        |      |    |    |
|         | 102    | 2      | 00   | 03 | 42 |         | 102    | (pt)   | 00   | 05 | 00 |
|         | 107    | 1      | 00   | 16 | 20 |         | 107    | (pt)   | 00   | 29 | 00 |
|         | 111    | 0      | 00   | 02 | 70 |         | 111    | (pt)   | 00   | 11 | 00 |
|         | 112    | 1      | 00   | 08 | 10 |         | 112    | (pt)   | 00   | 11 | 00 |
|         | 118    | 0      | 00   | 24 | 30 |         | 118    | (pt)   | 00   | 23 | 00 |

## PART-II

|           |     |     |     |    |    |           |     |      |    |    |    |
|-----------|-----|-----|-----|----|----|-----------|-----|------|----|----|----|
| Rees      |     |     | Nil |    |    | Lodhivali | 1   | (pt) | 00 | 09 | 00 |
| Lodhivali | 1   | 1   | 00  | 06 | 75 |           | 4   | (pt) | 00 | 18 | 00 |
|           | 4   | 5   | 00  | 01 | 45 |           | 35  | (pt) | 00 | 01 | 00 |
|           | 35  | 3   | 00  | 06 | 75 |           |     |      |    |    |    |
|           | 36  | 2   | 00  | 00 | 65 |           | 36  | (pt) | 00 | 38 | 00 |
|           | 36  | 3   | 00  | 06 | 75 |           |     |      |    |    |    |
|           | 36  | 6   | 00  | 14 | 75 |           | 38  | (pt) | 00 | 22 | 00 |
|           | 36  | 7   | 00  | 15 | 75 |           | 41  | (pt) | 00 | 15 | 00 |
|           | 38  | 1-B | 00  | 02 | 75 |           | 42  | (pt) | 00 | 07 | 00 |
|           | 41  | 11  | 00  | 13 | 20 |           | 44  | (pt) | 00 | 53 | 00 |
|           | 41  | 16  | 00  | 07 | 45 |           |     |      |    |    |    |
|           | 42  | 1   | 00  | 20 | 60 |           | 97  | (pt) | 00 | 18 | 00 |
|           | 42  | 10  | 00  | 04 | 70 |           | 103 | (pt) | 00 | 26 | 00 |
|           | 44  | 1   | 00  | 04 | 72 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 3   | 00  | 04 | 70 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 4   | 00  | 04 | 55 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 8   | 00  | 16 | 23 |           |     |      |    |    |    |
|           | 44  | 9   | 00  | 04 | 05 |           |     |      |    |    |    |
|           | 97  | 1   | 00  | 22 | 08 |           |     |      |    |    |    |
|           | 103 | 1   | 00  | 03 | 76 |           |     |      |    |    |    |
|           | 103 | 2   | 00  | 13 | 85 |           |     |      |    |    |    |
|           | 103 | 3   | 00  | 06 | 75 |           |     |      |    |    |    |

| PART-I        |        |        |      |    |             |         |        |        |      |    |    |  |
|---------------|--------|--------|------|----|-------------|---------|--------|--------|------|----|----|--|
| Read (Col-II) |        |        |      |    | For (Col-I) |         |        |        |      |    |    |  |
| Village       | S. No. | H. No. | Area |    |             | Village | S. No. | H. No. | Area |    |    |  |
|               | G. No. |        | H    | R  | C           |         | G. No. |        | H    | R  | C  |  |
| Lodhivali     | 104    | 1      | 00   | 14 | 25          |         | 104    | (pt)   | 00   | 18 | 00 |  |
|               | 104    | 2      | 00   | 05 | 36          |         |        |        |      |    |    |  |
|               |        | A+B+C  |      |    |             |         |        |        |      |    |    |  |
|               | 105    | 1+3    | 00   | 09 | 45          |         | 105    | (pt)   | 00   | 20 | 00 |  |
|               | 110    | 2      | 00   | 04 | 55          |         | 110    | (pt)   | 00   | 15 | 00 |  |
|               | 110    | 3      | 00   | 04 | 05          |         |        |        |      |    |    |  |
|               | 111    | 3(2)   | 00   | 08 | 60          |         | 111    | (pt)   | 00   | 04 | 00 |  |
|               | 111    | 5      | 00   | 13 | 85          |         |        |        |      |    |    |  |
|               |        |        |      |    |             |         |        |        |      |    |    |  |
|               |        |        |      |    |             |         |        |        |      |    |    |  |

| PART-II   |        |        |      |    |    |
|-----------|--------|--------|------|----|----|
| Village   | S. No. | H. No. | Area |    |    |
|           | G. No. |        | H    | R  | C  |
| Lodhivali | 37     | (pt)   | 00   | 01 | 00 |
|           | 102    | (pt)   | 00   | 01 | 00 |
|           | 112    | (pt)   | 00   | 13 | 00 |

| PART-I |     |       |    |    |    |        |     |      |    |    |    |
|--------|-----|-------|----|----|----|--------|-----|------|----|----|----|
| Nadhal | 149 | 2     | 00 | 34 | 43 | Nadhal | 149 | (pt) | 00 | 03 | 00 |
|        | 151 | 1B(1) | 00 | 04 | 05 |        | 151 | (pt) | 00 | 08 | 00 |
|        | 155 | 2     | 00 | 04 | 72 |        | 155 | (pt) | 00 | 04 | 00 |

| PART-II |    |       |    |    |    |        |    |      |    |    |    |
|---------|----|-------|----|----|----|--------|----|------|----|----|----|
| Nadhal  |    |       |    |    |    | Nil    |    |      |    |    |    |
| Sarang  | 6  | 7     | 00 | 49 | 25 | Sarang | 6  | (pt) | 00 | 42 | 00 |
|         | 12 | 0     | 00 | 19 | 25 |        | 12 | (pt) | 00 | 04 | 00 |
|         | 13 | 1     | 00 | 09 | 36 |        | 13 | (pt) | 00 | 22 | 00 |
|         | 13 | 2     | 00 | 10 | 80 |        |    |      |    |    |    |
|         | 19 | 0     | 00 | 21 | 75 |        | 19 | (pt) | 00 | 29 | 00 |
|         | 66 | 0     | 00 | 20 | 75 |        | 66 | (pt) | 00 | 22 | 00 |
|         | 68 | 0     | 00 | 08 | 50 |        | 68 | (pt) | 00 | 12 | 00 |
|         | 69 | 0     | 00 | 13 | 50 |        | 69 | (pt) | 00 | 20 | 00 |
|         | 70 | 0     | 00 | 03 | 60 |        | 70 |      | 00 | 16 | 00 |
|         | 71 | 1A    | 00 | 39 | 00 |        | 71 |      | 00 | 48 | 00 |
|         | 71 | 3     | 00 | 17 | 28 |        |    |      |    |    |    |
|         | 72 | 6B(1) | 00 | 09 | 00 |        | 72 | (pt) | 00 | 12 | 00 |

| PART-II |        |        |      |    |    |
|---------|--------|--------|------|----|----|
| Village | S. No. | H. No. | Area |    |    |
|         | G. No. |        | H    | R  | C  |
| Sarang  | 20     | (pt)   | 00   | 11 | 00 |

| PART-I  |    |    |    |    |    |         |    |      |    |    |    |
|---------|----|----|----|----|----|---------|----|------|----|----|----|
| Dharani | 2  | 12 | 00 | 10 | 80 | Dharani | 2  | (pt) | 00 | 42 | 00 |
|         | 2  | 3  | 00 | 11 | 52 |         |    |      |    |    |    |
|         | 2  | 4A | 00 | 07 | 56 |         |    |      |    |    |    |
|         | 2  | 9  | 00 | 07 | 02 |         |    |      |    |    |    |
|         | 3  | 0  | 00 | 08 | 10 |         | 3  | (pt) | 00 | 11 | 00 |
|         | 4  | 1  | 00 | 14 | 76 |         | 4  | (pt) | 00 | 33 | 00 |
|         | 4  | 2  | 00 | 02 | 70 |         |    |      |    |    |    |
|         | 10 | 0  | 00 | 43 | 06 |         | 10 | (pt) | 00 | 18 | 00 |
|         | 11 | 2A | 00 | 14 | 00 |         | 11 | (pt) | 00 | 44 | 00 |
|         | 11 | 2B | 00 | 08 | 14 |         |    |      |    |    |    |
|         | 11 | 3  | 00 | 09 | 45 |         |    |      |    |    |    |
|         | 14 | 2  | 00 | 14 | 76 |         | 14 | (pt) | 00 | 04 | 00 |

| Read (Col—II) |        |        |          | PART-I  |        |        |          | FOR (Col—I) |  |  |  |
|---------------|--------|--------|----------|---------|--------|--------|----------|-------------|--|--|--|
| Village       | S. No. | H. No. | Area     | Village | S. No. | H. No. | Area     |             |  |  |  |
|               | G.No.  |        | H. R. C. |         | G.No.  |        | H. R. C. |             |  |  |  |
| Dharani       | 15     | 0      | 00 13 50 | Dharani | 15     | (pt)   | 00 26 00 |             |  |  |  |

## PART-II

Nil

## PART-I

| Village | G. No. | H. No. | Old R.S. No. | Area     | Village | S. No. | H. No. | Area     |
|---------|--------|--------|--------------|----------|---------|--------|--------|----------|
| Asroti  | 4      | 1      | (1 pt)       | 00 01 35 | Asroti  | 1      | (pt)   | 00 09 00 |
|         | 4      | 2      |              | 00 22 86 |         |        |        |          |
|         | 3      | 0      | (2 pt)       | 00 14 40 |         | 2      | (pt)   | 00 18 00 |
|         | 25     | 0      | (3 pt)       | 00 16 92 |         | 3      | (pt)   | 00 24 00 |
|         | 22     | 6A     | (11 pt)      | 00 08 10 |         | 11     | (pt)   | 00 22 00 |
|         | 22     | 6D     | (11 pt)      | 00 05 40 |         |        |        |          |
|         | 22     | 1      | (13 pt)      | 00 06 80 |         | 13     | (pt)   | 00 27 00 |
|         | 22     | 2      | (13 pt)      | 00 13 40 |         |        |        |          |
|         | 22     | 5A     | (15 pt)      | 00 06 48 |         | 15     | (pt)   | 00 07 00 |
|         | 22     | 5B     | (15 pt)      | 00 05 40 |         |        |        |          |
|         | 44     | 5A     | (30 pt)      | 00 17 50 |         |        |        |          |
|         | 44     | 5B     | (30 pt)      | 00 05 40 |         | 30     | (pt)   | 00 26 00 |
|         | 44     | 9      | (32 pt)      | 00 13 70 |         | 32     | (pt)   | 00 29 00 |
|         | 37     | 3      | (34 pt)      | 00 06 90 |         | 34     | (pt)   | 00 15 00 |
|         | 40     | 0      | (34 pt)      | 00 08 82 |         |        |        |          |
|         | 21     | 1      | (35 pt)      | 00 11 70 |         | 35     | (pt)   | 00 11 00 |
|         | 54     | 0      | (46 pt)      | 00 29 50 |         | 46     | (pt)   | 00 54 00 |
|         | 52     | 1-A    | (45 pt)      | 00 10 15 |         | 45     | (pt)   | 00 15 00 |

## PART-II

| Village | S. No. | H. No. | Area     |
|---------|--------|--------|----------|
| Asroti  | 12     | (pt)   | 00 02 00 |
|         | 44     | (pt)   | 00 07 00 |

[No. O-12016/30/82-Prod]

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संज्ञासूची

## पेट्रोलियम विभाग

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1986

क्र. आ. 3304 यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का संज्ञासूची अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की अधिसूचना का. आ. सं. 2282 तारीख 28-5-56 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः संलग्न अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाय।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय तब और प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

[सं. O-12016/87/86/प्रो एन जी - बी - 4]

## अनुसूची

एन. के. जी. बी. से स्टीम बिन्दु तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।  
राज्य - गुजरात जिला - मेहसाना तालुका - कडी

| गांव  | सर्वे नं. | हेक्टेयर | और | सेन्टीयर |
|-------|-----------|----------|----|----------|
| बसासन | 152       | 0        | 12 | 80       |
|       | 139/4     | 0        | 10 | -32      |
|       | 137/7     | 0        | 07 | 20       |

[सं. प्रो - 12016/87/86 - प्रो एन जी - बी - 4]



New Delhi, the 9th September, 1986

S.O. 3304.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2282 dated 28-5-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government direct that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

PIPELINE FROM NKG B TO STEAM POINT,  
STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA  
TALUKA : KADI

| Village  | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| Chalasan | 152        | 0       | 12  | 60       |
|          | 139/4      | 0       | 10  | 32       |
|          | 137/7      | 0       | 07  | 20       |

[No. O—12016/87/86-ONG-D-4]

का. भा. 3305.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. भा. सं. 2289 तारीख 28-5-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस प्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एस. एन. ए. यू. से एस. एस. सी. टी. एफ

राज्य - गुजरात जिला व तालुका - मेहसाना

| गांव    | म.म.        | हेक्टेयर | आरई | सेन्टीयरए |
|---------|-------------|----------|-----|-----------|
| कसलपुरा | 857         | 0        | 02  | 00        |
|         | कार्ट ट्रैक | 0        | 00  | 85        |
|         | 813         | 0        | 22  | 70        |
|         | 810         | 0        | 04  | 30        |
|         | 809         | 0        | 04  | 25        |
|         | 811         | 0        | 04  | 40        |
|         | 802         | 0        | 31  | 30        |
|         | 801         | 0        | 09  | 60        |
|         | 800         | 0        | 03  | 90        |

[सं. ओ - 12016/83/86 - ओ एन जी - सी - 4]

S.O. 3305.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 2289 dated 28-5-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

PIPELINE FROM SNAU TO S.S. CTF.

STATE : GUJARAT DISTRICT : & TALUKA :  
MEHSANA

| Village   | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|-----------|------------|---------|-----|----------|
| Kasarpura | 857        | 0       | 02  | 00       |
|           | Cart track | 0       | 00  | 85       |
|           | 813        | 0       | 22  | 70       |
|           | 810        | 0       | 04  | 30       |
|           | 809        | 0       | 04  | 25       |
|           | 811        | 0       | 04  | 40       |
|           | 802        | 0       | 31  | 30       |
|           | 801        | 0       | 09  | 60       |
|           | 800        | 0       | 03  | 90       |

[No. O—12016/83/86-ONG-D-4]

का. आ. 3306.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2288 तारीख 28-5-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग करने का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का उपयोग का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एस. 1 से एस. एस. सी. टी. एक.

राज्य - गुजरात जिला व तालुका - मेहसाना

| गांव    | ब्लॉक नं. | हेक्टेयर | एकड़ | सेन्टीयर |
|---------|-----------|----------|------|----------|
| कसलपुरा | 850       | 0        | 12   | 10       |
|         | 898       | 0        | 13   | 10       |
|         | 897       | 0        | 09   | 50       |
|         | 896       | 0        | 02   | 20       |
|         | 889       | 0        | 04   | 80       |

[सं. ओ. - 12016/82/86 - ओ एन जी - डी - 4]

S.O. 3306.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 2288 dated 28-5-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report of the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

##### PIPELINE FROM S-1 TO S.S. CTF.

STATE : GUJARAT DISTRICT & TALUKA : MEHSANA

| Village   | Block No. | Hec-tare | Are | Centi-tiare |
|-----------|-----------|----------|-----|-------------|
| Kasalpura | 850       | 0        | 12  | 10          |
|           | 898       | 0        | 13  | 10          |
|           | 897       | 0        | 09  | 50          |
|           | 896       | 0        | 02  | 20          |
|           | 889       | 0        | 04  | 80          |

[No. O-12016/82/86-ONG-D-4]

का. आ. 3307.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 515 तारीख 27-1-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुसूची

एम. के. इ. जी. से एन. के. जी. जी. एस II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य - गुजरात जिला - अहमदाबाद तालुका - बिरमगाम

| गांव     | स.नं.       | हेक्टेयर | एकड़ | सेन्टीयर |
|----------|-------------|----------|------|----------|
| वाल्सासन | 395/2       | 0        | 11   | 23       |
|          | 394         | 0        | 04   | 32       |
|          | कॉर्ट ट्रेक | 0        | 01   | 50       |
|          | 402/5       | 0        | 03   | 36       |
|          | 402/6       | 0        | 04   | 86       |
|          | 402/3       | 0        | 07   | 20       |
|          | 413         | 0        | 01   | 26       |

[सं. ओ. - 12016/5/86 - ओ एन जी - डी - 44]

S.O. 3307.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. 515 dated 27-1-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

#### SCHEDULE

PIPELINE FROM D. S. NO. NKEG TO NK. GGS. II  
STATE : GUJARAT DISTRICT : AHMEDABAD  
TALUKA : VIRAMGAM

| Village  | Survey No. | Hec-<br>tare | Are | Cen-<br>tiare |
|----------|------------|--------------|-----|---------------|
| Balsasan | 395/2      | 0            | 11  | 28            |
|          | 394        | 0            | 04  | 32            |
|          | Cart track | 0            | 01  | 50            |
|          | 402/5      | 0            | 03  | 36            |
|          | 402/6      | 0            | 04  | 86            |
|          | 402/3      | 0            | 07  | 20            |
|          | 413        | 0            | 01  | 26            |
|          |            |              |     |               |

[No. O-12016/5/86-ONG-D-4]

का.प्र. 3308:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में उत्तर संथाल से दक्षिण संथाल सी.टी.एफ. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन लेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी ज़ादों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

धर्तरे कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप लेखन प्राधिकारी, लेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

उत्तर संथाल से दक्षिण संथाल सी.टी.एफ. तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात

जिला व तापुका मेहसाना

| गाँव       | प्लॉट नं. | हेक्टेयर | घर. | सेंटीयर |
|------------|-----------|----------|-----|---------|
| कमलपुरा    | 838       | 0        | 11  | 70      |
|            | 832       | 0        | 11  | 80      |
|            | 831       | 0        | 07  | 00      |
| काटे ट्रेक |           | 0        | 01  | 50      |
|            | 823       | 0        | 07  | 95      |
|            | 822       | 0        | 09  | 75      |
|            | 821       | 0        | 17  | 25      |
|            | 802       | 0        | 04  | 80      |
|            | 790       | 0        | 15  | 80      |
|            | 791       | 0        | 00  | 80      |
| काटे ट्रेक |           | 0        | 09  | 00      |
|            | 714       | 0        | 08  | 75      |
|            | 713       | 0        | 03  | 90      |
|            | 712       | 0        | 04  | 05      |
|            | 708       | 0        | 04  | 05      |
|            | 707       | 0        | 06  | 00      |
|            | 705       | 0        | 11  | 55      |
|            | 689       | 0        | 15  | 00      |
|            | 688       | 0        | 03  | 00      |
|            | 687       | 0        | 10  | 00      |
|            | 686       | 0        | 02  | 75      |
|            | 672       | 0        | 19  | 20      |
|            | 671       | 0        | 13  | 50      |
|            |           | 0        | 01  | 20      |

[सं. ओ-12016/146/86-ओएनजी-4]

S.O. 3308.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from North Santhal to South Santhal CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara. (390009).

And every person making such an objection shall also State specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## PIPELINE FROM NORTH SANTHAL TO SOUTH SANTHAL CTF.

STATE : GUJARAT DISTRICT &amp; TALUKA : MEHSANA

| Village   | Block No.  | Hec-tare | Are | Centiare |
|-----------|------------|----------|-----|----------|
| Kasalpura | 838        | 0        | 11  | 70       |
|           | 832        | 0        | 11  | 80       |
|           | 831        | 0        | 07  | 00       |
|           | Cart track | 0        | 01  | 50       |
|           | 823        | 0        | 07  | 95       |
|           | 822        | 0        | 09  | 75       |
|           | 821        | 0        | 17  | 25       |
|           | 802        | 0        | 04  | 80       |
|           | 790        | 0        | 15  | 60       |
|           | 791        | 0        | 01  | 60       |
|           | Cart track | 0        | 09  | 00       |
|           | 714        | 0        | 06  | 75       |
|           | 713        | 0        | 03  | 90       |
|           | 712        | 0        | 04  | 05       |
|           | 708        | 0        | 04  | 05       |
|           | 707        | 0        | 06  | 00       |
|           | 705        | 0        | 11  | 55       |
|           | 689        | 0        | 15  | 00       |
|           | 688        | 0        | 03  | 00       |
|           | 687        | 0        | 10  | 00       |
|           | 686        | 0        | 02  | 75       |
|           | 672        | 0        | 19  | 20       |
|           | 671        | 0        | 13  | 50       |
|           | Cart track | 0        | 01  | 20       |

[No. O-12016/146/86-ONG-D-4]

क.प्र. 3309:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.प्र.सं. 2117 तारीख 15-5-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

## अनुसूची

सोमासण-3 से एस. डी. बायू-73

राज्य : गुजरात जिला व तालुका : मेहसाणा

| गांव   | ब्लॉक नं.   | हेक्टेयर | एकर | सेंटिअर |
|--------|-------------|----------|-----|---------|
| हेबुवा | 159         | 0        | 13  | 80      |
|        | 158         | 0        | 14  | 16      |
|        | कार्ट ट्रैक | 0        | 00  | 60      |
|        | 116         | 0        | 12  | 24      |
|        | 120         | 0        | 01  | 08      |
|        | 121         | 0        | 09  | 84      |
|        | 122         | 0        | 06  | 72      |

[सं. ओ-12016/64/86-ओएनजी-डी-4]

S.O. 3309.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2117 dated 15-5-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right to user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

## PIPELINE FROM SOB-3 TO SEY-73.

STATE : GUJARAT DISTRICT &amp; TALUKA : MEHSANA

| Village | Block No.  | Hec-tare | Are | Centiare |
|---------|------------|----------|-----|----------|
| Hebuva  | 159        | 0        | 13  | 80       |
|         | 158        | 0        | 14  | 16       |
|         | Cart track | 0        | 00  | 60       |
|         | 116        | 0        | 12  | 24       |
|         | 120        | 0        | 01  | 08       |
|         | 121        | 0        | 09  | 84       |
|         | 122        | 0        | 06  | 72       |

[No. O-12016/64/86-ONG-D-4]

का.आ. 3310:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी.जी.एस.-3 से जी.जी.एस.-6 तक को पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशाते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेल्डिंग प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

जी.जी.एस.-3 से जी.जी. एस.-6 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :—गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : कडी

| सं.अ.     | सर्वे नं.  | हेक्टर | घर | सेंटीघर |
|-----------|------------|--------|----|---------|
| अंबावपुरा | 124        | 0      | 06 | 00      |
|           | 120        | 0      | 11 | 40      |
|           | 119/पी     | 0      | 00 | 90      |
|           | 110        | 0      | 41 | 65      |
|           | 112/1      | 0      | 22 | 80      |
|           | काटे ट्रैक | 0      | 01 | 20      |
|           | 13         | 0      | 28 | 73      |
|           | 9          | 0      | 15 | 00      |
|           | काटे ट्रैक | 0      | 06 | 60      |
|           | 8          | 0      | 02 | 10      |
|           | 7          | 0      | 15 | 30      |
|           | 48         | 0      | 13 | 80      |
|           | 65/1       | 0      | 04 | 50      |
|           | 55         | 0      | 13 | 50      |
|           | 54         | 0      | 06 | 60      |
|           | 65/2       | 0      | 00 | 60      |
|           | कानस       | 0      | 00 | 65      |
|           | 65/3       | 0      | 02 | 25      |
|           | 62         | 0      | 03 | 75      |
|           | 61/1       | 0      | 09 | 05      |
|           | 63         | 0      | 04 | 05      |
|           | 65         | 0      | 14 | 40      |
|           | 68         | 0      | 09 | 30      |

[सं. ओ-12016/147/86-ओ एन जी डी-4]

S.O. 3310.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.G.S. III to G.G.S. VI in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline From GGS. III to GGS VI.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

| Village   | Survey No. | Hec-tare | Are | Centi-are |
|-----------|------------|----------|-----|-----------|
| Ambavpura | 124        | 0        | 06  | 00        |
|           | 120        | 0        | 11  | 40        |
|           | 119/P      | 0        | 00  | 90        |
|           | 110        | 0        | 41  | 65        |
|           | 112/1      | 0        | 22  | 80        |
|           | Cart track | 0        | 01  | 20        |
|           | 13         | 0        | 27  | 73        |
|           | 9          | 0        | 15  | 00        |
|           | Cart track | 0        | 06  | 60        |
|           | 8          | 0        | 02  | 10        |
|           | 7          | 0        | 15  | 30        |
|           | 48         | 0        | 13  | 80        |
|           | 65/1       | 0        | 04  | 50        |
|           | 55         | 0        | 13  | 50        |
|           | 54         | 0        | 06  | 60        |
|           | 65/2       | 0        | 00  | 60        |
|           | Kans       | 0        | 00  | 65        |
|           | 65/3       | 0        | 02  | 25        |
|           | 62         | 0        | 03  | 75        |
|           | 61/1       | 0        | 09  | 05        |
|           | 63         | 0        | 04  | 05        |
|           | 65         | 0        | 14  | 40        |
|           | 68         | 0        | 09  | 30        |

[No. O—12016/147/86-ONG-D-4]

का. आ. 3311.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2454 तारीख 5 जुलाई 86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः महाम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पार्श्व लाइन विस्तार के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड मुम्बई के क्षेत्रीकरण में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची में

तालुका : पनवेल जिला : रायगढ़, महाराष्ट्र

| अन          | गांव | खसरा नम्बर | हिस्सा नम्बर | क्षेत्रफल |
|-------------|------|------------|--------------|-----------|
| (1) पालीदेव |      | 10         | ---          | 00-06-50  |
|             |      | 12         | ---          | 00-01-00  |
|             |      | 19         | ---          | 00-04-00  |
|             |      | 19         | ---          | 00-05-00  |
|             |      | 19         | ---          | 00-06-00  |
|             |      | 19         | ---          | 00-04-00  |
|             |      | 50         | ---          | 00-01-30  |
| (2) चिरघले  |      | 79         | 4            | 00-04-00  |
| (3) बोरले   |      | 98         | 2बी          | 00-07-00  |
|             |      | 133        | ---          | 00-01-00  |
|             |      | 134        | 5            | 00-05-25  |
|             |      | 145        | ---          | 00-02-00  |
| (4) अगिबली  |      | 69         | ---          | 00-02-25  |
| (5) विचुबे  |      | 19         | 1            | 00-07-00  |
|             |      | 88         | ---          | 00-07-50  |
| (6) गिबकर   |      | 182        | ---          | 00-05-50  |
|             |      | 183        | ---          | 00-27-00  |
|             |      | 185        | ---          | 00-02-75  |
|             |      | 186        | ---          | 00-05-50  |
| (7) बारबाई  |      | 7          | 3            | 00-02-00  |
|             |      | 7          | 8            | 00-08-00  |
|             |      | 7          | 9            | 00-09-00  |
|             |      | 7          | 12           | 00-04-00  |
|             |      | 53         | 1            | 00-02-00  |
|             |      | 56         | 2            | 00-08-00  |
|             |      | 58         | 2            | 00-11-00  |
|             |      | 74         | ---          | 00-35-00  |

अनुसूची

|              |     |     |          |
|--------------|-----|-----|----------|
| (8) भगार     | 67  | 2   | 00-10-00 |
|              | 76  | --- | 00-04-75 |
|              | 88  | 1   | 00-01-50 |
|              | 88  | 2   | 00-05-00 |
| (9) मोहिये   | 63  | --- | 50-04-50 |
|              | 69  | 1   | 00-02-50 |
|              | 69  | 2   | 00-05-00 |
|              | 83  | 5   | 00-01-50 |
|              | 83  | 5   | 00-01-25 |
| (10) पोयजे   | 106 | 2   | 00-01-00 |
|              | 135 | --- | 00-10-00 |
|              | 177 | 1   | 00-02-0  |
| (11) पालीबुप | 37  | --- | 00-01-50 |
|              | 34  | 2   | 00-43-50 |
| (12) वेव     | 78  | --- | 00-05-00 |

[सं. O-12016/100/86-मो. एन. जी. डी-4]

पी. के. राजगोपालन, डैस्क अधिकारी

S.O. 3311.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 2454 dated 5th July, 1986 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the Lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the Lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification are hereby acquired for laying the pipelines.

And further, in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corp. Ltd. Bombay free from all encumbrances.

## SCHEDULE

Pipe line from village Pali Devad to village Devad.

Tajuka : Panvel, District: Raigad, Maharashtra.

| No. | Village     | S. No.<br>G. Bol | H. No. | Area     |
|-----|-------------|------------------|--------|----------|
| 1.  | Pali-Devad. | 10 (pt)          |        | 00 06 50 |
|     |             | 12 "             | —      | 00 01 00 |
|     |             | 19 "             | A      | 00 04 00 |
|     |             | 19 "             | B      | 00 05 00 |
|     |             | 19 "             | C      | 00 06 00 |
|     |             | 19 "             | D      | 00 04 00 |
|     |             | 50 "             | —      | 00 01 30 |
| 2.  | Chikhale.   | 79 "             | 4      | 00 04 00 |
| 3   | Borle       | 98 "             | 2 B    | 00 07 00 |
|     |             | 133 "            | —      | 00 01 00 |
|     |             | 134 "            | 5      | 00 05 25 |
|     |             | 145 "            | —      | 00 02 00 |
| 4   | Ajiwali     | 69 "             | —      | 00 02 25 |
| 5   | Vichumbe    | 19 "             | 1      | 00 07 00 |
| 6   | Shivkar     | 88 "             |        | 00 07 50 |
|     |             | 182 "            | —      | 00 05 50 |
|     |             | 183 "            | —      | 00 27 00 |
|     |             | 185 "            | —      | 00 02 75 |
|     |             | 186 "            | —      | 00 05 50 |
| 7   | Borvace     | 7 "              | 3 A    | 00 02 00 |
|     |             | 7 "              | 8      | 00 08 00 |
|     |             | 7 "              | 9      | 00 09 00 |
|     |             | 7 "              | 12 B   | 00 04 00 |
|     |             | 53 "             | 1      | 00 02 00 |
|     |             | 56 "             | 2 A    | 00 08 00 |
|     |             | 56 "             | 2 B    | 00 11 00 |
|     |             | 74 "             | —      | 00 35 00 |
| 8   | Bhingar     | 67 "             | 2      | 00 10 00 |
|     |             | 76 (part)        | —      | 00 04 75 |
|     |             | 88 "             | 1      | 00 01 50 |
|     |             | 88 "             | 2      | 00 05 00 |
| 9   | Mohipe      | 68 "             | —      | 00 04 50 |
|     |             | 69 "             | 1      | 00 02 50 |
|     |             | 69 "             | 2      | 00 26 00 |
| 10  | Poyanje.    | 83 "             | 5 A    | 00 01 50 |
|     |             | 83 "             | 5 B    | 00 01 25 |
|     |             | 106 "            | 2      | 00 01 00 |
|     |             | 135 "            |        | 00 10 00 |
|     |             | 177 "            | 1      | 00 02 00 |
| 11. | Pali.Bk.    | 37 "             | —      | 00 01 50 |
|     |             | 34 "             | 2      | 00 43 50 |
| 12. | Devad.      | 78 "             | —      | 00 05 00 |

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1986

का०भा० 3311—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों का बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपायधन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यावसायी की मार्फत।

## अनुसूची

## एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद  | तहसील                   | परगना | ग्राम | गाटासं० | क्षेत्रफल | विवरण |
|-------|-------------------------|-------|-------|---------|-----------|-------|
| 1     | 2                       | 3     | 4     | 5       | 6         | 7     |
| इटावा | औरैया, औरैया, मुड़ियाई, |       |       | 525     | 0.09      |       |
|       |                         |       |       | 531     | 0.09      |       |
|       |                         |       |       | 568     | 0.64      |       |
|       |                         |       |       | 857     | 0.56      |       |
|       |                         |       |       | 863     | 0.07      |       |
|       |                         |       |       | 526     | 0.07      |       |
|       |                         |       |       | 569     | 0.01      |       |
|       |                         |       |       | 864     | 0.16      |       |
|       |                         |       |       | 865     | 0.05      |       |
|       |                         |       |       | 867     | 0.28      |       |
|       |                         |       |       | 868     | 0.55      |       |
|       |                         |       |       | 869     | 0.12      |       |
|       |                         |       |       | 871     | 0.14      |       |
|       |                         |       |       | 872     | 0.12      |       |
|       |                         |       |       | 873     | 0.14      |       |
|       |                         |       |       | 877     | 0.19      |       |

[सं० O-14016/392/84-जी०पी०]

New Delhi, the 10th September, 1986

S.O. 3312.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58[B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## H.B.J. Gas Pipeline Project

| Districts | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area | Re-<br>in marks<br>acres |
|-----------|--------|---------|---------|----------|------|--------------------------|
| 1         | 2      | 3       | 4       | 5        | 6    | 7                        |
| Etawah    | Auriya | Auryia  | Muriya  | 525      | 0.09 |                          |
|           |        |         |         | 531      | 0.09 |                          |
|           |        |         |         | 568      | 0.64 |                          |
|           |        |         |         | 857      | 0.56 |                          |
|           |        |         |         | 863      | 0.07 |                          |
|           |        |         |         | 526      | 9.07 |                          |
|           |        |         |         | 569      | 0.01 |                          |
|           |        |         |         | 864      | 0.16 |                          |
|           |        |         |         | 865      | 0.05 |                          |
|           |        |         |         | 867      | 0.28 |                          |
|           |        |         |         | 868      | 0.55 |                          |
|           |        |         |         | 869      | 0.12 |                          |
|           |        |         |         | 871      | 0.14 |                          |
|           |        |         |         | 872      | 0.12 |                          |
|           |        |         |         | 873      | 0.14 |                          |
|           |        |         |         | 877      | 0.19 |                          |

[No. O-14016/392/84-GP]

का०भा० 3312—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपायधन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग के अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020, यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यावसायी की मार्फत।



| जनपद  | तहसील | परगना | ग्राम  | गाटा सं० | क्षेत्रफल | विवरण |
|-------|-------|-------|--------|----------|-----------|-------|
| 1     | 2     | 3     | 4      | 5        | 6         | 7     |
| इटावा | औरैया | औरैया | मधुपुर | 274      | 0.27      |       |

[सं० O-14016/78/84-जी०पी०]

S.O. 3313.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## H.B.J. Gas Pipe Line Project

| District | Tahsil | Pargana | Village       | Plot No. | Area in acres | Remarks |
|----------|--------|---------|---------------|----------|---------------|---------|
| 1        | 2      | 3       | 4             | 5        | 6             | 7       |
| Etawah   | Aurya  | Aurya   | Madhu-<br>pur | 274      | 0.27          |         |

[No. O-14016/78/84-GP]

का० प्र० 3314.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपायध्व अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः प्रेष पेट्रोलियम और अतिरिक्त पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

अर्थात् कि उपर भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० का-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति निम्नलिखितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यावसायी की मार्फत।

अनुसूची बाद अनुसूची  
एन.बी.जे.गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद  | तहसील | परगना | ग्राम      | गाटा सं० | क्षेत्रफल | विवरण |
|-------|-------|-------|------------|----------|-----------|-------|
| 1     | 2     | 3     | 4          | 5        | 6         | 7     |
| इटावा | औरैया | औरैया | द्वारकापुर | 92       | 0.42      |       |
|       |       |       |            | 89       | 0.07      |       |
|       |       |       |            | 15       | 0.14      |       |
|       |       |       |            | 94       | 0.12      |       |
|       |       |       |            | 93       | 0.02      |       |
|       |       |       |            | 13       | 0.10      |       |

[सं० O-14016/86/84-जी०पी०]

S.O. 3314.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

## H.B.J. Gas Pipe Line Project

| District | Tahsil | Pargana | Village   | Plot No. | Area in acres | Remarks |
|----------|--------|---------|-----------|----------|---------------|---------|
| 1        | 2      | 3       | 4         | 5        | 6             | 7       |
| Etawah   | Aurya  | Aurya   | Dwarkapur | 92       | 0.42          |         |
|          |        |         |           | 89       | 0.07          |         |
|          |        |         |           | 15       | 0.19          |         |
|          |        |         |           | 94       | 0.13          |         |
|          |        |         |           | 93       | 0.02          |         |
|          |        |         |           | 13       | 0.10          |         |

[No. O-14016/86/84-GP]

का. प्र. 3315.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपायध्व अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः धन पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है;

वशत कि उपर भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., विकासवीथ लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूचक बाध

गैस पाइप लाइन बिछाने के सम्बन्ध में भूमि का विवरण

| जिला  | तहसील    | परगना   | ग्राम  | गाटा | क्षेत्रफल<br>म. | विवरण |
|-------|----------|---------|--------|------|-----------------|-------|
| 1     | 2        | 3       | 4      | 5    | 6               | 7     |
| हरदोई | बिलग्राम | कटियारी | डकपुरा | 364  | .0240           |       |
|       |          |         |        | 365  | .0225*          |       |
|       |          |         |        | 370  | .0785           |       |
|       |          |         |        | 369  | .0015           |       |
|       |          |         |        | 371  | .0670           |       |
|       |          |         |        | 447  | .0025           |       |
|       |          |         |        | 372  | .0900           |       |
|       |          |         |        | 373  | .0420           |       |
|       |          |         |        | 376  | .2010           |       |
|       |          |         |        | 386  | .0270           |       |
|       |          |         |        | 385  | .0930           |       |
|       |          |         |        | 384  | .1050           |       |
|       |          |         |        | 383  | .0352           |       |
|       |          |         |        | 393  | .0010           |       |
|       |          |         |        | 394  | .0358           |       |
|       |          |         |        | 401  | .1200           |       |
|       |          |         |        | 402  | .1050           |       |
|       |          |         |        | 400  | .0270           |       |
|       |          |         |        | 403  | .1020           |       |
|       |          |         |        | 404  | .1020           |       |
|       |          |         |        | 437  | .0005           |       |
|       |          |         |        | 434  | .0720           |       |
|       |          |         |        | 432  | .0225           |       |
|       |          |         |        | 433  | .0380           |       |
|       |          |         |        | 431  | .0840           |       |
|       |          |         |        | 426  | .0015           |       |
|       |          |         |        | 489  | .1550           |       |
|       |          |         |        | 488  | .0005           |       |
|       |          |         |        | 487  | .0280           |       |
|       |          |         |        | 490  | .0400           |       |
|       |          |         |        | 491  | .0660           |       |
|       |          |         |        | 494  | .0630           |       |
|       |          |         |        | 496  | .0570           |       |
|       |          |         |        | 496  | .600            |       |
|       |          |         |        | 497  | .0540           |       |

| 1     | 2        | 3       | 4      | 5   | 6     | 7 |
|-------|----------|---------|--------|-----|-------|---|
| हरदोई | बिलग्राम | कटियारी | डकपुरा | 498 | .0960 |   |
|       |          |         |        | 537 | .0960 |   |
|       |          |         |        | 539 | .0640 |   |
|       |          |         |        | 538 | .1100 |   |
|       |          |         |        | 541 | .1550 |   |
|       |          |         |        | 546 | .0336 |   |
|       |          |         |        | 547 | .1860 |   |
|       |          |         |        | 548 | .0300 |   |
|       |          |         |        | 549 | .0035 |   |
|       |          |         |        | 601 | .0560 |   |
|       |          |         |        | 602 | .1200 |   |
|       |          |         |        | 603 | .0796 |   |
|       |          |         |        | 604 | .0180 |   |
|       |          |         |        | 656 | .0660 |   |
|       |          |         |        | 657 | .0468 |   |
|       |          |         |        | 662 | .2130 |   |
|       |          |         |        | 663 | .1650 |   |
|       |          |         |        | 664 | .1770 |   |
|       |          |         |        | 684 | .0005 |   |
|       |          |         |        | 685 | .0476 |   |
|       |          |         |        | 686 | .1020 |   |
|       |          |         |        | 687 | .0230 |   |
|       |          |         |        | 688 | .1260 |   |
|       |          |         |        | 550 | .0005 |   |
|       |          |         |        | 665 | .0010 |   |

[सं. O-14018/345/85-जी पी]

S.O. 3315.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project Vikash Deep Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

##### H.B.J. Gas Pipeline Project

| District | Tehsil  | Pargana  | Village   | Plot No. | Area  | Remarks |
|----------|---------|----------|-----------|----------|-------|---------|
| 1        | 2       | 3        | 4         | 5        | 6     | 7       |
| Hardoi   | Bilgram | Katiyari | Dhak pura | 364      | .0240 |         |
|          |         |          |           | 365      | .0225 |         |
|          |         |          |           | 370      | .0785 |         |

| 1                                | 2   | 3 | 4 | 5 | 6     | 7 |
|----------------------------------|-----|---|---|---|-------|---|
| Hardoi Bilgram Katiyari Dhakpura | 369 |   |   |   | 0.015 |   |
|                                  | 371 |   |   |   | .0670 |   |
|                                  | 447 |   |   |   | .0025 |   |
|                                  | 372 |   |   |   | .0900 |   |
|                                  | 373 |   |   |   | .0420 |   |
|                                  | 376 |   |   |   | .2010 |   |
|                                  | 386 |   |   |   | .0270 |   |
|                                  | 385 |   |   |   | .0930 |   |
|                                  | 384 |   |   |   | .1050 |   |
|                                  | 383 |   |   |   | .0352 |   |
|                                  | 393 |   |   |   | .0010 |   |
|                                  | 394 |   |   |   | .0358 |   |
|                                  | 401 |   |   |   | .1200 |   |
|                                  | 402 |   |   |   | .1050 |   |
|                                  | 400 |   |   |   | .0270 |   |
|                                  | 403 |   |   |   | .1020 |   |
|                                  | 404 |   |   |   | .1020 |   |
|                                  | 437 |   |   |   | .0005 |   |
|                                  | 434 |   |   |   | .0720 |   |
|                                  | 432 |   |   |   | .0225 |   |
|                                  | 433 |   |   |   | .0380 |   |
|                                  | 431 |   |   |   | .0840 |   |
|                                  | 426 |   |   |   | .0015 |   |
|                                  | 489 |   |   |   | .1550 |   |
|                                  | 488 |   |   |   | .0005 |   |
|                                  | 487 |   |   |   | .0280 |   |
|                                  | 490 |   |   |   | .0400 |   |
|                                  | 491 |   |   |   | .0660 |   |
|                                  | 494 |   |   |   | .0630 |   |
|                                  | 495 |   |   |   | .0570 |   |
|                                  | 496 |   |   |   | .0600 |   |
|                                  | 497 |   |   |   | .0540 |   |
|                                  | 498 |   |   |   | .0960 |   |
|                                  | 537 |   |   |   | .0960 |   |
|                                  | 539 |   |   |   | .0640 |   |
|                                  | 538 |   |   |   | .1100 |   |
|                                  | 541 |   |   |   | .1550 |   |
|                                  | 546 |   |   |   | .0336 |   |
|                                  | 547 |   |   |   | .1860 |   |
|                                  | 548 |   |   |   | .0300 |   |
|                                  | 549 |   |   |   | .0035 |   |
|                                  | 601 |   |   |   | .0560 |   |
|                                  | 602 |   |   |   | .1200 |   |
|                                  | 603 |   |   |   | .0796 |   |
|                                  | 604 |   |   |   | .0180 |   |
|                                  | 656 |   |   |   | .0660 |   |
|                                  | 657 |   |   |   | .0468 |   |
|                                  | 662 |   |   |   | .3120 |   |
|                                  | 663 |   |   |   | .1650 |   |
|                                  | 664 |   |   |   | .1770 |   |
|                                  | 684 |   |   |   | .0005 |   |
|                                  | 685 |   |   |   | .0476 |   |
|                                  | 686 |   |   |   | .1020 |   |
|                                  | 687 |   |   |   | .0230 |   |
|                                  | 688 |   |   |   | .1260 |   |
|                                  | 550 |   |   |   | .0005 |   |
|                                  | 665 |   |   |   | .0010 |   |

[No. O-14016/345/85-GP]

का. भा. सं. 3316 :—यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यह: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना भाग्य एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बसंत कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि., विकासधूप, खन्तऊ-226020 यू. पी. को इस अधि-सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी निधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूचक या अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद  | तहसील परगना | ग्राम    | गाटा  | क्षेत्रफल | विवरण |   |
|-------|-------------|----------|-------|-----------|-------|---|
|       |             |          | मं.   |           |       |   |
| 1     | 2           | 3        | 4     | 5         | 6     | 7 |
| इटावा | श्रीरथवा    | श्रीरथवा | जमुहा | 150       | 0.70  |   |
|       |             |          |       | 155       | 0.38  |   |
|       |             |          |       | 157       | 1.10  |   |
|       |             |          |       | 158       | 0.10  |   |
|       |             |          |       | 159       | 0.27  |   |
|       |             |          |       | 160       | 0.08  |   |

[सं. ओ-14016/430/84-जी. पी.]

S.O. 3316.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project Vikash Deep Lucknow-226020 U.P.;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## Supplementary Case Schedule

## H.B.J. Gas Pipe Line Project

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No | Area<br>in<br>acres | Remarks |
|----------|--------|---------|---------|---------|---------------------|---------|
| 1        | 2      | 3       | 4       | 5       | 6                   | 7       |
| Etawah   | Auriya | Arulya  | Jumha   | 150     | 0.70                |         |
|          |        |         |         | 155     | 0.35                |         |
|          |        |         |         | 157     | 1.10                |         |
|          |        |         |         | 158     | 0.10                |         |
|          |        |         |         | 159     | 0.27                |         |
|          |        |         |         | 160     | 0.08                |         |

[No. O-14016/430/84-GP]

का. मा. 3317:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पाघोरीया से आई पीसीएस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी साईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और बनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

बतते कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी आफ इण्डिया लि. वर्णन बिडिंग, आर. सी. वत रोड, बड़ोदरा को इस अधिसूचना की तारीख 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निनिश्चिन्ता यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी बिधि व्यवसायी के माफक।

## अनुसूची

पाघोरीया से आइ पी सी एन पाइप लाइन

राज्य : गुजरात तहसील : बड़ोदरा तालुका : बड़ोदरा

| गाँव   | सर्वे नं.  | हेक्टर | घार | सेन्टियर |   |
|--------|------------|--------|-----|----------|---|
| 1      | 2          | 3      | 4   | 5        | 6 |
| फरसिया | 547        | 0      | 12  | 96       |   |
|        | 548        | 0      | 08  | 10       |   |
|        | 546        | 0      | 06  | 48       |   |
|        | 549        | 0      | 09  | 90       |   |
|        | कार्टट्रेक | 0      | 02  | 16       |   |
|        | 535        | 0      | 05  | 40       |   |
|        | 534        | 0      | 16  | 20       |   |
|        | 533        | 0      | 04  | 50       |   |
|        |            | 0      | 02  | 70       |   |
|        | 520/2      | 0      | 16  | 56       |   |
| 522    | 0          | 16     | 20  |          |   |
| 524/1  | 0          | 02     | 70  |          |   |

|       |   |    |    |
|-------|---|----|----|
| 526   | 0 | 09 | 10 |
| 525   | 0 | 16 | 20 |
| खराबो | 0 | 01 | 80 |
| रेलवे | 0 | 09 | 00 |

[सं. O-14016/558/86-जीपी]

S.O. 3317.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Waghodia to IPCL in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building R. C. Dutt Road, Vadodara-5;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Waghodia to IPCL.

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Vadodara

| Village    | Survey No | Hec-tare | Are | Centiare |
|------------|-----------|----------|-----|----------|
| Karachiya  | 547       | 0        | 12  | 96       |
|            | 548       | 0        | 08  | 10       |
|            | 546       | 0        | 06  | 48       |
|            | 549       | 0        | 09  | 90       |
| Cart track |           | 0        | 02  | 16       |
|            | 535       | 0        | 05  | 40       |
|            | 534       | 0        | 16  | 20       |
|            | 533       | 0        | 04  | 50       |
| Cart track |           | 0        | 02  | 70       |
|            | 520/2     | 0        | 16  | 56       |
|            | 522       | 0        | 16  | 20       |
|            | 524/1     | 0        | 02  | 70       |
|            | 526       | 0        | 08  | 10       |
|            | 525       | 0        | 16  | 20       |
| Kharabo    |           | 0        | 01  | 80       |
| Railway    |           | 0        | 09  | 00       |

[No. O-14016/558/86-GP]

का. मा. 3318 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजारा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जाना चाहिए ;

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी साईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 क. उपधारा (1) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अन्तिम आदेश एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नाबे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. विकास, प. लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना के तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिता का से हो या कि संविधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूचक बाव

गैस पाइप लाइन बिछाने के सम्बन्ध में भूमि का विवरण

| जिला                            | तहसील | परगना | ग्राम  | गांवा सं. | क्षेत्रफल | विवरण |
|---------------------------------|-------|-------|--------|-----------|-----------|-------|
| 1                               | 2     | 3     | 4      | 5         | 6         | 7     |
| फर्रुखाबाद, फर्रुखाबाद, परम-नगर |       |       | कडहारा | 215       | 0.02      |       |
|                                 |       |       |        | 216       | 0.32      |       |
|                                 |       |       |        | 217       | 0.05      |       |
|                                 |       |       |        | 218       | 0.48      |       |
|                                 |       |       |        | 245       | 0.14      |       |
|                                 |       |       |        | 244       | 0.05      |       |
|                                 |       |       |        | 232       | 0.74      |       |
|                                 |       |       |        | 228       | 0.57      |       |
|                                 |       |       |        | 227       | 0.26      |       |
|                                 |       |       |        | 224       | 0.04      |       |
|                                 |       |       |        | 226       | 0.09      |       |
|                                 |       |       |        | 225       | 0.35      |       |
|                                 |       |       |        | 231       | 0.53      |       |

[सं. O-14016/559/86-जी. पी.]

S.O. 3318.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project Vikash Deep Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

779 41/86—5.

#### Description of land for laying of Pipeline

| 1                | 2                | 3              | 4      | 5   | 6    | 7 |
|------------------|------------------|----------------|--------|-----|------|---|
| Farru-<br>khabad | Farru-<br>khabad | Param<br>Nagar | Kashra | 215 | 0.02 |   |
|                  |                  |                |        | 216 | 0.32 |   |
|                  |                  |                |        | 217 | 0.05 |   |
|                  |                  |                |        | 218 | 0.48 |   |
|                  |                  |                |        | 245 | 0.14 |   |
|                  |                  |                |        | 244 | 0.05 |   |
|                  |                  |                |        | 232 | 0.74 |   |
|                  |                  |                |        | 228 | 0.57 |   |
|                  |                  |                |        | 227 | 0.26 |   |
|                  |                  |                |        | 224 | 0.04 |   |
|                  |                  |                |        | 226 | 0.09 |   |
|                  |                  |                |        | 225 | 0.35 |   |
|                  |                  |                |        | 231 | 0.53 |   |

[No. O-14016/559/86-GP]

का. भा. 3318.—यतः केन्द्र सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जाना चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसा; लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूचक में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 क. उपधारा (1) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अन्तिम आदेश एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नाबे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. सं.-58/ब., प्रलं गंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना के तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिता का से हो या कि संविधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूचक बाव अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला  | तहसील           | परगना    | ग्राम | गांवा सं. | क्षेत्रफल | विवरण |
|-------|-----------------|----------|-------|-----------|-----------|-------|
| 1     | 2               | 3        | 4     | 5         | 6         | 7     |
| इटावा | घोरिया, घोरिया, | जैतपुर,, | 331   |           | 0.90      |       |

[सं. O-14016/560/86-जी. पी.]

S.O. 3319.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58 B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### Supplementary Case (Schedule)

#### H.B.J. Gas Pipe Line Project

| District | Tahsil | Pargana | Village | Plot No. | Area<br>in<br>acres | Remark |
|----------|--------|---------|---------|----------|---------------------|--------|
| 1        | 2      | 3       | 4       | 5        | 6                   | 7      |
| Etawah   | Auriya | Auriya  | Jatlun  | 331      | 0.90                |        |

[No. O-14016/560/85-GP]

का. अ. 3320 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजौरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और बनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

बनते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतीय गैस प्राधिकरण लि., विकासदीप, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कबन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विशिष्ट व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुपूरक बाद

पाइप लाइन बिछाने के सम्बन्ध में भूमि का विवरण ग्राम बारामऊ

#### सीसाला

| जिला  | तहसील    | परगना   | ग्राम  | गाटा सं. | क्षेत्रफल | विवरण |
|-------|----------|---------|--------|----------|-----------|-------|
| 1     | 2        | 3       | 4      | 5        | 6         | 7     |
| हरदोई | बिलग्राम | कडियारी | बारामऊ | 11       | 1359      |       |
|       |          |         | सीसाला | 12       | 1260      |       |
|       |          |         |        | 13       | 0330      |       |
|       |          |         |        | 14       | 0570      |       |
|       |          |         |        | 15       | 0540      |       |

| 1     | 2        | 3       | 4      | 5   | 6    | 7 |
|-------|----------|---------|--------|-----|------|---|
|       |          |         |        | 16  | 0120 |   |
|       |          |         |        | 17  | 1320 |   |
|       |          |         |        | 18  | 0135 |   |
|       |          |         |        | 20  | 0160 |   |
|       |          |         |        | 22  | 0032 |   |
|       |          |         |        | 29  | 0300 |   |
|       |          |         |        | 23  | 1020 |   |
|       |          |         |        | 24  | 0288 |   |
|       |          |         |        | 25  | 1110 |   |
|       |          |         |        | 26  | 1920 |   |
|       |          |         |        | 353 | 0072 |   |
|       |          |         |        | 27  | 0540 |   |
|       |          |         |        | 350 | 0200 |   |
|       |          |         |        | 325 | 0150 |   |
|       |          |         |        | 280 | 0192 |   |
|       |          |         |        | 281 | 1530 |   |
|       |          |         |        | 282 | 0360 |   |
|       |          |         |        | 274 | 0032 |   |
|       |          |         |        | 273 | 0392 |   |
|       |          |         |        | 283 | 1140 |   |
|       |          |         |        | 284 | 1260 |   |
|       |          |         |        | 285 | 1140 |   |
|       |          |         |        | 286 | 1260 |   |
|       |          |         |        | 288 | 1080 |   |
|       |          |         |        | 261 | 2040 |   |
|       |          |         |        | 258 | 0720 |   |
|       |          |         |        | 257 | 1380 |   |
|       |          |         |        | 256 | 2220 |   |
|       |          |         |        | 249 | 0005 |   |
|       |          |         |        | 255 | 0005 |   |
|       |          |         |        | 250 | 1680 |   |
|       |          |         |        | 252 | 0010 |   |
|       |          |         |        | 253 | 1080 |   |
|       |          |         |        | 2   | 8583 |   |
| हरदोई | बिलग्राम | कडियारी | बारामऊ | 254 | 0150 |   |
|       |          |         | सीसाला | 539 | 0128 |   |
|       |          |         |        | 663 | 1770 |   |
|       |          |         |        | 662 | 0008 |   |
|       |          |         |        | 664 | 1380 |   |
|       |          |         |        | 665 | 0374 |   |
|       |          |         |        | 655 | 1770 |   |
|       |          |         |        | 654 | 1860 |   |
|       |          |         |        | 653 | 0782 |   |
|       |          |         |        | 652 | 1620 |   |
|       |          |         |        | 696 | 3000 |   |
|       |          |         |        | 695 | 0580 |   |
|       |          |         |        | 698 | 1350 |   |
|       |          |         |        | 699 | 0520 |   |
|       |          |         |        | 700 | 0140 |   |
|       |          |         |        | 701 | 0990 |   |
|       |          |         |        | 702 | 0390 |   |
|       |          |         |        | 750 | 0420 |   |
|       |          |         |        | 751 | 0480 |   |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5    | 6      | 7 |
|---|---|---|---|------|--------|---|
|   |   |   |   | 752  | .1200  |   |
|   |   |   |   | 745  | .0014  |   |
|   |   |   |   | 842  | .1320  |   |
|   |   |   |   | 843  | .0005  |   |
|   |   |   |   | 841  | .1840  |   |
|   |   |   |   | 847  | .0005  |   |
|   |   |   |   | 849  | .1382  |   |
|   |   |   |   | 850  | .0396  |   |
|   |   |   |   | 851  | .0480  |   |
|   |   |   |   | 848  | .0260  |   |
|   |   |   |   | 856  | .1230  |   |
|   |   |   |   | 857  | .0038  |   |
|   |   |   |   | 860  | .0396  |   |
|   |   |   |   | 861  | .0720  |   |
|   |   |   |   | 862  | .0440  |   |
|   |   |   |   | 863  | .0140  |   |
|   |   |   |   | 973  | .0660  |   |
|   |   |   |   | 988  | .0812  |   |
|   |   |   |   | 974  | .1240  |   |
|   |   |   |   | 975  | .1200  |   |
|   |   |   |   | 976  | .0195  |   |
|   |   |   |   | 977  | .0530  |   |
|   |   |   |   | 978  | .0750  |   |
|   |   |   |   | 966  | .0530  |   |
|   |   |   |   | 965  | .0836  |   |
|   |   |   |   | 964  | .1104  |   |
|   |   |   |   | 963  | .0040  |   |
|   |   |   |   | 981  | .0162  |   |
|   |   |   |   | 998  | .2300  |   |
|   |   |   |   | 1015 | .1080  |   |
|   |   |   |   | 1014 | .0300  |   |
|   |   |   |   |      | 6.8495 |   |

[सं. अं-14016/286/85-जी. पी.]

राजेश कश्यप, उप सचिव

| Supplementary Case   |         |          |         |          |               |         |
|--|---------|----------|---------|----------|---------------|---------|
| Details of Land for laying down Gas Pipe lines in village Baramau Sisala |         |          |         |          |               |         |
| District   | Tehsil  | Pargana  | Village | Plot No. | Area in acres | Remarks |
| 1  | 2       | 3        | 4       | 5        | 6             | 7       |
| Hardoi   | Bilgram | Katiyari | Bara-   | 11       | .1350         |         |
|  |         |          | Mau     | 12       | .1200         |         |
|  |         |          | Sisala  | 13       | .0330         |         |
|  |         |          |         | 14       | .0570         |         |
|  |         |          |         | 15       | .0540         |         |
|  |         |          |         | 16       | .0120         |         |
|  |         |          |         | 17       | .1320         |         |
|  |         |          |         | 18       | .0135         |         |
|  |         |          |         | 20       | .0160         |         |
|  |         |          |         | 22       | .0032         |         |
|  |         |          |         | 29       | .0300         |         |
|  |         |          |         | 23       | .1020         |         |
|  |         |          |         | 24       | .0288         |         |
|  |         |          |         | 25       | .1110         |         |
|  |         |          |         | 26       | .1620         |         |
|  |         |          |         | 353      | .0072         |         |
|  |         |          |         | 27       | .0540         |         |
|  |         |          |         | 350      | .0200         |         |
|  |         |          |         | 326      | .0150         |         |
|  |         |          |         | 280      | .0192         |         |
|  |         |          |         | 281      | .1530         |         |
|  |         |          |         | 282      | .0360         |         |
|  |         |          |         | 274      | .0032         |         |
|  |         |          |         | 273      | .0392         |         |
|  |         |          |         | 283      | .1140         |         |
|  |         |          |         | 284      | .1260         |         |
|  |         |          |         | 285      | .1140         |         |
|  |         |          |         | 286      | .1260         |         |
|  |         |          |         | 288      | .1080         |         |
|  |         |          |         | 261      | .2040         |         |
|  |         |          |         | 258      | .0720         |         |
|  |         |          |         | 257      | .1380         |         |
|  |         |          |         | 256      | .2220         |         |
|  |         |          |         | 249      | .0005         |         |
|  |         |          |         | 255      | .0005         |         |
|  |         |          |         | 250      | .1680         |         |
|  |         |          |         | 252      | .0010         |         |
|  |         |          |         | 253      | .1080         |         |
|  |         |          |         |          | 2.8583        |         |

S.O. 3320.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project Vikash Deep Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

|        |         |          |       |     |       |  |
|--------|---------|----------|-------|-----|-------|--|
| Hardoi | Bilgram | Katiyari | Bara- | 254 | .0180 |  |
|        |         |          | Mau   | 539 | .0128 |  |
|        |         |          | Sisla | 663 | .1770 |  |
|        |         |          |       | 662 | .0008 |  |
|        |         |          |       | 664 | .1380 |  |
|        |         |          |       | 665 | .0374 |  |
|        |         |          |       | 655 | .1710 |  |
|        |         |          |       | 654 | .1680 |  |
|        |         |          |       | 653 | .0787 |  |
|        |         |          |       | 652 | .1510 |  |
|        |         |          |       | 696 | .1500 |  |
|        |         |          |       | 695 | .0110 |  |
|        |         |          |       | 698 | .1510 |  |
|        |         |          |       | 699 | .0180 |  |
|        |         |          |       | 700 | .0150 |  |
|        |         |          |       | 701 | .0180 |  |
|        |         |          |       | 702 | .0120 |  |
|        |         |          |       | 750 | .0020 |  |
|        |         |          |       | 751 | .0480 |  |
|        |         |          |       | 752 | .1200 |  |
|        |         |          |       | 745 | .0001 |  |
|        |         |          |       | 842 | .1220 |  |
|        |         |          |       | 843 | .0035 |  |
|        |         |          |       | 841 | .1830 |  |
|        |         |          |       | 847 | .0125 |  |
|        |         |          |       | 849 | .1712 |  |
|        |         |          |       | 850 | .0396 |  |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5      | 6     | 7 |
|---|---|---|---|--------|-------|---|
|   |   |   |   | 851    | .0480 |   |
|   |   |   |   | 848    | .0260 |   |
|   |   |   |   | 856    | .1230 |   |
|   |   |   |   | 857    | .0035 |   |
|   |   |   |   | 860    | .0396 |   |
|   |   |   |   | 86     | .0720 |   |
|   |   |   |   | 862    | .0440 |   |
|   |   |   |   | 863    | .0140 |   |
|   |   |   |   | 973    | .0660 |   |
|   |   |   |   | 988    | .0812 |   |
|   |   |   |   | 974    | .1240 |   |
|   |   |   |   | 975    | .1200 |   |
|   |   |   |   | 976    | .0195 |   |
|   |   |   |   | 977    | .0530 |   |
|   |   |   |   | 978    | .0750 |   |
|   |   |   |   | 966    | .0530 |   |
|   |   |   |   | 965    | .0836 |   |
|   |   |   |   | 964    | .1104 |   |
|   |   |   |   | 963    | .0040 |   |
|   |   |   |   | 981    | .0162 |   |
|   |   |   |   | 998    | .2300 |   |
|   |   |   |   | 1015   | .1680 |   |
|   |   |   |   | 1014   | .0300 |   |
|   |   |   |   | 6.8495 |       |   |

[No. O-14016/236/85-GP]

RAKESH KACKER, Dy. Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1988

का.भा.: 001—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायय प्रमुखी में उल्लिखित भूमि से कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ,

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व /68/82 तारीख 5 अक्टूबर, 1982 का निरीक्षण सेम्पुल कोलफील्ड्स लिमिटेड राजस्व अनुभाग, दरभंगा, हाउस, रांची-834001 (बिहार) के कार्ययाल में या उपायुक्त, हजारीबाग, (बिहार) के कार्ययाल में अथवा कोयला नियंत्रक, 1-काउन्सिल हाउस रूट्टी, बरकला-700001 के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निदिष्ट सभी मन्त्रों, जाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, सेम्पुल, कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची-834001 (बिहार) को भेजेगा।

प्रमुखी

अशोक ब्लाक

(उत्तरी कर्गपुरा—कोयला क्षेत्र)

पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित

की जाने वाली भूमि

| क्र.सं. | ग्राम       | थाना  | थाना सं. | जिला      | क्षेत्र | टिप्प-<br>णियां |
|---------|-------------|-------|----------|-----------|---------|-----------------|
| 1.      | बाली        | दंडवा | 69/226   | हजारी बाग | 119.36  | भाग             |
| 2.      | विजैन       | "     | 83/240   | "         | 370.00  | भाग             |
| 3.      | सिदालु      | "     | 84/241   | "         | 155.00  | भाग             |
| 4.      | घमागी       | "     | 86/243   | "         | 250.00  | भाग             |
| 5.      | सराय        | "     | 87/224   | "         | 502.09  | पूर्ण           |
| 6.      | बिरलौंगा    | "     | 88/245   | "         | 217.00  | भाग             |
| 7.      | कैलारा      | "     | 89/246   | "         | 810.00  | भाग             |
| 8.      | दम्पुआ      | "     | 90/247   | "         | 397.55  | पूर्ण           |
| 9.      | मलुआ        | "     | 91/248   | "         | 390.82  | पूर्ण           |
| 10.     | लुहुईया     | "     | 92/249   | "         | 550.23  | पूर्ण           |
| 11.     | तीरहाव      | "     | 93/250   | "         | 458.47  | पूर्ण           |
| 12.     | हेजना       | "     | 94/251   | "         | 988.83  | पूर्ण           |
| 13.     | कुटकी       | "     | 95/252   | "         | 1227.26 | भाग             |
| 14.     | कुटकी खुर्द | "     | 96/253   | "         | 448.00  | पूर्ण           |
|         | उर्फ बेना   |       |          |           |         |                 |
| 15.     | बेस्ती      | "     | 97/254   | "         | 515.39  | भाग             |

कुल क्षेत्र : 7400.00 एकड़ (लगभग)

या 2994.63 हेक्टर (लगभग)

सीमा वर्णन :

क—ख रेखा बाली, बिरलौंगा और कोइलारा ग्रामों से होकर जाती है और फिर कोइलारा ग्राम में वे प्रोनद या बामोदर नदी से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख—ग रेखा वे प्रोनद या बामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा है) जो बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग—घ रेखा वे प्रोनद या बामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ—ङ रेखा वे प्रोनद या बामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ—च रेखा वे प्रोनद या बामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "च" पर मिलती है।

च—छ रेखा ग्राम बेस्ती में वे प्रोनद या बामोदर नदी से होकर बर्सा, और कुटकी ग्रामों से होकर जाती है (जो उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित विपरकार ब्लाक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

छ—ज रेखा ग्राम बेस्ती से होकर जाती है (जो उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित विपरकार ब्लाक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ज" पर मिलती है।



ज—स रेखा ग्राम बेन्ती से होकर जाती है और फिर कुटुकी खुर्द उर्फ बेना और बेन्ती, बिजेन और बेन्ती ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और फिर बिजेन और सिवासु ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "स" पर मिलती है।

स—क रेखा सिवासु और यथामी ग्रामों से होकर जाती है और फिर सराय और कलंधर, विजयलीला और कलंधर ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और फिर ग्राम बाणी से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 19/97/82-सी. एम./ सी. ए.]

# MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 8th September, 1986

S.O.3321:—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the schedule hereto annexed;

## SCHEDULE ASHOK BLOCK NORTH KARANPUR COALFIELD

(land to be notified for prospecting)

| Sl. No. | Village                 | Thana  | Thana number | District   | Area  | Remarks |
|---------|-------------------------|--------|--------------|------------|---|---------|
| 1.      | Ball                    | Tandwa | 69/226       | Hazaribagh | 119.36  | Part    |
| 2.      | Bijain                  | -do-   | 83/240       | -do-       | 370.00  | "       |
| 3.      | Sidalu                  | -do-   | 84/241       | -do-       | 135.00  | "       |
| 4.      | Thethangl               | -do-   | 86/243       | -do-       | 250.00  | "       |
| 5.      | Saraiya                 | -do-   | 87/244       | -do-       | 502.09  | Full    |
| 6.      | Chirilaunga             | -do-   | 88/245       | -do-       | 217.00  | Part    |
| 7.      | Koilara                 | -do-   | 89/246       | -do-       | 810.00  | "       |
| 8.      | Dembua                  | -do-   | 90/247       | -do-       | 397.55  | Full    |
| 9.      | Jhulunda                | -do-   | 91/248       | -do-       | 390.82  | "       |
| 10.     | Lukuia                  | -do-   | 92/249       | -do-       | 550.23  | "       |
| 11.     | Torhad                  | -do-   | 93/250       | -do-       | 458.47  | "       |
| 12.     | Henjda                  | -do-   | 94/251       | -do-       | 938.83  | "       |
| 13.     | Kutki                   | -do-   | 95/252       | -do-       | 1227.26   | Part    |
| 14.     | Kutki Khurd alias Thana | -do-   | 96/253       | -do-       | 443.00  | Full    |
| 15.     | Benti                   | -do-   | 97/254       | -do-       | 515.39  | Part    |
|         |                         |        |              |            | Total area . 7400.00 acres (approximately or 2994.63 hectares (approximately) |         |

### BOUNDARY DESCRIPTION :

|     |   |     |   |
|-----|---|-----|---|
| A-B | line passes through villages Ball, Chirilaunga and Koilara then through River Deonod or Damodar in village Koilara and meets at point 'B'.                | F-G | line passes through River Deonod or Damodar in Village Benti, through villages Benti and Kutki (which forms part common boundary of Piparwar Block acquired under sub-section (1) of section 9 of the said Act) and meets at point 'J'. |
| B-C | line passes along the part Central line of River Deonod or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'C'. | G-H | line passes through village Benti (which forms part common boundary of Piparwar Block acquired under sub-section (1) of section 9 of the said Act) and meets at point 'H'.  |
| C-D | line passes along the part Central line of River Deonod or Damodar (which forms part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'D'.  | H-I | line passes through village Benti, then passes along the part common boundary of villages Kutki khurd alias Thana and Benti, Bijain and Benti, then passes through villages Bijain and Sidalu and meets at point 'I'.                   |
| D-E | line passes along the part Central line and river Deonod or Damodar (which forms part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'E'. | I-A | line passes through villages Sidalu and Thathangl, then passes along common boundary of villages Saraiya and Klandhar, Chirilaunga and Klandhar, then through village Ball and meets at starting point 'A'.                             |
| E-F | line passes along the part Central line of River Deonod or Damodar (which forms part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'F'.  |     |   |

[No. 19/97/82-CL/CA]

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan No. Rev/68/82 dated the 5th October 1982, the area covered by this notification can be inspected in the office of the Central Coalfields Limited, Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi-834001 (Bihar) or in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the office of the Coal Controller 1, Council House Street, Calcutta-700001.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi-834001 (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification.

को. भा. १३३२-केन्द्रीय सरकार ने, कोयला अधिनियम (ध्वजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 11 जनवरी, 1988 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) को अधिसूचना सं. का. भा. 95, तारीख 26 दिसम्बर, 1985 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिसरों में 1321.28 एकड़ (लगभग) या 534.972 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयले का खनन करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि से 1321.28 एकड़ (लगभग) 534.972 हैक्टर (लगभग) भूमि में कोयला अधिप्राप्त है ;

अतः, प्रभू केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1321.28 एकड़ (लगभग) या 534.972 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि और उससे खनन अधिकारों का ध्वजन करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

टिप्पण : 1. इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. बी. सी. सी. एन./डि. बी./52-88 तारीख 24 फरवरी, 1986 का निरीक्षण उपायुक्त, बनबाद (बिहार) या कोयला निबंधक, 1, कार्गिल स्ट्रीट, कलकत्ता या निदेशक परियोजना अभ्यस्त कोयला कोल लि. कोयला मजदूर, डाकघर कोयला मंगर, जिला बनबाद (बिहार) के अधीनस्थ में किया जा सकता है ।

टिप्पण : 2. कोयला धारक क्षेत्र (ध्वजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपधारा की धारा 8 के अधिनियम द्वारा प्रदत्त किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध है :—

“8(1) किसी ऐसी भूमि में, जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितबद्ध कोई व्यक्ति अधिसूचना जारी की जाने के तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उसपर के किसी अधिकारों के ध्वजन के प्रति आशय कर सकता है ।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अन्तर्गत यह आशय नहीं माना जाएगा कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला खनन के लिए स्वयं खनन संचालित करना चाहता है और ऐसी संचालन केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए ।

(2) उपधारा (1) के अधीन अत्यधिक आशय सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और संलग्न प्राधिकारी आशयकर्ता को स्वयं खनने जाने का या बिधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसे सभी आशयों की सुनवाई के पश्चात् और ऐसी प्रतिरिक्त बांध, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो अधिकार सम्पत्ति है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के बिना टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आशयों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई सुनवाई के अधिनियम सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिर्देश के लिए देगा ।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार पर इस अधिनियम के अधीन अधिसूचित कर लिए जाते ।

टिप्पण : 3. केन्द्रीय सरकार ने, कोयला निबंधक 1, कार्गिल स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन संलग्न प्राधिकारी नियुक्त किया है ।

### अनुसूची

सिमा क्षेत्रक “ग”

भरिया कोयला क्षेत्र

### खनन अधिकार

| क्र. सं. | मोटा (ग्राम), | थला सं. | थला   | जिला   | क्षेत्र हैक्टर में | टिप्प-बिंदु |
|----------|---------------|---------|-------|--------|--------------------|-------------|
| 1.       | मूनीडीह       | 85      | भरिया | केनबाद | 10.240             | भाग         |
| 2.       | गरभूडीह       | 86      | “     | “      | 14.750             | “           |
| 3.       | सरायडाहा      | 87      | “     | “      | 83.230             | पूर्ण       |
| 4.       | सकड़वारी      | 88      | “     | “      | 114.920            | “           |
| 5.       | कारीतानर      | 89      | “     | “      | 45.800             | भाग         |
| 6.       | तेतगाबाद      | 90      | “     | “      | 90.520             | पूर्ण       |
| 7.       | माडीतडीह      | 91      | “     | “      | 90.230             | भाग         |
| 8.       | बरभूडीह       | 92      | “     | “      | 68.640             | “           |
| 9.       | बाबूडीह       | 93      | “     | “      | 0.602              | “           |
| 10.      | सुनराजपुर     | 94      | “     | “      | 16.00              | “           |

कुल 534.97 हैक्टर (लगभग) या 1321.97 एकड़ (लगभग)

मोटा मूनीडीह में अधिसूचित किए जाने वाले प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

890 (भाग), 891 (भाग), 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, और 902

मोटा गरभूडीह में अधिसूचित किए जाने वाले प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

333 (भाग), 613 (भाग), 614 (भाग), 626 (भाग), 627 (भाग), 628 (भाग), 629 (भाग), 630 (भाग), 631 (भाग), 644 (भाग), 837 (भाग), 838 (भाग), 839 (भाग), 840, 841 (भाग), 842 (भाग), 843 (भाग), 845 (भाग), 847 (भाग), 848 (भाग), 849, 850 (भाग), 851, 852 (भाग), 852 (भाग), 853 (भाग), 854 से 860, 861 (भाग), 862, 863 (भाग), 864 (भाग), 865 (भाग), 866, 866 (भाग), 889 (भाग), 890, 891 (भाग), 893 (भाग), 894 से 897, 898 (भाग), 899 (भाग), 900 (भाग), 901 से 919.

मोटा सरायडाहा में अधिसूचित किए जाने वाले प्लॉट सं.

2 से 462, 464 से 779.

मोटा सकड़वारी में अधिसूचित किए जाने वाले प्लॉट सं.

1 से 534, 536 से 710

मोटा कारीतानर में अधिसूचित किए जाने वाले प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

1 से 181, 182 (भाग), 183 (भाग), 184 (भाग), 185 (भाग) (भाग), 186, 187, 188 (भाग), 189 (भाग), 190, 191, 192 (भाग), 193 (भाग), 194 से 204, 205 (भाग), 206 (भाग), 207 (भाग), 211 (भाग), और 212 (भाग), 253 (भाग), 297 (भाग), 298 (भाग), 299, 300 (भाग), और 321 (भाग), 325 से 327।

मोटा तेतगाबाद में अधिसूचित किए जाने वाले प्लॉट सं.

खनन अधिकार :

1 से 186, 190 से 252, 254 से 256

मोजा बरहूरी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

1 से 362, 363 (भाग), 364 (भाग), 365 (भाग), 366 (भाग), 367 से 492, 493 (भाग), 494 (भाग), 495 (भाग), 496 (भाग), 505 (भाग), 508 (भाग), 509 (भाग), 510 (भाग), 511 से 536, 537 (भाग), 538 (भाग), 539, 540 (भाग), 541 (भाग), 545 (भाग), 546 (भाग), 547 (भाग), 572, 573 (भाग), 571 (भाग), 580 (भाग), 581 से 584, 585 (भाग), 586 से 604, 605 (भाग), 606 से 609, 610 (भाग), 794 (भाग), 795 (भाग), 810 (भाग), 811 से 813, 814 (भाग), 815 (भाग) और 816 (भाग), 872, 964 से 968, 970 और 971.

मोजा माझीसाडीह में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

1 से 499, 500 (भाग), 501 से 506 (भाग), 508, 509, 510 (भाग), 511 (भाग), 519 (भाग), 521 (भाग), 522 (भाग), 524 (भाग), 525 (भाग), 526 से 539, 540 (भाग), 542 (भाग), 543, 544, 545 (भाग), 546 से 575 (भाग), 577 (भाग), 578 (भाग) और 579 से 588, 589 (भाग), 597 (भाग), 598 (भाग), 601 (भाग), 602 (भाग), 603 (भाग), और 604 से 606, 607 (भाग), 609 से 614.

मोजा बालूडीह में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

जनन अधिकार :

113 (भाग)

मोजा बृधराजपुर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

जनन अधिकार :

109 (भाग), 120 (भाग), 121 (भाग), 122 (भाग), 123 से 143, 144 (भाग), 145 (भाग), 146 (भाग), 154, 155 (भाग), 156 (भाग), 157 (भाग), 168 (भाग), 147 (भाग), 168 (भाग), 169 (भाग), 170 से 175, 176 (भाग), और 177 से 237 मोसा वर्जन.

क—ख रेखा, परबूडीह की दक्षिणी सीमा के भाग और मोजा बरहूरी के प्लॉट सं. 333, 613, 614, 624, 631, 628, 629, 630, 614, 637, 837, 838, 841, 842, 843, 853, 852, 850, 847, 846, 865, 867, 863, 864, 961, 885, 889, 893, 898, 899 और 900 तथा मोजा बृधराजपुर के प्लॉट सं. 120, 121, 124, 109, 145, 156, 155, 180, 166, 167 से होकर जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ग—घ रेखा, मोजा बृधराजपुर के प्लॉट सं. 108, 176, 169, मोजा बालूडीह के प्लॉट सं. 113, मोजा बरहूरी के प्लॉट सं. 493, 494, 496, 495, 509, 510, 504, 505, 541, 540, 544, 546, 538, 537, 580 से होकर जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

घ—ङ रेखा, मोजा बरहूरी के प्लॉट सं. 561, 855, 610, 613, 794 से होकर जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग—च रेखा मोजा बरहूरी के प्लॉट सं. 704, 705, 795, 366, 365, 363, 810, 872, 814, 815, 8, से होकर जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

च—छ रेखा, मोजा कारीतानर के प्लॉट सं. 182, 194, 183, 185, 189, 192, 212, 211, 193, 207, 206, 205, से होकर जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

छ—ज रेखा, मोजा माझीसाडीह के प्लॉट सं. 500, 509, 511, 507, 519, 521, 525, 524, 540, 542, 545, 576, 577, 578, मोजा कारीतानर के प्लॉट सं. 253, 297, 298 से होकर जाती है और बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज—झ रेखा, मोजा कारीतानर के प्लॉट सं. 300, 321, मोजा माझीसाडीह के प्लॉट सं. 586, 587, 598, 601, 602, 603, 607 से होकर जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

झ—ञ रेखा मोजा माझीसाडीह के प्लॉट सं. 607 मोजा तेलंगाबाद के प्लॉट सं. 117, 118, 115, 252 से होकर जाती है और बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ञ—ट रेखा, मोजा तेलंगाबाद के प्लॉट सं. 252 से होकर जाती है और बिन्दु 'झ' पर मिलती है।

ट—ड रेखा, मोजा तेलंगाबाद के प्लॉट सं. 252, 207, 188, 1, मोजा माझीसाडीह के प्लॉट सं. 167, 10, मोजा कारीतानर के प्लॉट सं. 2, मोजा लकड़वारी के प्लॉट सं. 708, 704, 686, 585, 578, 577, 557, 556, से होकर जाती है और बिन्दु 'ञ' पर मिलती है।

ड—ट रेखा, मोजा लकड़वारी के प्लॉट सं. 555, 552, 651, 636, 534 मोजा सरायवाहा के प्लॉट सं. 499, 464 और 465 से होकर जाती है और बिन्दु 'ट' पर मिलती है।

ट—क रेखा, मोजा सरायवाहा के प्लॉट सं. 465, 509, 510, 462, 200, 11, 2, से होकर जाती है और बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/25/85-सी.प.]

समय सिंह, धनबाद सचिव

S.O. 3322 :—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S.O. 95 dated the 26th December, 1985 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), published in the Gazette of India dated the 11th January, 1986, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1321.28 acres (approximately) or 534.972 hectares (approximately) of lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And, whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in 1321.28 acres (approximately) or 534.972 hectares (approximately) out of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 1321.28 acres (approximately) or 534.972 hectares (approximately) and mining rights therein, as described in the Schedule appended hereto :

Note 1 :—The Plan No. BCCL/ED/52-85 dated the 24th February, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Director (Project), Bharat Cooking Coal Limited, Koyla Bhavan, Post Office Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar).

Note 2 :—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) which provides as follows :—

“(81) Any person interested in any land in respect of which notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation :—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under

sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

- (3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3 :—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

### SINGRA BLOCK 'C' JHARIA COALFIELDS

#### Mining Rights

#### SCHEDULE

| Sl. No. | Mouza (Village) | Thana No. | Thana  | District | Area in Hectares | Remarks |
|---------|-----------------|-----------|--------|----------|------------------|---------|
| 1.      | Manidih         | 85        | Jharia | Dhanbad  | 10.240           | Part    |
| 2.      | Garbhudih       | 86        | -do-   | -do-     | 14.750           | -do-    |
| 3.      | Saraidaha       | 87        | -do-   | -do-     | 83.250           | Full    |
| 4.      | Lakarkhawari    | 88        | -do-   | -do-     | 114.920          | -do-    |
| 5.      | Karitanr        | 89        | -do-   | -do-     | 45.800           | Part    |
| 6.      | Tetangabad      | 90        | -do-   | -do-     | 90.520           | Full    |
| 7.      | Majhiladhi      | 91        | -do-   | -do-     | 90.250           | Part    |
| 8.      | Bardubhi        | 92        | -do-   | -do-     | 68.640           | -do-    |
| 9.      | Baludih         | 93        | -do-   | -do-     | 0.602            | -do-    |
| 10.     | Dubrajpur       | 94        | -do-   | -do-     | 16.00            | -do-    |

Total : 534.97 hectares (approximately) or  
1321.28 acres (approximately)

Plots numbers to be acquired in Mouza Mandih.

Mining Rights :

890 (Part), 891 (Part), 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, and 902.

Plots numbers to be acquired in Mouza Garbhudih.

Mining Rights :

333 (Part), 613 (Part), 614 (Part), 626 (Part), 627 (Part), 628 (Part), 629 (Part), 630 (Part), 631 (Part), 644 (Part), 837 (Part), 838 (Part), 839 (Part), 840, 841 (Part), 842 (Part), 843 (Part), 846 (Part), 847 (Part), 848 (Part), 849, 850 (Part), 851, 852 (Part), 853 (Part), 854 to 859, 851 (Part), 862, 863 (Part), 864 (Part), 865 (Part), 865, 865 (Part), 889 (Part), 890, 891 (Part), 893 (Part), 894 to 897, 898 (Part), 899 (Part), 900 (Part), 901 to 919.

Plots numbers to be acquired in Mouza Saraidaha.

2 to 462, 464 to 779.

Plots numbers to be acquired in Mouza Lakarkhawari.

1 to 534, 536 to 710.

Plots numbers to be acquired in Mouza Karitanr.

Mining Rights :

2 to 181, 182 (Part), 183 (Part), 184 (Part), 185 (Part), 186, 187, 188 (Part), 189 (Part), 190, 191, 192 (Part), 193 (Part), 194 to 204, 205 (Part), 206 (Part), 207 (Part), 211 (Part) and 212 (Part), 253 (Part), 297 (Part), 298 (Part), 299, 300 (Part), and 321 (Part), 325 to 327.

Plots numbers to be acquired in Mouza Tetangabad.

Mining Rights :

1 to 183, 190 to 252, 254 to 256.

Plots numbers to be acquired in Mouza Bardubhi.

1 to 362, 363 (Part), 364 (Part), 265 (Part), 266 (Part), 367 to 492, 493 (Part), 484 (Part), 435 (Part), 496 (Part), 505 (Part), 503 (Part), 509 (Part), 510 (Part), 511 to 536, 537 (Part), 533 (Part), 532, 540 (Part), 541 (Part), 545 (Part), 546 (Part), 547 (Part), 572, 573 (Part), 571 (Part), 580 (Part), 581 to 584, 585 (Part), 586 to 604, 605 (Part), 606 to 609, 610 (Part), 794 (Part), 795 (Part), 810 (Part), 811 to 813, 814 (Part), 815 (Part), and 816 (Part), 872, 964, to 958, 970 and 971.

Plots numbers to be acquired in Mouza Majhiladhi.

1 to 499, 500 (Part), 501 to 505 (Part), 503, 503, 510 (Part), 511 (Part), 519 (Part), 521 (Part), 522 (Part), 524 (Part), 525 (Part), 526 to 533, 540 (Part), 542 (Part), 543, 544, 545 (Part), 545 to 575 (Part), 577 (Part), 578 (Part) and 579 to 588, 589 (Part), 597 (Part), 593 (Part), 601 (Part), 602 (Part), 603 (Part), and 604 to 605, 607 (Part), 600 to 614.

Plots numbers to be acquired in Mouza Baludih.

Mining rights :

113 (Part).

Plots numbers to be acquired in Mouza Dubrajpur.

## Mining rights.

109 (Part), 120 (Part), 121 (Part), 122 (Part), 123 to 143, 144 (Part), 145 (Part), 146 (Part), 154, 155 (Part), 156 (Part), 157 (Part), 166 (Part), 147 (Part), 168 (Part), 169 (Part), 170 to 175, 176 (Part) and 177 to 237.

## BOUNDARY DESCRIPTION :

A-B Line passes along the Southern Boundary of Garbhudih and through plots numbers, 333, 613, 614, 624, 631, 628, 629, 630, 644, 637, 837, 838, 841, 842, 843, 853, 852, 850, 847, 846, 865, 862, 863, 864, 961, 885, 889, 893, 898, 899, and 900 of Mouza Garbhudih and plots numbers 120, 121, 124, 109, 145, 156, 155, 180, 166, 167 of Mouza Dubrajpur and meets at point 'B'.

B-C Line passes through plots nos. 168, 176, 169 of Mouza Dubrajpur Plot No. 113 of Mouza Baludih plot Nos. 493, 494, 496, 495, 509, 510, 508, 505, 541, 540, 545, 546, 530, 537, 580 of Mouza Bardubhi and meets at point 'C'.

C-C Line passes through plots numbers 381, 585, 610, 613, 794 of Mouza Bardhubi and meets at point C/I.

C-1/D Line passes through plots numbers 794, 605, 795, 366, 365, 363, 810, 872, 814, 815, 816 of Mouza Bardubhi and meets at point 'D'.

D-E Line passes through plots numbers 192, 104, 183, 185, 189, 192, 212, 211, 193, 207, 205, 205 of Mouza Karitaur and meets at point 'E'.

E-F Line passes through plots numbers 500, 503, 511, 507, 519, 521, 525, 524, 540, 542, 545, 575, 577, 678 of Mouza Majhiladih, Plot Nos. 253, 297, 298 of Mouza Karitaur and meets at point, 'F'.

F-G Line passes through plots nos. 300, 321 of Mouza, Karitaur, plots numbers 589, 597, 593, 601, 602, 603 607 of Mouza Majhiladih and meets at point 'G'.

G-H Line passes through plots Nos. 607 of Mouza Majhiladih plots nos. 117, 118, 115, 232 of Mouza Tetangabad and meets at Point 'H'.

H-I Line passes through plots No. 252 of Mouza Tetangabad meets at point 'I'.

I-J Line passes through plots No. 252, 207, 188, 1 of Mouza Tetangabad. Plots Nos. 167, 10 of Mouza Majhiladih Plot No. 2 of Mouza Karitaur, plots Nos. 709, 704, 686, 585, 578, 577, 537, 556, of Mouza Lakarkhawari and meets at point 'J'.

J-K Line passes through plots No. 555, 552, 531, 536, 534, of Mouza Lakarkhawari plots No. 499, 454, and 465 of Mouza Saraidaha and meets at point K.

K-A Line passes through Plots No. 465, 509, 510, 462, 200, 11, 2 of Mouza Saraidaha and meets at point 'A'.

[No. 43015/25/85-CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

## काय और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)


भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1986


का. भा. 3323.-भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम 1955 के विनियम (4) के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित मानक विज्ञान, जिसके डिजाइन तथा डिजाइन संबंधी शाब्दिक विवरण और सम्बद्ध भारतीय मानक (को) के शीर्षक नीचे अनुसूची में दिए व्योरो में दिए गए हैं, विधायित्व पर दिए गए हैं। ये मानक विज्ञान भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) अधिनियम, 1952 और इसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के निमित्त प्रत्येक के प्राप्ति की गई तारीख से लागू होंगे।

## अनुसूची

| क्रम सं. | मानक विज्ञान का डिजाइन | उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी | सम्बद्ध भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक | मानक विज्ञान के डिजाइन का शाब्दिक विवरण | प्रमाणन तारीख |
|----------|------------------------|-------------------------|---|---|---------------|
| (1)      | (2)                    | (3)                     | (4)                                     | (5)                                     | (6)           |

|    |   |                                   |  |  |            |
|----|---|-----------------------------------|--|--|------------|
| 1. |  | एलुमिनियम मिश्रधातु की बुद्ध केने | IS: 1825-1983 एलुमिनियम मिश्रधातु की बुद्ध केने की विनिर्दिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण) |  | 1985-04-01 |
|----|---|-----------------------------------|--|--|------------|

भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम, जिसमें स्तम्भ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में "ISI" प्रक्षर बनाए गए हैं; डिजाइन में दिखाये अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक की पर संख्या अंकित है।

|    |   |                                   |  |     |            |
|----|---|-----------------------------------|--|-----|------------|
| 2. |  | सोडियम मेटाबाइसल्फेट, खाद्य ग्रेड | IS: 4752-1968 सोडियम मेटाबाइसल्फेट, खाद्य ग्रेड की विनिर्दिष्ट | बही | 1985-07-16 |
|----|---|-----------------------------------|--|-----|------------|

[सं. सी एम डी/13: 9]

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)



## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 29th August, 1986

S.O. 334.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks Rules, 1955) the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s) design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

## SCHEDULE

| Sl. No. | Design of the Standard Mark  | Product/class of Product          | No. and Title of the Relevant Indian Standard                                | Verbal description of the design of the Standard Mark  | Date of Effect |
|---------|--|-----------------------------------|--|--|----------------|
| 1       | 2  | 3                                 | 4  | 5  | 6              |
| 1.      | IS : 1825<br>   | Aluminium alloy milk cans         | IS : 1825-1983 Specification for aluminium alloy milk cans (Second Revision) | The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design | 1985-04-01     |
| 2.      | IS : 4752<br> | Sodium metabisulphate, food grade | IS : 4752-1968 Specification for sodium metabisulphate, food grade           | The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design | 1985-07-16     |

[No. CMD/13 : 9]

का.प्र. 3324.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिये गये व्योरा के अनुसार निर्धारित की गई है। यह फीस उनके प्राप्ति की तिथि से लागू होगी।

## अनुसूची

| क्रम संख्या | उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी           | उत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक                                   | प्रति इकाई  | मुहर लगाने की प्रति इकाई फीस   | लागू होने की तारीख |
|-------------|-----------------------------------|---|-------------|--|--------------------|
| (1)         | (2)                               | (3)   | (4)         | (5)  | (6)                |
| 1.          | एलुमिनियम मिश्रधातु की बुरख केने  | IS : 1825 1983 एलुमिनियम मिश्रधातु की बुरख केने की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) | एक केन      | (1) 40 पैसे प्रति इकाई, पहली 20,000 इकाइयों के लिए;<br>(2) 20 पैसे प्रति इकाई, 20001वां तथा इससे अधिक इकाइयों के लिए | 1985-04-01         |
| 2.          | सोडियम मेटाबा सल्फेट, खाद्य ग्रेड | IS : 4752 1968 सोडियम मेटाबासल्फेट, खाद्य ग्रेड की विशिष्टि                   | एक कि.ग्रा. | 5 पैसे   | 1985-07-16         |

[सं. सी एम की/13 : 10]

S. O. 3324—In pursuance of sub-regulation ( ) of regulation 7 of the Indian Standard Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates which are shown against each :

## SCHEDULE

| Sl. No. | Product/Class of Product          | No. and Title of Relevant Indian Standard                                    | Unit    | Marketing fee per unit   | Date of Effect |
|---------|-----------------------------------|--|---------|--|----------------|
| 1       | 2                                 | 3  | 4       | 5  | 6              |
| 1.      | Aluminium alloy milk cans         | IS : 1825—1983 Specification for aluminium alloy milk cans (Second Revision) | One can | (i) 40 Paise per unit for the first 20000 units and<br>(ii) 20 Paise per unit for the 20001st unit and above | 1985-04-01     |
| 2.      | Sodium metabisulphate, food grade | IS : 4752—1968 Specification for Sodium metabisulphate, food grade           | One kg. | 5 Paise  | 1985-07-16     |

[No. CMD/13 : 10]

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1986

का.प्र. 3325.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 68 लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, वे लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए अक्टूबर 1983 में स्वीकृत किये गये हैं :

## अनुसूची

| क्रम सं. | लाइसेंस संख्या (सीएम/एल)      | से       | वैधता की अवधि तक | लाइसेंसधारी का नाम और पता  | IS : संख्या    |
|----------|-------------------------------|----------|------------------|--|----------------|
| 1        | 2                             | 3        | 4                | 5  | 6              |
| 1.       | सीएम/एल 1239345<br>1983-09-30 | 83-10-16 | 84-10-15         | राष्ट्रीय इंजीनियरिंग वर्क्स (प्रा.) लि.,<br>जी.टी. रोड, बटाला-143505<br>(पंजाब)   | IS : 1729—1979 |
| 2.       | सीएम/एल 1239444<br>1983-09-30 | 83-10-16 | 84-10-15         | ठाकुरदास सुरेखा इंजी. कार्प.,<br>प्रा. लि.,<br>10, ठाकुरदास सुरेखा रोड,<br>भुसरी, हावड़ा-7   | IS : 774—1971  |
| 3.       | सीएम/एल 1239545<br>1983-10-04 | 83-10-01 | 84-09-30         | ओरियन्ट सीमेंट (प्रा.) लि., ओरियन्ट<br>पेपर्स इंडस्ट्रीज (लि.),<br>वेबपुर सीमेंट वर्क्स,<br>देवपुर-504218, लक्सेटोपेट<br>तालुक,<br>जिला भाविस्वाबाव (घां.प्र.)     | IS : 1489—1976 |
| 4.       | सीएम/एल 1239646<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15         | सप्तगिरि एग्रो-इन्ड्रिज सिस्टम्स लि.,<br>प्लॉट सं. 50, ब्लॉक डी,<br>कल्याण, इंड. इस्टेट, कल्याण,<br>जिला नविया<br>(कार्यालय : 11 पोलाक स्ट्रीट,<br>कलकत्ता-700001) | IS : 4810—1968 |
| 5.       | सीएम/एल 1239747<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15         | हिमालय रबड़ प्राइवेट लि.,<br>प्लॉट सं. 24, ब्लॉक डी,<br>कल्याण, इंड. इस्टेट, डा.<br>कल्याण,<br>जिला नविया,<br>(कार्यालय : 18 बी बाबोन रोड,<br>कलकत्ता-700001)      | IS : 4810—1968 |
| 6.       | सीएम/एल 1239848<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15         | बी. एल. इंडस्ट्रीज,<br>64 एम्ब 65 इंड. एरिया,<br>मंडीबीप, जिला रायसोन (म.प्र.)   | IS : 8960—1978 |

| 1   | 2                             | 3        | 4        | 5   | 6                    |
|-----|-------------------------------|----------|----------|---|----------------------|
| 7.  | सीएम/एल—1239949<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15 | स्टेलिंग पेस्टीसाइड्स,<br>डी-3, इन्डस्ट्रियल प्लाट्स,<br>इंडस्ट्रियल एस्टेट, पुवाकुडि,<br>तिरुचिरापल्ली 620015  | IS: 562—1978         |
| 8.  | सीएम/एल—1240025<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15 | जय केमिकल्स, 14/1,<br>मयूरा रोड, करीबाबाद-121003  | IS: 8074—1976        |
| 9.  | सीएम/एल—1240126<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15 | ब वास्को, प्राइमरूम कॉ.,<br>11-बी एण्ड डी 13,<br>डा. सुधीर बसु रोड,<br>कलकत्ता-700023<br>(कार्यालय : 86 एजरा स्ट्रीट,<br>कलकत्ता-700001   | IS: 1694—1974        |
| 10. | सीएम/एल—1240227<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15 | " "   | IS: 1695—1974        |
| 11. | सीएम/एल—1240328<br>1983-10-04 | 83-10-16 | 84-10-15 | " "   | IS: 2923—1974        |
| 12. | सीएम/एल—1240429<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | धाविनाथ केबल्स एण्ड कंडक्टर्स<br>प्र. लि.,<br>ई-43ए, रोड नं. 1-बी,<br>विश्वकर्मा इंड. एरिया,<br>जयपुर 302013  | IS: 398(भाग 2)—1976  |
| 13. | सीएम/एल—1240530<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | श्री कामाक्षी फूड प्राइमरूम (प्रा.)<br>लि., कासिमकोटा-531031<br>भलकापल्ली (तालुक)<br>विशाखापत्तनम्<br>(कार्यालय : 4-48-1, सासन्स<br>राय कालोनी, विशाखापत्तनम्<br>(प्रां. प्र.)) | IS: 1011—1968        |
| 14. | सीएम/एल—1240631<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | इलेक्ट्रोसाइड्स एण्ड भलायक<br>केमिकल्स,<br>मारायणपुरम, वेलाजेरी रोड,<br>मद्रास-601302   | IS: 6177—1981        |
| 15. | सीएम/एल—1240732<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | मैरी पावर इंटरप्राइजेज,<br>यूनिट नं. 2, 15 इंड. एरिया,<br>रिछाई, जयपुर (भ. प्र.)  | IS: 694—1977         |
| 16. | सीएम/एल—1240833<br>1983-09-29 | 83-10-16 | 84-10-15 | जोधपुर केबल्स एण्ड कंडक्टर्स प्रा.<br>लि.,<br>17, लाइट इंडस्ट्रियल एरिया,<br>जोधपुर-342005  | IS: 694—1977         |
| 17. | सीएम/एल—1240934<br>1983-10-10 | 83-10-16 | 84-10-15 | गुरुजीम इंडस्ट्रीज, एप्रोव रोड,<br>कुकरवाड़ा तालुक विजापुर,<br>जिला मेहसाणा-382830  | IS: 325—1978         |
| 18. | सीएम/एल—1241027<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | अरोड़ा सजिकल्स, गांव ब. डा.<br>कुआना,<br>भिला रोहक-124102<br>(हरियाणा)  | IS: 863—1969         |
| 19. | सीएम/एल—1241128<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | " "   | IS: 758—1975         |
| 20. | सीएम/एल—1241229<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | बाडेड पैकेजिंग प्रा. लि.,<br>117/354, जी.टी. रोड,<br>रावलपुर, कानपुर (उ.प्र.)   | IS: 7406(भाग 2)—1980 |
| 21. | सीएम/एल—1241330<br>1983-10-10 | 83-10-16 | 84-10-15 | किलवेस्ट प्रा. लि., 7/सी,<br>इंडस्ट्रियल एरिया, मोविन्दपुरा,<br>भोपाल (भ. प्र.) (कार्यालय :<br>तलवार हाउस, जीएमसी होस्टल<br>रोड, भोपाल)   | IS: 4322—1967        |



| 1   | 2                             | 3        | 4        | 5   | 6                      |
|-----|-------------------------------|----------|----------|---|------------------------|
| 22. | सीएम/एल-1241431<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | स्नेहाल इलेक्ट्राइस एण्ड मल्लायस,<br>31-ए, गिरिराज इंड. इस्टेट,<br>महाकाली केम्प रोड,<br>अलेरी (इ) बंबई 400093  | IS : 814(भाग 1)-1974   |
| 23. | सीएम/एल-1241532<br>1983-10-10 | 83-10-16 | 84-10-15 | " "   | IS : 814(भाग 2)-1974   |
| 24. | सीएम/एल-1241633<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | कुशल मेटल एंड पेंट इंडस्ट्रीज,<br>ए-78, ओखला इंड. एरिया,<br>फेज 2, नई दिल्ली-110020   | IS : 133-1975          |
| 25. | सीएम/एल-1241734<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | अजय केमिस्ट, 20वां मील,<br>जेठरी रोड, कुंडली, जिला सोनी-<br>पत (हरियाणा)  | IS : 1554(भाग 1)-1976  |
| 26. | सीएम/एल-1241835<br>1983-10-17 | 83-10-16 | 84-10-15 | श्री बुर्ग सीमेंट कं. लि.,<br>मिनी सीमेंट प्लांट, गांव हेरला,<br>डा. मरार-829 117,<br>जिला हजारीबाग (बिहार)   | IS : 269-1976          |
| 27. | सीएम/एल-1241936<br>1983-10-17 | 83-11-01 | 84-10-31 | हिन्दुस्तान इन्फ्रेस्ट्रक्चर्स लि.,<br>उद्योगमंडल-683501, केरल  | IS : 633-1975          |
| 28. | सीएम/एल-1242029<br>1983-10-17 | 83-11-01 | 84-10-31 | बी. एल. इंडस्ट्रीज,<br>64 एण्ड 65 इंडस्ट्रियल एरिया,<br>मंडीबीप (जिला रायसीन)<br>(मध्य प्रदेश)  | IS : 562-1978          |
| 29. | सीएम/एल-1242130<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-10-31 | प्रभात होजरी इंडस्ट्री,<br>सी-7, 8 इंड. इस्टेट,<br>बाकवर एम. आई. सी; बेला,<br>मृगपुर-843116<br>(बिहार)  | IS : 6469-1980         |
| 30. | सीएम/एल-1242231<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-10-31 | रेवींदयाल (सेल्स) प्रा. लि.,<br>60/ए, जी. आई. डी. सी.<br>इंडस्ट्रियल इस्टेट, कलोल (महा.)<br>(कार्यालय : पोस्ट बाक्स 6219,<br>तुलसीराम गुप्ता मिल्स इस्टेट,<br>रीया रोड, बंबई 400010)    | IS : 6177-1981         |
| 31. | सीएम/एल-1242332<br>1983-10-24 | 83-11-01 | 84-10-31 | अशोक पेपर्स लि. प्रा. लि.,<br>पानमकाडू, रामपुरम,<br>डा. बाया टाडा, मुलुरुपेट्टा<br>तालुक, जिला मेल्सोर (प्रा. प्र.)<br>(कार्यालय : सरसिंहरावपेट, मुडुर;<br>जिला मेल्सोर, आन्ध्र प्रदेश) | IS : 4654-1974         |
| 32. | सीएम/एल-1242433<br>1983-10-24 | 83-11-01 | 84-10-31 | सीता लक्ष्मी मैन इंडस्ट्रीज,<br>67-थारामान् थोडान स्ट्रीट,<br>थिरुवंगल-626130 (त. ना.)  | IS : 2653-1980         |
| 33. | सीएम/एल-1242534<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | गोल्डन स्पोर्ट्स इन्व्यू एक्स 53,<br>बस्ती मक, अलंघर-144002<br>(पंजाब)  | IS : 417(भाग III)-1974 |
| 34. | सीएम/एल-1242635<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | " "   | IS : 417(भाग 2)-1974   |
| 35. | सीएम/एल-1242736<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | माइजादा एण्ड सन्स, एस.-6,<br>इंडस्ट्रियल एरिया, अलंघर-<br>144004 (पंजाब)  | IS : 417 (भाग 3)-1974  |
| 36. | सीएम/एल-1242837<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | " "   | IS : 417(भाग 2)-1974   |

| 1                                 | 2        | 3        | 4   | 5                                | 6 |
|-----------------------------------|----------|----------|---|----------------------------------|---|
| 37. सीएम/एल-1242938<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-10-31 | सूरी एण्ड नाथ, सुनील हाउस,<br>58/2, मुम्बैनगर रोड,<br>बंगलोर 560061 (सेसूर)   | IS: 4246-1978                    |   |
| 38. सीएम/एल-1243031<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-10-31 | नाहन फार्मूली लि.,<br>नाहन-173001 (हि.प्र.)   | IS: 1520-1980 और<br>IS: 325-1978 |   |
| 39. सीएम/एल-1243132<br>1983-10-25 | 83-10-01 | 84-09-30 | साब लिटर्स, बी-1, 1016बी,<br>बिदपावन रोड, मुम्बई चौक,<br>सिबिल लाइम्स, लुधियाना-141001<br>(पंजाब)   | IS: 458-1968                     |   |
| 40. सीएम/एल-1243233<br>1983-10-25 | 83-10-01 | 84-10-31 | रोमर एण्ड कं. (इंडिया),<br>सी-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट,<br>तालकटोरा, लखनऊ-226011<br>(उ.प्र.)   | IS: 1333-1978                    |   |
| 41. सीएम/एल-1243334<br>1983-10-25 | 83-10-01 | 84-10-31 | सबलॉय प्राइवेट प्रा. लि.,<br>18/1, मयूरा रोड, फरीदाबाद-<br>121002<br>(कार्यालय: 3-मनारकली भाजार,<br>प्रगति मैदान, नई दिल्ली-1)                        | IS: 4246-1978                    |   |
| 42. सीएम/एल-1243435<br>1983-10-26 | 83-07-01 | 84-06-30 | इंटरनेशनल इंडस्ट्रीज, 221,<br>के स्ट्रीट, रीया रोड, बंबई-400010<br>(कार्यालय: 10 बंबई टिम्बर<br>मार्किट, सिंगल हिल एवेन्यू,<br>रीया रोड, बंबई-400010) | IS: 4510-1978                    |   |
| 43. सीएम/एल-1243536<br>1983-10-25 | 83-11-01 | 84-10-31 | एक्यूलेक प्रैक्टिस, 70 नज़क गढ़<br>रोड, नई दिल्ली-110015  | IS: 2645-1975                    |   |
| 44. सीएम/एल-1243637<br>1984-03-01 | 83-11-16 | 84-11-15 | भान्सा इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज,<br>सी-16, इंडस्ट्रियल इस्टेट, येवारी,<br>मंगलोर-575008   | IS: 1534 (भाग 1)-1977            |   |
| 45. सीएम/एल-1243738<br>1983-10-17 | 83-11-16 | 84-11-15 | स्वास्तिक इंडी. बक्स,<br>डाकघर बहादुरपुर, साधौर रोड,<br>भागलपुर   | IS: 398 (भाग 1)-1976             |   |
| 46. सीएम/एल-1243839<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | पेरियार प्लाईवुड्स, डाकघर<br>मुन्डकल, रैलमबूर   | IS: 10 (भाग 3)-1974              |   |
| 47. सीएम/एल-1243940<br>1983-10-15 | 83-11-16 | 84-11-15 | साउथन इजीनियरिंग इंडस्ट्रीज,<br>343, भवनाशी रोड, कोयम्बतूर-<br>641037 (कार्यालय: लक्ष्मी<br>बिल्डिंग, 442, पुलियाकुलम रोड,<br>कोयम्बतूर-641037)       | IS: 9079-1979                    |   |
| 48. सीएम/एल-1244033<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | जामसन इंडस्ट्रीज (इंडिया)<br>5127, गोविन्दनगर, सुल्तानसिंह<br>रोड, धर्मपुर (पंजाब)  | IS: 2243-1971                    |   |
| 49. सीएम/एल-1244134<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | भार. बी. कामशियल कार्पो.,<br>84, विजयकरवाड़ी;<br>जी. बी. रोड, मलाद,<br>बंबई-400064  | IS: 2208-1962                    |   |
| 50. सीएम/एल-1244235<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | वी इंडियन टूल मैनुफैक्चरर्स लि.,<br>62-63, एमआईडीसी इंडस्ट्रियल<br>इस्टेट, सतपुर नार्मल-422007<br>(कार्यालय: 101, सियान रोड,<br>बंबई-400022)          | IS: 5919-1970                    |   |
| 51. सीएम/एल-1244336<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | कुपर जी वेबली एण्ड कं. प्रा.<br>लि., 105/106, धरुण चैम्पर्स,<br>साइबेय रोड, बंबई-400034   | IS: 4308-1967                    |   |

| 1                                 | 2        | 3        | 4   | 5             | 6 |
|-----------------------------------|----------|----------|---|---------------|---|
| 52. सीएम/एल-1244437<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 83-11-15 | बृजस केबल वर्क्स, प्लाट सं. 67,<br>II फेज, एम घाई डी सी ब्राक,<br>महात्मा जवाहर रोड, मरीस<br>अंधेरी (पूर्व) बंबई-400093                                     | IS: 2465-1969 |   |
| 53. सीएम/एल-1244538<br>1983-10-20 | 83-11-16 | 84-11-15 | जी. जी. दण्डेकर मशीन वर्क्स लि.,<br>दण्डेकर बाड़ी, भिवण्डी-421302,<br>जिला धाने (महा. राज्य)  | IS: 95-1980   |   |
| 54. सीएम/एल-1244639<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | गेस्ट कीन विलियम लि.,<br>(बोल्ड्स एण्ड नट्स डिबिजन)<br>97, धन्कुल रोड, हावड़ा-<br>711103  | IS: 1364-1967 |   |
| 55. सीएम/एल-1244740<br>1983-10-26 | 83-11-16 | 84-11-15 | बी. जे. रो लि., पाटनबेन-502319,<br>जिला मेडक (धा. प्र.)<br>(कार्यालय: 115, पार्क लेन,<br>सिकन्दराबाद-500003)  | IS: 9960-1978 |   |
| 56. सीएम/एल-1244841<br>1983-10-27 | 83-11-01 | 84-10-31 | इंटरनेशनल इंडस्ट्रीज, 221, बवे<br>स्ट्रीट, रीया रोड, बंबई-400010<br>(कार्यालय: 10, बंबई टिम्बर<br>मार्केट, सिंगनग हिल एवेन्यू,<br>रीया रोड, बंबई-400010)    | IS: 8462-1977 |   |
| 57. सीएम/एल-1244942<br>1983-10-26 | 83-11-16 | 84-11-15 | डी साइंटिफिक इन्वेंस्टीसाइन्स<br>कम्पनी, 136/2 ए और 2 बी,<br>पुडुकोट्टई रोड, गांधी गुरु,<br>जिर्नी-620007   | IS: 8028-1976 |   |
| 58. सीएम/एल-1245035<br>1983-10-27 | 83-11-16 | 84-11-15 | मिको फार्म केमिकल् लि.,<br>मेट्टूर डैम, थार-गुल-636402,<br>जिला-सेलम, (कार्यालय: 165,<br>घन्नु चेटी स्ट्रीट, लोटस कोर्ट,<br>मद्रास)                         | IS: 3903-1975 |   |
| 59. सीएम/एल-1245136<br>1983-10-27 | 83-11-01 | 84-10-31 | जैन मेटल कम्पोजिट्स, 16-बी (II),<br>हैमी इंडस्ट्रियल एरिया,<br>जोधपुर-342003  | IS: 3317-1965 |   |
| 60. सीएम/एल-1245237<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | माल्हे कैपेसिटर्स मैयू क.,<br>बम्बू-36, एम घाई डी सी,<br>फेज II, मानाड़ा रोड,<br>डोम्बीवली-421204 (पूर्व)<br>जिला. धाना                                     | IS: 2834-1964 |   |
| 61. सीएम/एल-1245338<br>1983-10-28 | 83-11-16 | 84-11-15 | तमिलनाडू स्टील्स, एच. नगर,<br>धाराकोमम्-631004  | IS: 1786-1979 |   |
| 62. सीएम/एल-1245439<br>1983-10-28 | 83-11-16 | 84-11-15 | ए. के. जी. इंडस्ट्रीज, बी. बी.<br>बटर्जी रोड, कलकत्ता-700042  | IS: 2148-1968 |   |
| 63. सीएम/एल-1245540<br>1983-10-28 | 83-11-16 | 84-11-15 | यश इंजीनियर्स, जी-33,<br>एम घाई डी सी सातपुर,<br>नासिक-422007   | IS: 2834-1964 |   |
| 64. सीएम/एल-1245641<br>1983-10-31 | 83-11-16 | 84-11-15 | भारत प्लवराइजिंग मिल्स प्रा.<br>लि., अन्धेरी कुर्ना रोड, चकला,<br>अन्धेरी (पूर्व), बंबई-400093<br>(कार्यालय: श्रीनिकेतन,<br>14, बरीगुल रोड,<br>बंबई-400020) | IS: 9362-1980 |   |
| 65. सीएम/एल-1245742<br>1983-10-31 | 83-11-01 | 84-10-31 | बाइ एम सी डी मेटल इंडस्ट्रीज,<br>गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल इस्टेट,<br>एट्टुमूर, जिला कोट्टायाम,<br>केरल   | IS: 3312-1974 |   |

| 1                                 | 2        | 3        | 4   | 5              | 6 |
|-----------------------------------|----------|----------|---|----------------|---|
| 66. सीएम/एस-1245843<br>1983-10-31 | 83-11-01 | 84-10-31 | होमा वेस्टोकाइड्स,<br>विमरोज रोड, (नवरोज रेनवे-<br>फार्मिंग) बडोत-250611,<br>जिला मेरठ (उ.प्र.)   | IS : 561-1978  |   |
| 67. सीएम/एस-1245944<br>1983-10-31 | 83-11-16 | 84-11-15 | क गोडिया केमिकल इंडस्ट्रीज<br>(प्रिन्ट : लुडो नूट मिन्स),<br>खैरत, जिला हनुमानगढ़<br>(कार्यालय : 16-ए, नारोत रोड,<br>कलकत्ता-700001)  | IS : 2590-1982 |   |
| 68. सीएम/एस-1246037<br>1983-10-31 | 83-11-16 | 84-11-15 | स्टोन वेस्टोकाइड्स, ब्रो-3,<br>डेवलप्लेट,<br>इंडस्ट्रियल इस्टेट, थुनाकुडी,<br>तिरुचिरापल्ली-620015<br>(कार्यालय : बाकवस 468,<br>86, बुलमबुकरा स्ट्रीट,<br>तिरुचिरापल्ली-620008) | IS : 8028-1978 |   |

[सं. सी. एम. ४१./13 : 11]

New Delhi, 28-8-1986

S.O. 3325.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that sixtyeight licences, particulars of which are given in the following schedule, have been granted during the month of October 1983 authorizing the licensees to use the Standard Marks :—

## SCHEDULE

| Sl. No. | Licence No. (CM/L- )       | Period of Validity From To |          | Name and address of the Licensee   | IS : Designation |
|---------|----------------------------|----------------------------|----------|--|------------------|
| 1       | 2                          | 3                          | 4        | 5  | 6                |
| 1.      | CM/L-1239345<br>1983-09-30 | 83-10-16                   | 84-10-15 | Rashtriya Engg Works (Regd), G.T. Road, Batala-143505 (Punjab)   | IS : 1729—1979   |
| 2.      | CM/L-1239444<br>1983-09-30 | 83-10-16                   | 84-10-15 | Thakurdass Surekha Engg. Corpn Pvt. Ltd, 10 Thakurdass Surekha Road, Ghosury, Howrah-7.  | IS : 774—1971    |
| 3.      | CM/L-1239545<br>1983-10-04 | 83-10-01                   | 84-09-30 | Orient Cement (Props : Orient Papers Industries Ltd) Devapur Cement Works, Devapur-504218, Luxettipet Taluq, Distt. Adilabad (A.P.)                  | IS : 1489—1976   |
| 4.      | CM/L-1239646<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | Saptagiri Agri-drainage Systems Ltd, Plot No. 50, Block D, Kalyani Indl. Estate, Kalyani, Distt. Nadia (Office : 11 Pollach Street, Calcutta-700001) | IS : 4810—1968   |
| 5.      | CM/L-1239747<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | Himalaya Rubber Products Ltd, Plot No. 24, Block D, Kalyani Indl. Estate, P.O. Kalyani, Distt Nadia, (Office : 18 B Brabourne Road, Calcutta-700001) | IS : 4810—1968   |
| 6.      | CM/L-1239848<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | B.L. Industries, 64 & 65 Indl. Area, Mandi-deep, Distt Raisen (M.P.)   | IS : 8960—1978   |
| 7.      | CM/L-1239949<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | Sterling Pesticides, D-3, Developed Plots, Industrial Estate, Thuvakhudi, Tiruchir, Tiruchirapalli-620015  | IS : 562—1978    |
| 8.      | CM/L-1240025<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | Jai Chemicals, 14/1 Mathura Road, Faridabad-121003   | IS : 8074—1976   |
| 9.      | CM/L-1240126<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | The Vesco Products Co., 11-B & 13, Dr. Sudhir Basu Road, Calcutta-700023 (Off : 66 Ezra Street, Calcutia-700001)                                     | IS : 1694—1974   |
| 10.     | CM/L-1240227<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | -do-   | IS : 1695—1974   |
| 11.     | CM/L-1240328<br>1983-10-04 | 83-10-16                   | 84-10-15 | -do-   | IS : 2923—1974   |

| 1                              | 2        | 3        | 4  | 5                      | 6 |
|--------------------------------|----------|----------|--|------------------------|---|
| 12. CM/L-1240429<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | Adinath Cables & Conductors Pvt. Ltd,<br>E-43 A, Road No. 1-B, Vishwakarma<br>Indl. Area, Jaipur-302013  | IS : 398 (Pt II)—1976  |   |
| 13. CM/L-1240530<br>1983-10-05 | 83-10-15 | 84-10-15 | Sri Kamakshi Food Products (Pvt) Ltd,<br>Kasimkota-531031 Ankapalle (Talug)<br>Vishakhapatnam (Off : 4-48-1, Lawsons<br>Roy Colony, Vishakhapatnam (A.P.)                            | IS : 1011—1968         |   |
| 14. CM/L-1240631<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | Insecticides & Allied Chemicals, 'Nara-<br>yanapulam', Velachari Road, Madras-<br>601302   | IS : 6177—1981         |   |
| 15. CM/L-1240732<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | Carry Power Enterprises, Unit No. 2,<br>15. Indl. Area, Richha, Jabalpur (MP)  | IS : 694—1977          |   |
| 16. CM/L-1240833<br>1983-09-29 | 83-10-16 | 84-10-15 | Jodhpur Cables & Conductors Pvt. Ltd., 17,<br>Light Industrial Area, Jodhpur-342005  | -do-                   |   |
| 17. CM/L-1240934<br>1983-10-10 | 83-10-16 | 84-10-15 | Gurum Industries, Approach Road,<br>Kukarwada, Taluka Vajapur, Distt.<br>Mehsana-382830  | IS : 325—1978          |   |
| 18. CM/L-1241027<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | Arora Surgicals, Villare & Post Office<br>Dujana, Distt Rohtak-124102 (Haryana)  | IS : 863—1969          |   |
| 19. CM/L-1241128<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | -do-   | IS : 758—1975          |   |
| 20. CM/L-1241229<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | Bonded Packaging Pvt. Ltd., 117/354, G.T.<br>Road, Rawatpur, Kanpur (UP)   | IS : 7406 (Pt II)—1980 |   |
| 21. CM/L-1241330<br>1983-10-10 | 83-10-16 | 84-10-15 | Kilpest Pvt Ltd. 7-C, Industrial Area,<br>Govindpura, Bhopal (MP)<br>(Off : Talwar House, GMC Hostel Road,<br>Bhopal)  | IS : 4322—1967         |   |
| 22. CM/L-1241431<br>1983-10-05 | 83-10-16 | 84-10-15 | Special Electrodes & Alloys, 31-A, Giriraj<br>Indl Estate, Mahakali Caves Road,<br>Andheri (E), Bombay-400093  | IS : 814 (Pt I)—1974   |   |
| 23. CM/L-1241532<br>1983-10-10 | 83-10-16 | 84-10-15 | -do-   | IS : 814 (Pt II)—1974  |   |
| 24. CM/L-1241633<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | Kushal Metal & Paint Industries, A-78,<br>Okhla Indl Area, Phase II, New Delhi-<br>110020  | IS : 133—1975          |   |
| 25. CM/L-1241734<br>1983-10-11 | 83-10-16 | 84-10-15 | Ajay Cables, 20th Mile Stones, Jatheri<br>Road, Kundli, Distt Sonapat (Haryana)  | IS : 1554 (Pt I)—1976  |   |
| 26. CM/L-1241835<br>1983-10-17 | 83-10-16 | 84-10-15 | Sri Durga Cement Co. Ltd., Mini Cement<br>Plant, Village Herla, P.O. Marar-829117,<br>Distt Hazarigagh (Bihar)   | IS : 269—1976          |   |
| 27. CM/L-1241936<br>1983-10-17 | 83-11-01 | 84-10-31 | Hindustan Insecticides Ltd.,<br>Udyogmandal-683501 (Kerala)  | IS : 633—1975          |   |
| 28. CM/L-1242029<br>1983-10-17 | 83-11-01 | 84-10-31 | B.L. Industries, 64 & 65 Industrial Area,<br>Mandideep (Distt Raichur) (MP)  | IS : 562—1978          |   |
| 29. CM/L-1242130<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-10-31 | Prabhat Hosiery Industry, C-7-8, Indl.<br>Estate, P.O. M-I-C, Bela,<br>Muzaffarpur-843116 (Bihar)  | IS : 6469—1980         |   |
| 30. CM/L-1242231<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-01-31 | Devidayal (Sales) Pvt. Ltd.,<br>60/A, GIDC Industrial Estate, Kalol (MS)<br>(Off : Post Box No. 6219, Tulsiram Gupta<br>Mills Estate, Reay Road, Bombay-400010)                      | IS : 6177—1981         |   |
| 31. CM/L-1242332<br>1983-10-24 | 83-11-01 | 84-10-31 | Asoka Paraffins Pvt. Ltd., Panamkadu,<br>Ramapuram, P.O. Via Tada, Sullurupetta<br>Talug, Nellore Distt. (A.P.)<br>(Off : Narasingaraopet, Gudur, Nellore<br>Distt, (Andhra Pradesh) | IS : 4654—1974         |   |
| 32. CM/L-1242433<br>1983-10-24 | 83-11-01 | 84-10-31 | Seethalakshmi Match Industries, 67,<br>Tharagan Thottam Street,<br>Thiruthangal-626130 (TN)  | IS : 2653—1980         |   |
| 33. CM/L-1242534<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | Golden Sports, WX 53, Basti Nav,<br>Jalandhar-144002 (Punjab)  | IS : 417 (Pt III)—1974 |   |
| 34. CM/L-1242635<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | -do-   | IS : 417 (Pt II)—1974  |   |

| (1)                            | (2)      | (3)      | (4)  | (5)                               | (6) |
|--------------------------------|----------|----------|--|-----------------------------------|-----|
| 35. CM/L-1242736<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | Bhazada & Sons, S-6, Industrial Area,<br>Jalandhar-144004 (Punjab)   | IS : 417 (Pt III) 1974            |     |
| 36. CM/L-1242837<br>1983-10-03 | 83-10-16 | 84-10-15 | -do-   | IS : 417 (Pt II)—1974             |     |
| 37. CM/L-1242938<br>1983-10-20 | 83-11-01 | 84-10-31 | Suri & Naty, Supreme House, 58/2,<br>Subramanyapura Road, Bangalore-560061<br>(Mysore)   | IS : 4246—1978                    |     |
| 38. CM/L-1243031<br>1983-10-20 | -do-     | -do-     | Nahan Foundry Ltd., Nahan-173001 (HP)  | IS : 1520—1980 &<br>IS : 325—1978 |     |
| 39. CM/L-1243132<br>1983-10-2  | 83-10-01 | 84-09-30 | Saab Knitters, B-1, 1016/D,<br>Bindraban Road, Zandu Chowk,<br>Civil Lines, Ludhiana-141001<br>(Punjab)  | IS : 458—1968                     |     |
| 40. CM/L-1243233<br>1983-10-25 | 83-11-01 | 84-10-31 | Romer & Co (India), C-2, Industrial Estate<br>Talkatora, Lucknow-226011 (UP)   | IS : 1333—1978                    |     |
| 41. CM/L-1243334<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | Savloy Products P. Ltd, 18/1,<br>Mathura Road, Faridabad-121002<br>(Off : 3 Anarkali Bazar,<br>Prgati Maidan, New Delhi-1)                                     | IS : 4246—1978                    |     |
| 42. CM/L-1243435<br>1983-10-26 | 83-07-01 | 84-06-30 | International Industries, 221, Quay Street,<br>Reay Road, Bombay-400010<br>(Off : 10 Bombay Timber Market,<br>Signal Hill Avenue, Reay Road,<br>Bombay-400010) | IS : 4510—1978                    |     |
| 43. CM/L-1243536<br>1983-10-25 | 83-11-01 | 84-10-31 | Aquolac Paints, 70 Najafgarh Road,<br>New Delhi-110015   | IS : 2645—1975                    |     |
| 44. CM/L-1243637<br>1984-03-01 | 83-11-16 | 84-11-15 | Shantha Electrical Industries, C-16,<br>Industrial Estate, Yeyyedi,<br>Mangalore-575008  | IS : 1534 (Pt. I)—1977            |     |
| 45. CM/L-1243738<br>1983-10-17 | 83-11-16 | 84-11-15 | Swastik Engg Works, P.O. Bahadurpur,<br>Sabour Road, Bhagalpur   | IS : 398 (Pt I)—1976              |     |
| 46. CM/L-1243839<br>1983-10-25 | -do      | -do-     | Periyar Plywoods, Mudickal P.O.,<br>Perumbavoor  | IS : 10 (Pt III)—1974             |     |
| 47. CM/L-1243940<br>1983-10-15 | -do-     | -do-     | Southern Engineering Industries, 343,<br>Avanashi Road, Coimbatore-641037<br>(Off : 'Lakshmi Building', 442, Puliakulam<br>Road, Coimbatore-641037)            | IS : 9079—1979                    |     |
| 48. CM/L-1244033<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | Jamson Industries (India) 5172,<br>Gobind Nagar, Sultanwind Road,<br>Amritsar (Punjab)   | IS : 2243—1971                    |     |
| 49. CM/L-1244134<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | R.B. Commercial Corpn., 84 Vijaykarwadi<br>G.B. Road, Malad, Bombay-400064   | IS : 2208—1962                    |     |
| 50. VM/L-1244235<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | The Indian Tool Mfrs. Ltd., 62-63, MIDC<br>Industrial Estate, Satpur, Nasik-422007<br>(Off : 101 Sion Road, Bombay-400022)                                     | IS : 5919—1970                    |     |
| 51. CM/L-1244336<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | Keeveji Devshi & Co. Pvt. Ltd.<br>105/106, Arun Chambers, Tardeo Road,<br>Bombay-400034  | IS : 4308—1967                    |     |
| 52. CM/L-1244437<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | Brooks Cable Works, Plot No. 67,<br>II Phase, MIDC Off Mahakali Caves Road,<br>Marol Andheri (East), Bombay-400093   | IS : 2465—1969                    |     |
| 53. CM/L-1244538<br>1983-10-20 | -do-     | -do-     | G.G. Dandekar Machine Works Ltd.,<br>Dandekar Wadi, Bhiwandi-421302<br>Distt. Thane (Maharashtra State)  | IS : 9555—1980                    |     |
| 54. CM/L-1244639<br>1983-10-25 | -do-     | -do-     | Guest Keen William Ltd.<br>(Bolts & Nuts Division)<br>97, Andul Road, Howrah-711103  | IS : 1364—1967                    |     |
| 55. CM/L-1244740<br>1983-10-26 | 83-11-16 | 84-11-15 | Volrho Limited, Patancheru-502319<br>Medak Distt (AP)<br>(Off : 115, Park Lane, Secunderabad -500003)  | IS : 8960—1978                    |     |
| 56. CM/L-1244841<br>1983-10-27 | 83-11-01 | 84-10-31 | International Industries, 221,<br>Quay Street, Reay Road, Bombay-400010<br>(Off : 10 Bombay Timber Market,<br>Signal Hill Avenue, Reay Road,<br>Bombay-400010) | IS : 8462—1977                    |     |

| (1)                            | (2)      | (3)      | (4)  | (5)            | (6) |
|--------------------------------|----------|----------|--|----------------|-----|
| 57. CM/L-1244942<br>1983-10-26 | 83-11-16 | 84-11-15 | The Scientific Insecticides Company,<br>136/2A & 2B, Pudukattai Road,<br>Gundur Village, Trichy-620007   | IS : 8028—1976 |     |
| 58. CM/L-1245035<br>1983-10-27 | -do-     | -do-     | Mico Farm Chemicals Ltd., Mettur Dam,<br>R-S-636402 Salem Distt<br>(Off : 165 Thambu Chetty Street,<br>Lotus Court, Madras)  | IS : 3903—1975 |     |
| 59. CM/L-1245136<br>1983-10-27 | 83-11-01 | 84-10-31 | Jain Metal Components, 16-B (II)<br>Heavy Industrial Area, Jodhpur-342003  | IS : 3317—1965 |     |
| 60. CM/L-1245237<br>1983-10-25 | 83-11-16 | 84-11-15 | Malde Capacitors Mfg. Co, W-36 MIDC,<br>Phase II, Manpada Road,<br>Bombivli-421204 (East) Distt, Thana   | IS : 2834—1964 |     |
| 61. CM/L-1245338<br>1983-10-28 | -do-     | -do-     | Tamilnadu Steels, Enkunagar,<br>Arrakkonam-631004  | IS : 1786—1979 |     |
| 62. CM/L-1245439<br>1983-10-28 | -do-     | -do-     | A.K.G. Industries, B.B. Chatterjee Road,<br>Calcutta-700042  | IS : 2148—1968 |     |
| 63. CM/L-1245540<br>1983-10-28 | do-      | -do-     | Yash Engineers, G-33, MIDC Satpur,<br>Nasik-422007   | IS : 2834—1964 |     |
| 64. CM/L-1245641<br>1983-10-31 | 83-11-16 | 84-11-15 | Bharat Pulverising Mills P. Ltd.<br>Andheri Kurla Road, Chakala, Andheri East<br>Bombay-400093<br>(Off : Shriniketan, 14, Queens Road,<br>Bombay-400020)                       | IS : 9362—1980 |     |
| 65. CM/L-1245742<br>1983-10-31 | 83-11-01 | 84-10-31 | Yemceevce Metal Industries, Govt.<br>Indl. Estate, Ettumanoor,<br>Distt, Kottayam, Kerala  | IS : 3312—1974 |     |
| 66. CM/L-1245843<br>1983-10-31 | -do-     | -do-     | Heema Pesticides, Bijrol Roud<br>(Near Railway Crossing) Baraut-250611<br>Distt Meerut (UP)  | IS : 561—1978  |     |
| 67. CM/L-1245944<br>1983-10-31 | 83-11-16 | 84-11-15 | Kanora Chemicals Industries,<br>(Unit : Ludlow Jute Mills)<br>Changail, Distt, Howrah<br>(Off : 16-A, Brabourne Road, Calcutta-700001)   | IS : 2580—1982 |     |
| 68. CN/L-1246037<br>1983-10-31 | -do-     | -do-     | Sterling Pesticides, D-3, Developed Plots,<br>Industrial Estate, Thunakhudi,<br>Tiruchirapalli 620015<br>(Off : P.B. No. 468, 86<br>Chunnambuhra Street, Tiruchirapalli-62008) | IS : 8028—1976 |     |

[No. CMD/13:11]

नई दिल्ली, 1986-08-29

का. भा. 3326—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन निष्ठ) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 288 मापदंडों के म्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका सितम्बर 1985 में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

| क्रम संख्या | सीएम/एल संख्या | वैध : तक   |
|-------------|----------------|------------|
| (1)         | (2)            | (3)        |
| 1.          | 0000101        | 1986-08-31 |
| 2.          | 0009624        | 1986-09-30 |
| 3.          | 0040315        | 1986-08-31 |
| 4.          | 0061620        | 1986-09-30 |
| 5.          | 0076538        | 1986-08-31 |
| 6.          | 0100812        | 1986-09-15 |
| 7.          | 0115017        | 1986-07-30 |
| 8.          | 0121820        | 1986-09-15 |
| 9.          | 0153827        | 1986-09-30 |
| 10.         | 0146533        | 1986-09-31 |
| 11.         | 0165335        | 1986-05-15 |

| 1   | 2       | 3          |
|-----|---------|------------|
| 12. | 0166337 | 1986-03-31 |
| 13. | 0179245 | 1986-09-30 |
| 14. | 0207622 | 1986-09-15 |
| 15. | 0211922 | 1986-08-31 |
| 16. | 0214726 | 1986-08-31 |
| 17. | 0225933 | 1986-08-15 |
| 18. | 0230724 | 1986-08-31 |
| 19. | 0238336 | 1986-08-31 |
| 20. | 0238437 | 1986-08-31 |
| 21. | 0240626 | 1986-09-15 |
| 22. | 0245535 | 1986-09-15 |
| 23. | 0247135 | 1986-08-31 |
| 24. | 0258645 | 1986-09-15 |
| 25. | 0258746 | 1986-09-15 |
| 26. | 0259950 | 1986-05-31 |
| 27. | 0262434 | 1986-08-31 |
| 28. | 0262636 | 1986-09-15 |
| 29. | 0265844 | 1986-09-30 |
| 30. | 0280638 | 1986-09-15 |
| 31. | 0287955 | 1986-08-31 |
| 32. | 0313223 | 1986-08-15 |
| 33. | 0317130 | 1986-09-30 |

| (1) | (2)     | (3)        | 1    | 2       | 3          |
|-----|---------|------------|------|---------|------------|
| 34. | 0324834 | 1985-12-15 | 100. | 0638150 | 198 -08-31 |
| 35. | 0332126 | 1986-08-15 | 101. | 0638756 | 1986-08-31 |
| 36. | 0333532 | 1986-08-31 | 102. | 0638958 | 1986-08-31 |
| 37. | 0335534 | 1986-09-15 | 103. | 0639455 | 1986-09-15 |
| 38. | 0351433 | 1986-09-30 | 104. | 0639657 | 1986-09-15 |
| 39. | 0355946 | 1986-09-30 | 105. | 0641846 | 1986-09-30 |
| 40. | 0357647 | 1986-09-15 | 106. | 0642747 | 1986-09-30 |
| 41. | 0357748 | 1986-09-15 | 107. | 0643547 | 1986-09-30 |
| 42. | 0359348 | 1986-09-15 | 108. | 0643648 | 1986-09-30 |
| 43. | 0360636 | 1986-09-15 | 109. | 0668159 | 1986-09-15 |
| 44. | 0360137 | 1986-09-15 | 110. | 0681555 | 1986-08-31 |
| 45. | 0368147 | 1986-09-30 | 111. | 0696568 | 1986-09-30 |
| 46. | 0378453 | 1986-08-31 | 112. | 0697166 | 1986-09-15 |
| 47. | 0380541 | 1986-05-31 | 113. | 0708044 | 1986-07-31 |
| 48. | 0381341 | 1986-08-31 | 114. | 0716245 | 1986-08-31 |
| 49. | 0390039 | 1986-07-31 | 115. | 0717752 | 1986-08-31 |
| 50. | 0372952 | 1986-09-30 | 116. | 0730441 | 1986-08-31 |
| 51. | 0394350 | 1986-09-15 | 117. | 0748561 | 1986-09-15 |
| 52. | 0404024 | 1986-09-30 | 118. | 0755154 | 1986-02-28 |
| 53. | 0412326 | 1986-09-30 | 119. | 0770251 | 1986-04-30 |
| 54. | 0418257 | 1986-07-31 | 120. | 0776667 | 1986-05-31 |
| 55. | 0421529 | 1986-08-31 | 121. | 0776768 | 1986-09-15 |
| 56. | 0421630 | 1986-08-31 | 122. | 0777568 | 1986-09-15 |
| 57. | 0450126 | 1986-09-15 | 123. | 0782965 | 1986-06-30 |
| 58. | 0450536 | 1986-08-31 | 124. | 0784161 | 1986-07-15 |
| 59. | 0450637 | 1986-08-31 | 125. | 0764565 | 1986-07-15 |
| 60. | 0457146 | 1986-08-15 | 126. | 0790156 | 1986-08-15 |
| 61. | 0458653 | 1986-09-15 | 127. | 0795065 | 1986-08-31 |
| 62. | 0458754 | 1986-09-15 | 128. | 0795772 | 1986-08-31 |
| 63. | 0459049 | 1986-08-31 | 129. | 0796370 | 1986-09-15 |
| 64. | 0459756 | 1986-08-31 | 130. | 0797574 | 1987-01-31 |
| 65. | 0461440 | 1986-09-30 | 131. | 0797675 | 1986-01-31 |
| 66. | 0462745 | 1986-09-15 | 132. | 0808250 | 1986-08-31 |
| 67. | 0463343 | 1986-09-15 | 133. | 0813445 | 1986-08-31 |
| 68. | 0463444 | 1986-09-15 | 134. | 0813546 | 1986-08-31 |
| 69. | 0463545 | 1986-09-15 | 135. | 0813647 | 1986-08-31 |
| 70. | 0463646 | 1986-09-15 | 136. | 0813748 | 1986-08-31 |
| 71. | 0463747 | 1986-09-15 | 137. | 0814447 | 1986-08-31 |
| 72. | 0463949 | 1986-09-15 | 138. | 0814548 | 1986-08-31 |
| 73. | 0464042 | 1986-09-15 | 139. | 0821646 | 1986-09-30 |
| 74. | 0464143 | 1986-09-15 | 140. | 0831346 | 1986-01-15 |
| 75. | 0467957 | 1986-03-31 | 141. | 0834352 | 1986-01-31 |
| 76. | 0468454 | 1986-09-30 | 142. | 0867064 | 1986-04-30 |
| 77. | 0470845 | 1986-09-30 | 143. | 0867165 | 1986-04-30 |
| 78. | 0471544 | 1986-09-30 | 144. | 0670558 | 1986-06-15 |
| 79. | 0482044 | 1986-08-30 | 145. | 0888779 | 1986-08-31 |
| 80. | 0507034 | 1986-08-31 | 146. | 0889175 | 1986-08-31 |
| 81. | 0517441 | 1986-09-15 | 147. | 0890665 | 1986-08-31 |
| 82. | 0521432 | 1986-05-31 | 148. | 0890766 | 1986-08-31 |
| 83. | 0530837 | 1986-08-31 | 149. | 0891465 | 1986-08-31 |
| 84. | 0533540 | 1986-08-31 | 150. | 0898873 | 1986-09-15 |
| 85. | 0535443 | 1986-08-31 | 151. | 0894572 | 1986-09-15 |
| 86. | 0541539 | 1986-07-31 | 152. | 0896172 | 1986-09-15 |
| 87. | 0547147 | 1986-09-15 | 153. | 0896475 | 1986-08-31 |
| 88. | 0548654 | 1986-09-15 | 154. | 0898176 | 1986-09-30 |
| 89. | 0549050 | 1986-09-15 | 155. | 0898378 | 1986-09-30 |
| 90. | 0549555 | 1986-08-15 | 156. | 0904246 | 1986-10-15 |
| 91. | 0549656 | 1986-08-31 | 157. | 0910342 | 1986-10-31 |
| 92. | 0554043 | 1786-09-30 | 158. | 0912952 | 1986-11-15 |
| 93. | 0557958 | 1986-07-31 | 159. | 0932756 | 1986-08-31 |
| 94. | 0564753 | 1986-06-30 | 160. | 0948973 | 1986-03-15 |
| 95. | 0616850 | 1986-07-31 | 161. | 0960559 | 1986-09-15 |
| 96. | 0631641 | 1986-05-31 | 162. | 0970562 | 1986-05-31 |
| 97. | 0634647 | 1986-08-15 | 163. | 0971160 | 1985-05-31 |
| 98. | 0635245 | 1986-08-31 | 164. | 0975774 | 1986-06-15 |
| 99. | 0635952 | 1986-08-31 |      |         |            |



| 1    | 2       | 3          | 1    | 2       | 3          |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 165. | 0976372 | 1986-06-30 | 230. | 1230022 | 1986-08-31 |
| 166. | 0979075 | 1986-07-15 | 231. | 1230830 | 1986-08-31 |
| 167. | 0980363 | 1986-07-15 | 232. | 1230931 | 1986-08-31 |
| 168. | 0986375 | 1986-02-15 | 233. | 1231428 | 1986-08-31 |
| 169. | 0986476 | 1986-08-15 | 234. | 1231830 | 1986-09-15 |
| 170. | 0986779 | 1986-08-15 | 235. | 1232127 | 1986-09-15 |
| 171. | 0987579 | 1986-08-15 | 236. | 1232228 | 1986-08-15 |
| 172. | 0988278 | 1986-08-31 | 237. | 1232329 | 1986-08-31 |
| 173. | 0898379 | 1986-08-31 | 238. | 1232430 | 1986-08-31 |
| 174. | 0992067 | 1986-09-15 | 239. | 1232531 | 1986-08-31 |
| 175. | 0992168 | 1986-09-15 | 240. | 1232632 | 1986-09-15 |
| 176. | 0992471 | 1986-09-15 | 241. | 1233432 | 1986-09-15 |
| 177. | 0992572 | 1986-09-15 | 242. | 1233634 | 1986-09-15 |
| 178. | 0993675 | 1986-09-15 | 243. | 1234131 | 1986-09-15 |
| 179. | 1001714 | 1986-10-15 | 244. | 1234232 | 1986-09-15 |
| 180. | 1022419 | 1986-12-31 | 245. | 1234535 | 1986-09-15 |
| 181. | 1026124 | 1986-01-15 | 246. | 1234737 | 1986-09-15 |
| 182. | 1026427 | 1986-01-15 | 247. | 1234838 | 1986-08-31 |
| 183. | 1039840 | 1986-02-28 | 248. | 1239545 | 1986-09-30 |
| 184. | 1040825 | 1986-09-15 | 249. | 1268754 | 1986-01-31 |
| 185. | 1042324 | 1986-09-30 | 250. | 1273545 | 1986-02-15 |
| 186. | 1045835 | 1986-10-15 | 251. | 1286958 | 1986-03-15 |
| 187. | 1067441 | 1986-04-15 | 252. | 1290646 | 1986-03-15 |
| 188. | 1070329 | 1986-10-15 | 253. | 1293046 | 1986-03-31 |
| 189. | 1072636 | 1986-08-31 | 254. | 1293349 | 1986-03-31 |
| 190. | 1088752 | 1986-08-31 | 255. | 1310020 | 1986-05-15 |
| 191. | 1089653 | 1986-09-15 | 256. | 1315131 | 1986-06-15 |
| 192. | 1097349 | 1986-07-15 | 257. | 1322734 | 1986-07-15 |
| 193. | 1097652 | 1986-07-15 | 258. | 1325130 | 1986-07-15 |
| 194. | 1100817 | 1986-07-15 | 259. | 1323534 | 1986-07-15 |
| 195. | 1104017 | 1986-08-15 | 260. | 1324132 | 1986-07-15 |
| 196. | 1105625 | 1986-07-31 | 261. | 1324940 | 1986-07-15 |
| 197. | 1105726 | 1986-07-31 | 262. | 1327239 | 1986-07-31 |
| 198. | 1107326 | 1986-08-15 | 263. | 1327845 | 1986-07-31 |
| 199. | 1107832 | 1986-08-31 | 264. | 1330531 | 1986-08-15 |
| 200. | 1108328 | 1986-08-31 | 265. | 1332030 | 1986-08-15 |
| 201. | 1109126 | 1986-08-31 | 266. | 1333537 | 1986-08-15 |
| 202. | 1109330 | 1986-08-31 | 267. | 1333739 | 1986-08-31 |
| 203. | 1109431 | 1986-08-31 | 268. | 1335137 | 1986-08-31 |
| 204. | 1110820 | 1986-08-31 | 269. | 1335743 | 1986-08-31 |
| 205. | 1111216 | 1986-08-31 | 270. | 1336240 | 1986-08-31 |
| 206. | 1111817 | 1986-08-31 | 271. | 1336947 | 1986-08-31 |
| 207. | 1112216 | 1986-09-15 | 272. | 1337141 | 1986-10-31 |
| 208. | 1112521 | 1986-08-31 | 273. | 1337343 | 1986-08-31 |
| 209. | 1113927 | 1986-08-31 | 274. | 1337444 | 1986-08-31 |
| 210. | 1115527 | 1986-09-15 | 275. | 1338143 | 1986-08-31 |
| 211. | 1115828 | 1986-08-31 | 276. | 1339347 | 1986-09-15 |
| 212. | 1117531 | 1986-08-15 | 277. | 1339852 | 1986-09-15 |
| 213. | 1121522 | 1985-10-15 | 278. | 1340029 | 1986-09-15 |
| 214. | 1131424 | 1985-11-30 | 279. | 1340332 | 1986-09-15 |
| 215. | 1144332 | 1985-12-31 | 280. | 1340837 | 1986-09-15 |
| 216. | 1187653 | 1986-05-31 | 281. | 1340058 | 1986-09-15 |
| 217. | 1207633 | 1986-08-31 | 282. | 1341435 | 1986-09-15 |
| 218. | 1210016 | 1986-06-30 | 283. | 1341738 | 1986-09-15 |
| 219. | 1220019 | 1986-08-15 | 284. | 1342336 | 1986-09-30 |
| 220. | 1220420 | 1986-08-15 | 285. | 1343338 | 1986-09-15 |
| 221. | 1227528 | 1986-08-15 | 286. | 1343439 | 1986-09-15 |
| 222. | 1224956 | 1986-08-15 | 287. | 1343540 | 1986-09-30 |
| 223. | 1226031 | 1986-08-15 | 288. | 1346041 | 1986-09-30 |
| 224. | 1226132 | 1986-08-15 |      |         |            |
| 225. | 1226728 | 1986-08-15 |      |         |            |
| 226. | 1227235 | 1986-08-31 |      |         |            |
| 227. | 1227740 | 1986-08-30 |      |         |            |
| 228. | 1228338 | 1986-08-31 |      |         |            |
| 229. | 1229643 | 1986-08-31 |      |         |            |

[सं. सी. एस. डा. 13 : 12]

New Delhi, 1986-08-29

S.O. 3326—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 288

licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of September 1985.

## SCHEDULE

| Sl. No. | CM/L No. | Valid upto |
|---------|----------|------------|
| (1)     | (2)      | (3)        |
| 1.      | 0000101  | 1986-08-31 |
| 2.      | 0009624  | 1986-09-30 |
| 3.      | 0040315  | 1986-08-31 |
| 4.      | 0061020  | 1986-09-30 |
| 5.      | 0076538  | 1986-08-31 |
| 6.      | 0100812  | 1986-09-15 |
| 7.      | 0115017  | 1986-09-30 |
| 8.      | 0121820  | 1986-09-15 |
| 9.      | 0133827  | 1986-09-30 |
| 10.     | 0146533  | 1986-08-31 |
| 11.     | 0165335  | 1986-05-15 |
| 12.     | 0166337  | 1986-08-31 |
| 13.     | 0179245  | 1986-09-30 |
| 14.     | 0207022  | 1986-09-15 |
| 15.     | 0211922  | 1986-08-31 |
| 16.     | 0214726  | 1986-08-31 |
| 17.     | 0225933  | 1986-08-15 |
| 18.     | 0230724  | 1986-08-31 |
| 19.     | 0238336  | 1986-08-31 |
| 20.     | 0238437  | 1986-08-31 |
| 21.     | 0240626  | 1986-09-15 |
| 22.     | 0245535  | 1986-09-15 |
| 23.     | 0247135  | 1986-08-31 |
| 24.     | 0258645  | 1986-09-15 |
| 25.     | 0258746  | 1986-09-15 |
| 26.     | 0259950  | 1986-05-31 |
| 27.     | 0262434  | 1986-08-31 |
| 28.     | 0262636  | 1986-09-15 |
| 29.     | 0265844  | 1986-09-30 |
| 30.     | 0280638  | 1986-09-15 |
| 31.     | 0287955  | 1986-08-31 |
| 32.     | 0313223  | 1986-08-15 |
| 33.     | 0317130  | 1986-09-30 |
| 34.     | 0324834  | 1986-12-15 |
| 35.     | 0332126  | 1986-08-15 |
| 36.     | 0333532  | 1986-08-31 |
| 37.     | 0335536  | 1986-09-15 |
| 38.     | 0351433  | 1986-09-30 |
| 39.     | 0355946  | 1986-09-30 |
| 40.     | 0357647  | 1986-09-15 |
| 41.     | 0357748  | 1986-09-15 |
| 42.     | 0359348  | 1986-09-15 |
| 43.     | 0360636  | 1986-09-15 |
| 44.     | 0360737  | 1986-09-15 |
| 45.     | 0368147  | 1986-09-30 |
| 46.     | 0378453  | 1986-08-31 |
| 47.     | 0380541  | 1986-05-31 |
| 48.     | 0381341  | 1986-08-31 |
| 49.     | 0390039  | 1986-07-31 |
| 50.     | 0392952  | 1986-09-30 |
| 51.     | 0394350  | 1986-09-15 |
| 52.     | 0404024  | 1985-09-30 |
| 53.     | 0412326  | 1986-09-30 |
| 54.     | 0418237  | 1986-07-31 |
| 55.     | 0421529  | 1986-08-31 |
| 56.     | 0421630  | 1986-08-31 |
| 57.     | 0430126  | 1986-09-15 |
| 58.     | 0450536  | 1986-08-31 |
| 59.     | 0450637  | 1986-08-31 |

| (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|
| 60.  | 0457146 | 1986-08-15 |
| 61.  | 0458653 | 1986-09-15 |
| 62.  | 0458754 | 1986-09-15 |
| 63.  | 0459049 | 1986-08-31 |
| 63.  | 0459756 | 1986-08-31 |
| 65.  | 0461440 | 1986-09-30 |
| 66.  | 0462745 | 1986-09-15 |
| 67.  | 0463343 | 1986-09-15 |
| 68.  | 0463444 | 1986-09-15 |
| 69.  | 0463545 | 1986-09-15 |
| 70.  | 0463646 | 1986-09-15 |
| 71.  | 0463747 | 1986-09-15 |
| 72.  | 0463949 | 1986-09-15 |
| 73.  | 0464042 | 1986-09-15 |
| 74.  | 0464143 | 1986-09-15 |
| 75.  | 0467957 | 1986-03-31 |
| 76.  | 0468454 | 1986-09-30 |
| 77.  | 0470845 | 1986-09-30 |
| 78.  | 0471544 | 1986-09-30 |
| 79.  | 0482044 | 1986-08-31 |
| 80.  | 0507034 | 1986-08-31 |
| 81.  | 0517441 | 1986-09-15 |
| 82.  | 0521432 | 1986-05-31 |
| 83.  | 0530837 | 1986-08-31 |
| 84.  | 0533540 | 1986-08-31 |
| 85.  | 0535443 | 1986-08-31 |
| 86.  | 0541539 | 1986-07-31 |
| 87.  | 0547147 | 1986-09-15 |
| 88.  | 0548654 | 1986-09-15 |
| 89.  | 0549050 | 1986-09-15 |
| 90.  | 0549555 | 1986-08-15 |
| 91.  | 0549656 | 1986-08-31 |
| 92.  | 0554043 | 1986-09-30 |
| 93.  | 0557958 | 1986-07-31 |
| 94.  | 0564753 | 1986-06-30 |
| 95.  | 0626850 | 1986-07-31 |
| 96.  | 0631641 | 1986-05-31 |
| 97.  | 0634647 | 1986-08-15 |
| 98.  | 0635245 | 1986-08-31 |
| 99.  | 0635952 | 1986-08-31 |
| 100. | 0638150 | 1986-08-31 |
| 101. | 0638756 | 1986-08-31 |
| 102. | 0638958 | 1986-08-31 |
| 103. | 0639455 | 1986-09-15 |
| 104. | 0639657 | 1986-09-15 |
| 105. | 0641846 | 1986-09-30 |
| 106. | 0642747 | 1986-09-30 |
| 107. | 0643547 | 1986-09-30 |
| 108. | 0643648 | 1986-09-30 |
| 109. | 0668159 | 1986-09-15 |
| 110. | 0681555 | 1986-08-31 |
| 111. | 0696568 | 1986-09-30 |
| 112. | 0697166 | 1986-09-15 |
| 113. | 0708044 | 1986-07-31 |
| 114. | 0716245 | 1986-08-31 |
| 115. | 0717752 | 1986-08-31 |
| 116. | 0730441 | 1986-08-31 |
| 117. | 0748561 | 1986-09-15 |
| 118. | 0755154 | 1986-02-28 |
| 119. | 0770251 | 1986-04-30 |
| 120. | 0776667 | 1986-05-31 |
| 121. | 0776768 | 1986-09-15 |
| 122. | 0777568 | 1986-09-15 |
| 123. | 0782965 | 1986-06-30 |
| 124. | 0784161 | 1986-07-15 |
| 125. | 0784565 | 1986-07-15 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 126. | 0790156 | 1986-08-15 | 193. | 1097652 | 1986-07-15 |
| 127. | 0795065 | 1986-08-31 | 194. | 1100817 | 1986-07-15 |
| 128. | 0795772 | 1986-08-31 | 195. | 1104017 | 1986-08-15 |
| 129. | 0796370 | 1986-09-15 | 196. | 1105625 | 1986-07-31 |
| 130. | 0797574 | 1987-01-31 | 197. | 1105726 | 1986-07-31 |
| 131. | 0797675 | 1987-01-31 | 198. | 1107326 | 1986-08-15 |
| 132. | 0808250 | 1986-08-31 | 199. | 1107932 | 1986-08-31 |
| 133. | 0813445 | 1986-08-31 | 200. | 1108328 | 1986-08-31 |
| 134. | 0813546 | 1986-08-31 | 201. | 1109128 | 1986-08-31 |
| 135. | 0813647 | 1986-08-31 | 202. | 1109330 | 1986-08-31 |
| 136. | 0813748 | 1986-08-31 | 203. | 1109431 | 1986-08-31 |
| 137. | 0814447 | 1986-08-31 | 204. | 1110820 | 1986-08-31 |
| 138. | 0814548 | 1986-08-31 | 205. | 1111216 | 1986-08-31 |
| 139. | 0821646 | 1986-09-30 | 206. | 1111317 | 1986-08-31 |
| 140. | 0831346 | 1986-01-15 | 207. | 1112218 | 1986-09-15 |
| 141. | 0834352 | 1986-01-31 | 208. | 1112521 | 1986-08-31 |
| 142. | 0867064 | 1986-04-30 | 209. | 1113927 | 1986-08-31 |
| 143. | 0867165 | 1986-04-30 | 210. | 1115527 | 1986-09-15 |
| 144. | 0870558 | 1986-06-15 | 211. | 1115628 | 1986-08-31 |
| 145. | 0888779 | 1986-08-31 | 212. | 1117531 | 1986-08-15 |
| 146. | 0889175 | 1986-08-31 | 213. | 1121522 | 1985-10-15 |
| 147. | 0890665 | 1986-08-31 | 214. | 1131424 | 1985-11-30 |
| 148. | 0890766 | 1986-08-31 | 215. | 1144332 | 1985-12-31 |
| 149. | 0891465 | 1986-08-31 | 216. | 1187653 | 1986-05-31 |
| 150. | 0893873 | 1986-09-15 | 217. | 1207633 | 1986-08-31 |
| 151. | 0894572 | 1986-09-15 | 218. | 1210016 | 1986-06-30 |
| 152. | 0896172 | 1986-09-15 | 219. | 1220019 | 1986-08-15 |
| 153. | 0896475 | 1986-08-31 | 220. | 1220120 | 1986-08-15 |
| 154. | 0898176 | 1986-09-30 | 221. | 1222528 | 1986-08-15 |
| 155. | 0898378 | 1986-09-30 | 222. | 1224936 | 1986-08-15 |
| 156. | 0904246 | 1985-10-15 | 223. | 1226031 | 1986-08-15 |
| 157. | 0910342 | 1985-10-31 | 224. | 1226132 | 1986-08-15 |
| 158. | 0912952 | 1986-11-15 | 225. | 1226738 | 1986-08-15 |
| 159. | 0932756 | 1986-08-31 | 226. | 1227235 | 1986-08-31 |
| 160. | 0948973 | 1986-03-15 | 227. | 1227740 | 1986-06-30 |
| 161. | 0960559 | 1986-09-15 | 228. | 1228338 | 1986-08-31 |
| 162. | 0570562 | 1986-05-31 | 229. | 1229643 | 1986-08-31 |
| 163. | 0971160 | 1986-05-31 | 230. | 1230022 | 1986-08-31 |
| 164. | 0975774 | 1986-06-15 | 231. | 1230830 | 1986-08-31 |
| 165. | 0976372 | 1986-06-30 | 232. | 1230931 | 1986-08-31 |
| 166. | 0979075 | 1986-07-15 | 233. | 1231428 | 1986-08-31 |
| 167. | 0980363 | 1986-07-15 | 234. | 1231630 | 1986-09-15 |
| 168. | 0986375 | 1986-08-15 | 235. | 1232127 | 1986-09-15 |
| 169. | 0986476 | 1986-08-15 | 236. | 1232228 | 1986-09-15 |
| 170. | 0986779 | 1986-08-15 | 237. | 1232329 | 1986-08-31 |
| 171. | 0987579 | 1986-08-15 | 238. | 1232430 | 1986-08-31 |
| 172. | 0988278 | 1986-08-31 | 239. | 1232531 | 1986-08-31 |
| 173. | 0988379 | 1986-08-31 | 240. | 1232632 | 1986-09-15 |
| 174. | 0992067 | 1986-09-15 | 241. | 1233432 | 1986-09-15 |
| 175. | 0992168 | 1986-09-15 | 242. | 1233634 | 1986-09-15 |
| 176. | 0992471 | 1986-09-15 | 243. | 1234131 | 1986-09-15 |
| 177. | 0992572 | 1986-09-15 | 244. | 1234232 | 1986-09-15 |
| 178. | 0993675 | 1986-09-15 | 245. | 1234535 | 1986-09-15 |
| 179. | 1001714 | 1986-10-15 | 246. | 1234737 | 1986-09-15 |
| 180. | 1022419 | 1985-12-31 | 247. | 1234838 | 1986-08-31 |
| 181. | 1026124 | 1986-01-15 | 248. | 1239545 | 1986-09-30 |
| 182. | 1026427 | 1986-01-15 | 249. | 1268754 | 1986-01-31 |
| 183. | 1039840 | 1986-02-28 | 250. | 1273545 | 1986-02-15 |
| 184. | 1040825 | 1986-03-15 | 251. | 1286958 | 1986-03-15 |
| 185. | 1042324 | 1986-09-30 | 252. | 1290646 | 1986-03-15 |
| 186. | 1045835 | 1986-10-15 | 253. | 1293046 | 1986-03-31 |
| 187. | 1067441 | 1986-04-15 | 254. | 1293349 | 1986-03-31 |
| 188. | 1070329 | 1986-10-15 | 255. | 1310020 | 1986-05-15 |
| 189. | 1072636 | 1986-08-31 | 256. | 1315131 | 1986-06-15 |
| 190. | 1088752 | 1986-08-31 | 257. | 1322734 | 1986-07-15 |
| 191. | 1089653 | 1986-09-15 | 258. | 1323130 | 1986-07-15 |
| 192. | 1097349 | 1986-07-15 | 259. | 1323534 | 1986-07-15 |
|      |         |            | 260. | 1324132 | 1986-07-15 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 261. | 1324940 | 1986-07-15 | 276. | 1339347 | 1986-09-15 |
| 262. | 1327239 | 1986-07-31 | 277. | 1339852 | 1986-09-15 |
| 263. | 1327854 | 1986-07-31 | 278. | 1340029 | 1986-09-15 |
| 264. | 1330531 | 1986-08-15 | 279. | 1340332 | 1986-09-15 |
| 265. | 1332030 | 1986-08-15 | 280. | 1340837 | 1986-09-15 |
| 266. | 1333537 | 1986-08-15 | 281. | 1340938 | 1986-09-15 |
| 267. | 1333739 | 1986-08-31 | 282. | 1341435 | 1986-09-15 |
| 268. | 1335137 | 1986-08-31 | 283. | 1341738 | 1986-09-15 |
| 269. | 1335743 | 1986-08-31 | 284. | 1342336 | 1986-09-30 |
| 270. | 1336240 | 1986-08-31 | 285. | 1343338 | 1986-09-15 |
| 271. | 1336947 | 1986-08-31 | 286. | 1343439 | 1986-09-15 |
| 272. | 1337141 | 1986-10-31 | 287. | 1343540 | 1986-09-30 |
| 273. | 1337343 | 1986-08-31 | 288. | 1346041 | 1986-09-30 |
| 274. | 1337444 | 1986-08-31 |      |         |            |
| 275. | 1338143 | 1986-08-31 |      |         |            |











[No. CMD/13 : 12]

नई दिल्ली, 1986-08-28

का. अ. 3327:—तात्कालिक नागरिक पूति मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) की अधिमूचना संख्या एम. ओ. 1434 दिनांक 1982-03-18 जो भारत के राजपत्र भाग II—खंड 3 उपखंड (ii) में दिनांक 1982-04-10 को प्रकाशित हुई थी, का प्रांशिक संशोधन करने हुए भारतीय मानक संस्था एतद्वारा अधिसूचित करती है कि इस्पात नलियों के मानक चिन्ह के डिजाइन में संशोधन कर दिया गया है। मानक चिन्ह (नों) के संशोधित डिजाइन शाब्दिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित (नीचे) अनुसूची में दिए गए हैं।

ये मानक चिन्ह भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के निमित्त 1985-02-01 से लागू होंगे।

## अनुसूची

| क्रम सं. | मानक चिन्ह का डिजाइन  | उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी   | तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक  | मानक चिन्ह के डिजाइन का शाब्दिक विवरण   |
|----------|---|---|--|---|
| (1)      | (2)   | (3)   | (4)  | (5)   |
| 1.       |  |  | पत्ती वाहक आइडलरों के लिए इस्पात की नलियाँ | IS: 9295-1983 पत्ती वाहक आइडलरों के लिए इस्पात की नलियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) |
|          |  |  |  |   |
|          |  |  |  |   |
|          |  |  |  |   |
|          |  |  |  |   |

[सं. सी एम डी/13 : 9]










बी. एन. सिंह, अपर महानिदेशक

New Delhi, 1986-08-28

S.O. 3327—In supersession of the then Ministry of Civil Supplies (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1434 dated 1982-03-18 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1982-04-10, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the design of the Standard Mark for Steel Tubes has been revised. The revised design of the Standard Mark(s) together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1985-02-01;

SCHEDULE

| Sl. No. | Design of the Standard Mark   | Product/Class of Product                  | No. & Title of the Relevant Indian Standard   | Verbal Description of the Design of the Standard Mark  |
|---------|---|---|---|--|
| (1)     | (2)   | (3)                                       | (4)   | (5)  |
| 1.      |          | Steel tubes for idlers for leaf conveyors | IS : 9295-1983 Specification for steel tubes for idlers for leaf conveyors (first revision) | The monograms of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the relevant grande designation being subscribed under the bottom side of the monograms as indicated in the designs. |

[No. CMD/13 : 9]

B. N. SINGH, Addl. Director General

मई वित्ती, 1986-08-28

का.नं. 3328:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्दु) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के बारे में नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे 1983-08-31 को निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

| क्रम सं. | निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या एवं शीर्षक   | नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिष्ठित भारतीय मानक या मानकों, यदि कोई है, की पदसंख्या एवं शीर्षक                     | अन्य विवरण            |
|----------|---|--|-----------------------|
| (1)      | (2)   | (3)  | (4)                   |
| 1.       | IS : 174-1983 सूती फसाखन की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)  | IS : 174-1985 सूती फसाखन की विशिष्टि (पुनरीक्षण)   | --                    |
| 2.       | IS : 182-1983 माखरी की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)   | IS : 182-1985 माखरी की विशिष्टि (पुनरीक्षण)  | --                    |
| 3.       | IS : 948-1983 दमकल बाहिनी के प्रयोग के लिए 'ए' टाइप वाली पानी की गाड़ी की कार्यात्मक व्यवस्थाएं (दूसरा पुनरीक्षण)                                 | IS : 948-1970 दमकल बाहिनी के प्रयोग के लिए 'ए' टाइप की पानी की गाड़ी की विशिष्टि                               | 1983-07-31 को स्थापित |
| 4.       | IS : 1200 (भाग 5)—1983 भवन निर्माण एवं इंजीनियरी कार्यों की मापन विधियां : भाग 5 फार्म वर्क (तीसरा पुनरीक्षण)                                     | IS : 1200 (भाग 5)—1972 भवन निर्माण एवं इंजीनियरी कार्यों की मापन विधियां : भाग 5 फार्म वर्क, (दूसरा पुनरीक्षण) | 1983-01-31 को स्थापित |
| 5.       | IS : 1367 (भाग 13)—1983 बुड़ीदार इस्पात के कीलकों की तकनीकी सप्लाई की शर्तें : भाग 13 बुड़ीदार कीलकों पर गरम धुआऊ कमईवार प्रलेप (दूसरा पुनरीक्षण) | IS : 1367-1987 बुड़ीदार वस्तुओं की तकनीकी सप्लाई शर्तें (पहला पुनरीक्षण)                                       | --                    |

| (1)   | (2)   | (3)                   | (4) |
|---|---|-----------------------|-----|
| 6. IS : 1375-1981 काले सिक्के को पेंसिल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 1375-1959 काले सिक्के वाली पेंसिल की विशिष्टि  | 1982-09-30 को स्थापित |     |
| 7. IS : 1405-1982-1982 कच्चे लोहे के समूचे लेने की विधियाँ (दूसरा पुनरीक्षण)  | IS : 1405-1966 कच्चे लोहे के समूचे लेने की विधियाँ (पहला पुनरीक्षण)   | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 8. IS : 1448 (पी : 20)-1982 पैट्रॉलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण विधियाँ : (पी : 20) एबल उपकरण द्वारा फ्लैश प्वाइंट ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)                 | IS : 1448 (पी : 20)-1960 पैट्रॉलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण विधियाँ : पी : 20 एबल उपकरण द्वारा फ्लैश प्वाइंट ज्ञात करना   | 1982-11-30 को स्थापित |     |
| 9. IS : 1559 (भाग I) -1982 लोह सिलिकान के रासायनिक विश्लेषण की पद्धतियाँ : भाग 1 सिलिकान ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 1559-1961 लोह मिश्र धातुओं के रासायनिक विश्लेषण की पद्धतियाँ   | 1982-03-31 को स्थापित |     |
| 10. IS : 1559-(भाग 2)-1982 लोह सिलिकान के रासायनिक विश्लेषण की पद्धतियाँ : भाग 2 गन्धक ज्ञात करना (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 1559-1961 लोह मिश्रधातुओं के रासायनिक विश्लेषण की पद्धतियाँ  | 1982-04-30 को स्थापित |     |
| 11. IS : 1755-1983 धात्विक तार के लिए लपेटन परीक्षण पद्धतियाँ (पहला पुनरीक्षण)  | (1) IS : 1735-1961 तार के लपेटन परीक्षण पद्धतियाँ<br>(2) IS : 3388-1965 ताँबा एवं ताँबा मिश्रित तार की लपेटन परीक्षण पद्धतियाँ<br>(3) IS : 4168-1967 एल्यूमिनियम और एल्यू-मिनियम मिश्रित तार की लपेटन परीक्षण पद्धतियाँ | —                     |     |
| 12. IS : 1773-1982 पीतल के विद्युत लेपों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 1773-1961 पीतल सेवन की विशिष्टि  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 13. IS : 1798-1982 काली मिर्च, साबुत एवं पिंसी हुई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 1798-1961 काली मिर्च, साबुत एवं पिंसी हुई की विशिष्टि  | 1983-01-31            |     |
| 14. IS : 1799-1981 सिट्रस की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 1799-1961 सिट्रस की विशिष्टि   | 1983-11-30 को स्थापित |     |
| 15. IS : 1890 (भाग 1)-1982 मात्ता, एकक और चिन्ह : भाग 1 स्थान और समय (दूसरा पुनरीक्षण)  | IS : 1890 (भाग 1)-1967 मात्ता एवं एककों सम्बन्धी सिफारिशों : भाग 1 आन्तरिक एवं आर्द्र मात्ताओं और एककों सम्बन्धी सिफारिश (पहला पुनरीक्षण)   | 1983-05-31 को स्थापित |     |
| 16. IS : 1890 (भाग 2)-1982 मात्ता, एकक और चिन्ह : भाग 2 सार्यक एवं सम्बन्धित वस्तुएं (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 1890 (भाग 2)-1981 मात्ता एवं एककों सम्बन्धी सिफारिश : भाग 2 सार्यक एवं सम्बन्ध वस्तुओं की मात्ताओं और एककों सम्बन्धी सिफारिश   | 1983-05-31 को स्थापित |     |
| 17. IS : 2091-1983 बहुन्द्रिप वाली काँच की बीयर की बोतलों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)   | IS : 2091-1962 काँच की बीयर की बोतलों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | —                     |     |
| 18. IS : 2380 (भाग 22)-1981 वेड परिकल बोर्डों एवं अन्य चिह्नोसेल्यूलोजी सामग्री से बने बोर्डों की परीक्षण पद्धतियाँ भाग 22 सह चिपकिपापन ज्ञात करने के लिए परीक्षण | —   | 1981-10-31 को स्थापित |     |
| 19. IS : 2459-1983 व्यायाम में प्रयुक्त क्षैतिज डबों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 2459-1963 व्यायाम में प्रयुक्त क्षैतिज डबों की विशिष्टि  | 1982-11-30 को स्थापित |     |
| 20. IS : 2529-1983 श्रृंगार प्रसाधन उद्योग के लिए मैग्नेशियम धाक्साइड की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)   | IS : 2529-1977 श्रृंगार प्रसाधन उद्योग के लिए मैग्नेशियम धाक्साइड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | —                     |     |

| (1)   | (2)   | (3)                   | (4) |
|---|---|-----------------------|-----|
| 21. IS : 2745-1983 फायरमैनो एवं नागरिक सुरक्षा कर्मियों के लिए गैर धातु हेलमेटों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)  | IS : 2745-1969 फायरमैनो के हेलमेटों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | —                     | —   |
| 22. IS : 2985-1982 पोत संरचना के लिए इस्पात की बलाइयों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)  | IS : 2985-1973 पोत संरचना के लिए इस्पात की बलाइयों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)   | 1983-01-31 को स्थापित | —   |
| 23. IS : 3092-1982 रबड़ की मापी एवं निःश्राव जाकू की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 3092-1965 रबड़ की मापी एवं निःश्राव जाकू की विशिष्टि   | 1982-11-30 को स्थापित | —   |
| 24. IS : 3558-1983 संघटित कंक्रीट के लिए डुबाऊ कम्प्लेक्सों के प्रयोग की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 3558-1983 संघटित कंक्रीट के लिए डुबाऊ कम्प्लेक्सों के प्रयोग के लिए रीति संहिता  | —                     | —   |
| 25. IS : 4383-1983 मार्गदर्शी और स्तरोहण सीढ़ियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 4383-1967 मार्गदर्शी सीढ़ियों की विशिष्टि  | —                     | —   |
| 26. IS : 4400 (भाग 10)-1983 सड़कचालक साधनों की मापन विधियाँ : भाग 10 क्षेत्र प्रभाव वाले ट्रान्जिस्टर ब्लेड, भाग 3 माप और अवस्थाएँ (पहला पुनरीक्षण)   | —   | —                     | —   |
| 27. IS : 5030 (भाग 3)-1982 धातु काटने के पट्टी द्वारा के ब्लेड, भाग 3 माप और अवस्थाएँ (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 5030-1969 सुनम्ब पीठ वाली धातु की कटाई की पट्टी द्वारा के ब्लेड  | 1982-09-30 को स्थापित | —   |
| 28. IS : 5051 (भाग 1 खंड 1 से 3) इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूर संचार उपकरण के रिसे की विशिष्टि भाग 2 रीड रिसे   | —   | 1982-12-31 को स्थापित | —   |
| 29. IS : 5421-1981 परीक्षण छलनियाँ एवं परीक्षण छानन सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 5421-1969 परीक्षण छलनियाँ एवं परीक्षण छानन सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली   | 1982-03-31 को स्थापित | —   |
| 30. IS : 5480-1983 आटोमोबाइल पालिश पेस्ट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 5480-1969 आटोमोबाइल पालिश पेस्ट की विशिष्टि  | —                     | —   |
| 31. IS : 5582-1982 आटोमोटाइव प्रयोग हेतु त्राम काइल गाँत टाइप ईंधन मापी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)  | IS : 5580-1970 आटोमोबाइलों के लिए ईंधन मापी की विशिष्टि   | 1983-01-31 को स्थापित | —   |
| 32. IS : 5577-1982 मोटरों के लिए ऐमीटर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)   | IS : 5577-1970 कारों के लिए ऐमीटर की विशिष्टि   | 1983-01-32 को स्थापित | —   |
| 33. IS : 5786 (भाग 2)-1982 अल्प शक्ति के सामान्य कार्य के स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 2 एक धार एल पी 1 टाइप के प्रतिरोधक (पहला पुनरीक्षण)       | IS : 5786 (भाग 2)-1976 अल्प शक्ति वाले सामान्य कार्य के स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि : भाग 2 एक धार टाइप के प्रतिरोधक        | 1982-12-31 को स्थापित | —   |
| 34. IS : 5786 (भाग 3)-1982 अल्प शक्ति वाले सामान्य कार्य के स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि : भाग 3 एक धार एल पी 2 प्रकार के प्रतिरोधक (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5786 (भाग 3)-1976 अल्प शक्ति वाले सामान्य कार्यों के स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि : भाग 3 एक धार 2 प्रकार के प्रतिरोधक  | 1983-01-31 को स्थापित | —   |
| 35. IS : 5786 (भाग 4)-1982 अल्प शक्ति वाले सामान्य कार्यों के स्थिर प्रतिरोधक भाग 4 एक धार एल पी 3 प्रकार के प्रतिरोधक (पहला पुनरीक्षण)               | IS : 5786 (भाग 4)-1976 अल्पशक्ति वाले सामान्य कार्यों के लिए स्थिर प्रतिरोधकों की विशिष्टि भाग 4 प्रतिरोधक एक धार 3 प्रकार के | 1983-01-31 को स्थापित | —   |
| 36. IS : 6067-1983 बमकल वाहिनी के प्रयोग हेतु 'एक्स' प्रकार की पानी की गाड़ी की कार्यात्मक अवस्थाएँ (पहला पुनरीक्षण)                                  | IS : 6067-1971 बमकल वाहिनी के प्रयोग हेतु 'एक्स' प्रकार की पानी की गाड़ी की विशिष्टि  | —                     | —   |
| 37. IS : 7075-1983 पटसन के कपड़े के बंडलों के लिए क्रोड के रूप में प्रयुक्त कार्ड बोर्ड की द्यूनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)                       | IS : 7075-1973 पटसन को कपड़े के बंडलों के लिए डकनों के रूप में प्रयुक्त कार्डबोर्ड की द्यूनों की विशिष्टि                     | —                     | —   |
| 38. IS : 7160 (भाग 7)-1980 पाठ्य पुस्तकों के लिए मुद्रण क्षेत्र हानियों एवं टाइप साइजों सम्बन्धी संदर्भिका : भाग 7 बंगाली पाठ्य पुस्तकों              | —   | 1982-02-28 को स्थापित | —   |

| (1)  | (2)  | (3)                   | (4) |
|--|--|-----------------------|-----|
| 39. IS: 8271 (भाग 2/खंड 7)—1982 भावुति निरंतरण एवं चयन के लिए प्रयुक्त स्फटिक क्रिस्टल एककों की विशिष्टि भाग 2 बोलकों के लिए श्रेणी 'एए': खण्ड 7 स्फटिक क्रिस्टल यूनिट टाइप एए/07          | —  | 1982-09-30 को स्थापित |     |
| 40. IS: 8271 (भाग 3/खंड 6) 1982 बोलकों में प्रयुक्त स्फटिक क्रिस्टल एककों की विशिष्टि: भाग 3 श्रेणी बी सी: खंड 6 स्फटिक क्रिस्टल एकक टाइप बी सी-6  | —  | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 41. IS: 8271 (भाग 3—खंड 9)—1982 भावुति नियंत्रण एवं चयन के लिए प्रयुक्त स्फटिक क्रिस्टल एककों की विशिष्टि भाग 3 बोलकों के लिए श्रेणी बी सी: खंड 9 स्फटिक क्रिस्टल एकक टाइप बी सी-09        | —  | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 42. IS: 8413 (भाग 2)—1982 जीव विज्ञान सम्बन्धी उपचार एवं उपकरण सम्बन्धी प्रपेसाएँ: भाग 3 उत्प्रेरित स्वतः प्रक्रिया एवं इसके परिवर्तन  | —  | 1982-09-30 को स्थापित |     |
| 43. IS: 9299 (भाग 3—खंड 2)—1982 निर्मित घटक उप-चारित घटक कागज से बनी रोधन सामग्री की विशिष्टि-भाग 3 घलन-घलन सामग्रियों की विशिष्टि—खंड 2 विद्युत कार्यों के लिए सांचा वालित घटक सामग्रियाँ | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 44. IS: 10020 (भाग 4)—1981 बन्दरगाह एवं पत्तन संघ-टकों के निर्माण एवं विज्ञापन की सिफारिशों भाग 4<br>* प्रवर्तन मंत्र  | —  | 1982-09-30 को स्थापित |     |
| 45. IS: 10026 (भाग 3/खंड 2)—1983 विलायक युक्त रोधन वानियों की विशिष्टि: भाग 3 घलन-घलन सामग्रियों की विशिष्टियाँ: खंड 2 120 ताप सूचकांक की वायु शुष्कन वानियाँ।                             | (1) IS: 352 1973 विद्युत कार्यों के लिए वायु शुष्कन रोधन वानिका की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)<br>(2) IS: 8264-1976 विद्युत कार्यों के लिए वायु शुष्कन एवं एन्टीस्टैकिंग रोधन वानिका की विशिष्टि | —                     |     |
| 46. IS: 10037 (भाग 3)—1983 बलबल के पानी निकासने के उपस्कर की प्रपेसाएँ: भाग 3 अपकेन्द्रीय उपस्कर (टीस कटीरा टाइप)  | —  | —                     |     |
| 47. IS: 10047-1981 ऊष्मासहों की कुटार्ई वस्तुओं की परीक्षण पद्धतियाँ   | —  | 1982-09-30 को स्थापित |     |
| 48. IS: 10099-1982 भाषीय परिवर्तन ज्ञात करने सम्बन्धी परीक्षणों में बस्तों के नमूने और परिधान बनाने चिन्ह लगाने और मापन सम्बन्धी पद्धतियाँ   | —  | 1982-10-31 को स्थापित |     |
| 49. IS: 10115-1982 फासफोरस पेंटासल्फाइड की विशिष्टि  | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 50. IS: 10180-1982 धातुओं पर समतल दाब द्वारा टूट बिरोधी कठोरता के परीक्षण की पद्धतियाँ   | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 51. IS: 10187-1982 चार जीभी विद्युत्प्रक नियंत्रण बाल्बों के रोधन सतहों की सिफारिशें   | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 52. IS: 10202-1982 खानों में उपयुक्त धुरचनी की विशिष्टि  | —  | 1982-11-30 को स्थापित |     |
| 53. IS: 10210-1982 दरवाजों में प्रचवासित ह्यूस्टों के विज्ञापन सम्बन्धी मापदण्ड  | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 54. IS: 10259-1982 एल्यूमिनियम एवं एल्यूमिनियम मिश्र धातु उत्पादों के वितरण और निरीक्षण की सामान्य शर्तें  | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 55. IS: 10261-1982 गन्धेपानी के उपचार के लिए निधार-टकी (निर्मलकारी उपस्कर) की प्रपेसाएँ  | —  | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 56. IS: 10270-1982 पूर्ण प्रतिबलित रॉक एककों के निर्माण एवं विज्ञापन की भागवर्तिका   | —  | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 57. IS: 10277-1982 मोपेडों के हैंडल की ब्रूट की विशिष्टि   | —  | 1983-01-31 को स्थापित |     |



| (1)  | (2) | (3)                   | (4) |
|--|-----|-----------------------|-----|
| 58. IS : 10278-1982 मोपेड़ों की अधिकतम गति मापन पद्धतियाँ  | —   | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 59. IS : 10279-1982 लेखन सामग्री वस्तुओं जिनमें बियोज्य कीटें भी सम्मिलित हैं, के समग्र सुव्यवस्थित साक्ष्यों की विधि  | —   | 1982-11-30 को स्थापित |     |
| 60. 10293-1982 उपकरणों के लिए भाँस डेपर शीटों पर वैकल्पिक खांचे के माप   | —   | 1983-02-28 को स्थापित |     |
| 61. IS : 10297-1982 पूर्वनिर्मित प्रबलित/पूर्व प्रबलित/प्रबलित कंक्रीट की धारीदार भववा कोष्ठवाली स्लीब यूनिटों द्वारा छतों एवं फलों के निर्माण एवं बिजाइन की रीति संहिता           | —   | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 62. IS : 10298-1982 क्लार्कियों के लिए साँचा एवं कोष्ठ कुल्हन अद्वितीयों के निर्माण एवं बिजाइन की मार्गदर्शिका   | —   | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 63. IS : 10307-1982 बालों के बरो एवं कटारों के कार्यकारी पुर्जों के पदनाम तथा नामित प्रकार   | —   | 1983-02-28 को स्थापित |     |
| 64. IS : 10308-1982 क्यूबिक के मयूने की ब्यासनलीखेयन दृष्टि एवं ग्राह्य  | —   | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 65. IS : 10309-1982 कंटीदार, तिरछी कुंजी की विधि   | —   | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 66. IS : 10313-1982 जल उपचार संयंत्र के लिए निवार टंकी (निमलकारी उपकरण) की विशेषांश  | —   | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 67. IS : 10316-1982 माहूली समन्वय की सिफारिशें, माघारधृत माहूय   | —   | 1982-12-31 को स्थापित |     |
| 68. IS : 10337-1982 सिंकाई के लिए उपयुक्त मुवा विशेषताओं के मूल्यांकन की संदर्शिका   | —   | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 69. IS : 10324-1982 बोलबंद पेय के लिए मकड़ी के फ्रेटों की विधि   | —   | 1983-01-31 को स्थापित |     |
| 70. IS : 10326-1982 मेनिंग मयूने की प्लास्टर निर्मित प्रसारक की विधि   | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 71. IS : 10329-1982 फोटो कागज की प्रकाश प्रभाव प्रतिता जांच की पद्धति  | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 72. IS : 10377-1982 कलाई धड़ियों के लिए 32.768 के एच जैब स्फटिक क्रिस्टल की विधि   | —   | 1983-05-31 को स्थापित |     |
| 73. IS : 10344-1982 गैंग ड्रेम, डेक्स बायल के टंग प्लेटों की विधि  | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 74. IS : 10349-1982 योम्पतम धीर मूर मयूने की नित्य्य अग्रभाग के लिए मोटी रेती की विधि  | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 75. IS : 10383-1982 समतल पर मुड़ी कील कैचियों की विधि  | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 76. IS : 10384-1982 मरहम पट्टी के लिए स्मिथ के मयूने की कैचियों की विधि  | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 77. IS : 10386 (भाग 1)-1983 नदी बाटी परियोजनाओं के निर्माण, परिचालन एवं रख-रखाव की सुरक्षा संहिता : भाग 1 सामान्य पहलू   | —   | —                     |     |
| 78. IS : 10386 (भाग 2)-1982 नदी बाटी परियोजनाओं के निर्माण, परिचालन और रख-रखाव की सुरक्षा संहिता : भाग 2 सुविधाएं, संरक्षणात्मक प्रावरण एवं उपकरण                                  | —   | 1983-03-31 को स्थापित |     |
| 79. IS : 10386 (भाग 6)-1983 नदी बाटी परियोजनाओं के निर्माण, परिचालन और रख-रखाव की सुरक्षा संहिता भाग 6 निर्माण   | —   | —                     |     |
| 80. IS : 10386 (भाग 10)-1983 नदी बाटी परियोजनाओं के निर्माण, परिचालन एवं रख-रखाव की सुरक्षा संहिता भाग 10 गैसों रसायनों एवं ज्वलनशील द्रवों, के संग्रहण, हस्तन संयोजन सुरक्षा उपाय | —   | —                     |     |

| (1)  | (2)   | (3)                   | (4) |
|--|---|-----------------------|-----|
| 81. IS : 10426-1983 सार्वजनिक सूचना एम्पलीफायरों की विशिष्टि   | (1) IS : 1490-1059 मुख्य लाइन चालित सार्वजनिक सूचना एम्पलीफायरों की न्यूनतम संबंधी अपेक्षाओं की सिफारिशें, एवं<br>(2) IS : 1819-1961 सार्वजनिक सूचना एम्पलीफायरों की सामान्य अपेक्षाओं सम्बन्धी सिफारिशें | 1983-05-31 को स्थापित |     |
| 82. IS : 10430-1982 पक्की नहरों सम्बन्धी मापदण्ड और लाइनिंग की टाइप के चयन की मार्ग-दिशिका   | ---   | ---                   | --- |
| 83. IS : 10442-1983 भूमि बेघमी (स्पायरल टाइप) की विशिष्टि  | ---   | ---                   | --- |
| 84. IS : 10452 (भाग 2)-1982 विद्युत उपकरण के लिए आवश्यक भागों की परीक्षण विधियाँ : भाग 2 रेशोदार आबद्धित चालक  | ---   | ---                   | --- |
| 85. IS : 10455-1983 धारावाहिक प्रकाशनों में सारांश पत्रों के प्रस्तुतीकरण की मार्गदिशिका   | ---   | ---                   | --- |
| 86. IS : 10456-1983 बांदी जिलेटिन टाइप माइक्रोफार्म की संघनता की विशिष्टि  | ---   | 1983-07-31 को स्थापित |     |
| 87. IS : 10469-1983 बलार्द्धर के लिए नल तंत्र रोधी मिश्रण की विशिष्टि  | ---   | 1983-05-31 को स्थापित |     |
| 88. IS : 10470-1983 वायु शीतित ऊष्मा विनियम की विशिष्टि  | ---   | ---                   | --- |
| 89. IS : 10471-1983 इलेक्ट्रोमी संघटकों एवं समुच्चयों में जंग की रोकथाम सम्बन्धी अनुशासित रीति   | ---   | ---                   | --- |
| 90. IS : 10472-1983 विद्युत जेपन में प्रयुक्त फिण्डर एवं पाउडर की विशिष्टि   | ---   | ---                   | --- |
| 91. IS : 10476-1983 वायु आकाशीय कायों के लिए पॉलिएस्टर शीशा परतों के लिए रीविंग कांच के बुने बरतन की विशिष्टि  | ---   | ---                   | --- |
| 92. IS : 10477-1983 सुक्ष्म परिपत्र के लिए पर्यावरणीय परीक्षण प्रक्रियाएं  | ---   | ---                   | --- |
| 93. IS : 10488 (भाग 3)-1983 दूरदर्शन तस्वीर ट्यूबों के साथ प्रयुक्त निम्न परिणामियों के क्रम की विशिष्टि : भाग 2 470, 510, 590 और 610 मिमी दूरदर्शन तस्वीर ट्यूबों के लिए एक छोटी आई एच टाइप | ---   | ---                   | --- |
| 94. IS : 10489-1983 अपघर्षी पट्टियों के लिए इस्तेमाल ड्रेसर की विशिष्टि  | ---   | ---                   | --- |
| 95. IS : 10490-1983 एक एवं दो नाल वाली ग्रीब लेडिंग छर्रे वाली बन्सूकों की विशिष्टि  | ---   | ---                   | --- |
| 96. IS : 10492-1983 शंकर केबल स्टावरों की सामान्य अपेक्षाएं एवं परीक्षण  | ---   | ---                   | --- |
| 97. IS : 10493-1983 जंग से बरखाई संरक्षण के लिए जंग रोधी परीक्षणों की विधियाँ  | ---   | ---                   | --- |
| 98. IS : 10495-1983 ऊन सताधन उद्योग के बहुस्तरिकियों के उपचार एवं निपटान की संश्लिषिका   | ---   | ---                   | --- |
| 99. IS : 10503-1983 रंगीत दूरदर्शन की तस्वीर ट्यूबों की मापन विधियाँ   | ---   | 1983-08-30 को स्थापित |     |
| 100. IS : 10510-1983 बी-बी काम्पिस्टोमीटर की विशिष्टि  | ---   | ---                   | --- |
| 101. IS : 10511-1983 सामान्य ड्रेन्ट से अवक्षेपण द्वारा जल में ऐस्पमस्टीन ज्ञात करने की विधि   | ---   | ---                   | --- |

| (1)   | (2) | (3) | (4) |
|---|-----|-----|-----|
| 102. IS: 10512-1983 झार में मोम की मात्रा ज्ञात करने की विधि  |     | --- | --- |
| 103. IS: 10523-1983 शिशु प्रसाधन साबुन की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 104. IS: 10526-1983 आन्तरिक जलवायों के लिए ध्वनि शोषक जल संत के लिए दाब की विशिष्टि   |     | --- | --- |
| 105. IS: 10527-1983 आन्तरिक जलवायों के लिए सम्पीडित वायु संत की दाब रेंज की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 106. IS: 10529-1983 मछली पकड़ने की यंत्रिकृत छोटी नौकाओं के इंजन की शक्ति निर्धारण की मार्गदर्शिका  |     | --- | --- |
| 107. IS: 10533-1983 आन्तरिक बहन इंजनों के लिए धात्व गार्डों की विशिष्टि   |     | --- | --- |
| 108. IS: 10538-1983 कृत्रिम धर्मों के लिए अन्तस्त्व युक्त बाले रसीर बाहू की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 109. IS: 10539-1983 कृत्रिम धर्मों के लिए अन्तस्त्व युक्त बाली बराती की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 110. IS: 10544 (भाग 2)-1983 रेडियों वालित छोरी की विशिष्टि: भाग 2 भावलीन की बुनी हुई धीरे के कोष्ठ वाली   |     | --- | --- |
| 111. IS: 10544 (भाग 3)-1983 रेडियों ड्राइव छोरी की विशिष्टि<br>भाग 3 पोलिएस्टर गुथी हुई, भावलीन कोष्ठ वाली  |     | --- | --- |
| 112. IS: 10547-1983 कोटोपेण लैम्पों एवं इलेक्ट्रोनी कोटो प्लेन एककों के लिए कैमरा सहायकांग गूज की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 113. IS: 10552-1983 सोवर साफ करने की शक्ति वालित बाल्टी ठाप मशीन में प्रयुक्त बाल्टियों की विशिष्टि   |     | --- | --- |
| 114. IS: 10553 (भाग 1)-1983 कलोरीमीकरण उपकरण की-अपेक्षाएं: भाग 1 कलोरीन के लिक्विडों एवं ड्रमों के रख रखाव, संभरण एवं सुरक्षा सहित कलोरीमीकरण संयंत्रों की सामान्य मार्गदर्शिकाएं |     | --- | --- |
| 115. IS: 10553 (भाग 2)-1983 कलोरीमीकरण उपकरण की अपेक्षाएं: भाग 2 रिक्त स्थान पोषण टाइप कलोरी-मेटर   |     | --- | --- |
| 116. IS: 10555-1983 एक्सकोलिपेट बमिकुलाइट की विशिष्टि   |     | --- | --- |
| 117. IS: 10556-1983 ऊष्मा रोधन सामग्रियों के संभरण एवं रख रखाव की रीति संहिता   |     | --- | --- |
| 118. IS: 10557-1983 धांकड़े संसाधन के लिए कागज की टेप के रोलों की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 119. IS: 10562-1983 रेखा अक्षभाग वाले स्केप पेन की विशिष्टि   |     | --- | --- |
| 120. IS: 10569-1983 एलुमिनियम कांस्थ की छतों एवं सरिया की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 121. IS: 10570-1983 रिफ्रेक्टरी की डमार्ड योग्य बस्तुओं की परीक्षण पद्धति   |     | --- | --- |
| 122. IS: 10574-1983 समानांतर साइड वाली बलैम्प प्लेटों के साथ प्रयुक्त बलैम्प बटनों की विशिष्टि  |     | --- | --- |
| 123. IS: 10576-1983 स्लाइड यूनिटों के लिए मशीन औजारों के निर्माण के लिए मास्कुली दकाइयों के साथ स्लाइड यूनिटों के धिंग आघार   |     | --- | --- |
| 124. IS: 10582-1983 जिल्दसाजी के कपड़े की विशिष्टि  |     | --- | --- |

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरसाह जंकर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और प्रहमबाबा, बंगलौर प्रोफाल, मुम्बई, धम्बाई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, मोहाली, पटना तथा त्रिवेन्द्रम स्थित शाखा कार्यालयों से भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

[सं. सी एम जी/13: 2]

New Delhi, 1986-08-28

S.O. 3328.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1983-08-31 :

## SCHEDULE

| Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established   | No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard   | Remarks, if any           |
|---|--|---------------------------|
| (1)   | (2)  | (3)                       |
| 1. IS : 174-1983 Specification for flannelettes (Second Revision)   | IS : 174-1965 Specification for flannelettes (Revised)   | —                         |
| 2. IS : 182-1983 Specification for mazri (Second Revision)  | IS : 182-1965 Specification for mazri (Revised)  | —                         |
| 3. IS : 948-1983 Functional requirements for water tender type 'A' for fire brigade use (Second Revision)   | IS : 948-1970 Specification for water tender, type A, for fire brigade use (First Revision)  | Established on 1983-07-31 |
| 4. IS : 1200 (Part V)-1982 Method of measurement of building and civil engineering works; Part V Form work (Third Revision)   | IS : 1200 (Part V)-1972 Method of measurement of building and civil engineering works; Part V Form work (Second Revision)  | Established on 1983-01-31 |
| 5. IS : 1367 (Part XIII)-1983 Technical supply conditions for threaded steel fasteners; Part XIII Hot-dip galvanized coatings on threaded fasteners (Second Revision) | IS : 1367-1967 Technical supply conditions for threaded fasteners (First Revision)   | —                         |
| 6. IS : 1375-1981 Specification for black lead pencils (First Revision)   | IS : 1375-1959 Specification for black lead pencils  | Established on 1982-09-30 |
| 7. IS : 1405-1982 Methods of sampling iron ores (Second Revision)   | IS : 1405-1966 Methods of sampling iron ore (First Revision)   | Established on 1982-12-31 |
| 8. IS : 1448 [P : 20]-1982 Methods of test for petroleum and its products; (P : 20) Determination of flash point by abel apparatus (First Revision)                   | IS : 1448 [P : 20]-1960 Methods of test for petroleum and its products; P : 20 Flash point by abel apparatus   | Established on 1982-11-30 |
| 9. IS : 1559 (Part I)-1982 Methods of chemical analysis of ferrosilicon Part I Determination of silicon (First Revision)  | IS : 1559-1961 Methods of chemical analysis of ferro-alloys  | Established on 1982-03-31 |
| 10. IS : 1559 (Part II)-1982 Methods of chemical analysis of ferro silicon Part II Determination of sulphur (First Revision)  | IS : 1559-1961 Methods of chemical analysis of ferro-alloys  | Established on 1982-04-30 |
| 11. IS : 1755-1983 Method for wrapping test for metallic wire (First Revision)  | (i) IS : 1755-1961 Method for wrapping test of wire,<br>(ii) IS : 3388-1965 Method for wrapping test for copper and copper alloy wire and<br>(iii) IS : 4168-1967 Method for wrapping test of aluminium and aluminium alloy wire | —                         |
| 12. IS : 1773-1982 Specification for electro-plated coatings of brass (First Revision)  | IS : 1773-1961 Specification for brass plating   | Established on 1982-12-31 |
| 13. IS : 1798-1982 Specification for black pepper, whole and ground (First Revision)  | IS : 1798-1961 Specification for black pepper, whole and ground  | Established on 1983-01-31 |
| 14. IS : 1799-1981 Specification for citral (First Revision)  | IS : 1799-1961 Specification for citral  | Established on 1982-11-30 |
| 15. IS : 1890 (Part I)-1982 Quantities, units and Symbols; Part I Space and time (Second Revision)  | IS : 1980 (Part I)-1967 Recommendations for quantities and units; Part I Recommendation on basic quantities and units of the SI (First Revision)   | Established on 1983-05-31 |
| 16. IS : 1890- (Part II)-1982 Quantities, units and symbols; Part II Periodic and related phenomena (First Revision)  | IS : 1890 (Part II)-1961 Recommendation for quantities and units; Part II Recommendation on quantities and units of periodic and related phenomena   | Established on 1983-05-31 |
| 17. IS : 2091-1983 Specification for multi-trip glass beer bottles (Second Revision)  | IS : 2091-1962 Specification for glassbeer bottles (First Revision)  | —                         |

| (1)   | (2)   | (3)                       | (4) |
|---|---|---------------------------|-----|
| 18. IS : 2380 (Part XXII)-1981 Method of test for wood particle boards and boards from other lignocellulosic materials; Part XXII Determination of surface glueability test | —   | Established on 1981-10-31 |     |
| 19. IS : 2459-1982 Specification for horizontal bard used in gymnastics (First Revision)  | IS : 2459-1963 Specification for horizontal bars used in gymnastics   | Established on 1982-11-30 |     |
| 20. IS : 2529-1983 Specification for magnesium oxide for cosmetic industry (Second Revision)  | IS : 2529-1977 Specification for magnesium oxide for cosmetic industry (First Revision)                               | —                         |     |
| 21. IS : 2745-1983 Specification for non-metal helmet for firemen and civil defence personnel (Second Revision)   | IS : 2745-1969 Specification for firemen's helmets (First Revision)   | —                         |     |
| 22. IS : 2985-1982 Specification for steel castings for ship's structure (Second Revision)  | IS : 2985-1973 Specification steel castings for ship's structure (First Revision)                                     | Established on 1983-01-31 |     |
| 23. IS : 3092-1982 Specification for rubber draining and tapping knife (First Revision)   | IS : 3092-1965 Specification for rubber draining and tapping knife  | Established on 1982-11-30 |     |
| 24. IS : 3558-1983 Code of practice for use of immersion vibrators for consolidating concrete (First Revision)  | IS : 3558-1966 Code of practice for use of immersion vibrators for consolidating                                      | —                         |     |
| 25. IS : 4383-1983 Specification for pilot and embarkation ladders (First Revision)   | IS : 4383-1967 Specification for pilot ladders  | —                         |     |
| 26. IS : 4400 (Part 10)-1983 Methods of measurements on semiconductor devices; Part 10 Field effect transistors   | —   | —                         |     |
| 27. IS : 5030 (Part III)-1982 Specification for metal cutting bandsaw blades; Part III Dimensions and requirements (1st Revision)   | IS : 5030-1969 Specification for flexible-back metal cutting bandsaw blades   | Established on 1982-09-30 |     |
| 28. IS : 5051 (Part II/Sec 1 to 3)-1982 Specification for relays for electronics and telecommunication equipment Part II Reed relays  | —   | Established on 1982-12-31 |     |
| 29. IS : 5421-1981 Glossary of terms relating to test sieves and test sieving (First Revision)  | IS : 5421-1969 Glossary of terms relating to test sieves and test sieving   | Established on 1982-03-31 |     |
| 30. IS : 5480-1983 Specification for automobile polish, paste (First Revision)  | IS : 5480-1969 Specification for automobile polish, paste   | —                         |     |
| 31. IS : 5562-1982 Specification for cross coil movement type fuel gauges for automotive applications (First Revision)  | IS : 5562-1970 Specification for fuel gauges for automobiles  | Established on 1983-01-31 |     |
| 32. IS : 5577-1982 Specification for ammeters for automobiles (First Revision)  | IS : 5577-1970 Specification for ammeters for automobiles   | Established on 1983-01-31 |     |
| 33. IS : 5786 (Part II)-1982 Specification for fixed resistors general purpose, low power; Part II resistors type FRLP 1 (First Revision)                                   | IS : 5786 (Part II)-1976 Specification for fixed resistors general purposes, low power; Part II Resistors type FR 1   | Established on 1983-12-31 |     |
| 34. IS : 5786 (Part III)-1982 Specification for fixed resistors general purpose, low power-Part III Resistors type FRLP 2 (First Revision)                                  | IS : 5786 (Part III)-1976 Specification for fixed resistors general purposes, low power; Part III Resistors type FR 2 | Established on 1983-01-31 |     |
| 35. IS : 5786 (Part IV)-1982 Specification for fixed resistors general purpose, low power; Part IV Resistors type FRLP 3 (First Revision)                                   | IS : 5786 (Part IV)-1976 Specification for fixed resistors general purposes, low power; Part IV resistors type FR 3   | Established on 1983-01-31 |     |
| 36. IS : 6067-1983 Functional requirements for water tender type 'X' for fire brigade use (First Revision)  | IS : 6067-1971 Specification for water tender, Type 'X' for fire brigade use  | —                         |     |
| 37. IS : 7075-1983 Specification for cardboard tubes used as cores for jute fabric rolls (First Revision)   | IS : 7075-1973 Specification for cardboard tubes used as covers for jute fabric rolls                                 | —                         |     |
| 38. IS : 7160 (Part 7)-1980 Guide for print area, margins and type sizes for textbooks; Part VII Textbooks in Bengali   | —   | Established on 1982-02-28 |     |

| (1)  | (2)  | (3) | (4)                       |
|--|--|-----|---------------------------|
| 39. IS : 8271 (Part II/Sec. 7)—1982 Specification for quartz crystal units used for frequency control and selection— Part II Series AA for oscillators; Section 7 Quartz crystal unit type AA-07                                     | —  |     | Established on 1982-09-30 |
| 40. IS : 8271 (Part III/Sec. 6)—1982 Specification for quartz crystal units used in oscillators; Part III series BC; Section 6 Quartz crystal unit type BC-06  | —  |     | Established on 1983-01-31 |
| 41. IS : 8271 (Part III/Sec. 9)— 1982 Specification for quartz crystal units used for frequency control and selection; Part III Series BC for oscillators; Section 9 Quartz crystal unit type BC-09                                  | —  |     | Established on 1983-03-31 |
| 42. IS:8413 (Part II)—1982 Requirements for biological treatment and equipment; Part II Activated sludge process and its modifications.  | —  |     | Established on 1982-09-30 |
| 43. IS:9299 (Part III/Sec. 2)—1982 Specifications for insulating materials based on built-up mica or treated mica paper; Part III Specifications for individual materials; Section 2 Moulding mica materials for electrical purposes | —  |     | Established on 1982-12-31 |
| 44. IS:10020 (Part IV)—1981 Recommendations for design and construction of port and harbour components; Part IV Slipways.  |  |     | Established on 1982-09-30 |
| 45. IS:10026 (Part 3/Sec.2)—1983 Specifications for insulating varnished containing solvents; Part 3 Specifications for individual materials; Section 2 Air drying varnishes with temperature index 120                              | (i) TS: 352-1973 Specification for air-drying insulating varnishes for electrical purposes (First Revision)<br>(ii) IS:8264-1976 Specification for air-drying and antitracking insulating varnish for electrical purposes. | —   |                           |
| 46. IS:10037 (Part 3)—1983 Requirements for sludge dewatering equipment; Part 3 centrifugal equipment (Solid bowl type).   | —  | —   |                           |
| 47. IS:10047—1981 Methods of testing refractory ramming masses.  | —  |     | Established on 1982-09-30 |
| 48. IS:10099—1982 Methods for preparation, marking and measuring of fabric specimens and garments in tests for determination of dimensional change.  | —  |     | Established on 1982-10-31 |
| 49. IS:10115—1982 Specification for phosphorus pentasulphide.  | —  |     | Established on 1982-12-31 |
| 50. IS:10180—1982 Method for plane strain fracture toughness testing of metals.  | —  |     | Established on 1982-09-30 |
| 51. IS:10187—1982 Recommendation for mounting surfaces for four-port dissectional control valves.  | —  |     | Established on 1982-12-31 |
| 52. IS:10202—1982 Specification for scrapers used in mines.  | —  |     | Established on 1982-11-30 |
| 53. IS:10210—1982 Design criteria of hydraulic hoists for gates.   | —  |     | Established on 1982-12-31 |
| 54. IS:10259—1982 General condition of delivery and inspection of aluminium and aluminium alloy products   | —  |     | Established on 1982-12-31 |
| 55. IS:10261—1982 Requirements for settling tank (Clarifier equipment) for waste water treatment.  | —  |     | Established on 1983-01-31 |
| 56. IS:10270—1982 Guidelines for design and construction of prestressed rock anchors.  | —  |     | Established on 1982-12-31 |
| 57. IS:10277—1982 Specification for handle grips for mopeds  | —  |     | Established on 1983-01-31 |
| 58. IS:10278—1982 Method of measurement for the maximum speed of mopeds.   | —  |     | Established on 1983-01-81 |

| (1)   | (2)   | (3) | (4)                       |
|---|---|-----|---------------------------|
| 59. IS:10279—1982 Specification for overall trimmed sizes of articles of stationery that include detachable sheets.   | —   |     | Established on 1982-11-30 |
| 60. IS:10293—1982 Dimensions for optional recess on morse taper shanks for tools.   | —   |     | Established on 1983-02-28 |
| 61. IS:10297—1982 Code of practice for design and construction of floors and roofs using pre-cast reinforced/prestressed concrete ribbed or cored slab units.   | —   |     | Established on 1982-12-31 |
| 62. IS:10298—1982 Guidelines for design and constructions of mould and core drying ovens for foundries.   | —   |     | Established on 1982-12-31 |
| 63. IS:10307—1982 Nominal sizes and designation of working parts of burs and cutters, dental  | —   |     | Established on 1983-02-28 |
| 64. IS:10308—1982 Specification for tracheostomy tubes and guides, Cubley's pattern.  | —   |     | Established on 1983-01-31 |
| 65. IS:10309—1982 Specification for key, torquing, edgewise.  | —   |     | Established on 1983-01-31 |
| 66. IS:10313—1982 Requirements for settling tank (clarifier equipment) for water treatment plant.   | —   |     | Established on 1983-01-31 |
| 67. IS:10316—1982 Recommendations for modular co-ordination-basic module.   | —   |     | Established on 1982-12-31 |
| 68. IS:10317—1982 Guide for evaluation of soil properties relevant to irrigation.   | —   |     | Established on 1983-01-31 |
| 69. IS:10324—1982 Specification for wooden crates for bottled drinks.   | —   |     | Established on 1983-01-31 |
| 70. IS:10326—1982 Specification for spreader, plaster cast, Henning's pattern   | —   |     | Established on 1983-03-31 |
| 71. IS:10329—1982 Method for sensitometry of photographic papers  | —   |     | Established on 1983-01-31 |
| 72. IS:10337—1982 Specification for 32-768 kHz quartz crystal units for wrist watches.  | —   |     | Established on 1983-05-31 |
| 73. IS:10344—1982 Specification for gag frame, davis-boyle, and tongue plates.  | —   |     | Established on 1983-03-31 |
| 74. IS:10349—1982 Specification for rasp for hip prosthesis, Thompons' and Moore's patterns   | —   |     | Established on 1983-03-31 |
| 75. IS:10383—1982 Specification for sciessors, nail, curved on flat.  | —   |     | Established on 1983-03-31 |
| 76. IS:10384—1982 Specification for scissors, bandage, Smith's pattern.   | —   |     | Established on 1983-03-31 |
| 77. IS:10386 (Part I)—1983 Safety code for constructions, operation and maintenance of river valley projects; Part I General aspects.   | —   |     | —                         |
| 78. IS:10386 (Part II)—1982 Safety in construction, operation and maintenance of river valley projects; Part II Amenities, protective clothing and equipment.   | —   |     | Established on 1983-03-31 |
| 79. IS:10386 (Part 6)—1983 Safety code for construction, operation and maintenance of river valley projects; Part 6 Construction.   | —   |     | —                         |
| 80. IS:10386 (Part 10)—1983 Safety code for construction, of eration and maintenance of river valley projects; Part 10 Storage, handling, detection and safety measures for gases, chemicals and flammable liquids. | —   |     | —                         |
| 81. IS :10426—1983 Specification for public address amplifiers.   | (i) IS:1490—1959 Recommendations for minimum performance requirements of mains-operated public address amplifiers and<br>(ii) IS:1819—1961 Recommendations for general requirements of public address amplifiers. |     | Established on 1983-05-31 |
| 82. IS:10430—1982 Criteria for design of lined canals and guidelines for selection of type of lining.   | —   |     | —                         |
| 83. IS:10442—1983 Specification for earth augers (spiral type)  | —   |     | —                         |
| 84. IS:10452 (Part 2)—1983 Methods of test for covered conductors for electrical equipment; Part 2 Fibrous covered conductors.  | —   |     | —                         |

| (1)   | (2) | (3) | (4)                       |
|---|-----|-----|---------------------------|
| 85. IS:10455—1983 Guidelines for presentation of abstract sheets in serial publications.  | —   | —   | —                         |
| 86. IS:10456—1983 Specification for density of silver gelatin type microforms   | —   | —   | Established on 1983-07-31 |
| 87. IS:10469—1983 Specification for antipiping compound for foundry.  | —   | —   | Established on 1983-05-31 |
| 88. IS:10470—1983 Specification for air cooled heat exchangers.   | —   | —   | —                         |
| 89. IS:10471—1983 Recommended practice for corrosion prevention in electronic component and assemblies.   | —   | —   | —                         |
| 90. IS:10472—1983 Specification for filter and power for use in electroplating.   | —   | —   | —                         |
| 91. IS:10476—1983 Specification for woven roving glass fabric for polyester-glass laminates for aerospace purposes.   | —   | —   | —                         |
| 92. IS:10477—1983 Environmental testing procedures for microcircuits  | —   | —   | —                         |
| 93. IS:10488(part 2)—1983 specification for frame output transformers used with television picture tubes/ Part 2 Type FOT IH for 470, 510, 590 and 610 mm television picture tubes. | —   | —   | —                         |
| 94. IS:10489—1983 Specification for steel dresser for abrasive wheels.  | —   | —   | —                         |
| 95. IS:10490—1983 Specification for breech loading shot guns, single and double barrel.   | —   | —   | —                         |
| 96. IS:10492—1983 General requirements and testing of anchor cable stoppers.  | —   | —   | —                         |
| 97. IS:10493—1983 Method for corrosion protection tests for temporary corrosion preventives.  | —   | —   | —                         |
| 98. IS:10495—1983 Guide for treatment and disposal of effluents of wool processing industry   | —   | —   | —                         |
| 99. IS:10503—1983 Methods of measurement of colour television picture tubes.  | —   | —   | Established on 1983-06-03 |
| 100. IS:10510—1983 Specification for vee-bee consistometer.   | —   | —   | —                         |
| 101. IS:10511—1983 Method for determination of asphaltenes in bitumen by precipitation with normal heptane.   | —   | —   | —                         |
| 102. IS:10512—1983 Method for determination of wax content in bitumen.  | —   | —   | —                         |
| 103. IS:10523—1983 Specification for baby toilet soap   | —   | —   | —                         |
| 104. IS:10526—1983 Specification for pressure for fire fighting water system for inland vessels.  | —   | —   | —                         |
| 105. IS:10527—1983 Specification for pressure ranges for compressed air system for inland vessels.  | —   | —   | —                         |
| 106. IS:10529—1983 Guidelines for estimation of engine power for small mechanized fishing boats.  | —   | —   | —                         |
| 107. IS:10533—1983 Specification for valve guides for internal combustion engines.  | —   | —   | —                         |
| 108. IS:10538—1983 Specification for kitchen knife terminal device for artificial limbs.  | —   | —   | —                         |
| 109. IS:10539—1983 Specification for sickle terminal device for artificial limbs.   | —   | —   | —                         |
| 110. IS:10544(Part 2)—1983 Specification for radio drive cords; Part 2 woven nylon, Glass core.   | —   | —   | —                         |
| 111. IS:10544 (Part 3)—1983 Specification for radio drive cords; Part 3 Braided Polyester, nylon core.  | —   | —   | —                         |
| 112. IS:10547—1983 Specification for camera accessory shoes for photoflash lamps and electronic photoflash units.   | —   | —   | Established on 1983-07-31 |



| (1)  | (2) | (3) | (4) |
|--|-----|-----|-----|
| 113. IS:10552-1983 Specification for buckets to be used in power driven bucket type sewer cleaning machines.   |     |     |     |
| 114. IS:10553 (Part 1)-1983 Requirements for chlorination equipment, Part 1 General guidelines for chlorination plants including handling, storage and safety of chlorine cylinders and drums. |     |     |     |
| 115. IS:10553 (Part 2)-1983 Requirements for chlorination equipment; Part 2 Vacuum feed type chlorinators.   |     |     |     |
| 116. IS:10555-1983 Specification for exfoliated vermiculite.   |     |     |     |
| 117. IS:10556-1983 Code of practice for storage and handling of thermal insulation materials.  |     |     |     |
| 118. IS:10557-1983 Specification for paper tape rolls for data processing.   |     |     |     |
| 119. IS:10562-1983 Specification for sketch, pen fibre-tap.  |     |     |     |
| 120. IS:10569-1983 Specification for aluminium bronze rods and bars.   |     |     |     |
| 121. IS:10570-1983 Method of testing refractory castables.   |     |     |     |
| 122. IS:10574-1983 Specification for clamp buttons to be used with parallel sided clamp plates.  |     |     |     |
| 123. IS:19576-1983 Dimensions for modular units for machine tool construction-wing bases for slide units.  |     |     |     |
| 124. IS:10582-1983 Specification for book binding cloth.   |     |     |     |

Copies of these Indian Standards are available for sale with Indian Standard Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also with its Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivandrum.

[No.CMD/13:2]

### वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1986

क्र.आ. 3329.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्यात निरीक्षण परिषद् अधिदायी अधिव्य निधि नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्राकशन की तारीख को प्रदत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अव्यया अपेक्षित न हो,—

(क) “अभिकरण” से, अधिनियम की धारा 7 के अधीन मुख्यई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली तथा मद्रास में स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरण अभिप्रेत है;

(ख) “अध्यक्ष” से, निर्यात निरीक्षण परिषद् का अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ग) “परिषद्” से, अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद् अभिप्रेत है;

(घ) “निर्देशक” से, परिषद् का निरीक्षण तथा क्वालिटी नियंत्रण निदेशक अभिप्रेत है;

(ङ) “उपनिधायक” से, अभिप्रेत है स्थानापन्न रूप से काम करने का वेतन, विशेष वेतन, निजी वेतन, मंहगाई वेतन या इसमें विशेष रूप से घोषित कोई अन्य राशि जो सेवा निवृत्ति लाभों, छुट्टी वेतन या जीवन

निर्वाह अनुदान को निश्चित करने के लिए सहभागिता की जाती है जैसा कि मूल नियमों में परिभाषित है;

(च) “कर्मचारी” से, परिषद् या अभिकरण का पूर्णकालिक नियमित कर्मचारी अभिप्रेत है;

(छ) “कुटुम्ब” से अभिप्रेत है—

(i) पुरुष कर्मचारी की वशा में, कर्मचारी की पत्नी या पत्नियां तथा संतान और कर्मचारी के मृतक पुत्र की विधवा या विधवाएं तथा संतान अभिप्रेत हैं;

(ii) महिला कर्मचारी की वशा में, कर्मचारी का पति और संतानें। तथा कर्मचारी के मृतक पुत्र की विधवा या विधवाएं तथा संतानें हैं;

परन्तु यह कि—

(1) यदि पुरुष कर्मचारी यह साबित कर देता है कि उसकी पत्नी उससे कानूनी रूप से पृथक है या वह समुदाय जिससे वह संबंधित है उसके भरणपोषण के लिए वह हकदार नहीं रह गयी है, तो उसे कर्मचारी के कुटुम्ब का सदस्य उन मामलों में नहीं समझा जाएगा जिससे यह नियम संबंधित हैं जब तक कि कर्मचारी कार्यालय के प्रधान को प्रमाण सहित यह लिखित रूप में सूचित नहीं कर देता है कि उसे ऐसा समझा जाता रहे।

- (2) यदि महिला कर्मचारी अपने पति को अपने कुटुम्ब से अपवर्जित करने की अपनी इच्छा कार्यालय के प्रधान को लिखित सूचना द्वारा व्यक्त करती है तो पति को तब तक उन मामलों में जिनसे ये नियम संबंधित हैं कर्मचारी के कुटुम्ब का संबंध नहीं समझा जाएगा, जब तक कि कर्मचारी ऐसी सूचना को लिखित में रद्द नहीं कर देती।

स्पष्टीकरण—इस खंड में निविष्ट सूचना में महिला कर्मचारी यह उपवर्णित करेगी कि उसका पति शारीरिक रूप से विकलांग है या नहीं और पूर्णतः उस पर आश्रित है या नहीं। ऐसी सूचना प्राप्त होने पर कार्यालय के प्रधान को उसके कुटुम्ब से पति को अपवर्जन को इंकार करने का अधिकार होगा। टिप्पण: "संतान" से अभिप्रेत है धर्मज संतान ही और इसमें दत्तक संतान भी सम्मिलित है जहां दत्तकग्रहण कर्मचारी को शामिल करने वाली स्वीय विधि द्वारा मान्य है।

(ज) "निधि" से नियमित निरीक्षण परिषद अभिदायी भविष्य नियम अभिप्रेत है;

(झ) "कार्यालय प्रधान" से, वह अधिकारी अभिप्रेत है जिसे परिषद ने या उसके अध्यक्ष या निदेशक ने ऐसा घोषित किया है;

(ञ) "छुट्टी" से परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी प्रकार की छुट्टी अभिप्रेत है।

(ट) "स्वीकृति प्राधिकारी" से परिषद् या अधिकरण का निदेशक या कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के प्रयोजनों के लिए इस रूप में कार्य करने के लिए निदेशक द्वारा सशक्त किया गया है;

(ठ) "अभिदाता" से, निधि का संबंध अभिप्रेत है;

(ड) "वर्ष" से, वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है;

(ड) उन सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषिक नहीं किन्तु जिनकी परिभाषा अभिदायी निधि नियम (भारत), 1962 या मूल नियम में दी गयी है, वहीं अर्थ हैं जो उक्त नियमों में हैं।

3. लागू होने का विस्तार—ये नियम नियमित निरीक्षण परिषद् के और नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित निम्नलिखित अधिकरणों के प्रत्येक पूर्णकालिक तथा नियमित कर्मचारी को लागू होंगे, यर्थात्

- (क) नियमित निरीक्षण अधिकरण, मुम्बई,
- (ख) नियमित निरीक्षण अधिकरण, कलकत्ता,
- (ग) नियमित निरीक्षण अधिकरण, कोचीन,
- (घ) नियमित निरीक्षण अधिकरण, दिल्ली,
- (ङ) नियमित निरीक्षण अधिकरण, मद्रास;

परन्तु ये नियम उन कर्मचारियों को लागू होंगे जो का.भा. 2922, तारीख 24 अक्टूबर, 1981 के अधीन अधिसूचित नियमित निरीक्षण परिषद् पेंशन और साधारण भविष्य निधि नियम, 1981 के लागू होने बाद सरकारी सेवा में आए हैं।

4. निधि का गठन और प्रवन्ध—निधि परिषद् द्वारा शामिल की जाएगी।

5. नामनिर्देशन—(1) निधि में शामिल होते समय कर्मचारी कार्यालय के प्रधान के पास एक नामनिर्देशन पत्र भेजेगा जिसमें वह रकम संदेय होने से पूर्व उसकी मृत्यु हो जाने की दशा में या उस दशा में, जब रकम संदेय हो तो किन्तु यी न गयी हो, एक या अधिक व्यक्तियों को वह रकम प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा जो निधि में अभिदाता के नाम जमा हो:

परन्तु नामनिर्देशन करते समय यदि अभिदाता का कोई कुटुम्ब हो तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के सदस्य या सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में नहीं किया जाएगा।

(2) यदि कोई अभिदाता उपनियम (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों को नाम निर्देशित करता है तो वह प्रत्येक नामनिर्देशिनी को संदेय रकम या भ्रंश उस नामनिर्देशन पत्र में इस रीति से विनिविष्ट करेगा कि खाते में किसी भी समय उसके नाम जमा संपूर्ण रकम उसके अन्तर्गत आ जाए।

(3) अभिदाता लेखा अधिकारी को लिखित रूप में सूचना भेजकर किसी भी समय नामनिर्देशन रद्द कर सकता है। अभिदाता ऐसी सूचना के साथ या अलग से ऐसा नया नामनिर्देशन भेजेगा जो इस नियम के उपबन्धों के अनुसार किया गया हो।

(4) अभिदाता नामनिर्देशन में निम्नलिखित की व्यवस्था कर सकेगा:

(क) किसी विनिविष्ट नामनिर्देशिनी के संबंध में यह कि अभिदाता से पूर्व उसकी मृत्यु हो जाने पर उस नामनिर्देशिनी को दिया गया अधिकार ऐसे अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को संक्रात हो जाएगा जो नामनिर्देशन में विनिविष्ट किए जाएं परन्तु यदि अभिदाता के कुटुम्ब के अन्य सदस्य हैं तो उपयुक्त अन्य व्यक्ति उसके कुटुम्ब के हों ऐसे अन्य सदस्य होंगे। जहां अभिदाता इस खंड के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों को ऐसा अधिकार प्रदान करता है वहां वह ऐसे व्यक्तियों में से प्रत्येक को संदेय रकम या भ्रंश ऐसी रीति से विनिविष्ट करेगा कि उसके अंतर्गत वह संपूर्ण रकम आ जाए जो नामनिर्देशिनी को संदेय हो;

(ख) यह कि नामनिर्देशन, उसमें विनिविष्ट किसी आकस्मिकता के घटित होने पर, अधिविमान्य हो जाएगा;

परन्तु यदि नाम निर्देशन करते समय अभिदाता का कोई कुटुम्ब नहीं है तो वह नामनिर्देशन में इस बात का उपबंध करेगा कि यदि बाद में उसका कोई कुटुम्ब हो जाता है तो, अधिविमान्य हो जाएगा।

परन्तु यह और कि यदि नामनिर्देशन करते समय अभिदाता के कुटुम्ब का केवल एक ही सदस्य है तो वह नामनिर्देशन में यह उपबंध करेगा कि खंड (क) के अधीन अनुकली नामनिर्देशिनी को प्रथम अधिकारी उस दशा में अधिविमान्य हो जाएगा जब बाद में उसके कुटुम्ब में कोई अन्य सदस्य आ जाता है या आ जाते हैं।

(5) ऐसे नामनिर्देशिनी की मृत्यु के तुरन्त बाद, जिसकी वास्तव नामनिर्देशन में कोई व्यवस्था नहीं की गयी है, अथवा ऐसी कोई घटना घट जाने पर, जिसके कारण उपनियम (4) के या उसके परन्तुओं के अनुसरण में किए गए किसी उपबंध के आधार पर वह नामनिर्देशन अधिविमान्य हो जाता है, अभिदाता नामनिर्देशन को रद्द करते हुए कार्यालय के प्रधान को लिखित रूप में एक सूचना भेजेगा और उसके साथ इस नियम के उपबंधों के अनुसार एक नया नामनिर्देशन भी भेजेगा।

(6) अभिदाता द्वारा किया गया प्रत्येक नामनिर्देशन और उससे रद्द किए जाने की प्रत्येक सूचना, उस सीमा तक, जिस सीमा तक वह विधिमान्य है, उस तारीख को प्रभावी हो जाएगा जिसको वह कार्यालय के प्रधान को प्राप्त होती है।

6. अभिदाता का खाता: प्रत्येक अभिदाता के नाम एक खाता खोला जाएगा जिसमें निम्नलिखित दिखाए जाएंगे:—

(i) उसका अभिदाय

(ii) परिषद द्वारा नियम 10 के अधीन उसके खाते में किए गए अभिदाय;

(iii) अभिदानों और भ्रंशदानों पर, नियम 12 द्वारा उपवर्णित व्याज;

(iv) अभिदानों पर, नियम 13 द्वारा उपबंधित बोनस, और

(v) खाते में से लिए गए उधार और निकाली गयी रकमें।

7. अभिदाय की शर्तें :— (1) प्रत्येक अभिदाता, जब वह ड्यूटी पर हो या अन्यत्र सेवा पर हो, किन्तु निलंबन की अवधि के दौरान नहीं निधि में प्रति मास अभिदान करेगा :

परन्तु निलंबन के अधीन व्यतीत अवधि के पश्चात पुनः स्थापन पर अभिदाता को उस अवधि के लिए, अनुज्ञेय अभिदानों के बकायों की अधिकतम रकम से अधिक किसी रकम का एकमुश्त, या किश्तों में संदाय करने के विकल्प की अनुज्ञा दी जाएगी।

टिप्पण : अभिदाता, उस अवधि के दौरान अभिदान नहीं करेगा जिसे उसका कार्यालय दिवस नहीं समझा जाता है।

(2) ऐसा प्रत्येक कर्मचारी जो प्राय-कर अभिनियम की जीपी अनुसूची के भाग अ के खंड के अधीन मान्यता प्राप्त भविष्य नियम या साधारण भविष्य निधि का सदस्य रहा है, परिषद या अभिकरण के अधीन सेवा के ठीक पूर्व अपने नियोजन में, परिषद या अभिकरण के अधीन अपने नियोजन की तारीख से निधि में अभिदान करने का हकदार होगा।

(3) अभिदाता, ऐसी छुट्टी के दौरान, जिसमें कोई छुट्टी बेतन न मिलता हो, या जिसका छुट्टी बेतन, आधे बेतन या आधे घौसत बेतन के बराबर या उससे कम हो, अपने विकल्प पर, अभिदान नहीं भी कर सकेगा।

(4) अभिदाता, उप-नियम (3) में विनिर्दिष्ट छुट्टी के दौरान अभिदान न करने के अपने व्यय को छुट्टी जाने से पूर्व कार्यालय के प्रधान को लिखित रूप में सूचित करेगा और सम्यक रूप से तथा समय पर सूचना न देने का अर्थ यह लगाया जाएगा कि उसने अभिदान करने का विकल्प किया है।

(5) उप-नियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, अभिदाता उस मास के लिए निधि में अभिदान नहीं देगा जिसमें वह सेवा छोड़ता है जब तक कि उक्त मास के प्रारम्भ होने से पहले वह कार्यालय प्रधान को उक्त मास के लिए अभिदान देने की अपनी इच्छा लिखित रूप में नहीं सूचित करता है।

8. अभिदान की दरें :— (1) अभिदाय मासिक अभिदान की रकम अभिदाता द्वारा स्वयं नियत की जाएगी किन्तु वह रकम इन नियमों के नियम 2 के उपनियम (ड.) में यथापरिभाषित अभिदाता की उपलब्धियों के 8 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

(2) उप-नियम (1) के उपबंध के अधीन रहते हुए, अभिदाता निधि में अतिरिक्त स्वैच्छिक अभिदान कर सकता है, परन्तु—

(क) स्वैच्छिक अभिदान का ऐसा विकल्प कार्यालय के प्रधान को लिखित रूप में दिया जाएगा तथा इस प्रकार नियत अभिदान की राशि,—

(i) वर्ष के दौरान किसी भी समय एक बार कम की जा सकती है,

(ii) वर्ष के दौरान दो बार बढ़ाई जा सकती है, या

(iii) यथापूर्वोक्त रीति से घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

(ख) कर्मचारी का अभिदान और स्वैच्छिक अभिदान उसकी कुल मासिक उपलब्धियों से अधिक नहीं होगा।

टिप्पण :— अभिदान की दरें पूर्ण शर्तों में अभिव्यक्त की जाएंगी।

9. अभिदान की वसूली :— नियम 8 के अधीन नियम दर पर अभिदान की वसूली तथा अभिदाता द्वारा निधि से निकाले गए अभिम की, यदि कोई है, उसके मासिक वेतन बिल में से कटीती करके पूरा किया जाएगा।

10. परिषद/अभिकरण द्वारा अभिदान : (1) परिषद/अभिकरण प्रत्येक अभिदाता के खाते में प्रत्येक वर्ष के पश्चात अर्थात् 30 सितम्बर तथा 31 मार्च को, अभिदाता के अभिदाय के बराबर राशि का अभिदान निधि में करेगा परन्तु ऐसा अभिदान किसी भी दशा में प्रत्येक कर्मचारी को संवेद्य मासिक उपलब्धियों के 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा :

परन्तु परिषद या अभिकरण उस अवधि के लिए कोई भी अभिदान नहीं देगा जिसके लिए अभिदाता निधि में कोई अभिदान नहीं करता है।

(2) ऐसे मामले में जहां कर्मचारी वर्ष के दौरान सेवा छोड़ देता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, उप-नियम (1) के अधीन अभिदान पूर्ववर्ती वर्ष के समापन और उसके सेवा छोड़ने या मृत्यु की तारीख के बीच की अवधि के लिए ऐसे अभिदाता के खाते में जमा कर दिया जाएगा।

(3) ऐसी किसी भी अवधि के लिए जिसके लिए अभिदाता को नियमों के अधीन अभिदान न देने की अनुमति दी गयी है या विधि में अभिदान नहीं करता है, कोई भी अभिदाय संवेद्य नहीं होगा।

11. अन्य निधि से या उगमें अंतरण :— (1) कर्मचारी के परिषद या अभिकरण में नियोजन के समय या ऐसे कर्मचारी के परिषद या अभिकरण में स्थायी रूप से समावेश होने के समय प्राय-कर अभिनियम, 1961 की धनुष्य अनुसूची के भाग क के खंड 3 के अधीन मान्यता प्राप्त किसी भविष्य नियम में या साधारण भविष्य निधि में कर्मचारी के जमा खाते में राशि, यदि वह चाहता है तो, इन विनियमों के अधीन रखी गयी निधि में जमा खाते में कां जाएगी।

(2) जहां कोई कर्मचारी परिषद या अभिकरण की सेवा छोड़कर किसी ऐसे अन्य सरकारो या धर्म-सरकारो संगठन या उन संगठनों में पदग्रहण करता है जिसे कर्मचारी भविष्य निधि तथा प्रकीर्ण उपबंध अभिनियम, 1952 (1952 का 19) लागू है या उस संगठन में पदग्रहण करता है जिसे प्राय-कर अभिनियम, 1961 के अधीन मान्यता प्राप्त भविष्य निधि रखा जाता है तो ऐसा कर्मचारी के जमा खाते में संचित राशि, यदि कर्मचारी ऐसा चाहे और ऐसे नए नियोजक के भविष्य निधि से संबंधित विनियम अनुमति दें तो ऐसा राशि उसके नए नियोजक द्वारा रखा गया निधि में अंतरित कर दी जाएगी।

12. ब्याज :— (1) परिषद या अभिकरण निधि में किसी अभिदाता के नाम जमा रकम पर उसके खातों में ब्याज ऐसे दर से जमा करेगा जिसे भारत सरकार, सरकारों सेवकों के लिए साधारण भविष्य निधि में अभिदानों पर ब्याज का संदाय करने के लिए समय-समय पर ब्रिहित करे।

(2) ब्याज प्रतिवर्ष 31 मार्च से निम्नलिखित रीति से जमा किया जाएगा :—

(क) पूर्ववर्ती वर्ष की 31 मार्च को अभिदाता के नाम जमा रकम में से चालू वर्ष के दौरान निकाली गयी रकमों को घटाकर बची शेष रकम पर बारह मास का ब्याज ;

(ख) चालू वर्ष के दौरान निकाली गयी रकमों पर — चालू वर्ष की पहले अप्रैल से लेकर उस मास के, जिसमें रकम निकाल गयी थी, पूर्ववर्ती मास के अंतिम दिन तक का ब्याज ;

(ग) पूर्ववर्ती वर्ष के 31 मार्च के पश्चात अभिदाता के खाते में जमा सभी रकमों पर जमा की तारीख से लेकर चालू वर्ष की 31 मार्च तक का ब्याज ;

(घ) ब्याज की कुल रकम निकटतम रूप में पूर्णांकित की जाएगी। पचास पैसे को अगला रुपय, संगणित किया जाएगा।

परन्तु जब किसी अभिदाता के नाम जमा रकम संवेद्य हो गया हो तब उस पर ब्याज इस उप-नियम के अधीन, यथास्थिति, केवल चालू वर्ष के प्रारंभ से या जमा की तारीख से लेकर उस तारीख तक की अवधि के लिए जमा किया जाएगा जिसको अभिदाता के नाम जमा रकम संवेद्य हुई है।

परन्तु यह और कि यदि कर्मचारी अभिदाता का वेतन या छुट्टी-वेतन या भत्तों को लेने में विलम्ब हुआ है और परिणामतः निधि मध्ये उसके अभिदान का बसूली में विलम्ब हुआ है ऐसे अभिदाताओं पर ब्याज उस मास से संवेद्य होगा जिसमें अभिदाता का वेतन या छुट्टी वेतन देय हो गया या भले ही वह वास्तव में किसी भी मास में लिया गया हो :

परन्तु यह और भी कि जहाँ किसी मास की उपलब्धियाँ उसी मास के अंतिम कार्य दिवस को ली गयी हैं और संवितरित की गयी हैं वहाँ जमा की तारीख उसके अभिदाता की वसूली के मामले में, उसरवर्ती मास प्रथम दिन मानी जाएगी।

(3) नियम 23 के अधीन संदाय की जाने वाली किसी रकम के अतिरिक्त उस पर ब्याज उस मास के, जिसमें संदाय किया जाता है, ठीक पूर्ववर्ती मास की समाप्ति तक, अथवा उस मास के पश्चात् जिसमें वह रकम संदेय हुई गयी थी, छठे मास की समाप्ति तक, इसमें से जो भी अधिक कम हो, के लिए उस व्यक्ति को संदेय होगी जिसे ऐसी रकम संदल की जानी है।

टिप्पण :—निधि में छह मास से अधिक अवधि के अधिशेष पर ब्याज का संदाय निम्नलिखित द्वारा प्राधिकृत किया जा सकता है :—

(क) एक वर्ष की अवधि तक के लिए, निदेशक द्वारा

(ख) किसी भी अवधि के लिए मंत्रालय द्वारा,

यदि उक्त निदेशक या मंत्रालय का यह समाधान हो जाता है कि संदाय में विलम्ब अभिदाता या उक्त व्यक्ति के जिसे ऐसा संदाय किया जाना था, के नियंत्रण के परे परिस्थितियों के कारण हुआ है, तथा ऐसे प्रत्येक मामले में उस विषय में प्रशासनिक द्वारा विलम्ब की पूरी तरह से जांच की जाएगी और यदि आवश्यकता हो तो कार्यवाही की जाएगी।

13. प्रोत्साहन बोनस :—(1) निधि को वह अभिदाता जिसने पूर्व तीन वर्ष के दौरान अपने अभिदान की राशि में से कोई भी धन नहीं निकाला है, उस वर्ष का अन्तिम तारीख को अभिदाता के जमा खाते पूरे अधिशेष पर एक प्रतिशत की दर से बोनस पाने का हकदार होगा।

(2) वह अधिशेष जिस पर बोनस संगणित किया जाता है उक्त तीन वर्ष की अवधि में अन्तिम वर्ष की अन्तिम तारीख का अधिशेष उस पर उक्त अन्तिम वर्ष को ब्याज जमा खाते करने के पश्चात् होगा :

परन्तु यह कि बोनस अभिदाता के केवल अपने अभिदान, उस पर अनुज्ञात ब्याज के साथ समुचित राशि पर संगणित किया जाएगा। इस प्रकार संगणित किया गया बोनस पूर्णपूँकित किया जाएगा। पचास पैसे की गणना ठीक उच्चतर रूप में की जाएगी। यह बोनस, भविष्य निधि में अधिशेष पर ब्याज के अतिरिक्त अभिदाता के खाते में जमा किया जाएगा।

टिप्पण :—निकासी से प्रतिदेय तथा अप्रतिदेय होंगे।

14. वार्षिक लेखा विवरण :—(1) परिषद् प्रत्येक वर्ष 31 मार्च तक के लेखाओं की लेखा-परीक्षा के पश्चात् शीघ्रातिशीघ्र प्रत्येक अभिदाता को उसके लेखा का एक वार्षिक विवरण भेजेगा जिसमें आदि अधिशेष जमा और वर्ष के दौरान उसका अभिदान, राशि का प्रतिदाय, यदि कोई है, वर्ष के दौरान ब्याज तथा खाते में से निकासी आदि, अभिलिखित करते हुए, निधि में उसके जमा खाते की रकम भी दर्शाई जाएगी। परिषद् या अभिकरण लेखा विवरण के साथ यह पूछेगा कि क्या अभिदाता :—

(क) नियम (5) के अंतर्गत किसी भी नामनिर्देशन में परिवर्तन करने का हकशुक्त है ;

(ख) ने कुटुम्ब बना लिया है यदि उसने नियम 5 के उपनियम (1) के उपबंधों के अधीन अपने कुटुम्ब के किसी सदस्य को नाम-निर्देशन नहीं किया है।

(2) अभिदाता वार्षिक विवरण की शुद्धता के बारे में अपना समाधान करेंगे तथा त्रुटियाँ यदि कोई हैं तो, ऐसे वार्षिक विवरण के प्राप्त होने के 3 मास के भीतर विवरण भेजने वाले भारसाधक अधिकारी को जानकारी में लाएंगे।

15. निधियों में से अग्रिम-धन :—(1) समुचित मंजूरीकर्ता अधिकारी किसी अभिदाता को विहित प्रकृति में आवेदन करने पर ऐसा अग्रिम-

धन दिए जाने की उनके तीन मास की वेतन उपावृत्तियों की रकम से, अथवा निधि में उसके नाम द्वारा जमा अग्रिम-धन और उन पर ब्याज की आधी रकम से, इनमें से जो भी कम हो, अधिक न हो, निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों के लिए, मंजूरी दे सकेगा, अर्थात् :—

(क) अभिदाता और उनके कुटुम्ब के सदस्यों या उस पर वस्तुतः आश्रित किसी व्यक्ति की बीमारी, प्रसवावस्था या निःशुक्तता के संबंध में व्यय (जिनके अंतर्गत, जहाँ कहीं आवश्यक हो, यात्रा व्यय भी है) का संदाय करने के लिए;

(ख) अभिदाता और उनके कुटुम्ब के सदस्यों या उस पर वस्तुतः आश्रित किसी व्यक्ति की उच्चतर शिक्षा के व्ययों की (जिनके अंतर्गत, जहाँ कहीं आवश्यक हो, यात्रा व्यय भी है) निम्नलिखित मामलों में पूर्ति के लिए अर्थात् :—

(i) हाई स्कूल स्तर के आगे शैक्षिक, तकनीकी, कृषिक अथवा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की भारत से बाहर शिक्षा प्राप्त करने के लिए;

(ii) हाई स्कूल स्तर के आगे भारत में चिकित्सा संबंधी इंजीनियरी अथवा अन्य तकनीकी या विशिष्ट पाठ्यक्रम के लिए परन्तु यह तब जब कि पाठ्यक्रम तीन वर्ष से कम के लिए न हो।

टिप्पण : वे पाठ्यक्रम जिनके लिए अग्रिम की मंजूरी दी जा सकती है, सरकारी सेवाओं के लिए साधारण भविष्य निधि के अभिदाताओं की अग्रिम की मंजूरी के लिए भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसार होंगे।

(ग) अभिदाता की प्रास्थिति के उपर्युक्त मापमान पर ऐसे वाध्यकार व्ययों का संदाय करने के लिए, जो अभिदाता को रुढ़िगत प्रथा के अनुसार (सगाईयाँ या बिवाहों) अथवा अन्य अथवा अन्य कर्मों के संबंध में करने पड़ें;

(घ) अभिदाता, उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य या उस पर वस्तुतः आश्रित किसी व्यक्ति के द्वारा या उनके विश्व संचित विधिक कार्यवाहियों की खर्च पूरी करने के लिए, ऐसी दशा में अग्रिम किसी अन्य परिषद् या अभिकरण स्त्रोत से उसी प्रयोजन के लिए अनुशेष किसी अग्रिम के अतिरिक्त उपलब्ध होगा;

(ङ) अभिदाता को बचत के खर्च को पूरा करने के लिए, जहाँ वह किसी अपने अभिकथित पदीय अवधार की बाबत जांच में करने के लिए अपना विधि व्यवसायी निर्वाचित करता है;

(च) अपने निवास के लिए भूखंड या गृह अथवा फ्लैट के निर्माण की लागत का खर्च वहन करने या विलम्बी विकास प्राधिकरण या राज्य आवास बोर्ड या गृह निर्माण सहाकारी संसाहटी से भूखंड या फ्लैट के आवंटन में कोई संदाय करने के लिए।

(2) निदेशक विशेष परिस्थितियों में, जो लेखबद्ध की जाएंगी, अभिदाता को अग्रिम संदाय की मंजूरी दे सकता है यदि उसका समाधान हो जाता है कि संबंधित अभिदाता को अग्रिम-धन उन प्रयोजनों के अतिरिक्त चाहिए जो उपनियम (1) में उल्लिखित हैं।

(3) किसी अभिदाता को, उन विशेष कारणों के सिवाय जो लेखबद्ध किए जाएंगे अग्रिम-धन उस सीमा से अधिक नहीं दिया जाएगा जो उपनियम (1) में अभिकथित हैं या जब तक पहले लिए गए अग्रिम-धन की अग्रिम की किस्त का प्रतिदाय नहीं हुआ है :—

परन्तु यह कि अग्रिम-धन की राशि किसी भी दशा में निधि में अभिदाता के जमा खाते अभिदाय तथा उसके या ब्याज के अधिशेष से अधिक नहीं होगा।

- (4) जहाँ किसी पूर्ववर्ती प्रयोजन का प्रतिपाद होने से पहले उपनियम (3) के अर्धीन अधिम मंजूर किया जाता है तो पूर्ववर्ती अधिम की बकाया राशि इस प्रकार मंजूर किए गए अधिम में जोड़ दी जाएगी तथा बसूली के लिए किस्ते समेकित राशि के प्रतिनिवेश से निश्चय की जाएगी।

टिप्पण :—अभिदाता को इस नियम के उपनियम (1) की सब (ख) के अर्धीन प्रत्येक छह मास में एक बार अधिम लेने को अनुमति होगी।

16. अधिम की बसूली :—(1) अधिम अभिदाता से उतनी समान मासिक किस्तों में बसूल किया जाएगा जितनी का निवेश मंजूरीकर्ता प्राधिकारी हैं, किन्तु ये किस्तें बारह से कम, जब तक कि अभिदाता बेता खयन न करें और जीवित से अधिक नहीं होंगे। अभिदाता इन निशों द्वारा विहित किस्तों से कम किस्तों में भी अपने बिल पर, अधिम का प्रतिसंदाय कर सकता है। ऐसे विशेष मामलों में, जहाँ अधिम रकम नियम 15 के उपनियम (2) के अर्धीन अभिदाता के तीन मास के बेतन से अधिक है वहाँ मंजूरीकर्ता प्राधिकारी ऐसी किस्तों की संख्या जीवित से अधिक नियत कर सकता है किन्तु किसी भी वषा में किस्तों की संख्या छःसे अधिक नहीं होगी। प्रत्येक किस्त पूर्ण रूपों में होगी।

- (2) अधिम की बसूली, अभिदानों की बसूली संबंधी नियम 9 में उपबंधित रीति से की जाएगी और जिस मास से अधिम लिया गया है उससे ठीक पश्चात्पूर्व मास का बेतन दिए जाने के साथ-आरम्भ हो जाएगी अधिम की बसूली, अभिदाता को सहमति के बिना उस वषा में नहीं की जाएगी जब उसे जीवन निर्विह अनुदान मिल रहा है। मंजूरीकर्ता प्राधिकारी मंजूर किए गए किस्तों अधिम बेतन की बसूली के दौरान अभिदाता के लिखित अनुरोध पर अभिदाता की बसूली की स्थिति कर सकता है।

- (3) इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, यदि मंजूरीकर्ता प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि निधि में से अधिम के रूप में लिए गए धन को उस प्रयोजन से, जिसके लिए वह निकालने की मंजूरी दी गयी थी, भिन्न किसी प्रयोजन के लिए प्रयोग में लाया गया है तो लिखित सूचना जारी करके और अभिदाता से पश्चद् दिनों के भीतर लिखित उत्तर अभिदाता करने के पश्चात् संबंधित रकम निधि में अभिदाता द्वारा तुरन्त प्रतिसंस्त करने का निर्देश देगा और ऐसा करने में व्यतिक्रम होने पर यह आदेश दिए जाएंगे कि उन्हें अभिदाता की उपलब्धियों में से, भले ही वह छुट्टी पर हो, एक मुक्त कटौती करके बसूल किया जाए यदि प्रतिसंस्त की जाने वाली कुल रकम अभिदाता की मासिक उपलब्धियों से आधे से अधिक है तो बसूली उसकी उपलब्धियों के अर्ध भाग की मासिक किस्तों में तब तक की जाएगी जब तक कि अभिदाता द्वारा पूर्ण रकम प्रतिसंस्त न कर दी जाए।

- (4) इस नियम के अर्धीन बसूल की गयी रकमें, जब-जब उनकी बसूली की जाए, निधि में अभिदाता के खाते में जमा की जाएगी।

टिप्पण :—इस नियम में, "उपलब्धियों" के अंतर्गत जीवन निर्विह अनुदान या भत्ते नहीं हैं।

17. निधि में से रकम निकालना :—(1) रकम की निशों इन्हें विनिर्दिष्ट शर्तों के अर्धीन रहते हुए विभाग के प्रज्ञान द्वारा निम्नलिखित किसी भी समय :—

- (अ) अभिदाता की मृत्यु की सेवा पूरी हो जाने के पश्चात् (जिनके अंतर्गत सेवा भंग की अवधियां, यदि कोई हों, भी हैं) अथवा अधिविविता पर उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के भीतर, इनमें से जो भी पूर्वोक्त हो, निधि में अभिदाता के नाम जमा अभिदानों और उन पर ध्यान की रकम में

से निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों के लिए मंजूर की जा सकेंगी, अर्थात् :—

- (क) अभिदाता या अभिदाता की किसी संज्ञान की उच्च शिक्षा के व्ययों की जिनके अंतर्गत, जहाँ कहीं आवश्यक हो यात्रा व्यय भी है निम्नलिखित मामलों में, पूति के लिए अर्थात् :—

- (i) हाई स्कूल स्तर के अपने विज्ञान, गणित, पुस्तक या वास्तविक पाठ्यक्रम का भारत में वास्तविकता प्राप्त करने के लिए;

- (ii) हाई स्कूल स्तर के अपने भारत में विज्ञान संबंधी, इंजीनियरी, अथवा अन्य तकनीकी या विविध पाठ्यक्रम के लिए;

- (ख) अभिदाता या उसके पुत्रों या पुत्रियों के तथा उन पर बस्तुतः आश्रित किसी अन्य स्त्री नानेश्वरकी साक्षात्/विवाह के संबंध में व्यय की पूति के लिए;

- (ग) अभिदाता उसके कुटुंब के सदस्यों अथवा उस पर बस्तुतः आश्रित किसी व्यक्ति की बीमारी के संबंध में व्ययों की पूति के लिए।

- (ब) अभिदाता का सेवा के 15 वर्ष पूरे हो जाने के पश्चात् (जिसमें सेवा भंग की अवधियां यदि कोई हों, भी हैं) या अधिविविता पर उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के भीतर इन्हें जो भी पूर्वोक्त हो, निधि में अभिदाता के नाम जमा रकम में से निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों के लिए मंजूर की जा सकेंगी, अर्थात् :—

- (क) अपने निवास के लिए कोई उपयुक्त मकान बनाने या पहले से निमित प्लैट प्राप्त करने के लिए, जिसमें जमीन का धाम भी है;

- (ख) अपने निवास के लिए कोई उपयुक्त मकान बनाने या प्लैट प्राप्त करने के लिए अभिदाता का में लिए किसी उधार मध्ये किसी बकाया रकम का प्रतिसंदाय करने के लिए;

- (ग) अपने निवास के लिए गृह बनाने के लिए कोई जमीन खरीदने के लिए या इस प्रयोजन के लिए अभिव्यक्ततः लिए गए किसी उधार मध्ये बकाया रद्द गयी किसी रकम का प्रतिसंदाय करने के लिए;

- (घ) किसी ऐसे मकान या प्लैट के, जिस पर अभिदाता का पहले से स्वामित्व है या जिसे उसने अधिा किया है, पुनर्निर्माण के लिए या उसमें परिवर्धन अथवा परिवर्तन करने के लिए;

- (ङ) कर्तव्य स्थान से भिन्न किसी स्थान पर अभिदाता के वैज्ञानिक मकान में सुधार करने के लिए या उन्हीं बुद्धि या परिवर्तन करने के लिए अथवा उसे सही वसा में रखने के लिए अथवा कर्तव्य के स्थान से भिन्न किसी स्थान पर सरकार से उधार लेकर निमित मकान के लिए;

- (च) खंड (ग) के अर्धीन का किए गए स्थान पर मकान का निर्माण करने के लिए।

- (स) अभिदाता की सेवानिवृत्ति की तारीख के पूर्व छह मास के भीतर निधि में उसके नाम से जमा रकम में से धर्म की भूमि या कारोबार के परिवार अथवा दोनों का धर्म करने के प्रयोजन के लिए मंजूर की जा सकेंगी।

टिप्पण-1. यदि अधिदाता का उसके कर्तव्य के स्थान में भिन्न किसी स्थान पर कोई पब्लिक गृह है अथवा उसने सरकार से लिए गए उधार की सहायता से कोई गृह बनवाया है तो वह अपने कर्तव्य के स्थान पर अथवा मकान के लिए स्थान तैयार करने के लिए या अथवा मकान के निर्माण के लिए या अनिश्चित फ्लैट लेने के लिए, खंड (ख) के उपखंड (क), (ग) और (घ) के अधीन अंतिम रूप से रकम निकासी की मंजूरी का पात्र होगा।

टिप्पण-2. खंड (ख) के उपखंड (क), (घ), (ग) या (घ) के अधीन रकम निकासी की मंजूरी केवल तब प्रदान की जाएगी जब अधिदाता बनाए, जनि वाले मकान का तज्जा या की जाने वाली बूटियों अथवा परिवर्तनों का तज्जा, उभ शैल के जहाँ स्थान या मकान स्थित है, स्थानीय नगर पालिका निकाय के सम्पत्ति अनुमोदन सत्रित तथा केवल उन दशायों में जहाँ निकासी का वास्तव में अनुमोदन कराना पड़ता है, प्रस्तुत कर देता है।

टिप्पण-3. खंड (ख) के उपखंड (ख) के अधीन मंजूर की गयी निकासी की रकम आवेदन की तारीख को अनिशेष के उपखंड (क) के अधीन पूर्व निकासियों की रकम को मिलाकर और पूर्व निकासियों की रकम को घटाकर 3/4 में अधिक नहीं होगी। यह कामला इस प्रकार से है: उस तारीख को (विशेषतः अनिशेष जोड़ वर्षधिन मकान के लिए पूर्व निकासी (निकासियों) की रकम का 3/4 घटाए पूर्व निकासी/निकासियों का रकम।

टिप्पण-4. खंड (ख) के उपखंड (क) और (घ) के अधीन रकम की निकासियां उन वषा में भी अनुज्ञात की जाएगी जहाँ मकान के लिए स्थान का मकान पत्नी या पति के नाम में है, परन्तु यह तब जब कि पत्नी या पति अधिदाता द्वारा किए गए नामनिर्देशन में भविष्य निधि के धन को प्राप्त करने के लिए प्रथम नामनिर्देशनी है।

टिप्पण-5. एक ही प्रयोजन के लिए केवल एक निकासी इस नियम के अधीन अनुज्ञात की जाएगी। किन्तु विभिन्न संतालों के विवाह या शिक्षा के लिए या विभिन्न समयों पर बीमारियों के लिए या उस क्षेत्र की स्थानीय नगरपालिका निकाय द्वारा जहाँ मकान या फ्लैट स्थित है, सम्पत्ति रूप से अनुमोदन नए तज्जा के अनुमोदन मकान या फ्लैट में और बड़िया या परिवर्तन करने के प्रयोजन का एक ही प्रयोजन नहीं माना जाएगा। खंड (ख) के उपखंड (क) या (घ) के अधीन दूसरी पञ्चातुर्वर्ती रकम निकासी उसी मकान के पूरा करने के लिए, टिप्पण 3 के अधीन अधिकतम सीमा तक अनुज्ञात की जाएगी।

टिप्पण-6. इस नियम के अधीन कोई रकम निकासी मंजूर नहीं की जाएगी यदि उसी प्रयोजन के लिए और उसी समय कोई अग्रिम धन नियम 15 के अधीन मंजूर किया जा रहा है।

टिप्पण-7. स्वीकृति प्राधिकारी उस अधिदाता को मोटर कार खरीदने के लिए अग्रिम मंजूर कर सकता है जिनके अपनी सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं या साधारण भविष्य निधि के अधिदाताओं के लिए भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसार जितनी अधिकविपत्ता की आय प्राप्त करने के लिए, 5 वर्ष से कम रह गयी है।

18. विभिन्न प्रयोजनों के लिए निकासी की शर्त, नियम 17 में बिलि-  
टिष्ट एक या अधिक प्रयोजनों के लिए एक ही समय पर निकासी निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए, होगी, अर्थात्—

(क) निकासी की राशि स्वीकृति की तारीख को निधि में अधिदाता के जमा खाते उसके अभिदाय तथा उस पर व्याज की राशि के आधे से या छह मास की उपलब्धियों के या बिलि-टिष्ट प्रयोजनों के लिए वास्तविक खर्च होगी इसमें से जो भी कम हो उससे अधिक नहीं होगी ;

(ख) स्वीकृति प्राधिकारी निकासी के उद्देश्य को तथा अधिदाता की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए स्वीकृति की तारीख की अधिदाता की निधि में जमा उसके अभिदाय तथा उस पर व्याज की राशि के तीन चौथाई तक की सीमा तक निकासी की स्वीकृति प्रदान कर सकता है ;

(ग) यदि निकासी गृह निर्माण के लिए है तो निर्माण निकासी के छह मास के भीतर आरम्भ कर दिया जाना चाहिए तथा आरम्भ करने की तारीख से एक वर्ष के भीतर पूरा हो जाना चाहिए ;

(घ) यदि निकासी गृह तैयार करने के लिए या गृह के लिए भूमि तैयार करने के लिए की जाती है तो तैयार निकासी के छह मास के भीतर किया जाना चाहिए ;

(ङ) यदि निकासी गयी राशि तैयार या गृह निर्माण की लागत या भूमि के वास्तविक मूल्य से अधिक है या यथास्थिति राशि उस प्रयोजन के लिए प्रयोग में नहीं की गयी है जिसके लिए वह निकासी गयी है तो, यथास्थिति, अधिदाय या पूर्ण राशि एक मुक्त में व्याज सहित निधि में वापस की जाएगी ;

(च) यदि निकासी मोटर कार या मोटर साधकित आदि तैयार या तैयार करने के लिए है तो सुसंगत रसीद निकासी की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर संबंधित अधिकारी द्वारा स्थापन के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए।

19. अग्रिम का अंतिम निकासी में संपरिवर्तन :—ऐसा अधिदाता जिसने नियम 15 के अधीन अग्रिम पहले ही निकास लिया है या अभिदाय में निकासलेगा, तो वह अपने विवेकानुसार, नियम 17 में बिलि-टिष्ट किसी भी प्रयोजन के लिए नियम 17 तथा नियम 18 में अधिकतम शर्तों का समाधान कर लेने पर उस पर बकाया राशि को अंतिम निकासी में संपरिवर्तन करने के लिए लिखित अनुरोध कर सकता है।

टिप्पण :—नियम 18 के उप-नियम (1) के प्रयोजन के लिए संपरिवर्तन के समय सेवा में अधिदाता के जमा खाते अधिदाय की राशि उस पर व्याज सहित तथा अग्रिम की बकाया राशि अधिदाय के रूप में माना जाएगा। प्रत्येक निकासी पृथक गणनी जाएगी और बड़ी सिद्धांत एक से अधिक संपरिवर्तनों के मामले में लागू होगा।

20. निधि में संचित राशि की अंतिम निकासी :—

(अ) निधि में संचित राशि की निकासी :—(1) जब अधिदाता सेवा छोड़ता है तो निधि में उसके जमा खाते में बकाया राशि, नियम 23 के अधीन किसी भी कटौती के अधीन रहने हुए, उसकी संदेय होगी :

परन्तु यह कि वह अधिदाता जो सेवा से पदच्युत किया गया है और उसके बाय पुनः बहाल कर दिया गया है, यदि कार्यलय द्वारा ऐसा अपेक्षित हो तो, वह नियम के अनुसरण से निधि में से उसे संचित राशि का, इस नियम के उपनियम (2) में दी गयी रीति से नियम 12 में उपबंधित शर्तों पर व्याज सहित, वापस करेगा। इस प्रकार वापस की गई राशि निधि में उसके खाते में जमा कर दी जाएगी, वह भाग जो उसका अधिदाय है तथा उस पर व्याज और वह भाग जो परिवध या अधिकरण का अधिदाय है तथा उस पर व्याज की राशि का लेखा नियम 6 में दी गयी रीति से दिया जाएगा।

(2) संविदा पर नियुक्त किए गए या सेवा निवृत्त होने के पश्चात् सेवा में बिना किसी व्यवधान के या व्यवधान सहित पुनः नियोजित किए गए या भिन्न अधिदाता के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि उसने सेवा छोड़ी है यदि वह बिना किसी व्यवधान के राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग में (जिसमें वह अन्य साधारण भविष्य निधि नियमों द्वारा शासित है) के अधीन नए पद पर पुराने पद से बिना संकोच रूढ़े स्थानांतरित किया जाता है। ऐसे मामले में, इन नियमों के नियम 11 के अनुसरण में उसका अधिदाय व्याज सहित अंतिम कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण—1. स्थानांतरण के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन किसी अन्य विभाग में, विभागाध्यक्ष की अनुमति से बिना किसी व्यवधान के, नियुक्ति लेने के लिए पद त्याग सम्मिलित किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में जहाँ नी गयी सेवा में व्यवधान हुआ है तो यह अन्य स्टेशन की स्थानांतरण होने पर अनुज्ञात किए गए पदग्रहण समय तक सीमित होगा।

स्पष्टीकरण—2. यही बात उन मामलों में भी लागू होगी जिनमें छंटनी के तुरन्त बाद उम्मीद सरकार या अन्य सरकार के अधीन तुरन्त नियुक्ति कर दी जाती है।

(3) जब अभिदाता उससे भिन्न जो संविदा पर नियुक्त, सेवा-निवृत्त या पुनः नियोजित किए गए हैं बिना किसी व्यवधान के सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित निगम निषाध या स्वायत्त संगठन में स्थानांतरित किया जाता है तो उसका अभिदाय तथा परिणय या अशिक्षण का अभिदाय ब्याज सहित, उग निकाय के अधीन उसके नए अधिपत्य निधि खातों में नियम 11 के अनुसार अंतरित किया जा सकता है।

(4) पारदाता का सेवा निवृत्ति पर—

जब अभिदाता सेवा निवृत्ति से पूर्व छुट्टी पर अग्रसर होता है या छुट्टी पर होने के दौरान उसे सेवानिवृत्ति होने के लिए अनुज्ञात किया जाता है या अपने सेवा के लिए बिक्रिमा प्राधिकारी द्वारा अयोग्य घोषित किया जाता है तो उसके अभिदाय की राशि, ब्याज सहित, इस निम्नलिखित किए गए आबेदन पर अभिदाता को देय हो जाएगी :

परन्तु यह कि यदि अभिदाता कर्मचारी पर वापस आता है, उसके निषाध बड़ा जहाँ कार्यालय अन्यथा विनिर्दिष्ट करता है अपने खाते में जमा करने के लिए इस नियम के अनुसरण में उसको दी गयी राशि, नियम 12 में दी गयी वरों पर ब्याज सहित किस्मों में वापस करेगा या वह अन्यथा उसको उपलब्धियों में से वसूली की जागरी जैसाकि अधिनियम की स्वीकृति देने वाला मन्त्र प्राधिकारी निदेश दे।

(स) अभिदाता की मृत्यु पर—

नियम 22 के अधीन किसी भी कटौती के अधीन रहते हुए, उसके खाते में जमा राशि संदेय होने से पूर्व, अभिदाता की मृत्यु पर या अहाँ संदाय किए जाने से पूर्व राशि संदेय हो गयी है—

(ग) जब अभिदाता ने कुटुम्ब छोड़ा है—

(i) यदि अभिदाता द्वारा नियम 3 के उपबंधों के अनुसार अपने कुटुम्ब के सदस्य या सदस्यों का नामनिर्देशन अस्तित्व में है, तो उसकी निधि में जमा राशि या उसका भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित है उसके एक या अधिक नामनिर्देशितों को नामनिर्देशन में विनिर्दिष्ट अंशों के अनुसार देय होगा।

(ii) यदि अभिदाता का ऐसा कोई भी नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के सदस्य या सदस्यों के पक्ष में अस्तित्व में नहीं है या ऐसा नामनिर्देशन उसकी निधि में जमा राशि के भाग से केवल संबंधित है, यथास्थिति सम्पूर्ण राशि या उसका भाग जिससे नामनिर्देशन संबंधित नहीं है उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य या किसी सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति के पक्ष में नामनिर्देशन के होते हुए भी, उसके कुटुम्ब के सदस्यों को समान अंशों में संदेय होगा।

परन्तु यह कि यदि उपबंध (1), (2), (3) तथा (4) में विनिर्दिष्ट से भिन्न कोई और कुटुम्ब का सदस्य है तो, कोई भी अंश निम्नलिखित को संदेय नहीं हो,—

(1) पुत्र जो ब्याक हो चुके हैं;

(2) मृत पुत्र के पुत्र जो ब्याक हो चुके हैं;

(3) विवाहिता पुत्री जिसका पति जीवित है;

(4) मृत पुत्र की विवाहित पुत्री जिसका पति जीवित है।

परन्तु यह और कि विधवा या विधवाएँ और मृत पुत्र के पुत्र या पुत्रों को आपस में बराबरी समान अंश दिया जाएगा जो पुत्र को प्राप्त होता यदि वह अभिदाता के बाद जीवित होता और उसे पहले परन्तुक के खंड (1) के उपबंधों से छूट प्राप्त होती।

टिप्पण—इन नियमों के अधीन अभिदाता के कुटुम्ब के सदस्य को संदेय कोई भी राशि भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन ऐसे सदस्यों में निहित है।

(ख) जब अभिदाता ने कोई कुटुम्ब नहीं छोड़ा है, यदि अभिदाता द्वारा किया गया नामनिर्देशन नियम 5 के उपबंधों के अनुसार किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में अस्तित्व में है तो उसके खाते में जमा राशि या उसका भाग जिसके लिए नामनिर्देशन दिया गया है, नामनिर्देशित व्यक्ति या व्यक्तियों को नामनिर्देशन पत्र में विनिर्दिष्ट अनुपात में संदेय होगा।

टिप्पण—1. जब नामनिर्देशित भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 2 के खंड (ग) के अर्थ में अभिदाता पर आश्रित है तो राशि उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन ऐसे नामनिर्देशितों में निहित होगी।

टिप्पण—2. जब अभिदाता ने कोई कुटुम्ब नहीं छोड़ा है और अभिदाता द्वारा नियम 5 के उपबंधों के अनुसार किया गया कोई नामनिर्देशन अस्तित्व में नहीं है, या ऐसा नामनिर्देशन केवल निधि में उसके खाते में जमा राशि के कुछ भाग से संबंधित है तो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 4 की उपधारा (1) के खंड (ख) और खंड (ग) के उपबंध (ii) के मुसगन उपबंध पूर्ण राशि या उसके उग भाग को खाता होने जिससे नामनिर्देशन संबंधित नहीं है।

21. विशेष सम्बद्ध नामांकीकरण—अभिदाता की मृत्यु पर अभिदाता के खाते में जमा राशि को प्राप्त करने के अधिकार व्यक्ति को कार्यालय प्रधान द्वारा अभिदाता की मृत्यु की तारीख से ठीक 3 वर्ष पूर्व की अवधि के दौरान जमा खाते राशि और उस पर ब्याज की अंशित राशि के बराबर अतिरिक्त राशि भी निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए दी जाएगी, यथा—

(क) ऐसे अभिदाता के जमा खाते में राशि तथा उस पर, ब्याज अभिदाय का अधिशेष उसकी मृत्यु के मास से पूर्ववर्ती 3 वर्ष के दौरान किसी भी समय निम्नलिखित से कम नहीं हुआ है—

(i) 4000/- रु. उस अभिदाता की उस वषा में जिसने तीन वर्ष की अवधि के अधिकांश भाग में ऐसा पद धारण किया है जिसके वेतनमान का अधिकतम 1300/- रु. या अधिक है;

(ii) 2500 रु. उस अभिदाता की उस वषा में जिसने उक्त तीन वर्ष की अवधि के अधिकांश भाग में ऐसा पद धारण किया है जिसके वेतनमान का अधिकतम 900/- रु. या अधिक है किन्तु 1300 रु. से कम है;

(iii) 1500/- रु. उस अभिदाता की वषा में जिसने उक्त तीन वर्ष की अवधि के अधिकांश भाग में ऐसा पद धारण किया है जिसके वेतनमान का अधिकतम 291 रु. या अधिक है किन्तु 900/- रु. से कम है;

(iv) 1000 रु. उस अभिदाता की वषा में जिसने उक्त तीन वर्ष की अवधि के अधिकांश भाग में ऐसा पद धारण किया है जिसके वेतनमान का अधिकतम 291 रु. से कम है।

(ख) इस नियम के अधीन अतिरिक्त देय राशि 10,000 से अधिक नहीं होगी।

(ब) अभिदाता ने मृत्यु के समय तक पांच वर्ष से कम सेवा नहीं की है।

टिप्पण—1. योरा प्रविष्ट, जिस मास में अभिदाता की मृत्यु हुई है उससे पूर्व छत्तीस मासों में से प्रत्येक के अंत में उसके जमा खाते अधिशेष के आधार पर निकाला जाएगा। इस प्रयोजन के लिए और ऊपर निर्दिष्ट न्यूनतम अधिशेष की जाँच करने के लिए भी,—

(क) मास के अंत में अधिशेष के अंतर्गत नियम 12 के अनुसार जमा अभिदाय पर वार्षिक व्याज सम्मिलित होगा, और

(ख) यदि उक्त 36 मासों का अंतिम मास मास नहीं है तो अंतिम मास के अंत में अधिशेष में, उस वित्तीय वर्ष की जिसमें मृत्यु हुई है प्रारंभ से उक्त अंतिम मास तक व्याज सम्मिलित कर लिया जाएगा।

टिप्पण—2. इस स्कीम के अधीन संदाय पूर्ण रूपों में होगा। यदि राशि के रुपये का घंटा भाता है तो उसे पूरा रुपया ही संगणित किया जाना चाहिए, (50 पैसे को घण्टे एक रुपये के रूप में गिना जाएगा)।

टिप्पण—3. इस स्कीम के अधीन वय राशि जोमा राशि के रूप में है और अतः अधिष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 3 के द्वारा दी गयी कानूनी सुरक्षा इस स्कीम के अधीन देय राशियों को लागू नहीं होती है।

टिप्पण—4. (क) परिषद् या अधिकरण के ऐसे कर्मचारी की दशा में जिसे नियम 4 के उपनियम (3) के अधीन निधि का फायदा दिया गया है किन्तु निधि में सम्मिलित किए जाने की तारीख से यथास्थिति तीन वर्ष की सेवा या पांच वर्ष की सेवा पूरी होने से पहले ही उसकी मृत्यु हो जाती है तो में पूर्ववर्ती नियोजक के अधीन उसकी सेवा जिसके लिए उसके अभिदाय और नियोजक का अंशदान यदि कोई है, तथा उस पर व्याज प्राप्त हुए हैं, इस निरम के खंड (क) तथा (ग) के प्रयोजनों के लिए गणना में ली जाएगी;

(ख) उस व्यक्ति की दशा में जो सावधि आधार पर नियुक्त किया गया है और पुनः नियोजित पेंशनर भोगियों की दशा में यथास्थिति, ऐसी नियुक्ति या पुनर्नियोजन की तारीख केवस इस नियम के प्रयोजन के लिए गणना में ली जाएगी;

(ग) वह स्कीम संविदा के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों को लागू नहीं है।

22. कटौतियाँ :—इस शर्त के अधीन रहते हुए कि ऐसी कोई भी कटौती नहीं की जाएगी जिससे कि निधि में अभिदाता के नाम जमा रकम का उस निधि में से संदाय किए जाने से पूर्व उसमें नियम 10 और 12 के अधीन जमा परिषद् या अधिकरण के किसी अभिदाय और उस पर व्याज की रकम से अधिक रकम निकल जाए—

(घ) कार्यालय का प्रधान यह निवेदन दे सकेगा कि—

(1) यदि अभिदाता को घबघार, के कारण सेवा से पदच्युत किया गया है तो उन सभी रकमों की जो ऐसे अभिदाय और व्याज की शीतक है, उसमें से कटौती करके परिषद् या अधिकरण को संदाय किया जाए :

परन्तु जहाँ परिषद् या अधिकरण का यह समाधान होगा कि इस प्रकार की कटौती से अभिदाता को बहुत अधिक कष्ट होगा तो वह, चाहेस द्वारा, ऐसी कटौती में से उस अधिदान और व्याज की रकम के, जो अभिदाता को उस दशा में संदेय होती जब वह वित्तीय कारणों से सेवानिवृत्त हुआ होता, दो तिहाई से अधिक रकम तक की कटौत दे सकेगा।

परन्तु यह और कि यदि पदच्युति का ऐसा कोई आदेश बाद में रद्द कर दिया जाता है तो इस प्रकार कटौती नहीं रकम, सेवा में उसके किए है प्रतिस्थापित

किए जाने पर, निधि में उसके नाम किए से जमा कर दी जाएगी।

(ii) यदि अभिदाता, उस रूप में रकम सेवा के प्रारंभ से पांच वर्ष के भीतर, सेवा से त्यागपत्र दे देता है या मृत्यु या अधिविर्भता से अथवा सकल चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा यह घोषणा किए जाने से कि वह प्रागे सेवा करने के अयोग्य है, अथवा पद उत्सादित कर दिए जाने अथवा स्थापन में कमी कर देने से निम्न किसी कारण से परिषद् या अधिकरण के अधीन कर्मचारी नहीं रह जाता है तो उन सभी रकमों का, जो ऐसी सभी रकमों और व्याज की शीतक है, उसमें कटौती करके परिषद् या अधिकरण को संदाय किया जाए।

(ब) कार्यालय का प्रधान यह निवेदन दे सकेगा कि अभिदाता द्वारा परिषद् या अधिकरण के प्रति उपगत किसी वास्तव के अधीन देय किसी रकम की उसमें से कटौती करके परिषद् या अधिकरण को संदाय किया जाए।

टिप्पण : 1. इस नियम के खंड (क) के उपखंड (ii) के प्रयोजन के लिए—

(क) पांच वर्ष की अवधि, परिषद् या अधिकरण के अधीन अभिदाता की निरन्तर सेवा के प्रारंभ से गिनी जाएगी ;

(ख) केन्द्रीय सरकार के किसी अन्य विभाग में या राज्य सरकार के अधीन या सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगमित निकाय के अधीन या किसी स्वायत्त संगठन के अधीन, सेवा अंग के बिना और केन्द्रीय सरकार की समुचित अनुज्ञा से, नियुक्ति प्राप्त करने के लिए सेवा से दिया गया स्थाय पत्र सरकारी सेवा से त्यागपत्र नहीं माना जाएगा।

टिप्पण : 2. इस नियम के अधीन कार्यालय प्रधान की शक्तियाँ उसमें निर्दिष्ट रकमों की बाबत, उन अधिषों की, जिनके अनुदान के लिए नियम 15 के उपनियम (2) के अधीन विशेष कारण प्रप्रेषित है, मंजूरी देने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा भी प्रयोग की जाएगी।

23. निधि में की रकम का संदाय करने की रीति :—(1) जब निधि में अभिदाता के नाम जमा कोई रकम, अथवा नियम 22 के अधीन की गयी कटौती के पश्चात् बचा उसका अधिशेष संदेय हो जाता है, तब यह कर्तव्य होगा कि वह इस निमित्त उपनियम (23) में यथा उपर्युक्त रीति से अभिदाता या उसके नामनिर्देशित द्वारा निश्चित आवेदन के प्राप्त होने पर संदाय करे।

(2) जिस व्यक्ति या जिन व्यक्तियों को राशि संदेय है वह या वे यथास्थिति, सेवानिवृत्ति/त्यागपत्र या मृत्यु की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर कार्यालय प्रधान को विहित प्ररूप में आवेदन प्रस्तुत करने के पश्चात् ही भारत में संदाय प्राप्त करने के लिए स्व प्रबंध करेगा या करेंगे निधि में से राशि देने के लिए सक्षम प्राधिकारी निधि सेवा का सत्पादन करने के पश्चात् अंतिम संदाय के लिए वितरण अधिकारी को प्राधिकार पत्र देगा।

24. विनिर्धान :—(1) इन नियमों के अधीन निधि में संवत् सभी राशियाँ परिषद् या अधिकरण के खाते में “नियत निरीक्षण परिषद् अधिदाय अधिष्य निधि खाता” तथा “नियत निरीक्षण अधिकरण अधिदाय अधिष्य निधि खाता” के नाम से पृथक-पृथक खातों में जमा की जाएगी। ऐसी निधि में अधिवत्त निधियाँ या उसमें व्याज के रूप में या अथवा निधि की प्राप्त या अजित सभी राशियाँ अधिदाय या प्राप्त या उपगत होने की तारीख से पन्द्रह दिनों के अंतर निम्नलिखित रीति से जमा की जाएगी या उसका विनिर्धान किया जाएगा :—

(i) डाक भर वक्त बैंक खाते या इस प्रयोजन के लिए भारतीय स्टेट बैंक या किसी अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक में खोले गए विशेष खातों में विलेप जाए ;



(ii) भारतीय न्याय अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खंड (क) से (च) में निविष्ट या उल्लिखित प्रति-भूतियों में विनिधान द्वारा ।

(2) नियम 12 में अंतर्निष्ठ अभिदाता के खाते में ब्याज जमा खाते करने के पश्चात् उपगत ब्याज में अंतर का विनिधान उपनियम (1) में उपरिष्ठित रीति में होता रहेगा । ऐसी राशियों का व्ययन या उपयोग सरकार द्वारा, जैसाकि इस संबंध में समय-समय पर आवश्यक समझा जाए, विनिश्चित किया जाएगा ।

25. पेंशन वाली सेवा में अन्तरण पर प्रक्रिया :—

(1) यदि किसी अभिदाता को परिषद् या अधिकरण के अधीन पेंशनवाली सेवा में स्थायी रूप से अन्तरित कर दिया जाता है तो उसे, अपने विकल्प पर,—

(क) निधि में अभिवान जारी रखने का हक होगा, इस दशा में वह किसी पेंशन के लिए हकदार नहीं होगा; या

(ख) ऐसी पेंशनवाली सेवा की बाबत पेंशन उपाजित करने का हक होगा, इस दशा में उसके स्थायी रूप से अन्तरण की तारीख से :—

(i) उसका निधि में अभिवान करना समाप्त हो जाएगा;

(ii) निधि में उसके नाम जमा परिषद् या अधिकरण द्वारा किए गए अभिवानों का रकम, उस पर ब्याज सहित, परिषद् या अधिकरण को प्रसिद्ध कर दी जाएगी;

(iii) निधि में उसके नाम जमा अभिदानों का रकम, उस पर ब्याज सहित, सामान्य भविष्य निधि में उसके खाते में अन्तरित कर दी जाएगी, जिसमें उसके बाद वह उस निधि के नियमों के अनुसार अभिदान करेगा; और

(iv) तब वह उस पेंशन सेवा के लिए, जो उसने स्थायी अन्तरण की तारीख से पूर्व की है, निर्यात निरीक्षण परिषद् पेंशन और साधारण भविष्य निधि नियमों के अधीन अनुज्ञेय विस्तार तक गणना के लिए हकदार होगा ।

(2) अभिदाता उपनियम (1) के अधीन अपना विकल्प, उसे पेंशन वाली सेवा में स्थायी रूप से अन्तरित करने वाले आदेश की तारीख से तीन मास के भीतर कार्यालय प्रधान को एक पत्र द्वारा संसूचित करेगा और यदि उस अवधि के भीतर कार्यालय में कोई संसूचना प्राप्त नहीं होती है तो अभिदाता के बारे में यह माना जाएगा कि उसने अपने विकल्प का प्रयोग उस उपनियम के खंड (ख) में निर्दिष्ट रूप में किया है ।

26. व्यष्टिक मामलों में नियमों के उपबंधों का शिथिल किया जाना :—

जब अध्यक्ष या निदेशक का यह समाधान हो जाता है कि इन नियमों में से किसी नियम के प्रवर्तन से किसी अभिदाता को असम्यक् कष्ट हो रहा है या होना संभाव्य है तो वह, इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, उस अभिदाता के मामले में ऐसी रीति से कार्रवाई कर सकेगा जो उसे व्याधीवित और साम्यापूर्ण प्रतीत हो ।

27. निर्बंधन :—

(1) इन नियमों में अभिव्यक्त रूप से अन्य उपबंधित के सिवाय अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत) 1962 इन नियमों के निर्बंधन में लागू होंगे ।

(2) यदि इन नियमों के निर्बंधन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न है तो उसे विनिश्चय के लिए केन्द्रीय सरकार को निविष्ट किया जाएगा जिस पर उसका विनिश्चय अन्तिम होगा ।

28. निरसन और व्याप्ति :—

भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2413 और का. आ. 2414 तारीख 24 मई, 1969 के अर्वात क्रमशः अधिसूचित नियमित निरीक्षण परिषद् अभिदायी भविष्य निधि नियम, 1969 तथा निर्यात निरीक्षण अधिकरण अभिदायी भविष्य निधि नियम, 1969 निरसित किए जाते हैं :

परन्तु इन प्रकार निरमित नियमों के अधीन किया बनाया गया कोई आदेश या कां गयी कोई कार्रवाई इन नियमों के तत्संबंधी उपबंधों के अधीन बनाया गया समझा जाएगा या कां गयी समझी जाएगी ।

[फाइल सं. 3(12)/76-ई. आर्. ई. एंड ई. पी.]

## MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 27th September, 1986

S.O. 3329.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export Inspection Council Contributory Provident Fund Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires:—

(a) 'Agency' means the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Act at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras ;

(b) 'Chairman' means the Chairman of the Export Inspection Council ;

(c) 'Council' means the Export Inspection Council established under section 3 of the Act ;

(d) 'Director' means the Director of Inspection and Quality Control of the Council ;

(e) "emoluments" means pay, officiating pay, special pay, personal pay, dearness pay or any other amount specially declared as such and which count for determining retirement benefits, leave salary, or subsistence grant as defined in the Fundamental Rules, Dearness Allowance and Additional Dearness Allowance include any wages paid by the Council or Agency to its employees not remunerated by fixed monthly pay ;

(f) "employee" means the person in the whole time regular employment of the Council or the Agency ;

(g) "family" means—

(i) in the case of a male employee, the wife or wives and children of an employee, the widow or widows and children of a deceased son of the employee ;

(ii) in the case of a female employee, the husband and children of the employee and the widow or widows and children of a deceased son of the employee ;

Provided that—

(1) if a male employee proves that his wife has been judicially separated from him or has ceased under the customary law of the community, to which he belongs to be entitled to maintenance, she shall be deemed to be no longer a member of the employee's family in matters to which these rules relate unless the employee intimates, in writing to the Head of Office with proof thereof that she shall continue to be so regarded ;

(2) if a female employee, by a notice in writing to the Head of Office expresses her desire to exclude her husband from her family, the husband shall be deemed to be no longer a member of the employee's family in matters to which these rules relate, unless the employee subsequently cancels such notice in writing.

Explanation.—In the notice referred to in this clause, the female employee shall indicate whether or not her husband is physically handicapped and totally dependent on her. On receipt of such notice the head of office shall have the right to refuse the exclusion of husband from her family.

Note.—‘Child’ means a legitimate child and includes an adopted child, where adoption is recognised by the personal law governing the employee ;

(h) ‘Fund’ means the Export Inspection Council Contributory Provident Fund ;

(i) ‘Head of Office’ means an officer who has been declared as such by the Council or its Chairman or by the Director ;

(j) ‘leave’ means any kind of leave recognised by the Council ;

(k) ‘sanctioning authority’ means, the Director or any other officer of the Council or Agency empowered by the Director to function as such for the purpose of these rules ;

(l) ‘subscriber’ means a member of the Fund ;

(m) ‘year’ means a financial year ;

(n) all words and expressions used in these rules and not defined but defined either in the Contributory Provident Fund Rules (India) 1962 or in the Fundamental Rules shall have the meanings respectively assigned to them in these rules.

3. Extent of Application.—These rules shall apply to every whole time and regular employee of the Export Inspection Council and the following agencies established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act 1963 (22 of 1963), namely :—

- (a) Export Inspection Agency, Bombay,
- (b) Export Inspection Agency, Calcutta,
- (c) Export Inspection Agency, Cochin,
- (d) Export Inspection Agency, Delhi,
- (e) Export Inspection Agency, Madras :

Provided that these rules shall not apply to those employees who entered service after introduction of Export Inspection Council Pension and General Provident Fund Rules, 1981 notified under S.O. 2922, dated the 24th October, 1981.

4. Constitution and Management of the Fund.—The Fund shall be administered by the Council ;

5. Nomination.—(1) An employee shall, at the time of joining the Fund, send to the Head of Office, a nomination in the prescribed form conferring on one or more persons the right to receive the amount that may stand to his credit in the Fund in the event of his death, before that amount has become payable or having become payable, has not been paid:

Provided that, if at the time of making the nomination, the employee has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his family.

(2) If a subscriber nominates more than one person under sub rule (1), he shall specify in the nomination the amount of share payable to each of the nominees in such manner as to cover the whole of the amount that may stand to his credit in the Fund at any time.

(3) A subscriber may at any time cancel a nomination by sending a notice in writing to the Head of Office. The subscriber shall, alongwith such notice or separately, send a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.

(4) A subscriber may provide in a nomination—

- (a) in respect of any specified nominee, that in the event of his predeceasing the subscriber, the right con-

ferred upon that nominee shall pass to such other person or persons as may be specified in the nomination, provided that such other person or persons shall, if the subscriber has other members of his family, be such other member or members. Where the subscriber confers such a right on more than one person under this clause, he shall specify the amount or share payable to each of such persons in such a manner as to cover the whole of the amount payable to the nominee.

(b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein:

Provided that if at the time of making the nomination the subscriber has no family, he shall provide in the nomination that it shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family:

Provided further that if at the time of making the nomination the subscriber has only one member of the family, he shall provide in the nomination that the right conferred upon the alternate nominee under clause (a) shall become invalid in the event of his subsequently acquiring other members or members in his family.

(5) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid, as provided under sub-rule (4) or the proviso thereunder, the subscriber shall send to the Head of Office a notice in writing cancelling the nomination, together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.

(6) Every nomination made, and every notice of cancellation given by a subscriber shall, to the extent that it is valid, take effect on the date on which it is received by the Head of Office.

6. Subscriber's Account.—An account shall be opened in the name of each subscriber in which shall be shown:—

- (i) his contribution;
- (ii) contributions made under rule 10 by the Council or agency to his account;
- (iii) interest, as provided by rule 12, on subscriptions and contributions;
- (iv) bonus, as provided by rule 13 on subscriptions; and
- (v) advances and withdrawals from the Fund.

7. Conditions of subscription.—(1) Every employee when on duty or on foreign service shall subscribe monthly to the Fund but not during the period when he is under suspension:

Provided that a subscriber on reinstatement after a period passed under suspension shall be allowed the option of paying in one lump, sum or in instalments, any sum not exceeding the maximum amount of arrear subscriptions payable for that period.

Note.—A subscriber need not subscribed during a period treated as dies non.

(2) Every employee who has been a member of provident fund recognised under clause 3 of part A of the Fourth Schedule of the Income Tax Act or the General Provident Fund in his employment immediately preceding the service under the Council or Agency shall be entitled to subscribe to the Fund from the date of his employment under the Council or agency.

(3) A subscriber may, at his option, not subscribe during leave which either does not carry any leave salary or carries leave salary equal to or less than half pay or half average pay.

(4) The subscriber shall intimate his election not to subscribe during the leave referred to in sub-rule (3), by written communication to the Head of Office before he proceeds on leave and failure to make due and timely intimation shall be deemed to constitute an election to subscribe.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) a subscriber shall not subscribe to the Fund for the month in which he quits service unless, before the commencement of the said month, he communicates to the Head of Office in writing his option to subscribe for the said month.

8. Rates of subscription.—(1) The amount of monthly compulsory subscription shall be fixed by the subscriber himself, but shall not be less than eight per cent of the subscriber's emoluments as defined in sub-rule (e) of rule 2 of these rules.

(2) Subject to the provision of sub-rule (1), a subscriber may subscribe to the fund additional contribution voluntarily, provided that,—

- (a) such option of voluntary subscription shall be through written communication to the Head of Office and the amount of subscription so fixed may be—
  - (i) reduced once at any time during the course of the year,
  - (ii) enhanced twice during the course of the year, or
  - (iii) reduced and enhanced as aforesaid.
- (d) the employee's subscription and voluntary contribution shall not exceed his total monthly emoluments.

Note.—The rates of subscription shall be expressed in whole rupees.

9. Realisation of subscription.—Realisation of subscription at the rate fixed under the rule 8 and the advance, if any, drawn by subscriber from the Fund shall be made from his monthly salary by deduction from his pay bill.

10. Contribution by Council/Agency.—(1) The Council or Agency shall contribute to each subscriber's account in the Fund at the end of each half year i.e. on 30th September and 31st March a contribution equal to the sum subscribed by the employee but such contribution shall, in no case, exceed eight per cent of the monthly emoluments payable to each employee:

Provided that no contribution shall be made by the Council or Agency for the period for which the subscriber does not subscribe to the Fund.

(2) In the event a subscriber quits the service or dies during a year, the contribution under sub-rule (1) shall be credited to such subscriber's account for the period between the close of the preceding year and the date of his quitting service or death.

(3) No contribution shall be payable in respect of any period for which the subscriber is permitted under these rules not to subscribe or does not subscribe to the Fund.

11. Transfer from or to other funds.—(1) The amount standing to the credit of an employee in a provident fund recognised under clause 3 of part A of the Fourth Schedule of the Income Tax Act, 1961, or the General Provident Fund at the time of his employment under the Council or Agency or permanent absorption in the Council or Agency of an employee who is on foreign service shall, if the employee so desires, be credited to the Fund maintained under these regulations.

(2) Where an employee leaves the service of the Council or Agency to join another Government or semi-Government organisation or an organisation to which the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), is applicable or to an organisation which maintains a provident fund recognised under the Act, 1961 the amount of accumulation to the credit of such employee, if the employee so desires and the regulation in relation to the provident Fund of such new employer permit, such amount, shall be transferred to the Fund maintained by his new employer.

12. Interest.—(1) The Council or Agency shall credit to the account of a subscriber, interest, at such rate as the Government of India may, from time to time, prescribe for the payment of interest on subscriptions to the General

Provident Fund maintained for Government Servants, on the amount at his credit in the Fund.

(2) Interest shall be credited to the subscriber's account as on 31st March of each year in the following manner,—

- (a) on the amount at the credit of a subscriber on the 31st March of the preceding year, less any sums withdrawn by the subscriber during the current year interest for twelve months.
- (b) on the sums withdrawn during the current year—interest from the 1st April of the current year upto the last day of the month preceding the month of withdrawal.
- (c) on all sums credited to the subscriber's account after the 31st March of the preceding year, interest from the date of deposit up to the 31st March of the Current year.
- (d) the total amount of interest shall be rounded to the nearest whole rupee, fifty paise counting as the next higher rupee:

Provided that when the amount standing at the credit of a subscriber has become payable, interest shall be credited under this sub-rule in respect of only the period from the beginning of the current year or from the date of deposit, as the case may be, up to the date on which the amount standing at the credit of the subscriber becomes payable.

Provided further that where there has been delay in the drawal of pay or leave salary and allowance of a subscriber and consequently the recovery of his subscription towards the fund, the interest on such subscription shall be payable, from the month in which the pay or leave salary of the subscriber was due under the rules, irrespective of the month in which it was actually drawn:

Provided also that where the emoluments for a month are drawn and disbursed on the last working day of the same month the date of deposit shall, in the case of recovery of his subscriptions, be deemed to be the first day of the succeeding month.

(3) In addition to any amount to be paid under rule 23 interest, up to the end of the month preceding that in which the payment is made, or up to the end of the sixth month after the month in which such amount, becomes payable, whichever of these periods be less, shall be payable to the person to whom such amount is to be paid.

NOTE.—Payment of interest on the Fund balance beyond a period of 6 months may be authorised by—

- (a) The Director up to a period of one year;
- (b) The Ministry up to any period:

after he or it has satisfied that the delay in payment was occasioned by circumstances beyond the control of the subscriber or the person to whom such payment was to be made, and in every such case the administrative delay involved in the matter shall be fully investigated and action, if any required, shall be taken.

13. Incentive bonus.—(1) A subscriber to the Fund who has not withdrawn any money from his/her Fund account in respect of own subscription during the preceding three years shall be entitled to a bonus at the rate of one per cent on the entire balance at the subscriber's credit on the last day of that year.

(2) The balance on which the bonus is to be calculated will be the balance on the last date of the last year of the three year period after crediting interest for the said last year:

Provided that the bonus shall be calculated on the accumulated fund of the subscriber's own contribution only, along with admissible interest thereon. Bonus so calculated will be rounded to the nearest whole rupee (fifty paise counting as the next higher rupee). This will be credited to the account of the subscriber in addition to the interest on the provident fund balance.

Note.—The term withdrawal means refundable and non-refundable withdrawal.

14. Annual statement of account.—(1) As soon as possible after the audit of the accounts for 31st March of each year, the Council shall send to each subscriber an annual statement of his/her account showing the amount standing to his/her credit. In the Fund along with details recording opening balance deposit and subscriptions during the year, refund of amount, if any, interest credited for the year and withdrawals, etc. from the account. The Council or Agency shall attach to the statement of account an enquiry whether the subscriber—

- (a) desires to make any alteration in any nomination made under rule 5;
- (b) has acquired a family in cases where the subscriber has made no nomination in favour of a member of his family under the proviso to sub-rule (1) of rule 5;

(2) Subscribers shall satisfy themselves as to the correctness of annual statement and errors, if any, should be brought to the notice of the officer in-charge forwarding the statement within 3 months from the date of receipt of such annual statement.

15. Advances from the Fund.—(1) The appropriate sanctioning authority may sanction, the payment to the subscriber on application in prescribed form, an advance not exceeding 3 months emoluments or half the amount of the subscriber's own contribution and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, whichever is less, for one or more of the following purposes, namely :—

- (a) to pay expenses in connection with illness, confinement or a disability including travelling expenses (where necessary) of the subscriber or members of his family or any person dependent on him,
- (b) to meet the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him in the following cases, namely :—
  - (i) for education outside India for academic technical, professional or vocational course beyond the High School stage, and
  - (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage, provided that the course of study is for not less than three years.

NOTE.—The course of study for which advance may be allowed shall be as per instructions of the Government of India for grant of advances to the subscribers of General Provident Fund for Government servants;

- (c) to pay obligatory expenses on a scale appropriate to the subscriber's status which by custom or usage the subscriber has to incur in connection with the betrothal or marriages, funerals or other ceremonies;
- (d) to meet the cost of legal proceedings instituted by or against the subscriber, any member of his family or any person actually dependent upon him, the advance in this case being available in addition to any advance admissible for the same purpose from any other source of the Council or Agency source;
- (e) to meet the cost of the subscriber's defence where he engages a legal practitioner to defend himself in an enquiry in respect of any alleged official misconduct on his part;
- (f) to meet the cost of plot or construction of a house or flat for his residence or to make any payment towards the allotment of a plot or flat by the P. & C. Development Authority or State Housing Board or a House Building Co-operative Society.

(2) The Director may, in special circumstances, to be recorded in writing, sanction the payment to any subscriber of any advance if he is satisfied that the subscriber concerned requires the advance for purposes other than those mentioned in sub-rule (1).

(3) An advance shall not, except for special reasons to be recorded in writing, be granted to any subscriber in excess of the limit laid down in sub-rule (1) or until repayment of the last instalment of any previous advance.

Provided that an advance shall in no case exceed the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund.

(4) When an advance is sanctioned under sub-rule (3) before repayment of last instalment of any previous advance is completed the balance of any previous advance not recovered shall be added to the advance so sanctioned and the instalments for recovery shall be fixed with reference to the consolidated amount.

NOTE.—A subscriber shall be permitted to take an advance once in every six months under item (b) of sub-rule (1) of this rule.

16. Recovery of advance.—(1) The Advance granted to a subscriber shall be recovered from his monthly salary in equal monthly instalments as the authority sanctioning the advance may direct, but such number shall not be less than 12, unless the subscriber so elects, or more than 24. A subscriber may, at his option, repay in smaller number of instalments than that prescribed by giving due intimation in writing to the Head of the Office. In special cases where the amount of advance exceeds three months pay of the subscriber under sub-rule (2) of rule 15, the sanctioning authority may, fix the number of instalments to be more than twenty four but in no case more than thirty six. Each instalment shall be a number expressed in whole rupees.

(2) Recovery shall be made in the manner prescribed in rule 9 for the realization of subscriptions and shall commence with the issue of pay for the month following the one in which the advance was drawn. The recovery shall not be made, except with the subscriber's consent while the subscriber is in receipt of subsistence grant. The Recovery may be postponed, on the subscriber's written request, by the sanctioning authority during recovery of an advance of pay granted to the subscriber.

(3) Notwithstanding anything contained in these rules, if the Head of Office is satisfied that money drawn as an advance from the Fund by the subscriber has been utilised for a purpose other than that for which the advance was granted, he may, after issuing a notice in writing and after obtaining a written reply from the subscriber within fifteen days direct the subscriber to repay the amount of advance forthwith or, in default, may order the amount to be recovered by deduction in one lump sum from the emoluments of the subscriber if he/she is on leave. If the amount to be recovered is more than half of the subscriber's emoluments the recoveries shall be spread over in two or more monthly instalments not exceeding half of the emoluments till the entire amount is repaid.

(4) Recoveries made under this rule shall be credited as they are made to the subscriber's account in the Fund.

Note.—The term 'emoluments' in the rule does not include subsistence grant or allowance.

17. Withdrawal from the Fund.—(1) Subject to the conditions specified herein, withdrawals from the Fund may be sanctioned by the Head Department at any time—

(A) After the completion of twenty years of service (including broken periods out of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, for one or more of the following purposes, namely :—

- (a) for meeting the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of the subscriber or any child of the subscriber in the following cases, namely :—
  - (i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage, and

- (i) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage;
- (b) for meeting the expenditure in connection with the betrothal or marriage of the subscriber of his sons or his daughters, and any other female relations actually dependent on him;
- (c) for meeting the expenses in connection with the illness, including where necessary, the travelling expenses, of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him;

(B) After the completion of fifteen years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount standing to his credit in the Fund for one or more of the following purposes, namely:—

- (a) for building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence including the cost of the site;
- (b) for repaying an outstanding amount on account of loan expressly taken for building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence;
- (c) for purchasing a house-site for building a house thereon for his residence or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose;
- (d) for reconstructing or making additions or alterations to a house or a flat already owned or acquired by a subscriber;
- (e) for renovating, additions or alterations or upkeep of an ancestral house at a place other than the place of duty or to a house built with the assistance of a loan from the Government at a place other than the place of duty;
- (f) for constructing a house on a site purchased under clause (c);

(C) Within six months before the date of the subscriber's retirement, from the amount standing to his credit in the Fund for the purpose of acquiring a farm land or business premises or both.

NOTE 1.—If a subscriber has an ancestral house or built a house at a place other than the place of his duty with the assistance of loan taken from the Government he shall be eligible for the grant of a final withdrawal under sub-clauses (a), (c) and (f) of clause (B) for the purchase of a house site or for construction of another house or for acquiring a ready-built flat at the place of his duty.

NOTE 2.—Withdrawal under sub-clauses (a), (d), (e) or (f) of clause (B) shall be sanctioned only after a subscriber has submitted a plan of the house to be constructed or of the additions or alterations to be made, duly approved by the local municipal body of the area where the site or house is situated and only in cases where the plan is approved by such local municipal body.

NOTE 3.—The amount of withdrawal sanctioned under sub-clause (b) of clause (B) shall not exceed 3/4th of the balance on the date of application together with the amount of previous withdrawals under sub-clause (a) reduced by the amount of previous withdrawal. The formula to be followed is 3/4th of the balance as on date plus amount of previous withdrawal (s) for the house in question minus the amount of the previous withdrawal or withdrawals.

NOTE 4.—Withdrawal under sub-clause (a) or (d) of clause (B) shall also be allowed where the house site or house is in the name of wife or husband provided she or he is the first nominee to receive Provident Fund money in the nomination made by the subscriber.

NOTE 5.—Only one withdrawal shall be allowed for the same purpose under this rule, but marriage or education of different children or illness on different occasions on a

further addition or alteration to a house or flat covered by a fresh plan duly approved by the local municipal body of the area where the house or flat is situated shall not be treated as the same purpose. Second or subsequent withdrawal under sub-clause (a) or sub-clause (f) or clause (B) for completion of the same house shall be allowed up to the limit laid down in NOTE 3.

NOTE 6.—A withdrawal under this rule shall not be sanctioned if an advance under rule 15 is being sanctioned for the same purpose and at the same time.

NOTE 7.—Withdrawal for the purchase of Motor-Cars may be permitted by the sanctioning authority to the subscriber who has completed 25 years of service or who have less than 5 years to attain the age of superannuation as per instructions of the Government of India to the Subscribers of General Provident Fund.

18. Conditions of withdrawal for various purposes.—The withdrawal at any one time for one or more of the purposes specified in rule 17 shall be subject to the following conditions, namely:—

- (a) the amount of withdrawal shall not exceed one half of the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund on the date of sanction or six months' emoluments or the actual expenditure for the purpose specified whichever is less;
- (b) the sanctioning authority may, however, sanction the withdrawal of an amount in excess of this limit up to three fourth of the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund on the date of sanction having due regard to the object for which the withdrawal is being made and the status of the subscriber;
- (c) if the withdrawal is for the purpose of construction of the house, the same should be commenced within six months of the withdrawal and should be completed within one year from the date of the commencement of the construction;
- (d) if the withdrawal is made for the purchase of house or a site for a house, the purchase should be made within six months of the withdrawal;
- (e) if the amount withdrawn exceeds the actual cost of purchase or construction of the house or a site for a house or if the amount is not utilised for the purpose for which it is withdrawn the excess or the whole, as the case may be, shall be refunded to the Fund forthwith in one lump sum together with interest;
- (f) if the withdrawal is for the purchase or booking of a motor car or motor cycle, etc., relevant deposit receipt must be produced for verification by the concerned authority within a period of one month from the date of withdrawal.

19. Conversion of advance into final withdrawal.—A subscriber who has already drawn or may draw in future an advance under rule 15 may convert, at his discretion, by written request, for any of the purposes specified in rule 17, the balance outstanding against him, into a final withdrawal on satisfying conditions laid down in rule 17 and rule 18.

NOTE 1. For the purposes of sub-rule (1) of Rule 18, the amount of subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the account at the time of conversion plus the outstanding amount of advance shall be taken as the balance. Each withdrawal shall be treated as separate and the same principle shall apply in the case of more than one conversion.

20. Final withdrawal of accumulations in the Fund.—

(A) Withdrawal of accumulations in the Fund—(1) when a subscriber quits the service, the amount standing to his credit in the Fund shall, subject to any deduction under rule 23, become payable to him:

Provided, that a subscriber, who has been dismissed from service and is subsequently reinstated in the service shall, if required to do so by the office, repay any amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule, with interest at the rate provided in rule 12 in the manner provided in sub-rule (2) of this rule. The amount so repaid shall be credited to his account in the Fund, the part which represents his subscriptions and interest thereon, and the part which represents the contributions of Council or Agency with interest thereon, being accounted for in the manner provided in rule 6.

(2) A subscriber, other than one who is appointed on contract or one who has retired from service and is subsequently re-employed, with or without a break in service, shall not be deemed to quit the service, when he is transferred without any break in service to a new post under a State Government or in another department of the Central Government (in which he is governed by another set of Provident Fund Rules) and without retaining any connection with his former post. In such case, his subscriptions together with interest thereon shall be transferred in accordance with rule-11 of these rules.

Explanation-1. Transfers should be held to include cases of resignations from service in order to take up appointment in another Department of the Central Government or under the State Government without any break and with proper permission of Head of Department. In cases where there has been a break in service it shall be limited to the joining time allowed on transfer to different station.

Explanation-2. The same shall hold good in cases of retrenchments followed by immediate employment whether under the same or different Government.

(3) When a subscriber, other than one who is appointed on contract or one who has retired from service and is subsequently re-employed, is transferred, without any break, to the service under a body corporate owned or controlled by Government, or an autonomous organisation, the amount of subscriptions and the contribution of Council or Agency together with interest thereon, may be transferred as per rule 11 of these rules to his new Provident Fund Account under that body.

B. On retirement of a subscriber.—When a subscriber has proceeded on leave preparatory to retirement or while on leave has been permitted to retire or declared by medical authority to be unfit for further service, the amount of subscription and interest thereon in the Fund shall, on application made by him in that behalf to the office, become payable to the subscriber :

Provided that the subscriber, if he returns to duty shall, except where the office decides otherwise, repay to the Fund for credit to his account, the amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule with interest thereon at the rate provided in rule 12 by instalments or otherwise, by recovery from his emoluments or otherwise, as may be directed by the authority competent to sanction an advance.

C. On death of a subscriber.—Subject to any deductions under rule 22 on the death of a subscriber before the amount standing to his credit has become payable or where the amount has become payable, before payment has been made,—

(a) when a subscriber leaves a family,—

(i) if the nomination made by the subscriber in accordance with the provisions of rule 5 in favour of a member or members of his family subsists the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination,

(ii) if no such nomination in favour of a member or members of the family of the subscriber subsists or if such nomination relates only to a

part of the amount standing to his/her credit in the Fund, the whole amount or part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, shall notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any persons other than a member or members of his family, become payable to the members of the family in equal shares :

Provided that no share shall be payable to.—

- (1) sons who have attained the age of majority ;
- (2) sons of a deceased son who have attained the age of majority ;
- (3) married daughter whose husband is alive ;
- (4) married daughter of a deceased son whose husband is alive.

If there is any member of the family other than those specified in sub-clauses (1), (2), (3) and (4) :

Provided further that the widow or widows and the child of children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he had survived the subscriber and had been exempted from the provisions of clause (1) of the first proviso.

NOTE.—Any sum payable under these rules to a member of the family of a subscriber vests in such member under the sub-section (2) of section 3 of the Provident Fund, Act, 1925.

(b) When the subscriber leaves no family, if a nomination made by him in accordance with the provision of rule 5 in favour of any person or persons subsists, the amount standing to his credit in the fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination.

NOTE 1.—When a nominee is a dependent on the subscriber in clause (c) of section 2, of the Provident Funds Act 1925, the amount vests in such nominee under sub-section (2) of section 3 of the Act.

NOTE 2.—When the subscriber leaves no family and no nomination made by him in accordance with the provisions of rule 5 subsists, or if such nomination relates only to part of the amount standing to his credit in the Fund, the relevant provision of clause (b) and sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 4 of the Provident Funds Act, 1925 are applicable to the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate.

21. Deposit Linked Insurance Scheme.—On the death of a subscriber, the person entitled to receive the amount standing to the credit of the subscriber shall be paid by the Head of Office, an additional amount equal to the average amount of subscription and interest thereon at the credit in the account during the 3 years immediately preceding the date of death of such subscriber, subject to the following conditions, namely :—

(a) the balance representing subscription with interest thereon at the credit of such subscriber shall not at any time during the 3 years preceding the month of death have fallen below the limits of,—

- (i) Rs. 4,000 in the case of subscriber who has held, for the greater part of the aforesaid period of three years, a post the maximum of the pay scale of which is Rs. 1300 or more ;
- (ii) Rs. 2500 in the case of subscriber who has held for the greater part of the aforesaid period of three years, a post the maximum of the pay scale of which is Rs. 900 or more but less than Rs. 1300 ;
- (iii) Rs. 1500 in the case of subscriber who has held, for the greater part of the aforesaid period of three years, a post the maximum of the pay scale of which is Rs. 291 or more but less than Rs. 900 ;

- (iv) Rs. 1000 in the case of subscriber who has held, for the greater part of the aforesaid period of three years, a post the maximum of the pay scale of which is less than Rs. 291;
- (b) the additional amount payable under this rule shall not exceed Rs. 10,000;
- (c) the subscriber has put in not less than five years of service at the time of his death.

NOTE 1.—The average balance shall be worked out on the basis of the balance at the credit of the subscriber at the end of each of the 36 months preceding the month in which the death occurs. For this purpose, as also for checking the minimum balance specified above,—

- (a) the balance at the end of March shall include the annual interest on subscription credited in terms of rule 12; and
- (b) if the last of the aforesaid thirty six months is not much, the balance at the end of the said last month shall include interest in respect of the period from the beginning of the financial year in which death occurs to the end of the said last month.

NOTE 2.—Payments under this scheme should be in whole rupees. If an amount due includes a fraction of a rupee, it should be rounded to the nearest rupee, (50 paise counting as the next higher rupee).

NOTE 3.—Any sum payable under this scheme is in the nature of insurance money and, therefore, the statutory protection given by section 3 of the Provident Fund Act 1925 (19 of 1925) does not apply to sums payable under this scheme.

NOTE 4.—(a) in case of an employee of the Council or Agency who has been admitted to the benefits of the Fund under sub-rule (3) of rule 4 but dies before completion of three years service or as the case may be, five years service from the date of his admission to the Fund, that period of his service under the previous employer in respect where of the amount of his subscription and the employer's contribution, if any, together with interest have been received shall count for purposes of clause (a) and clause (c) of this rule.

- (b) in case of persons appointed on tenure basis and in the case of re-employed pensioners, service rendered from the date of such appointment of re-employment, as the case may be only will count for the purposes of this rule.
- (c) this scheme does not apply to persons appointed on contract basis.

## 22. Deductions.—

Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than the amount of any contribution by Council or Agency with interest thereon credited under rule 10 and 12, before the amount standing to the credit of the subscriber in the Fund is paid out of the Fund.—

(A) the Head of Office may direct the deduction therefrom and payment to Council or Agency of—

- (i) all amounts representing such contribution and interest, if the subscriber is dismissed from service due to misconduct;

Provided that where the Head of Office is satisfied that such deduction would cause exceptional hardship to the subscriber, he may, by order, exempt from such deduction an amount not exceeding two third of the amount of such contribution and interest which would have been payable to the subscriber, if he had retired on medical grounds;

Provided further that if any such order of dismissal is subsequently cancelled, the amount so deducted shall on his reinstatement in the service, be replaced to his credit in the Fund.

- (ii) all amounts representing such contribution and interest if the subscriber, within five years of the commencement of his service as such, resigns from the service or ceases to be an employee under the Council or Agency otherwise than by reason of death, superannuation, or a declaration by a competent medical authority that he is unfit for further service, or the abolition of the post of the reduction of establishment.

(B) the Head of Office may direct the deduction therefrom and payment to the Council/Agency of any amount due under a liability incurred by a subscriber Council or Agency.

NOTE: 1.—For the purpose of sub-clause (ii) of Clause (A) of this rule—

- (a) the period of five years shall be reckoned from the commencement of the subscriber's continuous service under the Council or Agency.
- (b) resignation from service in order to take up appointment in another Department of the Central Government or under the State Government or under a Body corporate owned or controlled by the Government or an autonomous organisation, without any break and with proper permission of the Central Government, shall not be treated as resignation from Government service.

NOTE.—2. The powers of the Head of Department under this rule may, in respect of the amounts referred to therein also be exercised by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required to be stated under sub-rule (2) of rule 15.

## 23. Manner of payment of amount in the Fund.—

(1) When the amount standing to the credit of a subscriber in the Fund or the balance thereof after any deduction under rule 22 becomes payable, it shall be disbursed on receipt of a written application in this behalf from the subscriber, or his nominee, the manner specified in sub-rule (2).

(2) the person (s) to whom the amounts are payable shall make his/their own arrangements to receive payment in India only after submitting an application in the prescribed form to the Head of Office within a period of one month from the date of retirement/resignation or death as the case may be. The authority competent to release the amount from the fund, shall, after, verification of the Fund account, issue an authority to the disbursing officer for final payment.

## 24. Investments:—

(1) All sums paid into the Fund under these rules shall be credited in the Accounts of the Council or Agency Separately named "the Export Inspection Council Contribution Provident Fund Account." and "Export Inspection Agency Contributory Provident Fund Account". All moneys contributed to such Funds or received or accruing by way of interests or otherwise to such Funds shall, within fifteen days from the date of contribution or receipt of accrual, be deposited or invested in the following manner—

- (i) deposited in a post office savings bank account or in a special account to be opened for the purpose in the State bank of India or in any nationalised bank;
- (ii) Invested in the securities mentioned or referred to in clauses (a) to (f) of section 20 of the Indian Trusts Act 1982 (2 of 1982).

(2) After crediting of interest to the subscriber's Account as contained in rule 12, the difference in the interest accrued shall continue to be invested in the manner as indicated in sub-rule (1). The mode of disposal or utilisation of such sums shall be decided by the Government as may be deemed necessary in this regard from time to time

25. Procedure on transfer to pensionable service:—(1) If subscriber is permanently transferred to pensionable service

subscriber is permanently transferred to pensionable service under the Council or Agency he shall at his option, be entitled.

- (a) to continue to subscribe to the Fund in which case he shall not be entitled to any pension; or
- (b) to earn pension in respect of such pensionable service, in which case, with effect from the date of his permanent transfer—
  - (i) he shall cease to subscribe to the Fund;
  - (ii) the amount of contributions by the Council or Agency with interest thereon standing to his credit in the Fund shall be repaid to the Council or Agency.
  - (iii) the amount of subscriptions together with interest thereon standing to his credit in the Fund shall be transferred to his credit in the General Provident Fund, to which he shall subscribe in accordance with the rules of that Fund; and
  - (iv) he shall be entitled to count towards pension service, rendered prior to the date of permanent transfer to the extent permissible under the Export Inspection Council Pension and General Provident Fund Rules, 1981.

(2) A subscriber shall communicate his option under sub-rule (1) by a letter to the Head of Office within three months of the date of the order transferring him permanently to pensionable service, and if no communication is received in the Office within that period, the subscriber shall be deemed to have exercised his option in the manner referred to in clause (b) of that sub-rule.

26. Relaxation of the provisions of the rule in individual cases.—When the Chairman or the Director is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a subscriber, he may notwithstanding anything contained in these rules, deal with the case of such subscriber in such manner as may appear to him to be just and equitable.

27. Interpretation.—(1) Save as otherwise expressly provided in the rules, the Government of India decisions under Contributory Provident Fund Rules (India) 1962 shall be applicable in the interpretation of the rules.

(2) If any question arises relating to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Council for decision.

28. Repeal and Savings.—The Export Inspection Council Contributory Provident Fund Rules, 1969, and the Export Inspection Agency Contributory Provident Fund Rules, 1969 respectively, notified under the notifications of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade and No. SO 2413 and no. S.O. 2411 dated the 24th May 1969 are hereby repealed.

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

(F. No. 3/12/76-EI&EP)

का.प्र. 3330:—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 में प्रागे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) संशोधन, नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रभूत होंगे।

2., निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 3 के उपनियम (1) में "एक वर्ष" शब्द के स्थान पर "दो वर्ष" शब्द रखे जाएंगे।

[ सं. 3(90)/85-ईएआईएंड ई ]  
एन.एस. हरिहरन, निदेशक

पाद टिप्पण—

मूल नियम का.प्र. 3317 तारीख 1-1-1964 द्वारा प्रकाशित किए गए और तदनन्तर निम्नलिखित द्वारा उनमें संशोधन किए गए :—

का.प्र. 3100, तारीख 29-9-1965  
का.प्र. 3965, तारीख 6-11-1967  
का.प्र. 277, तारीख 18-1-1969  
का.प्र. 2718, तारीख 23-7-1968  
का.प्र., 1855, तारीख 22-7-1972  
का.प्र. 103, तारीख 6-1-1973  
का.प्र. 2603, तारीख 20-8-1977  
का.प्र. 2745, तारीख 23-9-1978  
का.प्र. 2865, तारीख 30-9-1978  
का.प्र. 2496, तारीख 26-9-1981  
का.प्र. 1551, तारीख 19-3-1983  
का.प्र. 5227, तारीख 16-11-1985  
का.प्र. 5395, तारीख 30-11-1985

S.O. 3330.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, namely:—

1. (1) These rules may be called the Export (Quality Control and Inspection) Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in sub-rule (1), for the words "one year", the words "two years" shall be substituted.

[No. 3/90/85-EI&EP]  
N.S. HARIHARAN, Director

FOOT NOTE:—The principal rules were published vide S.O. 3317 dated 1-10-1964 and subsequently amended by :

S.O. 3100 dated 29-9-1965  
S.O. 3965 dated 6-11-1967  
S.O. 277 dated 18-1-1969  
S.O. 2718 dated 23-7-1968  
S.O. 1855 dated 22-7-1972  
S.O. 103 dated 6-1-1973  
S.O. 2603 dated 20-8-1977  
S.O. 2745 dated 23-9-1978  
S.O. 2865 dated 30-9-1978  
S.O. 2496 dated 26-9-1981  
S.O. 1551 dated 19-3-1983  
S.O. 5227 dated 16-11-1985  
S.O. 5395 dated 30-11-1985



(संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

कलकत्ता, 28 फरवरी, 1986

निरसन आदेश

का. अ. 3331.—जबकि मे. हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कार्पोरेशन लि., दुर्गापुर युनिट, दुर्गापुर-713212 को पूंजीगत माल के आयात के लिए एक सी जी लाइसेंस सं. 1/सी जी/2083728/सी/एक्स एक्स/90/सी/83 दिनांक 27-2-84 जारी किया गया था।

2 जबकि फर्म ने अब आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के पैरा 86 के अनुसार एक शपथपत्र दाखिल किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि लाइसेंस सं. 1/सी जी/2083728/सी दिनांक 27-2-84 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सीमाशुल्क समाहर्ता, सीमाशुल्क, भवन, कलकत्ता के पास पंजीकृत करवाने के पश्चात तथा बिल्कुल भी उपयोग में आए बिना खो/अस्थानस्थ हो गई है। उन्होंने उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति, यदि बाद में मिल जाती है, को उपयोग में जाए बिना इस लाइसेंसिंग कार्यालय को लौटाने का वचन भी दिया है।

3. जब कि फर्म ने लाइसेंस के पूरे मूल्य का उपयोग करने के लिए मूल सी जी लाइसेंस सं. 1/सी जी/2083728/सी दिनांक 27-2-84 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करते हुए केवल अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति जारी किए जाने के लिए आवेदन किया है।

4. मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस को सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति बिल्कुल भी उपयोग में आए बिना खो/अस्थानस्थ हो गई है।

5. यथासंगोहित आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की धारा 9(1) (घ) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस सं. 1/सी जी/2083728, दिनांक 27-2-84 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को एतद्वारा रद्द करता हूँ तथा उक्त निरसन आदेश के तहत अनुलिपि लाइसेंस जारी करने का आदेश देता हूँ।

6. इसे वर्तमान आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के पैरा 86 के उपबंधों के अनुसार किया है।

विषय :- आयात लाइसेंस सं. आई/सीजी/2083728/सी/एक्सएक्स/90/सी/83 दिनांक 27-2-84 की खोई/अस्थानस्थ सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति को जारी करना।

उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति का न्यून निम्नानुसार है :-

| लाइसेंस सं. | दिनांक           | माल का वर्णन   |
|-------------|------------------|--|
| डी-2468608  | दिनांक 28-2-1986 | निम्नानुसार पूंजीगत माल :-<br>यूनियम स्पेशल सीबिंग हैड-2 नग<br>एच पी सील - 2 नग, जल स्तर सूचक<br>-1 नग परिशोधक, बैलेसिंग ब्रिज<br>शक्ति संभरण, एकक-1 नग, रोटीरी<br>फिस्टर मीटर इण्ड 1-नग, द्रव<br>मीटर उपसाधन-1 नग, लिमिट<br>स्विचिस-2 नग, जंक्शन थर्मोस्टेट<br>-1 नग।<br>लाइसेंस का कुल मूल्य 2,18,224/-रु. |

[सं. 26/85/1253]

## CANCELLATION ORDER

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

Calcutta, the 28th February, 1986

## CANCELLATION ORDER

S.O. 3331.—Whereas M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Durgapur Unit, Durgapur-713212, were granted a CG licence No. I/CG/2083728/C/XX/90/C/83 dt. 27-2-84 for import of Capital goods.

2. Whereas the firm have now filed an affidavit in terms of para 86 of the Hand Book of Import Export Procedures 1985—88 wherein they have stated that the Customs Purposes Copy of licence No. I/CG/2083728/C dt. 27-2-84 has been lost/misplaced after having been registered with Collector of Customs, Customs House, Calcutta and not utilised at all. They have further undertaken to return the original Customs Purposes Copy of the said licence is found/traced out at a later date, without utilisation, to this licensing office.

3. Whereas the firm have since requested for issue of a duplicate Customs Purposes Copy only in cancellation of the Customs Purposes Copy of original CG licence No. I/CG/2083728/C dt. 27-2-84 for utilisation for the full value of the licence.

4. I am satisfied that the Customs Purposes Copy of the above mentioned licence has been lost/misplaced without having been utilised at all.

5. In exercise of the power conferred on me under clause 9(1)(d) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, I hereby cancel the said original customs purposes copy of the licence No. I/CG/2083728/C dt. 27-2-84 and hereby order that a duplicate licence be issued against the said cancelled licence.

6. This is done in accordance with the provision of para 86 of the current Hand Book of Import-Export Procedures for 1985—88.

Subject :—Issue of duplicate copy of lost/misplaced Customs Purposes Copy of the Import licence No. I/CG/2083728/C/XX/90/C.83 Dt. 27-2-1984.

The particulars of the duplicate copy of the Customs Purposes Copy of the aforesaid licence are as follows :—

| Licence No. | Date        | Description of goods   |
|-------------|-------------|--|
|             |             | Capital goods as follows:—<br>Union Special Sewing Head-2<br>Nos., H.P. Seal-1 Nos, Water<br>level indicator -1 No. Rectifier,<br>Balancing Bridges, Power Supply<br>Unit-1 No., Rotary Pister Meter |
| D-2468608   | 28/02/1986. | Ind-1 No., Liquid Meter accessories<br>1 No. Limit Switches-2 No.,<br>Junction Thermostat-1 No.<br>Total value of the lic. is<br>Rs. 2, 18, 224/-.   |

[सं 26/85/1253]

कलकत्ता 2 फ़रवरी, 1986

निरसन आदेश

का. अ. 3332.—जबकि मैसर्स सेकबाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन प्रा-  
ग्राम, जिला मिर्जापुर, पश्चिम बंगाल को 5 एम एम और मोटी काँइल  
में सी. प्रार. स्टील सीटम के आयात के लिए 1,44,23,500 रु. का  
ए यू लाइसेंस सं. पी./डी/2230178/सी/एक्स एक्स/93/सी/84 दिनांक  
11-4-85 दिया गया था।

2. जबकि अब फर्म ने आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985—88 के  
पैरा 86 के अनुसार एक शपथ पत्र दाखिल किया है जिसमें उन्होंने यह  
बताया है कि लाइसेंस सं. पी/डी/2230178/सी, दिनांक 11-4-85 की  
दोनों सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति किसी  
सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत किए बिना एवं बिल्कुल  
उपयोग में आए बगैर खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। उन्होंने आगे यह  
भी वचन दिया है कि मूल लाइसेंस (दोनों सीमा-शुल्क प्रयोजन एवं मुद्रा  
विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति) यदि बाद में मिल जाता है/खोज लिया  
जाता है तो वे उसे उपयोग किए बगैर इस लाइसेंसिंग कार्यालय को वापस  
कर देंगे।

3. जबकि फर्म ने अब उक्त लाइसेंस सं. पी/डी/2230178/सी, दिनांक 11-4-85 के निरसन पर लाइसेंस के पूरे मूल्य के उपयोग के लिए अनुविधि सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जारी करने के लिए अनुरोध किया है।

4. मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त उल्लिखित लाइसेंस की दोनों सीमा शुल्क प्रयोजन एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं।

5. यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 9(1) (घ) के अंतर्गत भूमि प्रदान अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं ए. यू. लाइसेंस सं. पी/डी/2230178/सी दिनांक 11-4-85 की मूल सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द करता हूँ और आदेश देता हूँ कि उक्त निरसन लाइसेंस के मद्दे अनुविधि लाइसेंस जारी किया जाए।

6. यह आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के पैरा 68 के प्रावधानों के अनुसार किया गया है।

[सं. 1/86-87/1309]

के. सी. दास, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
इसे संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

विषय :- वास्तविक उपभोक्ता लाइसेंस सं. पी/डी/2230178/सी/एक्स  
एक्स/95/सी/84, दिनांक 11-4-85 की खोई/अस्थानस्थ सीमाशुल्क तथा  
मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुविधि प्रति की जारी करना

उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण  
प्रयोजन प्रति की अनुविधि प्रति का ब्योरा निम्नानुसार है :-

| लाइसेंस सं.   | दिनांक   | माल का वर्णन  |
|---|----------|---|
| डी-2468609<br>(सीमा शुल्क<br>प्रयोजन प्रति)               | 2.4.1986 | 5 एम एम और मोटी स्टील<br>में सी आर स्टील शीट्स।         |
| डी-2468610<br>(मुद्राविनिमय<br>नियंत्रण प्रयोजन<br>प्रति) |          | लाइसेंस का लागत सीमा भाड़ा<br>मूल्य 1,44,23,500 रु. है। |

[सं. 1/86-87/1309]

Calcutta, the 2nd April, 1986

#### CANCELLATION ORDER

S.O. 3332.—Whereas M/s. Sakbry Engineering Corpn. Jhargram, Distt. Midnapore, W. Bengal were granted an AU licence No. P/D/2230178/C|XX|95/C|84 dt. 11-4-85 for Rs. 1,44,23,500 for import of CR Steel Sheets in Coils .5 MM and thicker.

2. Whereas the firm have now filed an Affidavit in terms of para 86 of the Hand Book of Import Export Procedures 1985-86 wherein they have stated that both customs Purposes Copy and Exchange Control Copy of the licence No. P/D/2230178/C dt. 11-4-85 has been lost/misplaced without having been registered with any customs authority and utilised at all. They have further undertaken to return the original licence (both Customs Purposes and Exchange Control Purposes Copy) if found/traced out at a later date, without utilisation to this licensing office.

3. Whereas the firm have since requested for issue of a duplicate Customs Exchange Control Purposes Copy only in cancellation of the said licence No. P/D/2230178/C dt. 11-4-85 for utilisation of the full value of the licence.

4. I am satisfied that both the Customs Purposes and Exchange Control Purposes Copy of the above mentioned

licence have been lost/misplaced without having been utilised at all.

5. In exercise of the power conferred in me under clause 9(1)(d) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, I hereby cancel the said original Customs and Exchange Control Purposes Copy of the AU licence No. P/D/2230178/C dt. 11-4-85 and hereby order that a duplicate licence be issued against the said cancelled licence.

6. This is done in accordance with the provision of para 86 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88. [No. 1/86-87/1309]

K. C. DAS, Dy. Chief Controller

for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

Subject.—Issue of Duplicate Copy of lost/misplaced Customs and Exchange Control Purposes Copy of the Actual User licence No. P/D/2230178/C|XX|

95/C|84, dt. 11-4-85.

The particulars of the duplicate copy of the Customs Purposes and Exchange Control Purposes Copy of the aforesaid licence are as follows :—

| Licence No.  | Date      | Description of Goods                            |
|--|-----------|---|
| D-2468609<br>(Customs<br>Purposes<br>Copy)             | 2-4-1986. | CR Steel Sheets in Coils<br>.5 MM. and Thicker. |
| D-2468610<br>(Exchange<br>Control<br>Purposes<br>Copy) |           | CIF Value of the Licence<br>Rs. 1,44,23,500/-.  |

[No. 1/186-87/1309]

कलकत्ता, 28 जुलाई, 1986

निरसन आदेश

का.आ. 3333—जबकि मैं. प्रेक्ष इलेक्ट्रानिक्स प्रा. लि. 1 सुरेन टैगोर रोड, कलकत्ता-19 को (1) मशीनी संघटकों (इलेक्ट्रानिक संघटकों के अलावा)—5000 नगर तथा (2) प्राउटर कैबिना पार्ट (इलेक्ट्रानिक संघटकों के अलावा)—2500 नगर के आयात के लिए 1,44,600 रु. का एक ए. यू. लाइसेंस सं. पी/एम/1947099/सी. दिनांक 15-3-85 जारी किया गया था।

2. जबकि मैं. प्रेक्ष इलेक्ट्रानिक्स प्रा. लि. ने आयात निर्यात प्रक्रिया

पुस्तक 1985-88 के पैरा 86 के अनुसार एक शपथपत्र दायित्व किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि लाइसेंस सं. पी/एम/1947099/सी, दिनांक 15-3-1985 की सीमा-शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रतियाँ किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत करवाई तथा बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना खो गई हैं। उन्होंने मूल लाइसेंस (दोनों सीमा-शुल्क प्रयोजन एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ) यदि बाद में मिला जाती है, तो उपयोग में लाए बिना इन लाइसेंसिंग कार्यालय को लौटाने का वचन भी दिया है।

3. जबकि मैं. प्रेक्ष इलेक्ट्रानिक्स प्रा. लि. ने लाइसेंस के पूरे मूल्य का उपयोग करने के लिए उक्त लाइसेंस को रद्द करती हुए अनुविधि मुद्रा विनिमय नियंत्रण तथा सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है।

4. मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ पंजीकृत किए बिना तथा उपयोग में लाए बिना खो गई हैं।

5. यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9(1) (घ) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उक्त लाइसेंस सं. पी/एस/1947099/सी, दिनांक 15-3-1985 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की एतद्वारा रद्द करता हूँ तथा उक्त रद्द लाइसेंस के मुद्दे अनुलिपि लाइसेंस जारी करने का निर्देश देता हूँ।

6. इन्ने आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के पैरा 86 के उपबन्धों के अनुसार जारी किया जा रहा है।

डॉ. एस.के. मुकर्जी, उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात  
हुते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

विषय: लाइसेंस सं. पी/एस/1947099/सी, दिनांक 15-3-1985 की  
खोई हुई सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की  
अनुलिपि प्रति का जारी किया जाना।

उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति  
की अनुलिपि प्रति का ब्योरा निम्नानुसार है:—

| लाइसेंस सं.                                       | दिनांक  | मान का वर्णन |
|---|---|--------------|
| डी-2466812 (सीमा, 28-7-86<br>शुल्क प्रयोजन प्रति) | (1) ए एस 85 नीति पुस्तक की क्रम<br>सं. 457, भाग-क परिशिष्ट 3 के<br>अनुसार 95450 रु. के मशीनी<br>संवर्धक (इलेक्ट्रॉनिकी संघटकों के<br>अलावा)-5000 नमूने। |              |
| डी-2486613 (मुद्रा<br>विनिमय नियंत्रण<br>प्रति)   | (2) ए एस 85 नीति पुस्तक की<br>क्रम सं. 457 भाग-क परिशिष्ट-3<br>के अनुसार आउटर कैशिंग पार्ट<br>(इलेक्ट्रॉनिकी संघटकों के अलावा)-<br>2500 नमूने।          |              |
| लाइसेंस का कुल लागत बीमा भागा-<br>1,42,600 रु.    |   |              |

[सं. 3/86-87/1617]

बी.सी. बागची, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात  
हुते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

Calcutta, the 28th July, 1986

#### CANCELLATION ORDER

S.O. 3333.—Whereas M/s. Prex Electronics Pvt. Ltd., 1, Suron Tagore Road, Cal-19 were granted an licence No. P/S/1947099/C dt. 15-3-85 for Rs. 1,42,600/- for import of (i) Mechanical Components (excluding electronics Components) -5000 Pes. and (ii) Outer cashing parts (excluding electronics components)-2500 Pcs.

2. Whereas, M/s Prex Electronics Pvt. Ltd., have now filed an affidavit in terms of para 86 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88 wherein they have been that both the customs and exchange control purposes copy of the lic. No. P/S/1947099/C dt. 12-5-85 have been lost without having been registered with any Customs Authority and utilised at all. They have further undertaken to return the original licence (both customs purpose and exchange control copy) if found/traced out at a later date, without utilisation to this licensing office.

3. Whereas, M/s. Prex Electronics Pvt. Ltd., have been requested for issue of duplicate exchange control and custom purposes copy in cancellation of the said licence for utilisation for the full value of the licence.

4. I am satisfied that the customs and exchange control copy of the above mentioned licence have been lost without having been registered and utilised at all.

5. In exercise of the power conferred on me under clause 9(1)(d) of the Imports (Control Order, 1955, as amended, hereby cancelled the said original customs purpose and exchange control copy of the Lic. No. P/S/1947099/C dt. 15-3-85 and hereby order that duplicate be issued against the said cancelled licence.

6. This is done in accordance with the provision of para 86 of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88.  
S. K. MUKHERJEE, Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.  
Sub:—Issue of duplicate copy of the lost Customs and Exchange Control Purpose copy of the Lic. No. P/S/1947099/C dt. 15-3-1985.

The particulars of the duplicate copy of the Customs and Exchange Control Purposes copy of the aforesaid licence are as follows:—

| Licence No.  | Date        | Description of Goods   |
|--|-------------|--|
| D-2468612<br>(C.P. copy)<br>D-2468613<br>(E.C. copy) | 28/07/1986. | (i) Mechanical Components (excluding electronic components)-5000 Pcs. for Rs. 95450/- as per app.3 part A, Sl. 457 of AM' 85 Pol. BK.<br>(ii) Outer Cashing Parts (excluding electronic components)-2500 Pcs. of App. 3, Part-A, Sl. 457 of AM'85 Pol. Book. |
|  |             | Total C.I.F. Value of the Licence Rs. 1,42,600/-   |

[No. 3/86-87/1617]

B.C. BAGCHI, Asstt. Chief Controller of Imports & Exports  
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

#### कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 1 नितम्बर, 1986

का. छा. 3334.—केन्द्रीय सरकार 30 जुलाई, 1982 तक यथा संशोधित पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 5 की उपधारा (1) (1) के उपबन्धों के अधीन एतद्वारा श्री एरा सम्बासिवम, संसद सदस्य (राज्य सभा) को श्री मोहनारंगम के स्थान पर भारतीय पशु कल्याण मंडल में आगामी आदेशों तक तत्काल से सदस्य के तौर पर नामजद करती है।

[सं. 14-6/85 एज. डी. 1]

एस. पी. वर्मा, सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 1st September, 1986

S.O. 3334.—Under provision of Sub-section (1)(i) of Section 5 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960, as amended upto 30th July, 1982, the Central Government hereby nominates Shri Era Sambasivam, Member of Parliament (Rajya Sabha) as Member on Animal Welfare Board of India with immediate effect and until further orders in place of Shri R. Mohanaragam.

[No. 14-6/85-LD. I]

S. P. VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1986

## आदेश

का. अ. 3335.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) के तारीख 5 अप्रैल, 1980 के आदेश संख्या का. अ.

सं. 901 को अधिस्तान करते हुए यह निवेदन देते हैं कि इस आदेश की अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट माध्याम केन्द्रीय सेवा समूह "ख" के पदों के संबंध में, स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी नियुक्ति प्राधिकारी और स्तंभ 3 और 5 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट शास्तियों की बाबत क्रमशः अनुपातन प्राधिकारी और अपील प्राधिकारी होंगे।

[सं. 2-32/85-एफ आई (प्रशासन)]

बी. बी. मण्डल, उपा. सचिव

## अनुसूची

| क्रम सं.  | सेवा पदों का वर्गीकरण | नियुक्ति प्राधिकारी                          | शास्तियाँ अधिरोपित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी और वे शास्तियाँ किन्हें वह अधिरोपित कर सकता है।<br>(नियम 11 में मध्य संख्या के संदर्भ में) | अपील प्राधिकारी |
|---|-----------------------|--|--|-----------------|
| 1   | 2                     | 3  | 4  | 5               |
| सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "ख" पद :                        |                       |  |  |                 |
| 1. भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण                               | महा निदेशक            | महानिदेशक—सभी क्षेत्रीय निदेशक (1) से (4) तक | मात्स्यकी प्रभाग के प्रभारी संयुक्त सचिव, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यकी सर्वेक्षण  |                 |
| 2. सम्बन्धित मात्स्यकी परियोजना                             | निदेशक                | निदेशक—सभी उप-निदेशक (1) से (4) तक           | मात्स्यकी प्रभाग के प्रभारी संयुक्त सचिव, निदेशक सम्बन्धित मात्स्यकी परियोजना  |                 |
| 3. केन्द्रीय मात्स्यकी नौवहन और इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान | निदेशक                | निदेशक—सभी उपनिदेशक (1) से (4) तक            | मात्स्यकी प्रभाग के प्रभारी संयुक्त सचिव निदेशक, केन्द्रीय मात्स्यकी नौवहन और इंजीनियरी प्रशिक्षण संस्थान                                  |                 |
| 4. केन्द्रीय तटीय मात्स्यकी इंजीनियरी संस्थान               | निदेशक                | निदेशक—सभी संयुक्त निदेशक (1) से (4) तक      | मात्स्यकी प्रभाग के प्रभारी संयुक्त सचिव निदेशक, केन्द्रीय तटीय मात्स्यकी इंजीनियरी संस्थान  |                 |

New Delhi, the 10th September, 1986

## ORDER

S.O. 3335:—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, and in supersession of Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) Order No. S.O. 901 dated the 5th April, 1980, the President hereby directs that in respect of the posts in the General Central Services Group 'B' as specified in Column 1 of the Schedule to this order, the authority specified in column 2 shall be the Appointing Authority and the authorities specified in column 3 and 5 shall be the Disciplinary Authority and Appellate Authority respectively in regard to the penalties specified in column 4.

[No. 2-32/85 Fy (Adm)]  
B.B. MONDAL, Dy. Secy.

## THE SCHEDULE

| No. Description of service/<br>posts            | Appointing<br>Authority | Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose<br>(with reference to item numbers in rule 11) |                    | Appellate Authority   |
|---|-------------------------|--|--------------------|---|
|   |                         | Authorities  | Penalties          |   |
| 1   | 2                       | 3  | 4                  | 5   |
| <b>GENERAL CENTRAL SERVICE GROUP 'B' POSTS.</b> |                         |  |                    |   |
| 1. Fishery Survey of India                      | Director General        | Director General<br>Zonal Director   | All<br>(i) to (iv) | Joint Secretary incharge of Fisheries Division.<br>Director General, Fishery Survey of India. |

| 1   | 2        | 3               | 4           | 5   |
|---|----------|-----------------|-------------|---|
| 2. Integrated Fisheries Project                                     | Director | Director        | All         | Joint Secretary incharge of Fisheries Division.                             |
|   |          | Deputy Director | (i) to (iv) | Director, Integrated Fisheries Project.                                     |
| 3. Central Institute of Fisheries Nautical and Engineering Training | Director | Director        | All         | Joint Secretary incharge of Fisheries Division.                             |
|   |          | Deputy Director | (i) to (iv) | Director, Central Institute of Fisheries Nautical and Engineering Training. |
| 4. Central Institute of Coastal Engineering for Fishery.            | Director | Director        | All         | Joint Secretary incharge of Fisheries Division                              |
|   |          | Joint Director  | (i) to (iv) | Director, Central Institute of Coastal Engineering for Fishery.             |

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1986

का.भा. 3336—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 9 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, श्री डी. वी. राव, अपर क्षेत्रीय अधिकारी, जिन्हें कर्नाटक सरकार में कार्यभार सम्भालने के लिए मुक्त कर दिया गया है, के स्थान पर श्रीमती के. रत्नप्रभा, आई.ए.एस. (कर्नाटक : 1981) को 22-8-1986 के अपराह्न से अगले आदेशों तक केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, हैदराबाद में स्थानापन्न अपर क्षेत्रीय अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करती है।

[फा. सं. 802/34/83/एफ.सी.]

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT  
(Department of Culture)

New Delhi, the 3rd September, 1986

S.O. 3336.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) read with rule 9 of the Cinematograph (Certification) Rules 1983, the Central Government is pleased to appoint Smt. K. Ratna Prabha, I.A.S. (KTK: 1981) to officiate as Additional Regional Officer, Central Board of Film Certification, Hyderabad, on deputation basis with effect from 22-8-1986 A. N. until further orders, vice Shri D.V. Rao, Additional Regional Officer relieved to join the Karnataka Government.

[File No. 802/34/83-F(C)]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1986

का.भा. 3337—चलचित्र (प्रमाणन) नियमावली, 1983 के नियम 8 के उपनियम (1) और (2) के साथ पठित नियम 7 के उपनियम (3) तथा चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित व्यक्तियों को हैदराबाद में उक्त बोर्ड के सहायकार पैनल के सदस्यों के रूप में तत्काल से अगले आदेशों तक एनडू द्वारा नियुक्त करती है :—

1. डा. के. वी. प्रसाद राव
2. श्री एस.बी. नारायण राव
3. श्रीमती एस. भारती
4. श्री के. बालासुब्रमण्यम
5. श्री जे. भास्कर राव
6. श्री पालादुगु वेंकट राव
7. श्री ए.वी.प्रार. कृष्णामूर्ति
8. श्री पी. वमन राव, हैदराबाद
9. श्री नवनीत राव, उपकुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय

[फा.सं. 811/5/84-एफ (सी.)]

इकबाल कृष्ण, अवर सचिव

New Delhi, the 5th September, 1986

S.O. 3337.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 7 read with sub-rule (1) and (2) of rule 8 of the Cinematograph (Certification) Rules 1983, the Central Government hereby appoints the following persons as members of the Advisory Panel of the said Board at Hyderabad with immediate effect until further orders:—

1. Dr. K.V. Prasada Rao
2. Shri M.V. Narayana Rao
3. Smt. M. Bharathi
4. Shri K. Balasubramaniam
5. Shri J.Bhaskar Rao
6. Shri Paladugu Venkat Rao
7. Shri A.V.R. Krishnamoorthy
8. Shri P. Vaman Rao, Hyderabad
9. Shri Navneet Rao, V.C., Osmania University.

[File No. 811/5/84-F (C)]

IQBAL KRISHAN, Under Secy.

## परिवहन मंत्रालय

रेलवे विभाग

(रेलवे बोर्ड)

नयी दिल्ली, 8 सितम्बर, 1986

का.भा. 3338.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 147-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनडू द्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित मामलों शामिल करती है, यथा :—

वाडियो कैसेट रिकार्डर/प्लेयर  
वीडियो कैसेट रिकार्डर/प्लेयर कैसेट  
रेफ्रिजरेटर  
इ.सी.जी. मशीनें  
कम्प्यूटर  
इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर

[सं.टी.सी. II/2425/80]

ए.एन.वांछू, सचिव, रेलवे बोर्ड

एवं भारत सरकार के पदेन उप सचिव।

MINISTRY OF RAILWAYS

(Department of Railways)

(Railway Board)

New Delhi, the 8th September, 1986

S.O. 3338.—In exercise of the powers conferred by section 147-A of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby adds to the Second Schedule to the said Act, the following Articles, namely :—

Video Cassete Recorder/Player.  
Video Cassete Recorder/Player Cassettes.  
Refrigerators.  
ECG Machines.

Computers.  
Electronic Calculators.

[No. TCH/245/80]

A. N. WANCHOO, Secy. Railway Board and  
ex-Officio Additional Secy. to the Govt. of India.

(जल भूतल परिवहन विभाग)

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1986

का. भा. 3339.—केन्द्र सरकार, राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड नियम, 1960 के नियम 4 के तहत पठित वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा राज्य सभा के सदस्यों श्री नरेश सी. पुगलिया और श्री सुकोमल सेन का राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड के सदस्य नियुक्त करत है और इस उद्देश्य के लिए परिवहन मंत्रालय (जल-भूतल परिवहन विभाग), नौवहन पक्ष में भारत सरकार की अधिसूचना का भा सं. 513, दिनांक 29 जनवरी, 1986 (राजपत्र में 8-2-1986 को प्रकाशित) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में मध 6 और 7 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित रखे जाएंगे :-

“6 श्री नरेश सी. पुगलिया, संसद सदस्य } राज्य सभा द्वारा  
7 श्री सुकोमल सेन, संसद सदस्य } चुने गए”

[फा. सं. एस. डब्ल्यू/एम.एस.डी. 4/85-एस. एस.]

डी. डी. सूद, प्रवर सचिव

(Department of Surface Transport)

(Shipping Wing)

New Delhi, the 8th September, 1986

S.O. 3339.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with Rule 4 of the National Shipping Board Rules, 1960, the Central Government hereby appoints Shri Naresh C. Puglia and Shri Sukomal Sen, Members of Rajya Sabha to be the members of National Shipping Board and for that purpose amends the notification of the Government of India in the Ministry of Transport (Department of Surface Transport, Shipping Wing S.O. No. 513, dated 29th January, 1986 (published in the Gazette dated the 8th February, 1986) as follows, namely:—

In the said notification for items 6 and 7 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“6. Shri Naresh C. Puglia, M.P. } Elected by  
7. Shri Sukomal Sen, M.P. } Rajya Sabha”

[F. No. SW/MSB-4/85-SL]  
D. D. SOOD, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1986

का. भा. 3340.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1980 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने सानत्व तथा कुहटवाड़ा टेलीफोन केन्द्रों, गुजरात सर्किल, में दिनांक 30-9-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[संख्या 5-21/86 पी एच बी]

के. पी. शर्मा, सहायक महानिदेशक (पी एच बी)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS  
(Department of Telecommunications)

New Delhi, the 12th September, 1986

S.O. 3340.—In pursuance of para (c) of Section III of Rule 434 of the Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 513 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 30.9.1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Sanand and Kukarwada Telephone Exchanges, Gujarat Telecom. Circle.

[No. 5-21/86-PHB]

K. P. SHARMA, Asstt. Director General (PHB)

कृषि मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1986

का. भा. 3341.—जान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एम. एस. मुखर्जी, उप महानिदेशक, खान सुरक्षा (केन्द्रीय क्षेत्र) धनबाद को श्री बी. सी. वर्मा, जो प्रतिनियुक्ति पर विदेश जा रहे हैं, के स्थान पर, ऐसे सभी क्षेत्रों के लिए, जिन पर उक्त अधिनियम का विस्तार है 6 सितम्बर, 1986 से श्री वर्मा के कार्यभार ग्रहण करने तक मुख्य खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. एस 66012/4/84-खान-I]

रामकानुगा, प्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 5th September, 1986

S.O. 3341.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952) the Central Government hereby appoints Shri M. L. Mukherjee Deputy Director General of Mines Safety (Central Zone), Dhanbad, to be the Chief Inspector of Mines for all the territories to which the said Act extends, on and from the 6th September, 1986, vice Shri V. C. Varma, who is proceeding on deputation abroad until Shri Varma resumes duty.

[F. No. S 66012/4/84-M.I]

RAM KANUGA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1986

का. भा. 3342.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों के बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध सम्बन्धित स्थापन को लागू किये जाने चाहिए :-

1. मैसर्स हिलींस एन्टीनांस एन्ड इलेक्ट्रोनिक्स, 234 प्रवी शाहमुगाम रोड, मद्रास-86
2. मैसर्स जितस्टैक इन्जिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड यूनिट नं. 20 इन्डस्ट्रियल स्टेट, गणपति पोस्ट, कोयंबेतूर-641006
3. मैसर्स मन्नामदुराई को-प्रोपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड, ए-1562, सुन्दरापुरम, मन्नामदुराई, मद्रास-1
4. मैसर्स चित्तमया विद्यालय चित्तमया नगर, स्टेज-2 बिरुगामवाकाम मद्रास-600092
5. मैसर्स स्टेम्बर्ड फायर वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, 77 एन आर. के. राजारतनाम गली, शिवाकासी-626123
6. मैसर्स जी. एस. बी. कैन्ट्री, 19 ए. मोरसुरम गली, कोसापासायाम, प्ररनी एन ए कस्बा नार्थ अर्काट डिस्ट्रिक्ट
7. मैसर्स वीलाक इन्डस्ट्रीज नं. 20 ए/2 रैस कोर्स रोड, डिडीगुल
8. मैसर्स ऐसे टैक्स 8 वीं एण्ड सी, त्रिची मेन रोड, गुणए, सेलम-6
9. मैसर्स मनी भार एण्ड संस, 220, पेकर रोड, कोयंबेतूर-26
10. मैसर्स सत्या प्रेस ट्रस्ट 16 स्टेशन व्यू रोड कोडामवाकाम, मद्रास-24
11. मैसर्स लक्ष्मी ट्रेड क्रेडिट लिमिटेड, 624, आना एलाए, मद्रास-6
12. मैसर्स रविशंकर अचागम नं. 20 ए/1 रैस कोर्स रोड, डिडीगुल 624005

13. मैकर्स पावरवात ट्रांसमिशन कंजलैन्सी सर्विस लिमिटेड, 34 ब्रैकटा-मारायणा रोड, मद्रास
14. मैकर्स गुरान इन्जिनियर्स 386 अरकट रोड, कादम्बकाम, मद्रास-24
15. मैकर्स ए. वी. के. ए. वेडनार (प्राइवेट) लिमिटेड, हिनमै मैटिक वेडनार, 95 ए, मार्किट स्ट्रिट, गुन-1
16. मैकर्स विन्सल ए कंजलैन्सी मिज 6/158 पेरुन्दुरई रोड, इरोड 638011
17. मैकर्स अदुगम मैक वरर्स नं. 23, मुडालियर न्यू स्ट्रीट, कादम्बकाम, मद्रास-24
18. मैकर्स गुरान वेडनार (प्राइवेट) लिमिटेड, 304 ए, त्रिची रोड, त्रिचयूर कोयम्बूर-5
19. मैकर्स विन्सल भारत केन्जलैन्सी मिज, एस एफ नं. 979, पेकज बुरे रोड, मद्रास-638002 पेरीयार कस्बा
20. मैकर्स सत्या एडवेंचर्स, 385 अरकट रोड, कादम्बकाम, मद्रास-24
21. मैकर्स डी डी 348 गुराजूर काजार मिज सत्या सोसाइटी लिमिटेड गुराजूर, मद्रास कस्बा
22. मैकर्स अदुगम इन्जिनियर्स वरर्स, 11 चोला रोड, मद्रास-600007

अ. के. के. सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1, की उप धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापनाओं को लागू करती है।

[सं. एस-35019(168)/86-एसएस-2]

New Delhi, the 9th September, 1986

S.O. 3342.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely :—

1. M/s. Helios Antennas and Electronics 234, Avvai Shammugham Road Madras-86.
2. Jeelstox Engineering (Private) Limited, Unit No. 20, Industrial Estate, Ganapathy Post, Coimbatore-641006.
3. M/s. Manamadurai Co-Op. Stores Ltd., A-1562, Sundarapuram, Manamadurai Madras.
4. M/s. Chinmaya Vidyalaya, Chinmayanagar, Stage II, Virugambakkam, Madras-600092.
5. M/s. Standard Fire Works Pvt., 77-N. R. K. Rajarathnam Street, Sivakasi-626123.
6. M/s. G.S.V. Factory, 19A Morusuran St. Kosapalayam, Arni, North Arcot District.
7. M/s. Thilak Industries, No. 20-A/2, Race Course Road, Dindigul.
8. M/s. Esstex, 8B & C Trichy Main Road, Gugal, Salam-6.
9. M/s. Maniar and Sons, 220, Porur Road, Coimbatore-62.
10. M/s. Satya Press Tools, 16, Station View Road, Kodambakkam, Madras-24.
11. M/s. Lakshmi Trade Credits Limited, 624, Anna Salai, Madras-6.
12. M/s. Ravindran Achagam No. 20-A/1, Race Course Road, Dindigul-624005.
13. M/s. Pallavan Transport Consultancy Service Ltd. 34, Vankatanaryana Road, Nandanam, Madras.
14. M/s. Murugan Engineers 386, Arcot Road, Kadambakkam, Madras-24.

15. M/s. N. V. K. M. Betnut (Private) Ltd., Dehalchrs in Secented Betnut, 95-A, Market Road, Dindigul-1.
16. M/s. Thirumalai Calendering Mill, 6/158, Perundurai Road, Erode-638011.
17. M/s. Alaguram Match Works, No. 23, Muldhar New Street, Kalugumalai, Tirunelveli District.
18. M/s. Shanthi Sales Private Limited, 304A, Trichy Road Singanallur, Coimbatore-5.
19. M/s. Vishal Bharath Calendering Mills, S. F. No. 979, Perundurai Road, Meelappalayam, Erode-630002, Periyar Dist.
20. M/s. Satya Enterprises, 305, Arcot Road, Kadambakkam, Madras-24.
21. M/s. D. D., 348, Gudalur Kallar Milk Supply Society Ltd., Gudalur Madurai District.
22. M/s. Anuradha Engineering Works, 11, Chollai Road, Madras-600007.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments.

[No. S-35019(168)/86-SS-II]

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1986

का. आ. 3342:—जैसे कि मद्रास फर्टीलाइजर लि., मनाली. मद्रास-600068 (टी. एन./7929) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1951 का 9) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी किसी पृथक् अधिवाय या प्रेमियम का सन्वाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कैम की सामूहिक बीमा स्कैम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निधि सहज बीमा स्कैम, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कैम कहा गया है) के अधीन अनुभूति है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3665 तारीख 19-7-1983 के अनुसरण में और इससे उपबन्ध अनुसूची में निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापना को, 24-9-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-9-1989 या सम्मिलित है, उक्त स्कैम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिलनाडु को ऐसा विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसा सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की सम्पत्ति के 15 दिन के भीतर सन्वाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कैम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रेमियम का सन्वाय सेवाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभावों का सन्वाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्वत करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्वय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्वय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्वाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिलनाडू के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्वाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्वाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्वाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्वाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्व वाले की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/12/83/जी.एफ-2/एसएस-2]

New Delhi, the 10th September, 1986

S. O. 3343.—Whereas Messrs Madras Fertilizers Limited, Madras-600058 (TN/7929) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds

and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3663 dated the 19-7-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-9-1986 upto and inclusive of the 23-9-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life



Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/12/83-PF.II-SS.II]

का. प्र. 3344 :—मैसर्स श्री राम बियरिंग लि., 3-ए, शैक्स-पियर सारनी, कलकत्ता-700071 ( इन्स्यू. बी./11415 ) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है ) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन, के कर्मचारी किसी पृथक इच्छाया या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना श्री, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं व ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निशेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 ( जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है ) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

इतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भ्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्र. 3654 तारीख 25-7-1983 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-9-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-9-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पश्चिम बंगाल को ऐसे विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्वयण, निरीक्षण प्रसारों का सन्दाय इति श्री है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम गुरस्त

दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर उक्त स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संभवे होनी जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दातों रकमों के प्रतिकर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पश्चिम बंगाल के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपनी अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों की अपनी वृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिपूर्वक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा निम्न तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहा है, और नातिगों को व्यय हो जाते दिखा जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम को दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण होने की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014/85/83पी. एक.-2/एस./एस.-2]

S.O. 3344. Whereas Messrs Shri Ram Bearing Limited, 34 Shakespears Sarani, Calcutta-700071 (WB/11415) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in Conti-

uation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3654 dated the 25-7-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-9-1986 upto and inclusive of the 23-9-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any

case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/85/83-PF-II-SS-II]

का. आ. 3345—मैसर्स जे. बी. इलेक्ट्रोनिक्स लि., 808-9, मेवडूत, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110010 (घो. एन./3832) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थान कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थान के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रविधिम का सन्दाय किए बिना हो, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम को सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निधन सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1896 तारीख 30-3-1983 के अनुसरण में और इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 6-4-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 5-4-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त देहली को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निरिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक माम का समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निरिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमति सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थान को भविष्य निधि का पट्टे हो सक्ता है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम

के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/वाम निर्दिष्टों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक विधायि आयुक्त वेदनी के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किंगी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमय अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है और पालिसी का ब्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्दिष्टियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्दिष्टी/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं० एस-35014/82/83/पी. एक-2/एस एस-2]

S.O. 3345.—Whereas Messrs J. V. Electronic Limited, 808-9, Meghdoot, 90 Nehru Place, New Delhi-110019 (DL/3832) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 1896 dated the 30-3-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 6-4-1986 upto and inclusive of the 5-4-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts,

submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employees, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/82/83-PF-II-SS-II]

का. आ. 3346:—मैसर्स मैरियार जिन्ना को-ऑपरेटिव स्पिनिंग मिल्स लि., पोस्ट बॉक्स नं. 8, धरपुरम-638656 (टी. एन. 5544) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिधाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निवेश सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) कि अधीन अनुश्रेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अन्तर्गत मंत्रालय की अधिवृत्त संख्या का. आ. 2320 तारीख 6-5-1983 के अनुसरण में और इसके उपाध्याय अनुपूर. में निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 21-5-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 20-5-89 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिनों के भीतर सन्ध्या करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं की रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्ध्या, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभावों का सन्ध्या आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्ध्या करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुप्राप्त हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्ध्या रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में सन्ध्या होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्ध्या करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि हित कारणवश नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा निरत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्ध्या करने में असफल रहता है और पारितो को व्यय हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्ध्या में किए गए किसी व्यक्ति-कर्म की दशा में उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों की जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्ध्या का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हक्दार नाम-निर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्ध्या सत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014/118/83/पी. एफ-2/एस एस-2]

S.O. 3346.—Whereas Messrs. The Periyar District Co-operative Spinning Mills Limited, Post Box No. 8, Dharpuram-638656 (TN/5544) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in Continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2320, dated the 6-5-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 21-5-1986 upto and inclusive of the 20-5-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the em-

employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled to it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/118/83-PF.II-SS.II]

का. आ. 3347 मैसर्स-स्टील स्ट्रिप्स लि. एस-सी. प्रो-49-50, मैट्टर-26 मध्य मार्ग चण्डीगढ़ (पी.एम./5431) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए प्रार्थना किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पथक प्रभिताय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त कर्मचारी विशेष महबूब बीमा स्कीम 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभूत हैं;

अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3975 तारीख 22-8-1983 के अनुसरण में और इससे उपाबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को 22-10-86 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 21-10-89 भी सम्मिलित है उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब को रेफरी विवरणों में जेनेरा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निश्चित करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निश्चित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम से छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्दाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होत तो नियोजक कर्मचारी के विधिक के वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिभूत के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कहीं संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तिपुस्तक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भविष्य भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी व्यपगत हो जाने दिया जा है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य का मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्पराता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/118/83/पी. एक 2/एस एस -2]

S.O. 3347.—Whereas Messrs Steel Strips Limited, S.C.O. 49-50, Sector-26, Madhya Marg, Chandigarh (PN/5431)

(hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in Confirmation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3975 dated the 22-8-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 22-10-1986 upto and inclusive of the 21-10-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas, an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life

Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/168/83-PF. II-SS-III]

का. प्र. 3348 मेमबेराजण ओटो लि, अमृतसर, पुना-411035.

(एम. एच./3795) (जिसे हमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 14) (जिसे हमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए वे कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधेय सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उद्धे अनुशेष हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा-2क द्वारा प्रस्तावित शर्तों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपायधन अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीनों वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्ता, पुना को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखें रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की सामान्य के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा 3-क खण्ड क के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों संवाह आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब सभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुद्रा बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाध्य प्रायश्चित्त प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उम्र दशा में संदेय होगी जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रति-फल के रूप में दोनों के प्रत्येक के उदाहरण रकम का संदेय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रारंभिक भविष्य निधि आयुक्त, पुना के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रारंभिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिपूर्ण अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाँका है यह इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को वापस हो जाने दिया जाँका है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय सत्परा से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एम. -35014/241/86-एस. एस-2]

S.O. 3348.—Whereas Messrs Bajaj Auto Limited, Akurdi Poona-411035 (MH/3795) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Poona and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Poona and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/241/86-SS-II]

का. आ. 3349.—नेसर्स एम. के. विविंग फैक्ट्री, 207, आई. ए. ए. लुधियाना, (पी. एन./481) (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपग्रह अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिले जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निवेश राहत बीमा स्कीम, 1976) (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा-2क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उदाहरण अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।



## अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, लुधियाना की ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा 3-क के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रसारों संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि या या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम पुरस्त रज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्स करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधेय वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, लुधियाना के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देना।
9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम का उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।
10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।
11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये व्यक्तिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न बी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हफ्तवार मास निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्पश्चात से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं.एस.-35014(242)/86-एस. एस. -2]

S.O. 3349.—Whereas Messrs S. K. Weaving Factory, 207 IAA Ludhiana-3 (PN/481) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employee than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of



assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employee.

12 Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/242/86-SS-III]

का. आ. 3350:—मैसर्स मद्रास इन्डस्ट्रियल लाईनिंग लि., 425 पैनथियन रोड, एगमोरे, मद्रास-600008 (टी. एन./6993) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निधेय सहृदय बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभोग्य हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम मंत्रालय का अधिसूचना संख्या का. आ. 2792 तारीख 13-7-1982 के अनुसरण में और इससे उपायध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 31-7-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 30-7-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिलनाडु को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रश्नों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रश्नों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की आने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभोग्य हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्दाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिभर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तामिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अतः किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वही, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्ति होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारिख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपणन हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों की जो यदि यह, छूट न बी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हफ्तवार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/240/86-एस. एस.-2]

S.O. 3350.—Whereas Messrs Industrial Linings Limited, 425 Panthion Road, Egmore, Madras-600008 (TN/6993) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2792 dated the 13-7-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 31-7-1985 upto and inclusive of the 30-7-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/248/86-SS-II]

क्र. आ. 3351. सैमर्स वी प्रीमियर ओटोमोबाइल लि., एल. बी. एस. मार्ग, कुरुता, बम्बई-400070 (एम. एच./74) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिधाय या प्रीमियम का भन्दाव्य किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहज बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 4669 तारीख 28-11-1983 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 24-12-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 23-12-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्विष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रचारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन भन्दाव्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में सन्दाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिका वारिस/नामनिर्देशिता को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिपूर्वक अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो वह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत हारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिक म की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न बं गरी होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/270/83-पी. एफ.-2/एस. एस.-2]

S.O. 3351.—Whereas Messrs The Premier Automobiles Limited, LBS Marg, Kurla, Bombay-400070(MH/74) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4669 dated the 28-11-1983 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 24-12-1986 upto and inclusive of the 23-12-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits

available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/270/83-PF. II-SS-II]

का. आ. 3352.—मैसर्स प्रीमियम मोटर्स लि., (कैमिकल्स डिविजन) (जो पहले तुलसी फाइन कैमिकल्स इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लि., के नाम से जाना जाता था) 97-वी, भीमारी इन्डस्ट्रियल एरिया, भीमारी पुता-411026 (एम. एच./12495) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपाध्य अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिराय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की भावूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निवेश महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुभव हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 731 तारीख 17-12-1982 के अनुमरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 29-1-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 28-1-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण

के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निविष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्वाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निविष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्वाय लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का सन्वाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्वत करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्धेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में सन्धेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्वाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपनी अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपनी दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्वाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्वाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वक्ता में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्वाय का उच्चरसायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों/

विधिक वारिसों को उस राशि का सन्वाय तत्परता से और प्रत्येक वक्ता में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/304/82/पी. एफ.-2/एस. एम.-2]

S.O. 3352.—Whereas Messrs Themax Private Limited, (Chemical Division) (Formerly known as Tuls Fine Chemical Industries Private Limited) 97-B, Bhosari Industrial Area, Bhosari, Poona-411026 (MH/12495) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 731 dated the 17-12-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 29-1-1986 upto and inclusive of the 28-1-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and

where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/304/82-PF-II-SS-II]

का. भा.—3353 मेंसेस एम् विनोद सिल्क मिल्स प्राइवेट लि., अशोक रोड, अशोक नगर, कान्दीवाली (पूर्व) बम्बई-400101 (एम.एच./20690) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) में कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान ही गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पञ्चक अधिदाय या प्रीमियम का सम्भाव्य किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निवेश सहज बीमा स्कीम 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुजैय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.भा. 922 तारीख 28-12-82 के अनुसरण में और इसके उपबन्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट बातों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 12-2-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 11-2-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को ऐसी निगरानियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का यन्त्रण, निरीक्षण प्रचारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाकत प्राथमिक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से बढ़ि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसूच्य

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी गति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने विजय जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राजि के हकदार नामनिर्देशिनी विधिक वारिसों को उस राजि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/471/82/पी.एफ.-2/एस एस-2]

ए. के. महाराष्ट्र, एमर सचिव

S.O. 3353.—Whereas Messrs The New Vinod Silk Mills Private Limited, Chakravarti Ashok Road, Ashok Nagar, Kandivali (East) Bombay-400101 (MH/20690) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making

any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 922 dated the 28-12-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 12-2-1986 upto and inclusive of the 11-2-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employers' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/471/82-PF-II-SS-II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1986

का.प्रा. 3354—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि जनहित में यह आवश्यक है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट उद्योग, भारत सरकार ढकसाण, अलीपुर, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ लोकोपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) की उपधारा (vi) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ छह माह की अवधि के लिए तत्काल लोकोपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फाइल संख्या एम-11017/6/85-डी-1(ए)]

New Delhi, the 11th September, 1986

S.O. 3354.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the industry, India Government Mint, Alipur, Calcutta, specified in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/6/85-D.I(A)]

NAND LAL, Under Secy.

का.प्रा.3355—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (vi) के उपखण्डों के अनुसरण में भारत सरकार के अम मन्त्रालय की अधिवृत्त सख्या का.प्रा. 1434 दिनांक 20 मार्च, 1986 द्वारा जिक उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 मार्च, 1986 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (vi) के परस्पर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 सितम्बर, 1986 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फाइल सं. एस-11017/9/85-डी-1(ए)(1)]

New Delhi, the 11th September, 1986

S.O. 3355.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1434 dated the 20th March, 1986, the Zinc Mining Industry to a public utility service for a period of six months, from 20th March, 1986;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period to six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 20th September, 1986.

[F. No. S-11017/9/85-D.I(A)(i)]

का. प्र. 3356.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखण्ड (vi) के उपखण्डों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्र. 1435 दिनांक 20 मार्च, 1986 द्वारा शीशाखन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 24 मार्च, 1986 से छह मास की कालावधि के लिए उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखंड (iv) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 24 सितम्बर, 1986 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एन—11017/9/85-डी-1(ए)(ii)]

नन्द लाल, अवर सचिव

S.O. 3356.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1435 dated the 20th March, 1986, the Lead Mining Industry to be a public utility service for a period of six months, from the 24th March, 1986 ;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 24th September, 1986.

[No. S-11017/9/85-D.I(A)(ii)]

NAND LAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1986

का. प्र. 3357.—प्रमजीवी पत्रकारों के लिए गठित मजदूरी बोर्ड के स्वतंत्र सदस्य, श्री एम. बी. देसाई, ने उक्त बोर्ड की सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया है ;

और केन्द्रीय सरकार ने श्री सुब्रह्मण्या के त्यागपत्र की 28 अगस्त, 1986 से स्वीकार कर लिया है ;

अतः अब प्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार पत्र कर्मचारी मजदूरी बोर्ड नियम, 1965 के नियम 13 के उपनियम (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार घोषणा करती है कि उक्त बोर्ड के सदस्य, श्री सुब्रह्मण्या द्वारा धारित पत्र 28 अगस्त, 1986 से रिक्त समझा जाएगा।

[सं. प्र. 24032/7/85-डब्ल्यू. बी.(i)]

New Delhi, the 11th September, 1986

S.O. 3357.—Whereas Shri R. K. A. Subrahmanya, an independent member of the Wage Board for the Working Journalists has resigned his membership of the said Board;

And whereas the resignation of Shri Subrahmanya has been accepted by the Central Government with effect from the 28th August, 1986;

Now, therefore, in pursuance of sub-rule (1) of rule 13 of the Working Journalists and other Newspaper Employees Wage Board Rules, 1956, the Central Government hereby declares that the seat held by Shri R.K.A. Subrahmanya, a member of the said Board shall be deemed to have fallen vacant with effect from the 28th August, 1986.

[F. No. V. 24032/7/85-WB(i)]

का. प्र. 3358.—नैऋ पत्रकार समाचार पत्र कर्मचारियों के लिए गठित मजदूरी बोर्ड के स्वतंत्र सदस्य, श्री एम. बी. सुब्रह्मण्या ने उक्त बोर्ड की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है ;

और केन्द्रीय सरकार ने श्री एम. बी. सुब्रह्मण्या का त्यागपत्र 28 अगस्त, 1986 से स्वीकार कर लिया है ;

अतः अब प्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार पत्र कर्मचारी मजदूरी बोर्ड नियम, 1956 के नियम 13 के उपनियम (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि उक्त बोर्ड के सदस्य श्री एम. बी. सुब्रह्मण्या द्वारा धारित पत्र 28 अगस्त, 1986 से रिक्त समझा जाएगा।

[का. सं. बी - 24032/7/85 - डब्ल्यू. बी-(ii)]

S.O. 3358.—Whereas Shri R.K.A. Subrahmanya, an independent member of the Wage Board for non-journalist newspaper employees has resigned his membership of the said Board;

And whereas the resignation of Shri R.K.A. Subrahmanya has been accepted by the Central Government with effect from the 28th August, 1986;

Now therefore, in pursuance of sub-rule (1) of rule 13 of the Working Journalists and other Newspaper Employees Wage Board Rules, 1956; the Central Government declares that the seat held by Shri R.K.A. Subrahmanya, a member of the said Board shall be deemed to have fallen vacant with effect from the 28th August, 1986.

[F. No. V. 24032/7/85-WB(ii)]

का. प्र. 3359.—प्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचारपत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) प्रकीर्ण उपखंड अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की धारा 9 के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री एम. बी. देसाई को प्रमजीवी पत्रकारों के लिए गठित मजदूरी बोर्ड के स्वतंत्र सदस्य नियुक्त करती है और इस प्रयोजनार्थ भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 17 जुलाई, 1985 की अधिसूचना संख्या का. प्र. 527(घ) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् -

उक्त अधिसूचना के सारण अं. क्रमांक 6 और इससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् -

| 1 | 2                  | 3                |
|---|--------------------|------------------|
| 6 | श्री एम. बी. देसाई | स्वतंत्र व्यक्ति |

2. श्री एम. बी. देसाई की नियुक्ति उनके पदमार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।

[प्र. सं. बी - 24032/7/85 - डब्ल्यू. बी.(iii)]



S.O. 3359.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of section 9 of the Working Journalists and other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 (45 of 1955), the Central Government hereby appoints Shri M. V. Desai as an independent Member on the Wage Board for working journalists; and for that purpose makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 527(E), dated the 17th July, 1985, namely :—

In the said notification, in the table, for serial number 6 and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

| 1 | 2                | 3                   |
|---|------------------|---------------------|
| 6 | Shri M. V. Desai | Independent person. |

2. The appointment of Shri M. V. Desai shall take effect from the date he assumes the charge.

[No. V. 24032/7/85-W.B.(iii)]

का. घा. 3360.—अमजीवी पत्रकार और अन्य समाचारपत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की धारा 13ग के खंड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री एम. वी. देसाई को गैर-पत्रकार समाचारपत्र कर्मचारियों के लिए गठित मजदूरी बोर्ड के स्वतंत्र सदस्य नियुक्त करती है और इस प्रयोजनार्थ भारत सरकार के अम संसाधन की तारीख 17 जुलाई, 1985 की अधिसूचना संख्या का. घा. 528(अ) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की सारणी के क्रमांक 6 और इससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

| "1 | 2                  | 3                  |
|----|--------------------|--------------------|
| 6  | श्री एम. वी. देसाई | स्वतंत्र व्यक्ति " |

2. श्री एम. वी. देसाई की नियुक्ति उनके पत्रकार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।

[का. सं. वी- 24032/7/85—इस्पू-वी-(IV)]  
बिशम्भर नाथ, अधर सचिव

S.O. 3360.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of section 13C of the Working Journalists and other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 (45 of 1955), the Central Government hereby appoints Shri M. V. Desai as an independent Member on the Wage Board for non-journalist newspaper employees; and for that purpose makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, No. S.O. 528(E), dated the 17th July, 1985, namely :—

In the said notification, in the table for serial number 6 and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

| 1 | 2                | 3                  |
|---|------------------|--------------------|
| 6 | Shri M. V. Desai | Independent person |

2. The appointment of Shri M. V. Desai shall take effect from the date he assumes the charge.

[No. V. 24032/7/85-WB(IV)]

BISHAMBHAR NATH, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1986

का. घा. 3361.—समाज वारिषमिक अधिनियम, 1976 की धारा 6 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्रीमती प्रीति लता त्रिपाठी को न्यायाधिकार समिति का

सदस्य नामित करती है और दिनांक 25 जनवरी, 1986 के भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 308 से 309 में प्रकाशित दिनांक 6 जनवरी, 1986 की भारत सरकार, अम संसाधन की अधिसूचना संख्या का. घा. 269 में निम्नलिखित शामिल किया जाएगा, अर्थात्—

45. डा. (श्रीमती) प्रीति लता त्रिपाठी,  
6, तालकटोरा रोड,  
नई दिल्ली-110001

[का. सं. एच - 42025/49/84 - महिला सौल]

अशोक नारायण, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 12th September, 1986

S.O. 3361.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 6 of the Equal Remuneration Act, 1976, the Central Government hereby nominates Shri-mati Priti Lata Tripathi as a member of the Advisory Committee and makes the following additions in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 269, dated the 6th January, 1986 published at pages 309 to 311 of Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, dated the 25th January, 1986.

In the said notification, the following shall be added, namely :—

45. Dr. (Smt.) Priti Lata Tripathi,  
6, Talkatora Road,  
New Delhi-110001.

[F. No. S-42025/49/84-Women's Cell]  
ASHOK NARAYAN, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1986

का.घा. 3352.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, पेन्च ऐरिया से सम्बन्धित उनकी इक्लेहरा कोलरी, पी. इक्लेहरा, जिन्सा छिन्दवारा (म.प्र.) के प्रबंधन से सम्बन्धित निरीक्षणों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3 सितम्बर, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th September, 1986

S.O. 3362.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Ltd., Panch Area in relation to their Eklehra Colliery P.O. Eklehra, Distt. Chhindwara (MP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case No. CGIT/LC(R)(25)/1984

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Eklehra Colliery, Panch Area, W.C. Ltd., P.O. Eklehra, Distt. Chhindwara (MP) and their workman Shri Harihar S/o Shri Shyamrao, DPR represented through the MPKKM Panchayat (HMS) P.O. Junnardeo, Distt. Chhindwara (MP).

#### APPEARANCES:

For Workmen—Shri G. N. Shah  
For Management—Shri P.S. Nair, Advocate.

INDUSTRY: Coal Mining DISTRICT: Chhindwara (MP)



## AWARD

Dated August 29, 1986

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour for adjudication of the following dispute vide Notification No. L-22011(41)/83-D. III(B)|D(V) dated 26th April, 1984:—

“Whether the action of the management of WCL, Pench Area in relation to their Eklehra Colliery in terminating the services of Shri Harihar S/o Shyamrao, D.P.R. with effect from 13-3-1978 is justified? If not to what relief is the workman entitled?”

2. In view of my order dated 10th February 1986 which is Annexure A of this award, I gave an opportunity to the parties to adduce evidence and prove or disprove the misconduct before me. Parties stated that they have already adduced evidence in this regard and they rely on the same. I, therefore, proceed to examine whether misconduct is proved or not in the light of the following issues framed by my learned predecessor.

## ISSUES

1. Whether the action of the management of WCL Pench Area in relation to their Eklehra Colliery in terminating the services of Shri Harihar S/o Shyamrao D.P.R. with effect from 13-3-1978 is justified?

2. If not, relief and costs?

## FINDINGS WITH REASONS:

3. Management has examined Uma Shankar Singh (MW1) who proved the notice of termination dated 17-3-1978 (Ex. M|1). His statement is that the workman Harihar absented himself from duty from 2-11-1977 without giving application or intimation. Therefore his services were terminated vide notice dated 17-3-1978 (Ex. M|1) In his cross-examination he stated that notice Ex. M|1 was sent by registered A.D. to the workman on 27-3-1978 as per the despatch register. It appears that the A.D. receipt has not been received back. He has, however, stated that it was only after about four years of termination that the workman came and wanted reinstatement. The prosecution has also relied on the copies register of leave account for the years 1977-78 and the bonus register Ex. M|3 for the same years.

4. In rebuttal workman Harihar examined himself alone. Before I take up his statement it will be useful to mention what were his pleadings in this regard. His case was that he had fallen sick and was under treatment of outside doctors with effect from November 1977 to April 1978 at his home place. He was on leave and came with medical certificate and submitted the same on 25-4-1978 but the management had terminated his service well in advance from 13-3-1978 without notice and enquiry. Now firstly he states that in the winter 1977 he had gone home where he got Malaria which turned into Typhoid and he was ill for about three years. This belies his very pleading that he was only ill from November 1977 to April 1978 i.e. about five months but now he says that he was ill for about three years. Next he says that he was treated privately so he did not bring any medical certificate. This is also contrary to his pleading that he gave and submitted his medical certificate on 25-4-1978. But he again turned turtle on a leading question and stated that he had brought the medical certificate and had given it to the Manager, Shri Kallan, and on his asking he had left the same on his table. Next in his cross-examination he stated that he had gone on seven days leave after it was sanctioned but before the expiry of leave he fell ill. Therefore he had applied for further leave for two weeks. This was neither pleaded nor any evidence adduced to prove the leave application. His statement clearly goes to show that he is changing the stand from time to time. As such he is not telling the truth. In fact as the management has adduced evidence, it appears the workman had absented himself without leave from 2-11-1977 which amounts to misconduct within the meaning of Clause (n) Sub-clause (i) of Clause 18 of the Standing Orders.

5. In the circumstances I find that the termination of the workman, Shri Harihar S/o Shri Shyamrao, DPR with effect from 13-3-1978 is justified. In view of the period of his absence and his conduct punishment awarded appears to be also just and proper. The workman concerned is not entitled to any relief or costs of these proceedings. Issues are decided accordingly and the reference is answered as under:—

That the action of the management of WCL, Pench Area in relation to their Eklehra Colliery in terminating the services of Shri Harihar S/o Shyamrao, D.P.R. with effect from 13-3-1978 is justified and he is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer.

## ANNEXURE 'A'

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case No. CGIT|LC(R) (25)|1984

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Eklehra Colliery, Pench Area, WC Ltd. P.O. Eklehra, District Chhindwara (MP) and their workman Shri Harihar S/o Shri Shyamrao, D.P.R. represented through the M.R.K.K.M. Panchayat (HMS) P.O. Junnardeo, Distt. Chhindwara (MP).

## APPEARANCES:

For Workmen—Shri G. N. Shah.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY: Coal Mining DISTRICT: Chhindwara (MP)

## ORDER

Dated February 10th, 1986

This is a reference made by the Govt. of India in the Ministry of Labour for adjudication of the following dispute vide Notification No. L-22011(41)/83D.III(B)|D.(V) dated 26th April, 1984:—

“Whether the action of the management of WCL, Pench Area in relation to their Eklehra Colliery in terminating the services of Shri Harihar S/o Shyamrao, D.P.R. with effect from 13-3-1978 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. Non-controversial facts of the case are that Shri Harihar was permanent (Group) worker of D.P.R. (Gang) of Eklehra Colliery. He was absent from duty from 2-1-1977 onwards. His services were therefore terminated with effect from 13-3-1978 by way of automatic termination under Clause 19 of the Standing Orders.

3. The case of the applicant workman is that he had fallen sick and was under treatment by outside Medical Doctor from November 1977 to April 1978 at his home place. He was on leave and came with the Medical certificate to resume duties. He submitted his Medical Certificate but his services were already terminated.

4. His services were thus terminated without any notice or enquiry. In similar case learned predecessor this Tribunal had set aside the order of termination in case No. CGIT|LC(R)(26)|1982.

5. The case of the management is that the workman neither sent any application for leave nor intimated his absence. Even after his termination he kept quiet for six years. His services were terminated under Cl. 19 of the certified Standing Orders. In any case absent without leave constitutes a misconduct. In mining industry absence causes serious difficulty in the industry. The management intimated the workman regarding automatic termination of his service. Action of the management is justified as was held by the

Presiding Officer of this Tribunal in Case No. CGIT/LC(R) (9)/79.

6. The management has relied on Ex M/1 notice of termination dated 13-1-78/17-3-78, Register of leave Account of the workman (Ex. M/2), Bonus Register Ex. M/3 and the statement of their employee Uma Shankar Singh (M.W.1). Uma Shankar Singh has proved notice Ex. M/1 and stated that the workman neither sent any intimation nor obtained leave.

7. On the other hand, workman Harihar (W.W. 1) has stated that he fell ill and he was ill for three years. When he got alright he came to work but the management did not allow him to join duty. However contrary to this he stated that he had obtained leave before going home and he had filed a Medical Certificate on return. But no such Medical Certificate or receipt etc. for the same is filed. From the above evidence, it is proved that he was appointed on 12-1-74 (Ex. M/3) and thus he was a permanent workman of the management within the meaning of Sub-Clause (5) of Clause 3 of the Standing Orders. It is further proved that he had absented himself without leave or intimation from the aforesaid date.

8. On behalf of the management reliance is placed on Clause 19 and Sub-clause 1(n) of Clause 18 of the Standing Orders. The first limb of its contention is that Clause 19 reproduced below lays down that absence from duty without giving any information to the management for more than 30 days automatically terminates the services of the workman :—

"If a workman absents himself without giving any information to the manager for more than 30 days his services will automatically stand terminated."

The second limb of its contention is that Sub-Clause (i)(n) of Clause 18 clearly lays down that "Continuous absence without permission and without satisfactory cause for more than ten days amounts to misconduct. Therefore his services were terminated for misconduct vide order dated 13-1-78/17-3-1978 (Ex. M/1).

9. On behalf of the workman the Union representative has challenged the applicability of the said Standing Orders. I am of the opinion that I need not go through this aspect of the matter for which no proper foundation has been laid by the evidence and production of documents.

10. I have already pointed out that firstly it is proved that the workman Shri Harihar was a permanent workman. Clause 14 of the Standing Orders lays down that for termination of the services of permanent workman having less than one year continuous service as defined in Section 2(oo) of the I.D. Act, 1974 a notice in writing or wages in lieu thereof at the scale indicated below shall be given by the employer :—

(i) For monthly paid workman : One month.

(ii) For weekly paid workman : Two weeks.

Provided no such notice is necessary if his services are terminated on account of misconduct.

Admittedly no such notice or wages in lieu thereof has been given. To may mind the provision of Clause 19 are subject to the condition of Clause 14 being fulfilled. That have not done this Clause 19 of the Certified Standing Order is of no avail to the management.

11. Coming to the second limb of the contention, I find that even if it amounts to misconduct, even then his services could not have been terminated without notice and compensation. There is a procedure laid down for disciplinary action for misconduct in Clause 18, the relevant portion of Sub-clause (1) of Clause 18 is reproduced below for the sake of convenience :—

"A workman may be suspended or fined or his increment may be stopped, or he may be demoted or dismissed without notice, if he is found to be guilty of misconduct."

The same clause under Sub-clause (ii) however lays down as under :—

"18(ii). No order of punishment under Standing Order No. 18(i) shall be made unless the workman concerned is informed in writing of the alleged misconduct and is given an opportunity to explain the allegations made against him. A departmental enquiry shall be instituted before dealing with the charges. During the period of enquiry, the workman concerned may be suspended. The workman may take the assistance of a co-worker to help him in the enquiry if he so desires. The records of the departmental enquiry shall be kept in writing. The approval of the owner, or agent or the Chief Mining Engineer of the employer shall be obtained before imposing the punishment of dismissal."

Sub-clause (iii) and (iv) respectively lay down the procedure in case he is found guilty or not guilty. In this regard the contention of learned Counsel for the management is that dismissal for misconduct under Cl. (n) of Sub-clause (1) of Clause 18 of the Certified Standing Orders amounts to dismissal by disciplinary action under Sec. 2(oo) of the I.D. Act therefore necessary show cause notice and disciplinary action by way of departmental enquiry was not necessary. This contention is without any substance. The word 'disciplinary action' exempted under Section 2(oo) of the I.D. Act to my mind involves the disciplinary action commonly called the departmental enquiry. This plea is perhaps based on the provision of Sub-rule (1) of Cl. 18 of the Standing Orders which says that even dismissal could be without notice but there are qualifying words preceding the words 'dismissed without notice' in case he is found guilty of misconduct. The words 'found guilty' suggests that there ought to be finding of misconduct by way of departmental enquiry before a person could be dismissed without notice for misconduct. Even under clause (h) of clause 9 it has been laid down as under :—

"(h) Notwithstanding anything mentioned above, any workman who overstays his sanctioned leave or remains absent without reasonable cause will render himself liable for disciplinary action."

Thus it is crystal clear that the Standing Orders envisages disciplinary action by way of departmental enquiry and finding of guilt before services of permanent employee could be terminated without notice. It thus cannot be said that termination for misconduct under Clause 18 amounts to dismissal by disciplinary action under Section 2(oo) of the I.D. Act.

12. Section 25-J provides "that the provisions of this Chapter shall have effect notwithstanding anything in any other law" including Standing Orders made under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (XIX of 1946) (Provided that where under the provisions of any other Act or rules, orders or notification issued thereunder or under any standing orders or under any award, contract of service or otherwise a workman is entitled to benefits in respect of any matter which are more favourable to him than those to which he would be entitled under this Act, the workman shall continue to be entitled to the more favourable benefits in respect of that matter, notwithstanding that he receives benefits in respect of other matters under this Act).

(2) for the removal of doubts, it is hereby declared that nothing contained in this Chapter shall be deemed to affect provisions of any other law for the time being enforced in any State in so far as that law provides for the settlement of industrial disputes, but the rights and liabilities of employers and workmen in so far as they related to lay off and retrenchment shall be determined in accordance with the provisions of this Chapter."

13. In the case of Factory Manager C.I.M. Mfg. Co. Ltd. Vs. Naresh Chandra (1985 Lab. I.C. p. 941) the High Court of Madhya Pradesh has observed as under :—

".....in view of the catena of Supreme Court decisions termination of service under Standing Order 11 also will come within the mischief of retrenchment as defined under Section 2(oo) and unless S. 25F is complied with the termination will be void."

14. Both parties have also relied on the Judgments of the predecessors of this Court. Respectfully I submit that the same are not binding on this Tribunal, therefore I need not consider them.

15. Lastly on behalf of the management, it has been contended that in any case as pleaded in the written statement of claim the management be given an opportunity to prove misconduct before this Tribunal as has been laid down in the workmen of Firestone Tyres & Rubber Company and the Management and others (1973-SCLJ (10) 159) :—

"If there has been no enquiry held by the employer or if the enquiry is held to be defective, it is open to the employer even now to adduce evidence for the first time before the Tribunal justifying the order of discharge or dismissal. We are not inclined to accept the contention on behalf of the workmen that the right of the employer to adduce evidence before the Tribunal for the first time recognised by this Court in its various decisions, has been taken away. There is no indication in the section that the said right has been abrogated. If the intention of the legislature was to do away with such a right, which has been recognised over a long period of years as will be noticed by the decisions referred to earlier, the section would have been differently worded. Admittedly there are no express words that effect and there is no indication that the section, has impliedly changed the law in that respect. Therefore, the position is that even now the employer is entitled to adduce evidence for the first time before the Tribunal even if he had held no enquiry or the enquiry held by him is found to be defective. of course, an opportunity will have to be given to the workman to lead evidence contra.

16. In view of the above observations made by their Lordships of Supreme Court I hold that the management is entitled to adduce evidence before this tribunal to prove the alleged misconduct and the workman is entitled to rebut the same by evidence.

17. It is ordered accordingly. Parties are directed to produce their evidence on the date fixed.

Dated : 10-2-1986

V.S. YADAV Presiding Officer  
[No. L-22011/41/83-D. II (B)]

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1986

का.प्र. 3363.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के मलंजखण्ड कॉपर प्रोजेक्ट, मलंजखण्ड, जिला बलाघाट (म.प्र.) के प्रवर्तक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधीकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3 सितम्बर 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th September, 1986

S.O. 3363.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Malanjkhanda Copper Project of Hindustan Copper Ltd., Malanjkhanda, Distt. Balaghat (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V.S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (53) of 1984

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Malanjkhanda Copper Project of Hindustan Copper Ltd. Malanjkhanda, District Balaghat (M.P.) and their workman, Shri R.N. Sindhupe, Clerk-cum-Typist,

represented through the Copper Mines Workers Union; P.O. Malanjkhanda, District Balaghat (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman— Shri P.D. Pathak Advocate.  
For Management— Shri P.S. Nair Advocate.

INDUSTRY : Copper Project DISTRICT : Balaghat (M.P.)

#### AWARD

Dated : August 28, 1986

This is a reference made by the Central Government vide Notification No. L-43012/3/84-D. III. B Dated 21st July, 1984 for adjudication of the following dispute:—

"Whether the action of the management of Malanjkhanda Copper Project of Hindustan Copper Ltd., in striking off the name of Shri R. N. Sindhupe, Clerk-cum-Typist from their rolls with effect from 20-3-83 on his release from Jail, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The material facts in this case are not disputed. The same are that Shri R.N. Sindhupe was working as a Clerk-cum-Typist in the office of the Hindustan Copper Ltd., Malanjkhanda Project. He was absent from duty from 4-12-82 till 11-1-1983 without obtaining prior leave. Subsequently on 11-1-1983 he applied to the management that he was arrested by police and put in Jail for offence under Sec. 376 I.P.C. On trial he was acquitted and released from Jail. On 7-3-1983 he filed an application (Ex. M/3) and on that application the management offered him appointment as a fresh candidate vide Ex. M/4 and he joined on 26-2-1983 vide joining report Ex. M/5. The workman raised the dispute before the A.L.C. (C) Chhindwara through the Union and the management replied vide Ex. W/1. However conciliation failed hence this reference.

3. The case of the management further is that the workman had neither applied for leave nor intimated about his being detained in Jail. On 7-3-1983 the workman had prayed to the management that his services came to an automatic end due to his long absence when he was detained in Jail and he has also lost his lien on his post. He be therefore given a fresh appointment.

4. The management has taken legal objections that the reference is bad. Firstly on the ground that the workman is in employment. As such there is no industrial dispute. Secondly the Union Labour Leader who raised this dispute has no authority to do so. Thirdly the reference gives the wrong date of termination hence reference is bad in law.

5. On the other hand, the case of the workman is that he had intimated the authorities about his being detained in Jail vide Ex. W/2. In spite of his intimation management terminated his services. So when he was released from Jail he approached the authorities but they refused to reinstate him. Ultimately he was told that unless he gives in writing that he is willing for fresh appointment he will not be reinstated.

6. My learned predecessor framed the following issues which with my reasons and findings are as under:—

#### ISSUES

1. Whether the action of the management of Malanjkhanda Copper Project of Hindustan Copper Ltd. in strike off the name of Shri R.N. Sindhupe, Clerk-cum-Typist from their rolls w.e.f. 20-3-1983 on his release from Jail, is justified?

2. Relief.

Findings with Reasons :

7. Issue Nos. 1&2:—Before I take up the issue on merit I would like to dispose of the legal objections first. Simply because wrong date of termination has been mentioned it does not make the reference bad in law. Secondly it is a case of termination which is being challenged in this reference under Sec. 2A of the I.D. Act. So it is immaterial, if he was taken as a fresh appointment. Whether the Union leader concerned had any authority or not it is also immaterial.

8. Coming to the merits of the case it has been contended on behalf of the management that the workman himself had requested that he may be given a fresh appointment. Therefore he is now estopped from raising this dispute. The workman gave his statement on oath and stated that he had to take fresh appointment since he was told that he will be given appointment only if he gives in writing that he accepts fresh appointment. In support of his contention he has filed a copy of the application (Ex. W/3). Ex. M/3 is the photo copy of the application dated 7-3-83 in which the words 'Fresh-C-P' has been written in hand and the rest of the application in type written. These words are wanting in Ex. W/3. This goes to show that the word 'Fresh C-T' were added subsequently perhaps as the workman says that he was compelled to write that he accepts fresh appointment. On behalf of the management Dr. G. K. Mohanty has been examined. But he has not thrown any light on the word 'Fresh C-T' written in the application. I, therefore, see no reason to disbelieve the workman that he was compelled to seek fresh appointment. Therefore there is no question of his being estopped from challenging his termination.

9. Next question arises whether in view of the provision of clause 19(e) of the Standing Orders and Clause 15.5 of the Settlement dated 23-5-1980 the workman is entitled to challenge his termination. It is true that the management has contended that his termination does not amount to retrenchment. As such provision of Section 25F of the I.D. Act has no application as has been held in the case of Binny Ltd. Vs. Presiding Officer Labour Court (1986-I-LJ 237) which in turn had also relied on the pronouncement of the Hon'ble Supreme Court in the case of Buckingham and Karnatak Co. Ltd. Vs. Venkatayya (1963-II-LJ 638). The services of the workman were dispensed with because as the management has stated that he had absented himself from duty without due permission as laid down in Clause 19(e) of S. Orders and Clause 15.5. Annexure IX of Settlement dated 23-5-80, both reproduced below:—

Clause 19(e) of Standing Orders :

"If a workman remains absent without permission or struck off from the rolls of the Company unless he overstates the period of leave originally granted or subsequently extended he shall lose lien on his appointment and his name will automatically stand returns within ten days of the expiry of the leave or the date from which he absented and explains to the satisfaction of the management his absence without permission or inability to return on the expiry of the leave."

Clause 15.5 of the Agreement dated 23-5-80 :

"15.5. If a workman remains absent unauthorisedly for more than 10 days continuously he shall be deemed to have lost his lien on his appointment unless he—

- (a) returns within 10 days of the date of his losing the lien; and
- (b) explains to the satisfaction of the Management the reasons for unauthorised absence."

It is true that the above provisions provide for automatic termination of the service of the workman in cases of unauthorised absence for a particular period. But it also lays down that if he returns and explain to the satisfaction of the management his services may not be terminated. The workman in this case has proved his application (Ex. W/2) sent from Jail dated 20-5-1982. This shows that he had intimated the authority about the cause of his absence. In such circumstances the management ought to have considered that his explanation is satisfactory for his unauthorised absence. Therefore the act of the management to treat his termination valid and give him fresh appointment does not appear to be justified and proper.

10. As a last resort, the management has contended that whether to reinstate or give a fresh appointment is a managerial function and it does not amount to industrial dispute. I am unable to agree. Section 2(00) of the I.D. Act while defining 'retrenchment' exempts cases of disciplinary action from its purview. To dispense with the services of a

workman under Clause 19(e) of the Standing Orders amounts to a disciplinary action in which no domestic enquiry has been held as has been laid down in the case of M/s. Firestone Tyres & Rubber Factory Ltd., (CIR 1973 SC 1227). Therefore this Court under Sec. 11-A of the I.D. Act can consider the propriety of the action taken as if it is a case of dismissal where no domestic enquiry has been held. The management has not prayed in their written statement seeking opportunity to prove misconduct before this Tribunal. Therefore firstly they are not entitled to the same and secondly in any case parties have led evidence and from the evidence on record I find that the workman was confined in Jail and he has intimated this fact to the management. Therefore it does not amount to misconduct. In any case, his explanation should have been taken to be satisfactory. Therefore his termination is improper and bad in law. Consequently I answer the reference as under :—

That the action of the management of Malankhand Copper Project of Hindustan Copper Ltd., in striking off the name of Shri R.N. Sindhupe, Clerk-cum-Typist from their rolls with effect from 20-3-83 (Correct date of termination is dated 20-8-82) on his release from Jail is not justified. Instead of being given a fresh appointment he should have been reinstated with effect from 20-8-1982 with full back wages and all other ancillary benefits and continuity of service. No order as to costs.

Dated : 28-8-1986.

V.S.YADAV, Presiding Officer  
(No. L-43012/3/84-D. III (B))  
V.K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1986

का.घा. 3364.—औद्योगिक विवाद प्रक्रियाम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से सम्बन्ध नियोक्ताओं और उनके कर्मचारों के बीच, प्रमुख में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण कायपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th September, 1986

S.O. 3364.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st September, 1986.

ANNEXURE

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

I.D. No. 215 of 1983

Reference No. L-12012/226/82-D.II(A) dt. 28-6-83

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Sukhjitt Singh C/o The Deputy General Secretary State Bank Employees Association 2/363, Narnahr, Agra.

AND

The Regional Manager, Regional Officer, Region-I State Bank of India, Hotel Lauris, Agra.

APPEARANCE :

Shri V. K. Gupta—representative for the workman.

Shri P. K. Gupta—representative for the Management.

## AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour vide its notification no L-12012/226/82-D.II(A) dated 28-6-83, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the management of the State Bank of India in relation to its Kirauli Branch Agra in terminating the services of Shri Sukhjit Singh, sub Staff, with effect from 27th June, 1982 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. It is common ground that the workman has been given permanent appointment in the management bank from 27-3-85, hence the case remains about the past benefits and hence remains for seniority of the service. The case of the applicant is that he was appointed in the bank as guard against regular and permanent vacancy on 23-11-1980 which vacancy had arisen on account of retirement of some permanent hand. During this period 22-11-80 to 2-7-82, according to the workman he worked for more than 240 days but according to the management he worked for only 223 days. It is further averred that after the termination of one Narain Singh was appointed as casual and on day to day basis and the workman was not allowed to continue. The workman has challenged his termination on the ground that he was neither given appointment letter, termination letter nor notice pay was given to him and that his termination was in contravention of provision of section 25 G & H of the I.D. Act. In the end it is averred that though he was initially appointed on 22-11-80 he was given artificial breaks in order to deprive the workman to put in continuous service.

3. The case of the management is that the services of the workman were terminated as his services were no longer required in relieve arrangement and on that account none of the provisions of the law have been contravened.

4. On behalf of the management one Shri V. K. Pushp, Regional Manager appeared in the witness box and gave his affidavit as evidence. He has deposed that the workman as engaged as Badli Guard and worked only for relief arrangement and that he was initially absorbed on 27-3-85 hence his application becomes infructuous.

5. In the joint inspection report filed shows that besides workman who was a temporary guard, there were other temporary guards namely Dhani Ram and one more person was appointed as guard after the termination of the workman. Thus in view of the provision of 25-H of the I.D. Act workman should have been called for reappointment and new hand Narain Singh should have not been appointed when the work was there, this shows unfair labour practice so that the workman may not acquire temporary status even after completing 240 days of work, thus the termination of the workman on this count alone is rendered illegal.

6. Shri Pushp has admitted in cross examination that the workman was temporary employee of the bank.

7. On the other hand the workman has given his affidavit. In his affidavit he stated that he was appointed in the vacancy of Chandan Singh Guard and that when he was initially appointed there were three permanent guards and the two temporary guards including him. He has denied management's suggestion that he worked only in leave vacancy rather he has averred that he was getting full month pay, when one Dayal Singh was also working with him and was temporary.

8. Appointment of Shri Narain Singh after the termination of the workman was illegal as the workman having worked in leave vacancy should have been allowed to continue and had that been done it is likely that he might have acquired the status of temporary workman by completing 240 days of work.

9. In any view of the matter the termination of the workman being illegal for not continuing him and appointing another guard after his termination the termination of the workman w.e.f. 27-6-82 becomes illegal and he is entitled to be reinstated with full back wages from that date till his permanent absorption on 27-3-85.

779 GI/86—15

10. I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Govt. for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/226/82-D.II(A)]

का.भा. 3365.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधकों से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st September, 1986.

## ANNEXURE

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING  
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 203/83

Reference No. L-12012/210/82-D.II(A) dated 28-7-83

In the matter of dispute

BETWEEN

Shri Kanchan Singh C/o Shri V. K. Gupta 2/363 Namnair, Agra;

AND

The Regional Manager, Region I State Bank of India, Lauris Hotel, Agra.

Shri V. K. Gupta—for the workman.

Shri P. K. Gupta—for the management.

## AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/210/82-D.II(A) dt. 28-7-83, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal;

Whether the action of the management of State Bank of India, Region No. 1, Agra in relation to its Ferozabad Branch in keeping Shri Kanchan Singh as daily wage employee from 4-10-80 and not absorbing him in the bank's service is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. The case of the applicant is that he was appointed as messenger cum water boy on Rs. 7 per day which was later increased to Rs. 8 per day and presently was Rs. 10 per day and that he was working continuously as such from 4th October, 1980 till the date of claim statement i.e. April 1984. The management did not absorb him regularly nor called him for interview held in Regional Manager's office in 1981 and a number of new hands were appointed. That since 1980 the workman had worked for more than 240 days in every calendar year yet his absorption was not considered. In the end it is prayed that the action of the management bank is unfair, unjust and illegal amounting to victimisation and unfair labour practice hence he be reinstated in service with full back wages.

3. The management contested the application on the ground that the workman was never appointed as messenger or water boy rather he was engaged at Ferozabad branch for filling waters in pitchers and for this purpose he was paid Rs. 8 per day. The management admits that the workman worked for 240 days in a calendar year but as he was engaged as daily wagers hence he was not entitled to any benefit under the industrial dispute act or under any settlement.

4. Management supplied information required under Sec. 11 of the act that the workman was paid bonus on 18-8-81, 9-5-82 and 19-4-83 and the interview issued to the workman is not available, that no service book or register is maintained and no list of temporary employee is available.

5. The workman has filed certificate issued by the branch manager on 1-11-84 in which management under the signatures of the branch manager clearly admitted that workman Shri Kanchan Singh is an employee of the State Bank of India Ferozabad branch.

6. On behalf of the management Regional Manager Shri V. K. Pushap gave his affidavit evidence testifying the contents of the written statement. He stated in cross examination that the workman was still working at management's Ferozabad branch for bringing water on casual contract basis and filling pitchers and coolers. He admits that the workman was paid bonus but it was violation of the bank's instructions. He further stated that bonus was given to the workman in an unauthorised manner. According to him the workman was appointed by the branch manager as work was of purely temporary nature. He admits that the branch manager has authority to appoint peons for managerial duty also in the special circumstances.

7. On the other hand the workman has appeared in the witness box after testifying his claim statement on affidavit. The workman admits that he used to bring water from the hand pump in the bank's premises. He states that besides drinking water and take vouchers from one seat to another seat and also took records to other bank and going to post office etc.

8. The whole question is to be considered in this case is whether the workman was working in the banking industry and was engaged for that purpose or was he working for the banking industry for working not connected with the banking industry. It has not come in evidence whether in Ferozabad branch or in Ferozabad there is water works or not and if water works is not water is taken from hand pipe and filled pitchers and coolers in summer season and supplied to the staff and customers. It would be some thing not connected with the banking industry but one of the work of peon in the banking industry. Admittedly the work was not of casual nature from the fact that the workman has been continued in this type of work for the last four years on daily wages which suggests that it was work of continuing in nature in the banking industry. In the very opening sentence of the claim statement the workman has been called as messenger cum waer boy, the management did not issue any appointment letter else that would have classified the nature of appointment and it is given to the workman. The management has admitted that the workman was engaged on its Ferozabad branch for filling pitchers and coolers was of seasonal nature. His services were continued through out the year and some other work besides filling pitchers must have been taken from the workman. Though the management has denied but the same fact that the branch manager paid him bonus treating him to be a bank employee for the 3 years regularly and issued a certificate that the workman was an employee of the SBI leaves no doubt that the workman was an employee of the management bank not on daily paid casual labour. The question why the workman did not raise hue and cry for daily wages that he was getting the reply is that the workman had to rest contended that the employment on what ever explanative terms available and objections might have rendered him thrown out from the employment. In his affidavit workman has stated that beside filling water and serving water he use to do all other work of peon. I am inclined to believe the workman that he was doing all the work of peon as alleged and deposes which stands corroborated by circumstances of the certificate being given by the bank and that the fact that he was given bonus for all the three years i.e. 81, 82 and 83. The branch manager could never pay him bonus if he was employee of casual labour for bringing water and filling pitchers employing workman as casual or temporary and to continued them as such for years is unfair labour practice in view of the provisions of 5th schetdul added under section 2(a) of the act. Keeping the workman as temporary for a long period of four years would be with no other object but to deprive him of the status of becoming a permanent workman.

8. I accordingly hold that the action of the management bank in keeping the workman Kanchan Singh as daily wage employee which employment is nothing but a temporary employment in the bank from 4-10-80 and not absorbing him in the bank service is not justified. Coming to the point which relief the workman works in the Ferozabad Branch continuously from 81 to 84 and payment of bonus etc., shows that there is work of permanent nature and a permanent employee required for that purpose. The workman will be entitled to scale rate of pay of a peon as temporary employee. In the end I may mention that it is expected that the management will take appropriate action to regularise the services of the workman in bank's employment for such a long time if found fit for employment in all norms of recruitment in the bank.

9. I, therefore, give my award accordingly.

10. Let six copies of this award be sent to the government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. I-12012/210/82-D.II(A)]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1986

का.पा. 3366.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th September, 1986

S.O. 3366.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING  
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR, UTTAR

Industrial Dispute No. 210 of 1983

PRADESH

Reference No. L-12012(222)/82-D.II(A) dated 28-6-83

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Abdul Gaffar C/o Shri V. K. Gupta 2/363, Nam-  
nair, Agra:

AND

The Regional Manager, Region I, State Bank of India,  
Lauris Hotel Agra.

APPEARANCE :

Shri V. K. Gupta—for the workman.

Shri P. K. Gupta—for the Management.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/222/82-D.II(A) dated 28-6-83, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal :

"Whether the action of the management of State Bank of India, Region-I in relation to its Ferozabad Branch under the control of Regional Manager Agra in terminating the services of Shri Abdul Gaffar Sub-staff from 31-12-1981 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?"



2. The case of the workman is that he was appointed as messenger at management's Firozabad Branch on 3-6-81 against a regular vacancy for an indefinite period and worked till 31-12-1981 as such and was paid Rs. 8 per day as wages. It is further averred that the workman worked with some artificial breaks for about 157 days and he was paid bonus for the same. The services of the workman were terminated abruptly without any notice or order on 1-1-82 and on inquiry from the management the workman was told to wait for some time. It is further averred that after the termination of the workman, management appointed some other interested person in his place. The workman was neither given any appointment letter or termination letter as per rules. The workman was also not given any notice at the time of termination of his services, thus the management has contravened the provisions of natural justice and provisions of bipartite settlements. It is further averred that the provision of para 493 of the Sastri Award were not followed and the management appointed many other hand after the termination of workman's service and thus the management acted against the provisions of sections 25G and H of the Industrial Dispute Act, 1947. It is further averred that the action of the management was illegal mala fide and amounts to victimisation. In the end the workman has prayed that he be reinstated in service with full back wages.

3. The management contested the petition of the workman on the ground that the workman was given temporary appointment at its Firozabad Branch and the workman was engaged on daily wages and as such question of giving any appointment letter or termination letter is not arise. It is further averred that the workman was engaged on Rs. 8 per day to fill waters in the coolers and drinking waters in the pitchers was was never asked to work as messenger. It is further contended by the management that the management appointed another person after his termination after fulfilling the required norms and as the workman had put only 157 days of service he is not entitled to the benefit of section 25G and 25H of the I.D. Act and that the services of the workman were not terminated mala fide and does not amount to victimisation. The workman was engaged purely on temporary basis for filling waters in the coolers on the daily wages.

4. In the rejoinder, it is averred on behalf of the workman were terminated with the intent to oblige some one else.

5. As the workman wanted production of certain documents by the management it was ordered that let a joint inspection report be filed and the said joint inspection report is on record. From the said joint inspection report it appears that no attendance register is maintained for the temporary employees and that no appointment order or termination order is issued in the case of temporary employees and no service book was maintained and no service certificate was issued to workman and that after the termination of the workman several persons were appointed.

6. The management has filed 11 applications of the workman for the payment of Rs. 8 as wages for filling water and other misc. work. The workman has filed letter of the management bank from the personnel officer in which it was specifically mentioned that though Abdul Gaffar workman was called for interview on 27-3-85 for recruitment of messenger cum guard and that the workman was called as direct candidates having served in the bank as temporary employee, he was found unsuitable for appointment on permanent basis. Thus the management has admitted that the workman was called for interview being a temporary employee. The biodata form shows that the workman worked as messenger for 157 days w.e.f. 3-6-81 to 31-12-81.

7. On behalf of the management Shri V. K. Pushap Regional Manager, Region-I, appeared in the witness box and proves his affidavit. He has admitted that the workman had worked for 157 days in the bank and no appointment/termination letter was needed. He goes on to depose that the bank was purchasing pitchers of water for the bank and was paying Rs. 8 for his work. It may be mentioned here that no where the case of the management that the bank

was purchasing pitchers of water rather the case is that the work of filling water and pitchers and other misc. work is taken from him as substantiated by letters of the workman filed, he was being paid Rs. 8 for his work. He further states that casual labours are appointed in the bank for casual nature of work and that the casual labours are not paid bonus though temporary employees are paid bonus. He further stated that he came to know from the records that the workman was working for 3 or 4 hours per day. It may be further mentioned here that no where the management took plea that the workman never worked full day rather the case is that he was paid Rs. 8 for filling water and other misc. work for the day.

8. On the other hand the workman gave his affidavit. Workman has stated that he worked as peon in the bank and never worked as water boy for filling pitcher etc. and giving drinking water to the customers and staff. He however, admitted that he was paid Rs. 8 for that work.

9. The whole question is whether the workman was working in the bank as temporary workman or only a casual workman for casual nature not connected with the banking industry. Had there been any appointment letter that would have shown whether the workman was employed for a specific period or for a specific work in which case employment automatically comes to an end on the expiry of such period or after such work. In the instant case employment was continued for 157 days from June to December 1981. It can not be said that as the employment was only for the summer season for filling pitchers as he was allowed to continue till 31st December 1981. Further the very fact that the workman was called for the interview treating him as temporary employee suggests that besides taking work of filling water in pitchers other misc. work of sub staff was also taken from the workman during the banking hours. In the absence of any specific nature of work unconnected with the banking industry, the only presumption is that he was engaged for misc. work of class IV (sub staff) employee arising in the banking industry. The workman has averred that he worked as class IV employee (messenger) and it is not dispute as per joint inspection report that some employee were appointed after the termination of the workman. If the temporary nature of work in the banking industry was continuing he should not have been terminated or at the worst he should have been recalled and not the third person engaged. Non compliance of provision of section 25H of the ID Act and giving others appointment, will render his termination illegal, further non compliance of para 493 of the Sastri Award in not maintaining the seniority list of the temporary employees and further in not giving appointment to the workman and absence of appointment letter and termination letter will also render termination illegal. In the written statement's paragraph 2 the management has admitted that the workman was given a temporary appointment on 3rd June which and continued till December and he was paid bonus. As the workman has acquired status of temporary workman his services should not have been brought to a end without giving him notice pay which was not in the instant case suggests that the management has contravened the provisions of paras of the Sastri Award and on this count to the termination of the workman renders illegal termination.

10. Thus for the reasons discussed above, I hold that the action of the management of State Bank of India, Region I in relation to its Firozabad Branch under the control of Regional manager, Agra, in terminating the services of Shri Abdul Gaffar sub staff from 31-12-81 is not justified and the result is that he is entitled to be reinstated in service with full back wages.

11. I, therefore, give my award accordingly.

12. Let six copies of this award be sent to the government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/222/82-D.II(A)]

का.अ. 3367.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूनिन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3367.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Union Bank of India and the their workmen, which was received by the Central Government on the 1st September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI R.B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 232 of 1985

Reference No. L-12012/194/84-D.II(A) dt. 28-2-85

In the matter of dispute

BETWEEN :

Shri Ramjan Ali, C/o. The General Secretary, Union  
Bank of India Employees Union (UP), Aminabad  
Gulmarg Lucknow, UP.

AND

The Zonal Manager Union Bank of India, Hotel Cleks  
Awadh, Hazratganj, Lucknow, Uttar Pradesh.

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/194/84-D. II (A) dt. 28-2-85 has referred the following dispute for adjudication to this tribunal;

"Whether the action of the Zonal Manager Union Bank of India, Zonal Office, Lucknow in not paying Shri Ramjan Ali part time sweeper, Sagri Branch of the bank 1/3rd authorised scale of the wages with effect from January, 1978 and not converting him into full time sweeper alongwith other in 1980-81 is justified and equitable? If not to what relief is the workman is entitled?"

2. It is common ground that the workman was appointed as temporary part time sweeper on 15-3-72 and in due course his services were increased to 1/3rd of scale wages as his working hours in a week were not more than 12-3/4 which he was getting as a part time permanent sweeper w.e.f. 23-11-79. It is further not disputed that the workman has been made full time sweeper from the year 1980-81. It is admitted that the bank's premises was changed in 1973, the management witness did not remember the month but according to the workman the premises was changed on 23-1-73 and shifted to a new premises measuring about 1200 sq. fit. It is further admitted that he was paid the same salary which he was paid for earlier premises which according to the workman is Rs. 25 per month. His emoluments later increased from Rs. 25 to 50. It is further averred that till September 79 he was paid Rs. 50 per month when he is taken on permanent basis on payment of 1/3rd wages. It is further averred on behalf of the workman that the management debarred the workman from getting facility of full time employee in view of staff circular no. 2188 dt. 20th August, 1980 as he was entitled to become full time worker having studied upto 7th standard and having put in more than 7 years of service. The management further did not consider his conversion as a full time employee in view of circular A-8462 of 82 dated 20-12-1982.

3. The management in its written statement besides admitted facts averred that when the workman appeared for conversion as full time workman in december 1981 he had not completed minimum 3 years service on 31-12-81 and therefore was not eligible for being taken up for full time subordinate. That prior to 1st October, 79 the workman was not required to work for more than 6 hours per week and

hence he had no claim for higher wages and that there is no rule or provision entitling workman that his entire temporarily period of service be treated as temporary provision para 20.8 of the bipartite settlement are not attracted on the basis of facts of the present case.

4. In the rejoinder it is averred that in view of para 20.8 of the bipartite settlement as the workman eventually selected on the post on which he was working part time he should be deemed confirmed after expiry of six months of appointment i.e. from 15-9-72 as he was appointed on 15-3-72.

5. In support of its contention the management examined one Shri Sudhir Mishra the personnel officer of the management bank who gave his affidavit evidence and deposed that the workman was not appointed on 15-3-72 on any permanent vacancy rather he was engaged purely on temporary basis in the newly opened branch and from 8-10-84 he has become full time employee per appointment letter which is on record. He admits that when the premises of the bank was changed in 73 the carpet area of the premises was about 1200 sq. fit and he was being paid the same salary which he was paid earlier, but he was required to work for less than 6 hours a week, the workman was confirmed w.e.f. 1-10-79 on 1/3rd pay but he was not required to work for more than 12-3/4 hours a week. He has admitted that prior to 1-10-1979 the workman simply swept the premises but from 1-10-79 he was required to clean furnitures and fixtures and performed other work which is mentioned in the letter dt. 19th October 1979, copy of which is filed. He further stated that till December 1981 the workman has not completed 3 years service hence he was not absorbed.

6. On the other hand workman has filed his affidavit evidence. In cross examination he states that he use to obtain key of the branch from the branch manager, opened the premises and sweep the floor etc. and by 10.00 a.m. hand over the key to the branch manager and in this way he started working at 8 a.m. He further stated that he use to serve water to the officials of the branch. He admits that he had no orders in writing about filling water and serving water to the officials and only in Oct. 1979 a written order was given to him for that work. He deposes that prior to October 79 he use to work as peon also as there was no peon in the bank and use to work for taking withdrawals to the cabin putting ink in the pad. He admits that he never objected to those work on the ground that he was not paid as peon.

7. Temporary employee in the banking industry are full time employees working from 10 a.m. to 5 p.m. as opposed to part time employees who are a different category and are required not to work for full day i.e. 10 to 5 p.m. but for a couple of hour for which wages are paid to them. Thus para 20.8 apply only to temporary employees. there is no question of giving him benefit of past service when he was made regular on 8th October, 1984. His services has confirmed part time sweeper from 19th October, 1979 also also can not be taken into effect for reckoning his previous appointment for purposes of para 20.3 as even at that time he was a part time employee. The workman himself has admitted that he use to work for two hours a day from 8 am to 10 am, thus even calculating at this rate his working hours in a week were not more than 12-3/4 hours as alleged by the management, hence workman would not be entitled to more than 1/3rd scale rate wages from 1979 to onwards i.e. till his permanent appointment though his duties besides sweeping and cleaning furnitures were enhanced to storing and supplying drinking waters. Prior to 79 the workman was paid at the enhanced rate for working less than 6 hours in any week. Sweeping premises of 1000 sq. fit will not take in any case more than one hours a day.

8. The management has averred every where that prior to 79 the workman never worked more than 6 hours in a week and on this point there is oath against oath and I am inclined to believe the management witness on the point.

9. The result is that for a period prior to October 1979 the workman will not be entitled to one third authorised scale rate. I consequently hold that the action of the Zonal Manager Union Bank of India Zonal Office Lucknow in not paying workman Sri Ramjan Ali part time sweeper sagri branch of the bank 1/3rd of the authorised scale wages from 73 is justified. As regards not converting him into full time sweeper alongwith others in 1980-81 in view of circular dt. 20-8-80 annexure 3 of the workman's statement



of claim it is not disputed that the workman was not a part time sweeper may be on 25 or 50 rupees per month from January 1973 and has thus completed 7 years of service on 20th August 1980, the workman had applied for his conversion on 19-9-80 giving reference to circular no. 2188 dt. 21-8-80 be considered as full time sweeper as he was working as part time since 1972 and had passed 7th standard in 1971 which is annexure 2 of the rejoinder of the workman. The management has not specifically denied that the workman had not passed 7th class at the time of his application for conversion when on consideration of his application in December, 81 it was found that he had not completed minimum 3 years service on 31-12-81. Annexure 1 of the workman's affidavit shows that he had applied for permanent appointment on 12th March, 1980, the management never challenged that the workman was not 7th class pass.

10. In these circumstances the management should have considered his application in 80 in view of circular no. 2188 of 20th August, 1980 and as such he had completed as early on 13th September, 1980 he should have been considered and made permanent from that date. I, consequently hold that the action of the management in not converting him into full time sweeper alongwith others after staff circular no. 2188 of 21st August, 1980 and the applicant having completion on 13th September, 1980 is not justified. The result is that he will be deemed to be converted as full time sweeper w.e.f. 13th September, 1980 and will be entitled to back wages from that date till he was made full time on 8th October, 1984.

11. I, therefore, give my award accordingly.

12. Let six copies of this award be sent to the government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/194/84-D. II(A)]  
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1986

का.प्र. 3368.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार व टोपा कोलियरी लि. सी.सी.एल., डाक टोपा, जिला हजारीबाग के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, न. 2, धनबाद के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-9-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th September, 1986

S.O. 5368.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Topa Colliery of Central Coalfields Ltd., P.O. Topa, Distt. Hazaribagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd September, 1986.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO.2) AT DHANBAD. PRESENT

Reference No. 183 of 1986

In the matter of Industrial dispute under Section 10(1) (d) of the I.D. Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Topa Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 26th August, 1986

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following disputes to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(121)/85-D. IV(B), dated, the 14th May, 1986

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Topa Colliery of CCL P.O. Topa, District Hazaribagh in denying regularisation to S/Shri Rajesh Sharan Sinha, Cat. II and Nawal Kishore Munda, Cat. III workmen when they are being paid difference of wages for higher category and are working for more than one year in the higher category is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned are entitled?"

In this case the workmen did not file their W. S. etc. After granting one adjournment this case was fixed on 21-8-1986 for filing the W. S. etc. by the workmen. On that date Sh. R. S. Murthy, Adv. for the employees files before me a memorandum of settlement. I have gone through the terms of settlement which appear to be fair and proper. Accordingly, I accept the same and pass an Award in terms of the memorandum of settlement which forms part of the Award as annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. II, DHANBAD

Ref. No. 183 of 1986

Ministry of Labour Dairy No. 24012/121/851-ID(B)

#### PARTIES :

Employers in Relation to the Management of Topa Colliery of Central Coalfields Limited, P.O. Topa, District-Hazaribagh.

#### AND

Their Workmen

#### JOINT COMPROMISE PETITION OF EMPLOYERS AND WORKMEN

The above mentioned Employers and workmen most respectfully beg to submit jointly as follows:—

(1) That the Employers and Workmen have jointly negotiated the matter covered by the aforesaid reference with a view to arriving at an over-all and amicable settlement of the impugned dispute.

(2) That as a result of such negotiation the Management and the workmen concerned (Union (RCMS)) have come to an amicable settlement on the following terms and conditions:—

(a) It is agreed that the workmen concerned S/Shri Rajesh Sharan Sinha, Cat. II and Nawal Kishore Munda, Cat. III shall be regularised as Dumpman/Tripman in Grade-III in the scale of Rs. 625-23-947 (NCWA-III) and Lamp Issue Clerk Grade-III in the scale of Rs. 625-23-947 (NCWA-III) respectively from 7-6-86.

(b) That the Management and the workmen considered that the above agreement is fair, just and reasonable to both the parties.

In view of the above, the Management and the workmen jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this joint compromise petition and give an Award in terms thereof.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-24012(121)/85-D. IV(B)]

Dated the 6th June, 1986

PROJECT OFFICER/AGENT  
TOPA COLLIERY.

RAJENDRA PRASAD, Area Secy.  
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Kuju.

Witnesses :—

(1) D. B. PANDEY,  
Dy. Chief Personnel Manager (K),  
Kuju Area.

(2) G. D. GULAB,  
Dy. Personnel Manager,  
Kuju Area.

Witnesses :—

Witnesses :—

(1) RAJESH SHARMA SINHA,  
Explosive Carrier, Cat.  
II, Topa.

(2) NAVAL KISHORE MUNDA,  
Lamp Charger, Cat. III,  
Topa.

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 86

का.अ. 3369.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बभोबरा हस्तताल, भोबरा क्षेत्र नं. 11, मेसर्स बी. सी.सी.एल., डाक. भोबरा, जिला धनबाद के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 29-8-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th September, 1986.

S.O. 3369.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra Hospital of Bhowra Area No. XI of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Bhowra, Distt. Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 29th August, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.  
PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

REFERENCE NO. 153 OF 1985.

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhowra Hospital of Bhowra Area No. II, M/s. B. C. C. Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri B. Lal Advocate and Shri D. K. Verma, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 19th August, 1986.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012 (53) [85-D.IV(B)], dated, the 31st October/1st November, 1985.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bhowra Hospital of Bhowra Area No. II of M/s. Bharat Coking Coal Limited P.O. Bhowra, Distt. Dhanbad in dismissing Smt. Archana Samanta, Staff Nurse from service is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

The case of the concerned person Smt. Archana Samanta is that she was appointed as a staff Nurse (Incharge) of the hospital nursing department of M/s. BCCL of Bhowra Hospital on 13-7-1981. Prior to her joining as a staff nurse of the hospital of M/s. B.C.C.L. she had worked as a Lieutenant (military nursing service) in the regular army and appreciating her position, status and experience she was given a higher salary after her joining in the then scale of Rs. 572—1108 and her pay was fixed in the said scale to give protection to her pay which she was receiving while in military service. She is a married lady having minor school going children and her husband is an employee of State Electricity Board, Bihar working at Ranchi. Considering that she is a lady and has to keep her children with her the management of BCCL agreed to provide her "C" type quarter near Bhowra Hospital. There is a building containing "C" type of 4 flats just near Bhowra Hospital out of which 3 flats were reserved for 3 nurses. The concerned person was allotted one of those "C" type flat when she joined at Bhowra Hospital as staff nurse. The said "C" type flat was not in a suitable condition for residence as most of the doors and windows were broken and toilets were not in working condition as the said "C" type flats had been formerly unauthorisedly occupied by Adibasis just after the completion and had caused damage, to the flats. The concerned person therefore expressed her willingness that she should be given even a 'B' type flat which was being completed for allotment situated near the hospital but the management did not concede to her demand and she was asked to continue in the same "C" type flat. A lady nurse generally do not join their services unless a suitable accommodation near the working place is provided as lady nurse cannot afford to remain at a distance from the hospital. Subsequently some officers of the local management wanted to drive out the concerned person from the said "C" type flat and provide her with an alternative accommodation in a godown which was not suitable for residence. Thereafter another accommodation was offered to her at a distance of about 1 mile from the hospital from where it was not possible for her to report for her duty and attend the emergency cases during the night. There are "C" type flats and 'B' type flats just near Bhowra Hospital where workmen below the category and grade of the concerned person have been given accommodation but the concerned person was being given an accommodation at a distance of one mile from the hospital with a view to drive her out of employment. The concerned person applied to the higher authorities for her transfer to some other place where she can be given suitable accommodation near her working places and the said matter of her transfer was under the consideration of the management at the head office. Meanwhile the concerned person was chagrined by the management with an allegation that she had unauthorisedly occupied one "C" type flat and when asked to vacate the same, she did not comply with it. The concerned person replied to the said charge and denied the allegation stating that she was never in unauthorised occupation of the said 'C' type flat and that she was in authorised occupation of the said flat as she was entitled to "C" type flat which was constructed and reserved for staff nurse. A domestic enquiry was held against the concerned person in which the enquiry officer gave a perverse finding against her and she was dismissed from service on the basis of the said finding. The prayer of the concerned person for her transfer to another place was under active consideration at the time of the enquiry and she was actually transferred

During the hearing of the case I had suggested to the parties to make an effort to come to a certain settlement and accordingly the management and the concerned person had jointly negotiated the matter covered by reference and

had jointly negotiated the matter covered by reference and I am informed that the parties had come to an amicable settlement of the matter in question and a joint compromise petition was drawn and was signed by the General Manager, Bhowra Area on behalf of the management but it was not signed by the concerned person as she was not available after the compromise petition was made ready. The management has filed the compromise petition bearing the signature of the General manager but as the concerned person did not sign the said settlement no order could be passed on the said compromise petition. It will appear from the compromise petition that the management agreed to reinstate the concerned person as staff nurse in the same post which she was holding at the time of her dismissal from service and that the reinstatement will take effect from the date she reports for duty at Tisra Hospital of the management where residential accommodation actually available and earmarked for staff nurse will be provided to her. It is stated that the concerned person had inspected the accommodation and accepted the same subject to the terms and conditions. They had also agreed that with the implementation of the settlement the concerned person shall vacate the residential accommodation of 'C' type flat in her occupation at Bhowra. It was also agreed that the concerned person will be paid 50 per cent of the wages for the intervening period between the date of her dismissal and the date of her joining duty. However, the management agreed that the concerned person will have continuity of service on reporting for duty with the service, put in by her prior to the date of dismissal and that she will earn her next increment in the pay scale of the post held by her one year after she reports for duty in terms of the joint compromise petition and that her seniority in the post of staff nurse will remain protected as per her position in the seniority list of the staff nurse immediately before her dismissal. It was further agreed that the concerned person will not be entitled to earn any leave benefit from the date of her dismissal till the date of her joining. In my opinion the management has been quite fair in respect of the terms to which they had agreed. The concerned person had herself formerly applied for her transfer to any place with a suitable quarter for her near the hospital and accordingly the management has agreed to transfer her to another place giving her suitable accommodation for her residence.

In view of the discussion made above, I hold that the concerned person has been rightly found guilty of the charge of misconduct framed against her. However, I do not agree with the punishment of dismissal imposed on the concerned person as the same appears to be very harsh and as such the said order of dismissal is set aside and she is reinstated in her service from the date of her dismissal i.e. from 1-12-1984 but it will take effect from the date she reports for duty at Tisra Hospital of BCCI, where the management will make available the residential accommodation earmarked for a staff nurse and that the concerned person shall vacate the 'C' type residential accommodation which is being occupied by her at Bhowra near the hospital. It is further ordered that the concerned person shall be entitled to only 50 per cent of the wages as she was drawing immediately prior to her dismissal from service in view of the fact that she has not worked during the period from the date of her dismissal till the date of her joining. The concerned person will also have continuity of service on reporting for duty and her seniority in the post of Staff Nurse will be protected as per her position in the seniority list of staff nurse immediately prior to her dismissal from service. The next increment in the pay scale of the post held by her will be one year after she reports for duty at Tisra Hospital.

The Award is passed accordingly.

I. N. SINHA, Presiding Officer.  
[No. L-24012/53/85-D.II (B)]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1986

का.प्र. 3370.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रन्सरण में, केन्द्रीय सरकार व डी.एण्ड.एफ. रोडवेज, मेमर्ज भारत कोकिंग कोल लि., भुलानबाररी कैम्प, डाक. पाथर-दीह, जि. धनबाद के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रन्बंध में निष्पिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-9-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th September, 1986

S.O. 3370.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of D & F Ropeways, M/s. Bharat Coking Coal Ltd., Bhulanbararee Camp, P.O. Patherdih, Distt. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd September, 1986.

## ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 50 of 1984

In the matter of industrial disputes under Section 10(1)

(d) of the I. D. Act, 1947.

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of D & F Ropeways, M/s. Bharat Coking Coal Limited, Bhulanbararee Camp, P.O. Patherdih, Dist. Dhanbad and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the employers : Shri R.S. Murthy, Advocate.  
On behalf of the workmen : Shri J.P. Singh, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 25th August, 1986

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour & Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(46)/83-D. IV(B), dated, the 31st July, 1984.

#### SCHEDULE

"Whether the action of the management of D & F Ropeways, M/s. BCCI, Bhulanbararee Camp, P.O. Patherdih, Distt. Dhanbad in stopping the special pay of Rs. 50/- per month to Shri G.C. Banerjee, Cashier and Shri R.L. Das, Asstt. Cashier with effect from 1-4-1983 is justified? If not to what relief are the concerned workmen entitled?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri G.C. Banerjee was employed on 10th of September, 1985 by East India Co. as a Clerk. He continued working as Clerk even after nationalisation. With effect from 4-9-79 he has been working as a Cashier in D and F Ropeways in General Manager's office at Bhulanbararee Camp of M/s. B.C.C. Ltd. The other concerned workman Shri R.L. Das has been working as an Asstt. Cashier in D & F Ropeways with effect from 1-2-1980. A very nominal amount of Rs. 50/- per month was sanctioned to each of the concerned workman as special pay considering the special features of duties, additional responsibility and risk inasmuch as they were required to travel to all the stations of the Ropeways spread over a vast area for making payment to the workmen. The said special pay was sanctioned to concerned workmen Shri G.C. Banerjee from 4-9-79 and to Shri R.L. Das from 1-2-1980. Suddenly the management withdrew the said monetary benefit of special pay with effect from 1-2-82 for which an industrial dispute was raised by Janta Mazdoor Sangh before the ALC(c), Dhanbad. The above dispute was settled as the management agreed to restore the special pay to the concerned workman and the management actually restored the said monetary benefit to the concerned workman. Subsequently the management after giving a notice under Section 9(A) of the I.D. Act again stopped payment to the concerned workman with effect from 1-4-1983 although the special features, additional responsibilities and risk of duties remained unaltered. Thereafter a fresh dispute was raised against the action of the management which on failure

resulted in the present reference. The action of the management of D and F ropeway of BCCL in stopping payment of the special pay to the concerned workmen with effect from 1-4-83 is not justified. It is prayed that the said relief of special pay may be restored to the concerned workmen from the date of its stoppage.

The case of the management is that the reference is contrary to and invitation of recommendation of Coal Wage Board and NCWA-I, II & III. The pay scales and allowances of cashiers and the Asstt. Cashiers stood settled by the recommendation of the Central Wage Board for coal industry. The management of BCCL placed cashier in clerical Grade-I and the Asstt. Cashier in Clerical Grade-II in accordance with the Wage Board Recommendation. Subsequently there were three wage revisions of the workers of the Coal Industry under NCWA I, II and III but the categorisation of the cashiers and Asstt. Cashiers remained unaffected. The relevant pay scales were laid down by the Wage Board and NCWA's keeping in view the duties and responsibilities besides the condition under which they have to work. The concerned workman Shri G.C. Banerjee cashier was placed in Clerical special grade which was grade higher to that of clerical Grade-I which was provided for the cashiers in the Wage Board Recommendation. The management of BCCL has divided its collieries and other establishments into different areas and each area is headed by a General Manager and for effective and smooth administration, the G.M. were delegated powers to enable them to discharge their duties and responsibilities in regard to various matters. During the relevant period the delegation of powers to the G.M. of the Areas is covered by the circular dated 17-1-1979. D and F ropeways which were taken over by BCCL after abolition of Coal Board with effect from 1-4-75 under Coal Mines (Conservation and development) Act 1974 have been placed under the charge of G.M. Ropeways. The G.M.'s of the areas including the ropeways had not been delegated with the powers to grant any allowance or special pay to the employees over and above those provided in the Coal Wage Board Recommendation and NCWAs. The concerned workman Shri G.C. Banerjee, Cashier and Shri R. L. Das, Asstt. Cashier in the Ropeways division of BCCL were sanctioned special pay of Rs. 50/-per month towards cash handling vide office order No. 445 dated 26-4-1980 issued by the administrative officer (Ropeways) of the office of the General Manager (Ropeways) BCCL. It was stated in the said order that in the case of Shri G. C. Banerjee the special pay will take effect from 4-9-79 while in the case of Shri R. L. Das it will take effect from 1-2-80. It was also stated that the said office order was issued with the approval of the General Manager Ropeways late Shri S. S. Sharma. The said sanctioned was not brought to the notice of the Head office of the BCCL and the matter came to the notice of the head office of BCCL in the year 1982-83 when some other cash handling cashier and Asstt. Cashiers claimed payment of similar allowances to them on the basis of what was being given in the ropeways division and then alone the irregularity committed by the late General Manager ropeways came to the notice of the management of the head office. It was noticed at that time that the order of the late G.M. ropeways was without competence and was illegal and void ab initio. The matter was considered by the head office of BCCL and it was decided to withdraw the special pay granted to the concerned workmen by the late G.M. Ropeways. Thereafter a notice under Section 9(A) was issued by the management on 10-3-83 for the withdrawals of the special pay to the concerned workman with effect from 1-4-83 for the withdrawal of the special pay to the concerned workmen with effect from 1-4-83. Thereafter the concerned workman filed title suit which was subsequently dismissed by the Munsiff, Dhanbad. The management had given effect to the decision of stopping the payment of special pay with effect from 1-4-83 by an office order issued on the same date. The management was entitled under the law to rectify the mistake on the irregularity which was committed by the late G.M. Ropeways. No action was taken against the said G.M. as unfortunately he had already expired. Presently the concerned workmen are no longer handling cash and cannot under any circumstances claim the special pay on that account. Shri G. C. Banerjee was reverted to the post of Clerk Grade-I which did not involve cash handling duties as he was found guilty

of fraud and dishonesty established in a domestic enquiry held against him by the management. The other concerned workman Shri R. L. Das approached the management for relieving him from cash handling duty and accordingly he was diverted to billing work which he is now performing. The concerned workman secured the special pay at the rate of Rs. 50 per month due to illegality and as such they cannot justify the continuance of illegal payment to them even for the period after 31-3-83 when they worked on cash handling duty. It is submitted that the action of the management in stopping the special pay of Rs. 50 per month to the concerned workmen with effect from 1-4-83 is fully justified and that the concerned workmen are entitled to no relief.

The only question to be determined in this reference is whether the two concerned workmen are entitled to the special pay of Rs. 50 per month for handling cash duties with effect from 1-4-83. The management had examined one witness and the workmen have examined two witnesses in support of their respective cases. The documents of the management have been marked Ext. M-1 to M-7 and the document of the workmen have been marked Ext. W-1 to W-5.

The facts of the case are almost admitted. The concerned workman Shri G. C. Banerjee was working as a cashier in D&F ropeways with effect from 4-9-79 and he was sanctioned the special pay of Rs. 50 per month from 4-9-79. The other concerned workman Shri R. L. Das was working as an Asstt. Cashier with effect from 1-2-1980 and he was getting the special pay from 1-2-80. It is also admitted that the said special allowance was stopped from 1-4-83. WW-1 and WW-2 who are the concerned workmen have both stated that special allowance of Rs. 50 per month was allowed to them vide office order Ext. W-2 dated 26-8-74. The case of the management is that the special pay of Rs. 50 was granted to the concerned workman towards cash handling vide Ext. M-2 dated 26-4-80. The said order is under the signature of Shri P. N. Sinha, Administrative Officer(R) and it shows that the said order had the approval of the General Manager (R). It will thus appear that it is not Ext. W-2 by which the special pay of Rs. 50 was sanctioned to the concerned workman but it was Ext. M-2 by which the concerned workmen were allowed special pay of Rs. 50 per month. Ext. W-2 dated 26-8-74 is an office order passed by the Dy. Chief Mining Engineer, Ropeways by which Shri Anant Sinha Assistant who was working as a cashier was granted special pay of Rs. 50 per month in accordance with the recommendation of 3rd pay commission and as per Ministry of Finance O.M. No. I-II(42)E. III(R)/60 dated 9-1-74. It will also that Shri Arun Ghosh, Assistant was also granted an extra allowance of Rs. 40 per month with effect from 1-7-74 and he was to be responsible for disbursement of cash to office staff and personnel claims or any other payment relating to the Ropeways. Thus it is clear that Ext. W-2 is not the basis of the claim of special pay to the concerned workman. Ext. W-2 has been filed to show that as Anant Sinha and Shri Arun Ghosh who were granted special pay of Rs. 50 per month for handling cash, the concerned workmen are also entitled to the special pay as they were handling cash and accordingly the order passed vide Ext. M-2 was justified. It will appear from Ext. W-2 that Anant Sinha and Arun Ghosh were Coal Board employees whose service condition were governed by the Third Pay Commission, MW-1 Shri J. R. Varman, Personnel Manager who had worked in the Ropeways division of BCCL as Dy. Personnel Manager and Personnel Manager from 1981 to 1983 has stated that D&F ropeway formerly belong to the Coal Board and that the Coal Board was abolished in 1975 and thereafter the Coal Board employees were employed in BCCL and their service condition and pay were protected. He has stated that the Coal Board employees were asked to give their option to opt for BCCL pay scale and service condition and most of the employees of Coal Board opted for BCCL pay scales and service condition. He has continued in his evidence to say that after the take over of the D&F ropeways some BCCL employees were also employed to work in the ropeways in D&F ropeways. He has stated that the two concerned workmen were transferred from the colliery to the ropeway division as Cashier and Asstt. Cashier and were given BCCL pay scale. He has stated that the ropeway division is an area of BCCL and is headed by the General Manager who

has been delegated power from the head office. He has stated that Ext. M-4 is the circular regarding the delegation of powers to the G.M. and according to which the G.M. had not been given power to give additional allowances to the workmen. He has further stated that Ext. M-2 is the order by which special pay was granted to the concerned workmen for which the General Manager had no power. He has stated that the other cashier and Asstt. Cashier in BCCL made representation after issuance of Ext. M-2 and thereafter the matter was referred to the head office and the head office decided that the General Manager had no authority to pass order for payment of allowances vide Ext. M-2 and thereafter instructions were issued to stop payment of allowances to the concerned workmen. In his cross-examination he has stated that notice under Section 9(A) was given to the concerned workman as the allowance which was being paid to them was going to be stopped. He has stated in his cross-examination that Shri Arun Kumar Ghosh and Anant Kumar Sinha were getting allowance on account of the fact that they were old employees of Coal Board and the pay and allowances which they were getting in the Coal Board were protected. In support of the evidence of MW-1 we may refer to Ext. M-4 dated 17-1-79 which is the delegation of power to the General Manager. On scrutiny of the powers delegated to the General Manager vide Ext. M-4 it will appear that the General Manager had not been authorised to sanction special pay to the employees and as such there appears to be a great force in the case of the management that the office order Ext. M-2 dated 26-4-80 was passed by the General Manager who had not been delegated with the powers to sanction special pay to concerned workmen. Ext. W-2 dated 26-8-74 was passed prior to the abolition of the Coal Board and at that time Ext. M-4 was not in existence. It will also appear from Ext. W-2 that the employees named therein were the workmen of the Coal Board prior to the abolition of Coal Board and were governed by the Third pay commission. Thus the order passed in Ext. W-2 will not be of any help to the concerned workmen.

WW-2 is one of the concerned workmen. He has stated that he became Asstt. Cashier in the Ropeways in February, 1980 and was getting special pay of Rs. 50/- per month for working as a Cashier. Although he has stated that he was transferred from Coal Board to Ropeways, he has not filed any paper to show that he was an old employee of Coal Board. He has the identity card with him. But he has not filed it to show the date of his appointment and his employment by the Coal Board. He has stated that presently he is in the pay scale of NCWA-III and that the Coal Board employees were in Third Pay Commission pay scales. The fact that he was getting NCWA-III pay scales will atleast show that he had opted for the pay scales of the collieries and was not in the pay scale of the Coal Board employees after the abolition of Coal Board and also that he had not elected to continue in the pay scale and condition of service of the Coal Board.

The Coal Mines (Conservation and development) Act, 1974 namely Act No. 28 of 1974 was passed for the conservation of coal and development of Coal Mines and for matters connected therewith. Section 12 of the Act shows that on the appointed day the Coal Board, established under Section 4 of the Coal Mines (Conservation, Safety and Development) Act, 1952 shall stand dissolved and that on the dissolution of the Coal Board all rights and privileges of the Coal Board shall become the rights and privileges, respectively of the Central Government. The Central Government shall be deemed to be the lessee of all properties held by the Coal Board, immediately before the appointed day, under any lease and that Government shall hold the lease under the same terms and conditions under which the lease was held by the Coal Board. Section 13 provides that the right, title and interest of the Coal Board in relation to any property shall, instead of continuing to vest in it, vest in the Government company either on the date of publication of the direction or on such earlier or later date as may be specified in the direction, and on such vesting, the liability or obligation, as the case may be, of the Coal Board in relation to such property shall, instead of continuing to be the liability or obligation of the Central Government, become the liability or obligation, as the case may be of the Government company. Section

15 deals with the transfer of service of existing employees of Coal Board. It provides that every officer or other employees of Coal Board shall become an officer or employee of such Government company or organisation as the Central Government may, in writing specify and shall hold its office or service in such Government company or organisation on the same terms and condition and that the same rights to pension, gratuity and other matters as would have been admissible to him if the Coal Board had not been abolished and shall continue unless and until his employment in the Government company is terminated or until his remuneration or terms and condition of service are duly altered by the Government company. It further provided that the tenure, remuneration and other terms and condition of service of such officers or employees shall not be altered to his disadvantage except with the previous approval of the Central Government. It will appear from the said Act that the terms and conditions of the Coal Board employees were protected and it appears that some of the employees of the Coal Board who were getting the special pay might have continued to get the special pay as their condition of service was protected. So far the two concerned workmen are concerned it appears that the concerned workmen Shri G. C. Banerjee was not an employee of Coal Board and Shri R. L. Das even if he was an employee of Coal Board had opted for the pay scales of BCCL and as such his pay scale was fixed in the pay scale of the Wage Board Recommendation and NCWA. Volume II page 54 of the Wage Board Recommendation deals with the clerical staff grading and nomenclature. It shows that cashiers have been placed in Clerical Grade I and Asstt. Cashiers have been placed in Clerical Grade II. At page 76 Clause 15 of Volume I of Wage Board Recommendation deals with the pay scales of the Clerical grades. The Wage Board Recommendation and NCWA I and II and III have not provided for any special pay for working as Cashier or Asstt. Cashier and their pay structure and other various duties were considered at the time when the Wage Board had fixed the scale of pay of the clerical grades. There has been an enhancement of the scale of pay of the Clerical Grades but special pay has not been provided to cashier or Asstt. Cashier for handling cash. It is clear therefore that no special pay is provided for handling cash as Cashier and Asstt. Cashier by the Wage Board Recommendation and NCWAs by which the employees of BCCL are governed.

Considering the pay scale provided for the collieries under the Coal Wage Board Recommendation and NCWA's and the delegation of powers to the Managers vide Ext. W-4, I hold that Ext. M-2 dated 26-4-80 issued with the approval of the General Manager ropeways had no authority to sanction special pay of Rs. 50/- per month to the concerned workmen and as such the concerned workmen cannot claim the special pay of Rs. 50/- per month for handling cash.

It is now admitted that the concerned workmen are not handling cash. WW-1 Shri G. C. Banerjee has stated that since May, 1974 he is not handling cash in the ropeways and that Shri R. L. Das also is not handling cash since sometimes before him. The order Ext. M-2 shows that the special pay was allowed towards cash handling. Since the concerned workmen were not handling cash since May, 1974 or some times before it they cannot claim even according to Ext. M-2 special pay of Rs. 50/- per month after May, 1974.

The workmen have referred to Ext. W-5 which is a minutes of discussion and it is submitted that the said Ext. W-5 is a settlement. On the other hand it is submitted on behalf of the management that Ext. W-5 is only a minute of discussion and not a memorandum of settlement in accordance with the Rule 58 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. On perusal of Ext. W-5 it appears that it is not in accordance with Rule 58 of the Industrial Disputes Rules as it is not in Form-H. It is clear from the documents itself that Ext. W-5 is not a settlement and it is a mere minute of discussion showing that the management submitted before the conciliation officer that the amount of special pay of Rs. 50/- has been restored to the workmen and as such the demand was settled at that stage. It appears that the management had not given a notice under Section 9(A) of the I.D. Act before stopping the special pay of Rs. 50/- to the concerned workmen and as such the management restored the special



the conciliation officer. The management thereafter issued a notice Ext. M-1 under Section 9(A) of the I.D. Act and after considering the representations from the workmen stopped the payment of special pay of Rs. 50/- per month vide Ext. M-3 dated 1-4-83. It will appear from Ext. M-3 that the reasons have been given as to why the payment of special pay was being discontinued. The reasons given show that the authority who had sanctioned the special pay of Rs. 50/- to the concerned workmen vide Ext. M-2 had no authority to sanction the said amount and as discussed above it will appear that the General Manager who had sanctioned the amount vide Ext. M-2 had actually no authority to make sanction for the payment of special pay. I hold, therefore, that Ext. W-5 is only a minute of discussion and is not a settlement as contemplated under Rule 58 of the I.D. Rules and accordingly it cannot be said that the present industrial dispute had been settled vide Ext. W-5.

In the result, I hold that the action of the management of D & F Ropeways M/s. B.C.C. Ltd., Bhulanbararee pay amp, P.O. Patherdih, Distt. Dhanbad in stopping the special pay of Rs. 50/- per month to Shri G.C. Banerjee, Cashier and Shri R.L. Das, Asstt. Cashier with effect from 1-4-83 is unjustified and consequently the concerned workmen are entitled no relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-24012/46/83-D IV. (B)]  
R.K. GUPTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1986

का.प्र. 3371.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारत कोकिंग कोल लि. की बनेदिह कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-9-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th September, 1986

S.O. 3371.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Benedih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 80 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(a)(d) of the I.D. Act., 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Benedih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. Mukherjee Secretary  
Bihar Colliery Kamagar Union

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 26th August, 86

#### AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the I.D. Act., 1947, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(31)/85-D. III (A), dated, the 29th May, 1985.

#### SCHEDULE

“Whether the demand of Bihar Colliery Kamagar Union that the management of Benedih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited should regularise their workman, Shri Santosh Bishnu as Overseer with payment of wages as Overseer with retrospective effect is justified? If so, to what relief is this workman entitled and from what date?”

In this case both the parties filed their respective W.S. documents etc. The workmen examined five witnesses and the case was fixed for evidence of the employers on 16-6-86. On that day both the parties prayed for time for filing settlement and ultimately on 6-3-86 both the parties appear before me and filed a memorandum of settlement. I find that the terms of settlement are fair and proper. Accordingly I accept the same and pass an Award in terms of the memorandum of settlement which forms part of the Award as Annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer

#### ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO. 2 AT DHANBAD

Reference No. 80/85

Employers in relation to the management of Benedih Colliery.

#### AND

Their workmen.

#### PETITION OF COMPROMISE

The humble petitioner on behalf of the parties referred above most respectfully sheweth :—

(1) That without prejudice to the respective contention of the parties to the reference the dispute has been amicably settled on the following terms:—

#### TERMS OF SETTLEMENT

(a) That the concerned workman Shri Santosh Bishnu will not demand for his regularisation as “Overseer” as he does not possess degree or diploma in Civil Engineering.

(b) That Shri Santosh Bishnu's designation will continue as “Gismarta” as at present and he will continue to perform the duties as will be allotted to him from time to time relating to Civil construction works and other alternate works suitable for him whenever so required.

(c) That considering the nature of jobs performed by the concerned workman and number of years of service put by him in different capacities on different jobs the management will promote him to special grade within one month's period from the date of signing of the settlement.

(d) That the concerned workman will not claim any other relief so far as the present dispute is concerned.

(2) That in view of the aforesaid settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement for the workman.

Sd/- Illegible  
For the Employers

(1) Sd/- (Illegible)  
(2) Sd/- (Illegible)

#### DECLARATION

I, Shri S. Bishnu, the concerned workman hereby declares that I fully understood the terms of the settlement and I accept the same.

Sd/-  
(S. Bishnu)

[No. L-20012(31)/6-D. III(A)]  
I. N. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 सितम्बर 1986

का.अ. 3372.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारत कोकिंग कोल लि. के क्षेत्र नं. V में मुदीडीह कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, प्रत्यक्ष के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-9-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th September, 1986

S.O. 3372.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mudidihi Colliery in Area No. V of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Sijua, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1986.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 100 of 1982

In the matter of industrial dispute under Section 10 (1)(d) of the I.D. Act, 1947

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Mudidihi Colliery in Area No. V of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Sijua, District Dhanbad and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Madoor Sangh.

On behalf of the employers : Shri G. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 28th August, 1986

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. I-20012 (125)[82-D.III(A)], dated, the 20th August, 1982.

#### SCHEDULE

“Whether the demand of the workman of Mudidihi Colliery in Area No. V of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad for promotion of Shri Rajib Ranjan, Loading Supervisor to Technical Grade-A is justified? If so, to what relief is the workman concerned entitled and from what date?”

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Rajib Ranjan is a permanent employee of Mudidihi Colliery. Since 29th July, 1983. He is designated as Loading Supervisor and he was placed in time rated in the scale of Technical and Supervisory Grade-B and is still continuing in Technical and Supervisory Grade-B. The management of Mudidihi Colliery was taken over by the Central Government with effect from 17-10-71 and nationalised with effect from 1-5-72 and its ownership, management and control vested in M/s. B.C.C.L. Prior to the take over of the colliery and thereafter till 28th of July, 1973 the job of Loading coal of Mudidihi colliery was done through contractor named Shri Jagnarayan Singh. The concerned workman was managing the actual job at the colliery on behalf of the said contractor. The entire job of loading at the colliery siding where railways wagons were placed for loading coal to be despatched to various consumers was

being done through the concerned workman. The management of BCCL abolished the contract system of loading and unloading of coal at the collieries including the Mudidihi Colliery and absorbed the contractors employees as departmental employees of respective collieries of BCCL. In the said process the concerned workman was also absorbed in the employment of BCCL in Mudidihi Colliery in the post of Loading Supervisor although he was performing much higher responsibility in the loading job than of the Technical and Supervisor Grade-B with effect from 29-7-73. Similar type of employees regularised in BCCL were placed in Technical and Supervisory Grade-A. The matter was brought to the knowledge of the management by the concerned workman and after ascertaining the facts and finding the assertion of the concerned workman to be correct the colliery management recommended the case of the concerned workman to the higher authorities for upgrading him, Technical and Supervisory Grade-A but nothing was done by the higher authorities. The concerned workman is engaged to look after two separate railway siding for loading of coal from Mudidihi Colliery and has to look after distribution of jobs to the workmen, check for proper placement of wagons in both the siding and found out their requirement of quality of coal to be loaded in each wagon, proper capacity loading in each wagon according to loading marking, checking quality control in loading coal in wagons, report to higher authorities in respect of proper loading within time limit, attending to pay loader break down, requisition of deployment of pay loader wagons are placed at the siding under his charge and arrange purchase of spares of pay loaders, dozers and Poclain-90. The aforesaid duties of the concerned workman will self show the higher nature of job being performed by him than just the work done by a loading supervisor of colliery. When no action was taken by the higher authorities the union of the workmen represented the matter before the ALC(C), Dhanbad vide letter dated 30-10-81. Discussion took place between the parties on several dates before the ALC(C) and when the management desired to settle the issue mutually the dispute was closed in the favour of ALC(C) so that the dispute could be settled mutual between the parties. The matter was kept pending at the higher level of the management for sometime and finding no outcome the union of the workman again raised an industrial dispute vide letter dated 14-1-82 before the ALC(C), Dhanbad who conciliated the matter and on failure, report being sent, the Government of India, Ministry of Labour referred the matter for adjudication to this Tribunal. The management have deliberately kept the concerned workman in lower grade while allowing higher grade to persons doing less responsible duties in the adjoining collieries and thus the management has discriminated between the concerned workman and other workman doing the same job. It is submitted that the concerned workman be placed in Technical and Supervisory Grade-A with effect from 29-7-73 with consequential effects.

The case of the management is that the reference is not maintainable. Promotion to a workman is a management function and it is the discretion of the management to select a person for promotion. The workman had not raised a dispute with the management before the demand was placed before the appropriate Government. Under the recommendation of the Coal Wage Board Clerical staff have been placed in 4 different grades depending upon the nature of work performed by them. The recommendation of the Coal Wage Board has been adopted by NCWA I, II by management. Loading Supervisor has been placed in Clerical Grade-I. The concerned workman has been working as Loading Supervisor at Mudidihi Colliery since 21-7-73 and has been placed in Grade-B. No case has been made by the workmen for the promotion of the concerned workman to the higher grade. The technical Grade-A is meant for Technical and Supervisory staff and the members of the clerical staff are not covered under a Technical and Supervisory staff and therefore the demand of the workman for promotion of the concerned workman to Technical Grade A is not tenable. The concerned workman is not entitled to any relief and no retrospective effect can be given to an Award to any period prior to the date on which the specific demand which resulted the industrial dispute were made.



The management and the workmen each examined on witness in support of their respective cases. The workmen's documents have been marked Fxt. W-1 to W-4. The management did not produce any document.

The point for determination is whether the concerned workman should be promoted to Technical and Supervisory Grade-A.

The admitted facts are that the concerned workman was an employee of a Loading contractor working in Mudidih Colliery. The concerned workman was doing wagon loading job in Mudidih Colliery since prior to the nationalisation of the Coal Mines under the contractor. It is also admitted that on 1-5-72 Mudidih colliery was nationalised and the contract system of loading continued in the said colliery since 23-7-73. There is also no denial of the fact that the concerned workman was employed by BCCL in Mudidih Colliery in the post of Loading Supervisor in Technical Grade-B. The case of the concerned workman is that the other workmen doing job of Loading Supervisor of less responsibility had been fixed in Technical and Supervisory Grade-A but the concerned workman was placed in Supervisory and Technical Grade-B. The workmen have claimed Grade-A to the concerned workman on the principle of equal pay for equal work and on that principle have demanded Technical and Supervisory Grade-A to the concerned workman. WW-1 is the concerned workman, he has stated that since 29-7-73 he is working as a Loading Supervisor in Mudidih Colliery and before that he was working as a Loading Supervisor at Mudidih Colliery under Jainarayan Singh, Loading contractor. He has stated that since 29-7-73 the contract system was abolished and BCCL took all the employees under the contractor as their own employees including the concerned workman. He has stated that in other collieries also the contract work of Wagon loading was departmentalised from almost the same date. He has stated that Madan Lal Chandana working as a Loading Supervisor in Tetulmari Colliery was given Technical Grade-A in 1975 and that Ladhu Gopal Choubey who is working as a Loading Supervisor in Salanpur colliery was also given Technical Grade-A. He has further stated that the duties performed by him as Loading Supervisor is more than the duties which was performed by Madan Lal Chandana and Ladhu Gopal Choubey. He has also stated that he himself and his union had written to the management for allowing him Technical and Supervisory Grade-A and his case was recommended by the officers of the Area Office to the headquarters of BCCL twice for giving him Technical and Supervisory Grade-A but the headquarters neither informed him nor the union on the said recommendation. He has also stated that the management did not give him any reason as to why he would not be allowed Technical and Supervisory Grade-A. There is nothing in the cross-examination of WW-1 to falsify the statement that Madan Lal Chandana and Ladhu Gopal Choubey who were working as Loading Supervisors were placed in Technical and Supervisory Grade-A. WW-1 is working as Senior Personnel Officer in Mudidih Colliery. He has stated that S. C. Choubey and V. D. Thakkar who are working as Loading Supervisors in Mudidih Colliery besides the concerned workman are in the clerical special grade and Clerical Grade-I respectively and that they are senior to the concerned workman. He has stated that there is a circular for the promotion of all the clerical staff of BCCL but he has also stated that the promotion in the Technical Grade-A and B is done at the headquarters level where promotion is considered on the level of the company and the promotion is made by the headquarters only when vacancy exists. It will appear from his cross-examination that he was never exclusively deputed to work in the siding of Mudidih Colliery. He knows the concerned workman since 1980. It will also appear that he does not know the specific duties being performed by the Loading Supervisors. He has no knowledge as to how the concerned workman was appointed as Loading Supervisor. He has come to learn that the Area office had recommended for the promotion of the concerned workman in Technical and Supervisory Grade-A. Thus it appears from his evidence also that the Area Office had recommended for placing the concerned workman in Technical and Supervisory Grade-A. He has not denied that Madan Lal Chandana, Ladhu Gopal Choubey were placed in Technical and Supervisory Grade-A. Thus the evidence of the concerned workman remained unassailed to

the effect that Madan Lal Chandana, and S. C. Choubey were fixed in Technical and Supervisory Grade-A as Loading Supervisor.

Ext. W-1 dated 26-4-77 is a letter from the Area Manager (Personnel) of the G. M. Area No. V to the Superintendent, Tetulmari Colliery. It shows that the management agreed to fix the pay scale of Shri Madan Lal Chandana, Loading Supervisor in Technical and Supervisory Grade-A, with effect from 1-5-75. Ext. W-4 dated 10-1-85 is a letter from the Personnel Manager, Katras Areas to the Personnel Manager Area No. VI which shows that Ladhu Gopal Choubey Loading Supervisor of Salanpur Colliery was in Technical and Supervisory Grade-A since 1975. Thus Ext. W-1 and W-4 supports the case of the concerned workman that Madan Lal Chandana and Ladhu Gopal Choubey who were working as a Loading Supervisor in other collieries were fixed in the pay scale of Technical and Supervisor Grade-A as Loading Supervisor from 1975. The case of the concerned workman is that he should also get supervisor and Technical Grade-A from the date Shri Madan Lal Chandana and Shri Ladhu Gopal Choubey got Technical and Supervisor Grade-A. Ext. W-3 is a notesheet of the officers of Mudidih Colliery. It will show that the concerned workman was working as a Loading Supervisor since 1973 in Technical Grade-B and was in that grade for more than 7 years. It also appears that the authorities were fully satisfied with his work and as such they had recommended for his promotion to Technical and Supervisory Grade-A and the G.M. accepted the recommendation and forwarded a letter Ext. W-2 dated 20-7-81 to the General Manager, Personnel BCCL Koyala Bhawan Dhanbad. Ext. W-2 has been written by the Personnel Manager of Sijua Area in which Mudidih Colliery falls. It shows that the case of the concerned workman was earlier forwarded to the Headquarters for his promotion to Technical and Supervisory Grade-A by a letter dated 28-8-79 but no communication was received in Sijua Area from the headquarters. It was requested in this letter that justice should be done to the concerned workman and is upgraded to Grade-A for which he is fully competent. It will thus appear that the authorities where the concerned workman is working were fully satisfied with his work and recommended for his upgradation to Technical and Supervisory Grade-A.

The case of the workmen, it appears, is not exactly for promotion but it appears to be a case of fixation in Technical Grade-A on the basis of the fact that other loading supervisors were given Technical and Supervisory Grade-A in the other collieries and that the authorities upto the level of the General Manager of the area were satisfied about the demand of the concerned workman for his fixation and upgradation in Technical and Supervisory Grade-A. In view of the discussions made above, as Madan Lal Chandana and Ladhu Gopal Choubey Loading Supervisors were placed in Technical and Supervisory Grade-A since 1975, the concerned workman also deserves to be placed and upgraded in Technical and Supervisory Grade-A atleast from the date from which Shri Madan Lal Chandana and Ladhu Gopal Choubey were fixed in Technical and Supervisory Grade-A.

The objection raised in the W.S. of the management that Loading Supervisors is in the Clerical cadre of BCCL is falsified by Ext. W-1 and W-4. The fact that the area authorities vide their note Ext. W-3 recommended the concerned workman for giving him the next higher grade-A will also show that Loading Supervisors are in Technical and Supervisory Grade-A. The fact that the concerned workman is admittedly in Technical and Supervisory Grade-B as Loading Supervisor itself shows that he is in Technical and Supervisory cadre and not in the clerical cadre. The said objection appears to be quite frivolous.

One of the objection raised on behalf of the management is that the concerned workman had not made any demand for giving him in Technical and Supervisory Grade-A. Ext. W-3 which is the note of the Manager of Mudidih Colliery itself shows that the concerned workman had represented for Technical and Supervisory Grade-A and that the Area Supervisor itself shows that he is in Technical Supervisory him to Grade-A. It is clear therefore that a demand was made on behalf of the concerned workman with the manage-

ment for giving him Technical and supervisory Grade-A. Thus this objection also appears to be frivolous.

In view of the discussions made above I hold that the concerned workman is entitled to be upgraded to Technical and Supervisory Grade-A from 1-1-75.

In the result, I hold that the demand of the workman of Mudidih Colliery in Area No. V of M/s. BCCL for promotion of the concerned workman Shri Rajib Ranjan, Loading Supervisor, to Technical Grade-A is justified and accordingly the management is directed to upgrade the concerned workman in Technical Grade-A w.e.f. 1-1-75. As the concerned workman had been doing the same type of job as other loading Supervisor who were placed in Technical Grade-A from 1-1-75, the concerned workman is also entitled to the wages of Technical and Supervisory Grade-A from 1-1-75.

This is my award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
No. L-20012(125) 82-D. III(A)

का.प्र. 3373.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार, इंडियन आयरन एण्ड स्टील कंपनी लि. की चसनल्ला कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्तर्गत में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-8-1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3373.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chasnalla Colliery of M/s. Indian Iron & Steel Co. Ltd and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th August, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD  
PRESENT

REFERENCE NO. 66 OF 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1) (d) of the I. D. Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Chasnalla Colliery of Messrs. Indian Iron & Steel Co. Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri C. S. Choubey, Joint General Secretary, Coalfield Labour Union.

On behalf of the employers.—Shri Mohit Mukherjee, Manager (Personnel), Indian Iron & Steel Co. Ltd.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 18th August, 1986

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (32)85-D.III(A), dated, the 28th May, 1985.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Coalfield Labour Union that the dependant of late Shri Kartik Mahato, Watchman of Chasnalla Colliery Air Strip of Messrs.

Indian Iron & Steel Company Limited, who died in the year 1980, should be given employment in the Company in terms of para 10-4.2 of the National Coal Wage Agreement-II is justified? If so, to what relief the dependant of late Kartik Mahato, Shri Maheshwar Prasad Mahato, is entitled?"

The case of the workmen is that in 1964 Kartik Mahato was appointed as a Watchman to work at Sindri Air Strip, Chasnalla Colliery under the Indian Iron & Steel Co. Ltd. (for brevity hereinafter referred to as IISCO). Kartik Mahato worked till 17-2-1980, when he died of cancer while still in service. During his life time the Coalfield Labour Union had raised an industrial dispute for regularisation of Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato who were both working as Watchman at Sindri Air Strip. The dispute was referred to the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in respect of Fuleshwar Mahato only as duty in the pendency of the conciliation proceeding Kartik Mahato died. The said reference was numbered as Ref. Case No. 1 and the matter sent for adjudication was in the following terms :—

"Whether the demand of the workmen of Chasnalla Colliery of M/s. IISCO, Ltd., Chasnalla District, Dhanbad that Shri Fuleshwar Mahato should be regularised and should be paid wages as per NCWA-II is justified? If so, to what relief the workman is entitled?"

On 16-8-83 a settlement was filed in Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in which it was agreed to appoint Shri Fuleshwar Mahato as Cat. I Mazdoor as new recruit. It was also agreed that the said settlement as a whole will settle all the dispute between the parties relating to Air strip Sindri and finally Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad made its award on 16-8-83 on the basis of the compromise petition filed between the parties. According to the said Award Shri Fuleshwar Mahato was regularised and since then he is working as a Watchman at Sindri Air Strip. Shri Kartik Mahato died unmarried and without any issue on 17-2-80 and as such Shri Maheshwar Prasad Mahato is youngest brother has claimed appointment as per the terms of clause 10-4.2 of NCWA-II which deals with employment of one dependent of the workman who dies while in service. A dependent for the purpose means wife/husband as the case may be, unmarried daughter son and legally adopted son and if no such direct relation is available for employment then younger brother/widowed daughter/widowed daughter-in-law or son-in-law residing with the deceased and wholly dependent on the earnings of the deceased may be considered to be the dependent of the deceased. As Kartik Mahato died unmarried he left no direct dependant and as such Maheshwar Mahato being the youngest brother of Kartik Mahato is entitled for employment as dependent of Kartik Mahato. The management did not agree to the demand of the workman. An industrial dispute was raised before the ALC(C) Dhanbad and on failure of conciliation the dispute was referred to this Tribunal for adjudication. Although Kartik Mahato was working as watchman he did not get the wages and other benefits of the post. Chasnalla Colliery had a rest house from which Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were getting wages every month along with other workers of rest house. The said air strip at Chasnalla was taken lease by Chasnalla Colliery from FCI Sindri. The Wage of Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were being debited to the accounts of the company and even today the management is keeping the permanent workers air strip. The workers working in the air strip are also governed by the same Standing orders as the colliery. According to the ordinary rules any worker putting in 240 days in a year is entitled to be come permanent and although Kartik Mahato had put in attendance of more than 240 days attendance each year he was not made permanent. Late Kartik Mahato should have been made permanent worker long ago.

The case of the management is that Maheshwar Prasad Mahato is an outsider and he does not fall within the scope of Section 2(s) of the I. D. Act and the matter referred to this Tribunal for adjudication does not fall within section 2(s) of the I. D. Act. The case of the management further is that employees working in the air strip cannot be considered as employees of the mine, IISCO, which has a steel plant at Burnpurhas 2 captive collieries in Dhanbad district and one colliery in Burdwan. It had one aircraft which occasionally used to land at Sindri Air Strip. The said

airstrip is not a regular aerodrome for landing off and take off of aircraft. It has no protective arrangement for security and prevention of stray cattle or persons and arrangement for controls of lights like regular aerodrome. It became necessary for the management itself to make arrangement for driving away stray cattle at the time of landing and take off. The said job was entrusted by the management to two of the neighbouring villages on payment of a contractual and consolidated amount of Rs. 200 per month. Those two persons were Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato and they were never considered as employees of the management. Those two persons are not covered by the provisions of NCWA—and accordingly they were never given any benefit therein. They were never considered as workmen of the management. There could be no valid industrial dispute in the eye of law as the so-called dependent of late Shri Kartik Mahato who is absolutely a stranger and the sponsoring union is not competent to raise the issue of such a stranger. There is no community of interest between the dependent of late Shri Kartik Mahato as a contractor and the management. The demand for employment of the deceased worker does not fall within the scope of I. D. Act under Section 2(K). Shri Maheshwar Mahato is not a dependent of late Kartik Mahato, and the demand of the union is not legally tenable and Maheshwar Pd. Mahato is not entitled to any relief as a dependent of late Kartik Mahato.

The point for decision is whether Shri Maheshwar Pd. Mahato should be given employment by the management of IISCO Ltd. in terms of para 104.42 of NCWA-II as dependent of late Shri Kartik Mahato watchman of Chasnalla Colliery Airstrip.

In order to decide the said point it has to be decided whether there was any relationship of employer and employee between the management of IISCO, Chasnalla and late Shri Kartik Mahato and whether Maheshwar Pd. Mahato is a dependent of Kartik Mahato in terms of para 104.42 of NCWA-II.

The workmen and the management have each examined two witnesses in support of their respective cases. The documents of the workmen have been marked as Ext. W-1 to W-11 and the documents on behalf of the management have been marked Ext. M-1 to M-3.

I will first take up whether there was any relationship of employer and employee between the management of Chasnalla Colliery of IISCO, and late Kartik Mahato. Ext. W-7 dated 2-5-68 is a letter from the Manager Chasnalla Colliery to Shri Kartik Mahato and Shri Fuleshwar Mahato watchman of Sindri Air Strip whereby they were directed that Car. No. WBE-4680 of Mr. C. S. Ahluwalia be allowed to pass through the gate of Sindri Air Strip and ply on the management's airstrip road as and when required. Ext. W-8 dated 15-2-67 is another letter issued by the Manager, Chasnalla Colliery to Shri Jitu, Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato watchman of Sindri Airstrip directing them that no car/truck or jeep will be permitted to pass through the air strip without permission of the manager except the vehicles whose numbers were given in the said letter. It is further stated towards the close of the letter that the instructions given in the letter should be strictly adhered to and such drastic action will be taken against them. It is therefore that the watchman working at the air strip were the employees of Chasnalla colliery and were governed by the provisions of the rules and regulations and standing orders of the company. Ext. W-9 dated 4-6-74 is a certificate from the Manager, Chasnalla colliery certifying that Shri Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were working in Chasnalla Colliery of IISCO as the air strip watchmen posted at Sindri Air strip. It is clear from this certificate that late Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were working as Air strip watchman of Chasnalla colliery of IISCO. Ext. W-10 dated 27-8-64 is a letter written by the Manager, Chasnalla colliery to the Mukhiya, Rangamatia Gram Panchayat certifying that Kartik Mahato, Fuleshwar Mahato and Jitu Mahato are employed by IISCO, Chasnalla colliery for watchman on duty at Sindri Air strip. Ext. W-11 is a salary sheet for the guest house employees for the month of December, 1975 issued by the Administrative Officer of IISCO which shows that Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were Air strip watchman getting Rs. 200 per

month as salary. It also shows that Rs. 25 per month was being deducted from their salary per month as their contribution to the P. F. Another fact of importance in this exhibit is about the number of days of attendance of these two workmen. It is stated that they had attendance of 31 days in the month of December, 1975 which indicates that they were not casual workmen but were required to work regularly on monthly basis. The documents discussed above will show that late Kartik Mahato along with Fuleshwar Mahato were working as Watchmen in the Sindri Air strip of Chasnalla colliery of IISCO, since a very long time and that they were getting salary of Rs. 200 per month along with the guest house employees. It further demarcates the case of the management that Kartik Mahato was a contractor and not a workman of air strip.

The management has examined MW-1 Shri R. R. J. Rao working as an Officer in-charge at Chasnalla. He has stated that IISCO has its own air strip which the company took from FCI Sindri on lease. He has stated that late Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were working on contract basis and they were not regular employees of IISCO. He has stated about their duties in the air strip. He has stated that they were required to chase the cattle from the FCI air strip when the plane was about to arrive in the air strip, and that they used to arrange for the signal flag for the landing of the plane in the air strip and that they were to see that there was no illegal construction over the air strip. He has stated that they were not the employees of the guest house but the said evidence is belied by Ext. W-11 which shows that the salary of the two air strip watchmen were prepared along with the employees of the guest house. He has stated that there is a trench around the air strip so that vehicles may not pass in the air strip. According to him the planes of Tata, Govt. of India, BCCIL also land at the said air strip. He has not doubt stated that the company whose planes land in the air strip make the arrangement at the time of landing of the planes but I do not think that the said arrangement was feasible because the air strip belong to the IISCO, which had engaged its own watchman who had to experience known to work which was to be done at the time of landing and take off of the aircraft. In his cross-examination he has stated that if a person works on a job continuously for 240 days in a year he is regularised in the service of the company. He has stated that Kartik Mahato was working continuously in the air strip prior to 1980 and that Fuleshwar Mahato is still continuing as watchman at the air strip. He has stated that either Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato used to take their wages from Chasnalla colliery and they had not to submit bills for the payment of their wages. He has stated that both of them were getting their wages regularly each month which was drawn from Chasnalla Colliery. He has stated that persons working in guest house or at the canteen of Chasnalla are the workmen of IISCO and that persons working in the department other than the production at Chasnalla are also workmen of Chasnalla colliery. Then he says that the officers who landed by the plane used to come for their work either in Chasnalla colliery or Jitpur colliery and this shows that Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were actually engaged in the work of Chasnalla colliery. He had to accept that the workmen of guest house are on the rolls of IISCO, and that Ext. W-11 is the salary sheet of the guest house employees which includes the name of late Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato. He has stated that Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato used to deduct amount of P. F. from their salary. He has also stated that there is no contract between Kartik Mahato and the management regarding their work in the air strip. Thus his evidence clearly shows that Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were not doing the job of Watchman as contractors. Thus it is clear from the management's witness also that Kartik Mahato and Fuleshwar Mahato were working on monthly basis and were receiving monthly wages. Ext. W-1 is Fuleshwar Mahato who is still working as a Watchman in the air strip. It will appear from his evidence and exhibits W-3, W-4 and the Award Ext. W-5 that the industrial dispute raised on his behalf by the union was adjudicated and finally the award was made on the basis of settlement by which he was given employment vide Ext. W-2 dated 29-10-83 as Mazdoor in Cat. I. No doubt this appointment shows that he was given fresh appointment

but the evidence will show that this appointment was given only because of the fact that he was working as Watchman in the air strip since a long time. He has stated that the industrial dispute was raised by the union on his behalf and on behalf of Kartik Mahato before the ALC(C), Dhanbad but as Kartik Mahato died during the pendency of the conciliation proceeding the reference was made only in his respect which was decided in Ref. No. 5/82. He has stated that Kartik Mahato was working along with him as watchman at Sindri Air strip since 1964 and that Kartik Mahato worked till his death.

Ext. W-6 dated 29-6-81 is the comment of the management filed before the ALC(C) in respect of the industrial dispute in Chasnalla colliery over non payment of actual wages to Shri Fuleshwar Mahato and Kartik Mahato Watchman. In this comment the management itself stated that Kartik Mahato died sometime during the end of January, 1980 or beginning of February, 1980. It is admitted in this comment that M/s. IISCO has a aircraft which used to be operated occasionally from Burnpur to Chasnalla colliery and the company has an air strip at Sindri at a distance of about 8 K. M. from Chasnalla colliery. It is stated that since the flights were few and far between it was considered necessary to employ a couple of men to drive away the cattle when any air craft was landing and taking off and that both Fuleshwar Mahato and Kartik Mahato residents of that locality were entrusted with the job on part time basis on a consolidated remuneration of Rs. 200 per month. It is stated that he air strip was used in the end of December, 1975 or July, 1976 immediately after the Chasnalla disaster as services of foreigners were requisitioned for recovery operation. WW-1 has also stated that Kartik Mahato and he himself used to get their salary from Chasnalla colliery office.

On the basis of oral and documents, evidence discussed above it is clear that late Kartik Mahato was working as air strip watchman at Sindri belonging to Chasnalla colliery since 1964 and that he continued to work regularly till his death on 17-2-80 on a monthly salary of Rs. 200 per month. It is also in evidence of MW-1 that a worker who completes 240 days attendance in a year has to be regularised and as from the evidence it appears that late Kartik Mahato had regularly worked since 1964, he ought to have been regularised as watchman long ago, but the management did not regularise him. The plea of the management that Kartik Mahato was not given all the facilities of NCWA cannot be taken advantage of by the management to show that Kartik Mahato was not their workmen rather the said fact will show that the management was exploiting the watchmen of their air strip by engaging them regularly and not paying them the wages and other benefits which they ought to have received as watchmen as in the case of other watchmen working in the company. Accordingly I hold that there was relationship of employer and employee between the management of Chasnalla colliery of IISCO and late Shri Kartik Mahato.

Now it has to be seen whether Maheshwar Prasad Mahato is a dependent of Kartik Mahato who had met with death while in service of IISCO. Admittedly Maheshwar Prasad Mahato is the youngest brother of Kartik Mahato and the management does not now dispute the said fact. According to the management although Maheshwar Pd. Mahato is the youngest brother of Kartik Mahato that fact alone is not enough so as to provide employment to Maheshwar Pd. Mahato under the provisions of para 10.4.1 and para 10.4.2 of NCWA-II. It is submitted on behalf of the management that Maheshwar Pd. Mahato was not a dependent of Kartik Mahato and as such he is not entitled to the advantages of the clause. Clause 10.4.1 of NCWA-II is as follows :—

"Employment would be provided to one dependent of workers disabled permanently and those who met with death while in service."

Clause 10.4.2 provides :—

"The dependent for this purpose means the wife/husband as the case may be unmarried daughter, son and legally adopted son. If no such direct dependent is

available for employment younger brother/widowed daughter and widowed daughter in law or son-in-law residing with the deceased almost wholly dependent for employment younger brother/widowed daughter to be the dependent of the deceased."

It will thus appear that there are two groups of dependents provided under clause (1) 10.4.2 of NCWA-II. The first group of dependents are wife/husband, unmarried daughter, son and legally adopted son. If there is no such direct dependent of the deceased then there is another group of dependent provided and they are younger brother, widowed daughter etc. residing with the deceased and almost dependent on the earnings of the deceased. Maheshwar Pd. Mahato is the younger brother of deceased Kartik Mahato and as such his case falls within the second group of dependent as Kartik Mahato had no direct dependent such as wife, unmarried daughter, son and legally adopted son. In case of the first group of dependents who are direct dependents of the deceased, the clause does not provide that they should be almost wholly dependent on the earnings of the deceased but in the case of second group of the dependents of the deceased such as younger brother etc. it is that they should be residing with the deceased and wholly dependent on the earnings of the deceased. Therefore to see whether Maheshwar Pd. Mahato was along with late Kartik Mahato and was wholly dependent on the earnings of deceased Kartik Mahato.

WW-2 is Maheshwar Pd. Mahato who is claiming employment as dependent of deceased Kartik Mahato. He is the younger brother. WW-2 has stated that Kartik Mahato was not married and as such he had left no wife or issue. He has stated that he has claimed for employment as per NCWA-II as Kartik Chandra Mahato left no issue and had no wife. In his cross-examination he has stated that his father used to work in FCI at Sindri who retired in 1982. He has further stated that his father along with his brothers live jointly and that they have some land in the village. He has stated that Kartik Mahato was a joint-tenant of the family. He has further stated that his father used to get all the facilities from FCI when he was in service and this witness also used to get medical facilities etc. in FCI when his father was in service. MW-2 Shet S. C. Mishra is working as an Asstt. Personnel Officer, FCI Sindri. He has stated that Dukhu Mahato, Grade-II, in the Town Engineering Section retired from service in 1982. He has stated that employees of FCI Sindri are required to give declaration of the dependents for the purpose of availing of LTC in Block of 4 years to the dependents of the workmen. He has stated that Dukhu Mahato had given a declaration regarding his dependent, and he has produced the declaration of Dukhu Mahato marked Ext. M-1 before the management. He has also stated that Dukhu Mahato had submitted his bill for LTC which is marked Ext. M-2. He has proved a letter Ext. M-3 dated 13-3-86 addressed to the Manager, IISCO, which is signed by the Personnel Manager of Sindri FCI. Ext. M-1 is a certificate for claiming reimbursement of expenditure in respect of LTC of Dukhu Mahato and his family members for the block year 1978-1981 and the journey was performed during 12-9-81 to 17-9-81. From the details of the members of family who availed the facility it will appear that Maheshwar Pd. Mahato son of Dukhu Mahato had also travelled along with his father besides other family members. Ex. M-2 dated 29-8-81 is the declaration of employees for the purpose of journey concession. It will appear that Dukhu Mahato had declared that Shri Maheshwar Pd. Mahato along with other family members were wholly dependent on Dukhu Mahato. Ext. M-3 is the letter dated 13-3-86 written by Personnel Manager of FCI Sindri in reply to the letter of the Manager Personnel IISCO, Central Office dated 13-3-86. The Personnel Manager of FCI informed the Manager of IISCO, that from the records the details of the dependent family members declared by Dukhu Mahato included the name of his son Maheshwar Prasad Mahato. This letter Ext. M-3 was based on the declaration made by Dukhu Mahato in Ext. M-2. Thus these three documents show that Maheshwar Pd. Mahato, son of Dukhu Mahato, was wholly dependent on Dukhu Mahato. The evidence of WW-2 which I have discussed above will show also that Kartik Mahato died in jointness along with his father and brothers and that Maheshwar Pd. Mahato also

used to get medical aid in FCI when his father was in service. The above evidence therefore shows that Maheshwar Pd. Mahato was a member of the joint family residing with his father Dukhu Mahato. It will also appear from the evidence that Maheshwar Pd. Mahato was not almost dependent on the earning of deceased Kartik Mahato. In fact no evidence has been led on behalf of the workmen that Maheshwar Pd. Mahato was wholly dependant on the earnings of deceased Kartik Mahato or that he was residing along with Kartik Mahato. In view of the above facts it is clear that although Maheshwar Pd. Mahato was the youngest brother of Kartik Mahato he was not residing with the deceased Kartik Mahato and was not a dependent on the earnings of deceased Kartik Mahato. As the workmen have not been able to establish that Maheshwar Pd. Mahato resided with the deceased Kartik Mahato and was wholly dependent on the earnings of late Kartik Mahato, I hold that Maheshwar Pd. Mahato does not fulfill requirement of clause 10.4.2 of NCWA-II so as to claim employment as dependent of late Kartik Mahato.

In the result, I hold that the demand of the Coalfield Labour Union that the dependent of Shri Kartik Mahato Watchman of Chasnalla Colliery Air Strip of M/s. IISCO, who died in the year 1980 should be given employment in the company in terms of para 10.4.2 of NCWA-II is not justified and as such Maheshwar Pd. Mahato is not entitled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. I-20012(32)|85-D-III(A)]  
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1986

का.प्र. 3374.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टील फैक्टरी, जबलपुर के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, नुब्रह में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रचरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19 September, 1986

S.O. 3374.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI V.S. YADAV, PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC (R) (20)|1986.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur and their workman Shri Mannilal S/o. Pancham Singh, Labourer C/o Shri S.K. Advocate, 8/73, Ratan Nagar, Madan Mahal, Jabalpur (M.P.)

#### APPEARANCES :

For Workman Shri S.K. Rao, Advocate.  
For Management Shri A.K. Chaube, Advocate.

INDUSTRY : Vehicle Factory DISTRICT : Jabalpur(M.P.)

#### AWARD

Dated : August 18, 1986

This is a reference made by the Central Government vide Notification No. L-14012 (20)|85-D, II(B) dated 24th January, 1986 for adjudication of the following dispute.—

"Whether the action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.) in terminating the services of Sri Mannilal S/o Pancham Singh, Labourer with effect from 15-10-84 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Facts in this case are not disputed. Undisputed facts are that the workman, Mannilal was appointed in Lab. B in Vehicle Factory, Jabalpur vide order dated 7-9-1983 with effect from 19-9-1983 and his services were terminated with effect from 15-10-1984. Thus he had continuously worked for more than a year with the management. He was neither give a notice nor paid in lieu of notice of one month.

3. The case of the workman further is that the termination order was punitive, mala fide, vindictive, arbitrary and illegal in contravention of provisions of Section 25F and 25H of the Industrial Disputes Act since it amounts to retrenchment within the meaning of Section 2 (00) of the I.D. Act.

4. The case of the management is that he was appointed on probation for a period of six months which may be extended if necessary and as per the terms of the appointment order services could be terminated without notice at any time. He was often found missing from place of his work unauthorisedly. He was given number of warnings but he did not improve. Therefore his services were terminated as per the terms of his service condition. As such there is no question of provision of Section 25F and 25H being contravened.

5. No doubt appointment order Ex. M/1 dated 7-9-1983 goes to show that he was appointed on probation of six months with a clause that his services could be terminated at any time during the probation period without any notice. However, vide Ex. M/2 dated 29-3-1984 his probationer period was extended for a further period of six months with effect from 18-3-1984. The case of the management is that he was unauthorisedly found absent from duty on 28-8-1984, 25-2-83, 28-2-1984 and 19-3-1984 and he was warned in writing respectively vide Ex. M/4 to Ex. M/6. He was also worked for unsatisfactorily performance vide Ex. M/7 dated 29-3-1984. So ultimately his services were terminated without notice with effect from 15-10-1984 as his services were no longer required vide Ex. M/8.

6. Question arises whether his services could have been terminated without complying with the provision of Sec. 25F of the I.D. Act. Section 25F of the I.D. Act, lays down that "no workman employed in industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer until the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment or the workman has been paid wages for the period of notice. "The proviso however does not apply to the facts of the present case. Admittedly the workman had worked for more than a year with the management. In any case during the period of 12 calendar months prior to his termination he had admittedly worked for more than 240 days. Therefore he will be deemed to have been in continuous service within the meaning of Section 25B of the I.D. Act.

7. As already pointed out the plea of the management is that he was on probation and as per terms of his appointment his services could have been terminated at any time without notice. Therefore Section 25F has no application. I am unable to agree. It is now well settled that discharge of a probationer amounts to retrenchment within the meaning of Section 2 (00) as has been laid down in the case of Management of Karnataka Road Transport Corporation, Bangalore Vs. M. Borlah (AIR 1983 SC 1320). The plea that his period of probation was extended for further six months is also of no avail to the management. Firstly for the reason that his services were terminated even after the



extended period of probation was over. Secondly termination during the extended period of probation amounts to retrenchment and Section 25F of the I.D. Act is attracted as has been laid down in AIR 1981 SC. 1253.

8. The fact that the workman was not doing his duty properly and his work was unsatisfactory is of no avail to the management at least for the purpose of termination. Though it may be relevant for the back wages. I, therefore, hold that the termination of the workman amounts to retrenchment and his termination without complying with the provision of S. 25F of the I.D. Act renders the termination void ab-initio.

9. As far as Sec. 25H is concerned there is no evidence on record that there were any person junior to the workman. Management has also taken up a plea that it is not an industry which is contrary to settled law in this regard. I, therefore, need not dwell upon it.

10. For the reasons discussed above workman Shri Mannilal is entitled to be reinstated with effect from the date of his termination i.e. 15-10-1984. As far as his back wages, I find that he unauthorisedly absented himself from duty and his work was not satisfactory. Therefore to my mind he is not entitled to back wages. Consequently I answer the reference as under :—

That the action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.) in termination the service of Shri Mannilal S/o. Pancham Singh, Labourer, with effect from 15-10-1984 is not justified. He is entitled to be reinstated with continuity of service with effect from 15-10-1984 but without any back wages and costs.

18-8-1986.

V. S. YADAV, Presiding Officer  
[No. L-14012/20/85-D. II (B)]

का.प्र. 3375.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मातपुर खाद्य निगम, लखनऊ के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, मातपुर के पंजाब को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th September, 1986

S.O. 3375.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, KANPUR

Reference No. L-42012/25/84/D-V. dt. 15-3-1985

I.D. No. 235 of 1985

In the matter of dispute

BETWEEN

Shri Daya Ram, C/o. Shri Laxman Dass, H. No. 29, Shastri Nagar, Kanpur (U.P.)

AND

The Senior Regional Manager Food Corporation of India 5/6, Habibullah Estate Hazratganj, Lucknow.

APPEARANCE :

Shri K. M. Lal Srivastava representative for the workman  
Shri R. R. Mansingh, representative for the Management

#### AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour. vide its Notification No. L-42012/25/84/D-V. dt. 15th March, 1985, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management in removing Shri Daya Ram, Dusting Operator, FSD Rampur under the District Manager, Haldwani, from service w.e.f. 10-1-83 and treating him as retired with effect from 30-6-82 on attaining the age of 58 years when he has not been member of GPF in Food Corporation of India and covered by GPF Pensionary rules at Deptt. of Food, Central Government are applicable in his case and without his attaining the age of 60 years as applicable to other employees of department of Food & Ministry of Food & Agriculture is justified? If not to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the workman is that he was a class IV employee of the department of food, Ministry of Food and Agriculture Government of India, New Delhi and his services were transferred to FCI w.e.f. 1-11-66. At the time of his transfer he was given option that he be given benefit of retirement and terminal benefits as admissible to the employees of the department of food and agriculture Govt. of India and wages may be payable as were given to the employee of the FCI. That this contract of employment included the age of retirement which is 60 years for class IV employee of the department of food, Ministry of Food & Agriculture. That thereafter the management never asked the workman to exercise his option regarding fixation of age retirement and he continued to be the member of GPF as admissible to the employees of Ministry of Food and Agriculture. The management wrongfully retired the workman w.e.f. 30-6-82 on completion of age 58 years which on protest and representation was withdrawn on 19-7-82 with immediate effect and the workman was paid in full for wrongful removal. In the office order of recall the employers specially stated that his age of retirement is 60 years and 58 years. The management again served the workman letter dt. 10-1-83 treating him as retired w.e.f. 30-6-82, termination is wrongful as the workman had not completed 60 years and was a member of GPF and Pensionary F of the Department of Food, Ministry of Food & Agriculture and was not a member of Contributory Provident Fund the FCI. It is also averred that the termination of the workman is illegal for want of retrenchment compensation.

3. The management contested the petition of the workman on the grounds that the workman was required to prove unconditional option in regards to the terms and conditions applicable to him. The workman gave a conditional option and consequently his option became meaningless and he was treated as corporation employee as per rules of the corporation employee of category IV, the workman was retired on completion of 58 years of age and it is wrong that in terms and conditions applicable to the Central Government Employees were to be applied to the workman. The workman was given an opportunity of exercising fresh option in 1977, when an option form was given to him, but the workman did not exercise his option, then on the basis of option exercise in the year 1974 he was treated as the employee of the corporation. The management however, admitted that due to oversight and mistake of the department the workman continued to be the member of GPF even after 1974, when he exercised the conditional option. It is averred that only those employees who had unconditionally opted for central government service conditions are being retired at the age of 60 years and other employees who opted for corporation service are as per corporation rules are retired at the completion of 58 years. The management has further admitted that the office order dt. 19-7-82 recalling order of termination passed in view of the fact that the option form pertaining to the workman was with the Zonal Office and when the same was received the workman was retired vide order dt. 10-1-83. The question of retrenchment compensation does not arise as he was rightly retired on completion of 58 years i.e. the age of superannuation.

4. From the above it emerges that the workman was employee of the Department of Food, Ministry of Food and

Agriculture and had come to this management i.e. F.C.I. on transfer having executed his option form as required under section 12-A of the FCI Act. Under this section the employees serving in the department of Central Government dealing with food and the central government ceases to perform any such function which function becomes functions of the corporation, the central government can transfer such employees of the corporation. It was however, required of such transferred employee to intimate the corporation within a specific time his intention was not becoming the employee of the corporation. The management has filed in the case of workman Shri Daya Ram a similar option form which was filled under his signatures on 4-12-79, the workman has admitted his signatures on the said option form per No. 1 filed by the management photo copy of which has been filed by them and a clear readable copy of the same has again filed by them. Out of two option, in the first part of the option, the workman opted the scale of pay applicable to the post under the corporation to which he was transferred and in the second part he opted for leave, P.F. retirement or other terminal benefits admissible to the employees of the Central Government in accordance with the rules. The rules and orders of the Central Government as amended from time to time. After exercise of these two options workman signed at the required place but below his signatures and in the space meant for the witness it is typed out as follows :

This without prejudice to him claim for commutation of pension and encashment of terminal benefits in respect of my government service at par with the benefits extended to the deputationists on absorption in the corporation.

The workman has denied that this typed matter was there when he signed the option form whereas the two witnesses mentioned on the option form namely Shri S. N. Dutt and Sri O. P. Kiyazuddin has appeared in the witness box. They testified that the typed portion at the end of the option form was there as there was no space above the column of signature for the workman. Shri Riyazuddin another witness on the option form has further averred that in the affidavit that the typed portion was explained to the workman in Hindi. In cross examination he stated that the option form was not filled in his present but Daya Ram signed before him and that he explained the contents of the option in Hindi and only then the workman signed. The workman has denied that this typed portion was not there when he submitted option form, even if the management is believed that it was here it is the matter to be considered to what effect this condition is. This may utmost to his right for commutation of pension and encashment of leave may not get hampered on account of this option. The workman was opting leave and terminal benefits to central government and was consequently entitled to commutation of pension and encashment of leave in his own right as government servant. Thus he wanted to remain at par with the benefits to be extended to the deputationists. All persons who had come from the government service to FCI and opted the benefits of the central government were in a way on deputationist though instead of deputation allowance they were entitled to pay scale of the post held by them under the corporation. As regards the last few words 'on absorption in the corporation' is slightly ambiguous only those employees coming from the government are entitled to be absorbed in the corporation who do not claim any of the past benefits of the central government in the option and those who opt they are not entitled to be absorbed in the corporation. This last few words on absorption in the corporation appears to be disjointed and not carrying any purposeful meaning. It may be mentioned here that probably on this count the management considering that the workman there on continuous to be entitled to benefits of government service was allowed to his provident fund and was taken in CPF scheme applicable to corporation employees. In KCP Employees Association Madras Versus KCP Management AIR 1978 SC page 474 wherein it was observed that in industrial law interpreted and applied the perspective of para IV in the Constitution the benefit of reasonable doubt on facts and law must go to the labour. In that ruling it was quoted :

There is no surer way to mislead a document than to read it literally.

This addition to the typed matter in the option form was to strengthen and to clarify his stand that he wanted to avail of benefits applicable to the government service or deputationists and the word on absorption in corporation is

disjointed meaning less portion and utmost may meanwhile working in the corporation as no other interpretation is possible and in no way it could be called unconditional option. It appears that in order to obviate to all this difficulties the persons working in the corporation were required to give fresh option form in the year 1977 in clear and unequivocal term by issuing a circular dated of 1977, and in pursuance of amendment of section 12-A of the FCI Act in terms of its sub section 4-A fresh opportunity was given effect to the transferee employees to exercise their option a fresh. Under the amended provision it was provided thus; all concerning employees in respect of whom final order of transfer to FCI have been made will exercise the option a fresh within a period of six months from the date of the ordinance irrespective whether they had or not exercise option earlier. The said option was to be given within six months from 30-6-77, the date of the ordinance. JME in the head office and Zonal Manager were required to obtain revised option forms in triplicate and said option form were to be sent to all transferred employee by name and it was to be ensured that the same are received back duly filled in. It was further mentioned in class 2(x) as follows; all the transferee employees may be explicitly informed that the option exercised should be given in the prescribed proform and should not be made conditional as otherwise the same shall be held invalid and they shall be deemed to have not exercised any option and such employees shall be governed by rules of the corporation, the employees who do not exercise their option shall be treated by rules of the corporation.

The management has filed photo copy of the endorsement regarding receipt of the option forms by the FSD Rampur which shows that option forms were received for the particular employees named therein. Ram Charan's name appears in the list of Bijnaur as well as in the list of Ram pur and the name of the workman appears in the list of Chandausi. It is not clear as to who received forms for the workman Daya Ram working in Depot Chandausi. The workman has filed paper No. 5 showing that the forms were given to Rampur Incharge for distribution amongst the workers who did distribute them to 22 persons and in token of having distributed obtained the signature on it. Thus 22 persons which are the same whose names are mentioned in the list of Rampur filed by the management. The management has failed to substantiate that the point that a similar form was distributed to the workman for filling the same. In these circumstances I have no option but to believe the workman that no second option form was given to him for being filled in the year 1977 and hence there is no question of treating to be governed by rules of corporation as one who had not exercised option within the stipulated period from 30-6-77. The only option form is one filed by the management, in which case I have observed that the typed addition even is not conditional.

In these circumstances and for the reasons discussed above even believing the management witnesses that Daya Ram did signed the option form when the typed portion was there and which was explained to him which is neither ambiguous nor contradictory and he having opted for Central Govt. retirement benefits leave and provident fund was entitled to be retired at the age of 60 years as is clear from the rule 22 of FCI staff Regulation 1971 which clearly lays down that all those who have opted for Central Retirement Benefits under Sec. 12A(a) shall retired on completion of 60 years of age, thus the workman should not have been retired on 30-6-82 but should have been retired on 30-6-84 on attaining the age of 60 years.

I consequently give my award holding that the action of the management in removing workman was not justified. The result is that he should have been retired on 30-6-84 as the workman has attained the age of superannuation even at the age of 60 years he will be entitled to benefits payable between 10-1-1983, the date treating him as retired to 30-6-84, there being no question of reinstatement.

I, therefore, give my award accordingly.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-42012/25/84-D.II(B)]D.V.]

का.मा. 3376.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-9-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 3376.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd September, 1986.

#### ANNEXURE

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, BSc. BL PRESIDING  
OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU  
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Friday, the 22nd day of August, 1986

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 59 OF 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Food Corporation of India, Madras-72).

#### BETWEEN

Thiru Adaikkan,  
208, MTH Road, Pattabiram,  
Madras-600072.

#### AND

The Senior Regional Manager,  
Food Corporation of India,  
5/54, Greaves Road, Madras-600072.

Reference: Order No. L-42012(37)/83-DII(B) DIV.B/DV, dated 3-4-1984 of the Ministry of Labour and Rehabilitation Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal upon perusing the reference, claim and other concerned documents on record and upon hearing of Thiruvallargal S. Kanagasabai and K. Paramarap, Advocates appearing for the workman and the Management being absent, this Tribunal passed the following.

#### AWARD

This dispute between the workman Thiru Adaikkan and the Management of Food Corporation of India, Madras-72 arising out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-42012(37) 83-DII(B) DIV.B/DV, dated 3-4-1984 of the Ministry of Labour and Rehabilitation for adjudication of the following issue:

"Whether the action of the management of the Food Corporation of India, Madras in terminating the services of Shri Adaikkan, NMR workman at their Avadi Depot, Madras (Construction and Maintenance) w.e.f. 28-9-76 and not absorbing him as messenger (Depot) on regular basis along with his juniors w.e.f. 22-3-1979 is justified? If not, to what relief he is entitled to."

(2) Parties were served with summons.

(3) The Petitioner-workman Thiru Adaikkan filed his claim statement on 14-5-1986 putting forth his claim.

(4) Today, when the dispute was called, the Petitioner was present and represented by counsel. The Respondent Management was absent and not represented and set ex parte. Counter statement was also not filed by the Respondent-Management. The Petitioner was examined as MW1.

(5) An award is passed holding the termination of the Petitioner as illegal and directing his reinstatement with wages, continuity of service and other attendant benefits. No costs.

Dated this 22nd day of August, 1986.

THIRU FYZEE MAHMOOD, Presiding Officer  
HARI SINGH, Desk Officer  
[No. L-42012'37'83-D.II(B)]